

স্বনিবার মঙ্গলী ১।৫২ জ্যোতির্মানক ৩০।৪২ গুরুকরণ ১।৫২ গাতি

ବିନିମୟକରଣ ୧୬।୧୧ ଗାତ ବିକ୍ରିକରଣ ଦେଖାଦିଆଯାଏ ୧୫।୧୨ ଆମାତ୍ୟାଗ

বীজাণু'র প্রতিটি স্ফটিকের আকার ০.৫২ মাইক্রন।

দেবী জয় রশ্মিকরণি দেবীরিগণ বিপ্রবর্ণ শ্রিতবদনা ৩০৫২ গ

[illegible]

— १५४ —

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

২৮ আশ্বিন বৈ ১২ অঃগক্ট বৃঃ ১ শকর ইং ৫। ৩৩ গ, ভূ, ৩। ২ ৭ গ, অ

ବିବିଧାର ଏକାମୀ ୧୦୭୫ ମୂଳ ନକସା ୩୬୧୦ ବିସ୍ତୀରଣ ୧୩୦୫

ଗାନ୍ଧୀ ଉପକରଣ ବିକ୍ରୟ ବିଭାଗ ୫୯/୧୨ ନକଲ୍‌ଗିତାଧାରୀ ୭୭/୧୦ ବାଧ୍ୟ

মাজাউল পাশ্চিমে অধিকোণ মাতি ২৩৩৪ ম. অধিকোণ মত

[illegible]

ସମସ୍ତେ ନାମୁଁ ଉପାସନା କରନ୍ତୁ । ନାମୁଁ ଉପାସନା କରନ୍ତୁ । ନାମୁଁ ଉପାସନା କରନ୍ତୁ । ନାମୁଁ ଉପାସନା କରନ୍ତୁ । ନାମୁଁ ଉପାସନା କରନ୍ତୁ ।

গঠন জাতি হইয়াছে। সেখানেই যেখানে জাতিগত লক্ষণগুলি উদ্ভূত হয়, সেখানেই জাতিগত লক্ষণগুলি উদ্ভূত হয়।

গণ-স্বহস্পতি-রসনা-মূর্তে-শিখি, ১৩৩৪ম, ৩১শিখি, ৩১শিখি, ৩১শিখি, ৩১শিখি

গ, বৈশাখ, বার, ১। জ্যৈষ্ঠ, ১। প্র। শ্রীকৃষ্ণের স্থানান্তর। দান, এক। সপ্ত

২৬ জীবন ইং ৩৬ আর্থিক ১০ শঙ্কর ৪০ ২১৩৪ গ, উ, ৩২৬ গ, আ

ମୋକ୍ଷଦାତା ପ୍ରାଣୀ ୧୫ ଓ ମୂର୍ଖତାପ୍ରାଣୀ ୫୩୩୫ ବାବଦ ନକଲ

[illegible][illegible][illegible]

ଜାମିନ ଓ ସଂପତ୍ତି ମାଲିକ ୨୦୧୫-୧୬ ଶି, ୨୦୧୬-୧୭ ବର୍ଷର ୧୨ ଲକ୍ଷ, ୩, ୩

১৯১২ খ্রিস্টাব্দে রূম নিখুঁতভাবে পুণ্ডিতবৃক্কযোগী বিবাহ করে যন্ত্রাশি

ਸੰਦੇਸ਼ ਸਾਹਿਤਕਾਰਾਂ ਦੀ ਸੇਵਾ ਵਿਭਾਗ ੫੭੩੩੫ ਸਾਹਿਤ ਸਕਰਕਾਰੀ ਸ਼੍ਰੇਣੀ

১৮৮৫ সালখা মৃত্যুতে পিতা, ৪২২৪ নং, বিপাক, টেকতে যোগিনী ১৮৮৫

গাভীৰ্ণ্য বহিঃস্থ, গ ৪৪, ৬ ৩ ৫ গ, ৪৪, ১ জাতি, মণি,

७. आ. वि. सं. १० कायदा नं. ११ अनुसार सं. ५३४ दिनांक २६.९.७८

১০. আ. বি. নং ১৪/১৯৮৩ খ্রিঃ ১১ নং অধ্যাদেশের অধীনে প্রণীত।

মঙ্গলবার ১৫ই জুন ১৩৫৭ উত্তরাবাহিনীতে ১৫৭ ভোক্তা

अथवा नाशः २२१४ मिहनाग राजानादि नकलाम्ब २७६ ग,

ବିଜ୍ଞାନମାଧ୍ୟମରେ ଯକ୍ଷମାନଙ୍କ ନିରାଶୟ ହେବାକୁ ବୁଝାଇ ଦିଆଯାଇଛି ।

ସମ୍ପାଦକ ୧୨ମାସା ମୁଦ୍ରା ବିକାଶମଣ୍ଡଳ ପାଟଣା, ନବିମୁକା, ପୋ, ୨୦୩୭

মিতে পাঁচবে বারবেল। ৪ নং গতে ৪ ৩৩ ও ২৪ প্রহর গাই যও।

जयसिंहजीर आकाशिके चपुर्कजीर मणिपुत्र ।

此乃一極端之論，其意謂：凡屬社會主義者，皆應以暴力為唯一之救濟方法。然則，社會主義之真諦，豈在暴力乎？抑在和平乎？

३१ अश्विन वर ३५ आर्गुन वर ३२ मकर वर ४७६ नै, उ, डा, डे, गी, ज,

বুধবার চতুর্দশী ২৮।১০ অধিলাদিত্য ৫৫৬৬ বঙ্গাব্দ ১২৮।১০

কিন্তু বিচ্ছিন্নকরণ সৌভাগ্যবশত ৩৩২ হাতানিষ্ঠা সফলভাবেই

১৯৭১ সালে যখন বাংলাদেশ স্বাধীন হয়, তখন বাংলাদেশের জনসংখ্যা ৬০ মিলিয়ন ছিল।

১৪ নং ব্লক-৩ প্রাঙ্গণে। প্রতিমার নিৰ্মিতাক্ষর মৌলভানা হি।

বিক্রপ। সংকল্পিত প্রকৃতি। বিসংকল্পে নিবোধিত। পৃথক চর-

[illegible][illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

১০ শ্রীমদ্বিষ্ণুসংহিতায়াং অষ্টাদশোধ্যায়ঃ অষ্টাদশোধ্যায়ঃ অষ্টাদশোধ্যায়ঃ

ভাষ্য দ্বারেন বিষ্ণুশক্তি সংক্রান্তির সকার গণনা

মন্তকে ১৯২০ কলং দ্ব্যধুনা ।

মুখে ২২ কলং ভোগ ।

মুক্খিকার ২২ ১২ ২৫ ২৬
কলং ভোগ ।

কলং ১০ ১১ ১২ ১৩ ১৪
কলং লাভ ।

মুক্খিকার ২৭ ১১ ২
কলং লাভ ।



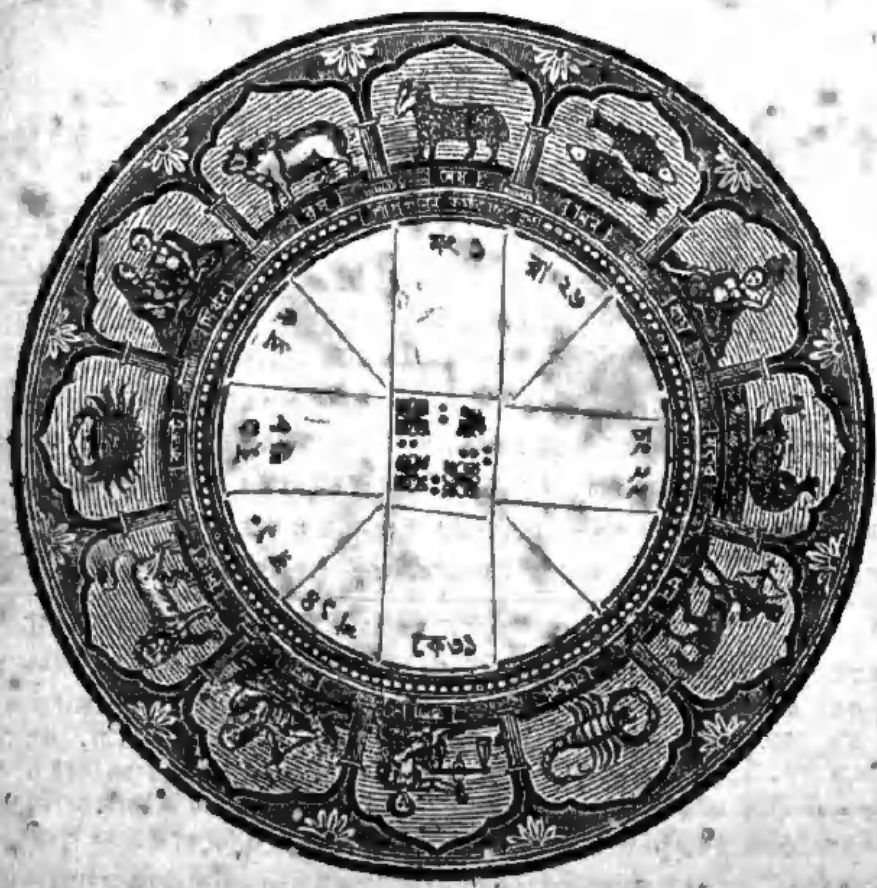
মেঘে ১০ ১৩ ১৭ ১৮
কলং ভোগ ।

বাস করে ১৭ ১৮ ১৯
কলং বহুভুজ ।

শ্রীমদ্বিষ্ণু ২১ কলং
কলং ভোগ ।

বাস পায়ে ৩ ৪ ৫
কলং লাভ ।

মন্তকে অষ্টাদশোধ্যায়ঃ অষ্টাদশোধ্যায়ঃ অষ্টাদশোধ্যায়ঃ
এবং বিষ্ণুশক্তি সংক্রান্তির সকার গণনা



| | | | | |
|----------------------------------|----------|-------------|-----------|-------------------|
| জাতি কল | ৩৬১৫ | ধবি সিংহ | রাশিতে ১০ | মহানকজে। |
| বিষ্ণুপদী, সংক্রান্তি, পুর্কার্জ | | চন্দ্র মল্ল | রাশিতে ২২ | জাবধানকজে। |
| রাশি সংক্রান্তে নিবাস্তরাজি | | মঙ্গল মেঘ | রাশিতে ১ | অধিনীনকজে। |
| দিনমান | ৩২১৬ | বুধ ককট | রাশিতে ৯ | অঙ্গবানকজে। |
| শকাব্দ: | ১৮১৬ | শুক্ৰ মিতুন | রাশিতে ৬ | আর্জামকজে। |
| সম্বৎ | ১৯৫১ | শুক্ৰ ককট | রাশিতে ৮ | পুণ্যানকজে। |
| মন | ১৩০১ | শনি কক্কা | রাশিতে ১৪ | চিহ্নানকজে। |
| ইংরাজী | ১৮২৪ | রাহু মীন | রাশিতে ২৬ | উত্তরভাগ্রপদনকজে। |
| অরুণাংশাদি | ২০৫৫১৮১০ | কেতু কক্কা | রাশিতে ১৩ | হস্তানকজে। |

লিখা ৩২/৩
 ৫ ২৩ ৫
 ১৫ ৬০ ৫৫
 ৩২ ০ ৪৪
 ৪৯ ৮ ১
 শালক: কুজ:
 মকরেন্দ্র
 ২৮/১০/৩০ গা,
 কুজরেন্দ্র

১ ভাদ্র ৫৭ ১৬ আগষ্ট ২৭ ১৩ শফর ৫৭৫৫ গ, উ, ৬২৫ গ, অ,
 বৃহস্পতিবার পূর্ণিমা ৩২৪৯ মনিমানসজ ৬৩০ বিজিকরণ ৩১
 ২৯৩০ গ, ববকরণ শোভনযোগ ৫৪৪৪ যাত্রানান্তি অগস্ত্যনক্ষ
 ত্রয়ে মকররাশি দেবারিগণ পূজবর্ণ রাজহরদশা ২৮১১৩০ গ, হুত
 রাশি বৈশাখবর্ণ বাবুকোণে বো, ৩২৪৯ গ, পূর্বে বার, শেষ ১ প্র, ।
 আবদীরাজ জাফর নিতাং হিন্দু জাবগ হুদি পৌর্ণমাসী মানমানানি
 রাখী পৌর্ণমাসী বখা বহনং পূর্ণিমার ব্রত ও উপবাস সারং
 সফলান্তি ।

| | | |
|----|----|----|
| ৬ | ২৪ | ১৫ |
| ১৬ | ১ | ৫৫ |
| ৩৭ | ১১ | ১০ |
| ৫ | ২ | ২ |

২ ভান্ডার বৈঃ ১৭ আগস্ট মুঃ ১৪ শফর বৈঃ ৫২:৩৬ গ, উ, ৬২:৪৪ গ, জ,
শুক্লাবার প্রতিপদ ৩৭:৫ মনিষ্ঠানকর ১১:১১-বালবকরণ অতি-
গুরুযোগ ৫৫:১০-সিদ্ধিযোগ ৩৭:৫ মধো যাত্রাবধ্যম পূর্ণের পক্ষিৎসে
নুত্তি পরে পূর্বে দোষ মর্জ্যমান বাবকরণ নৌকাগঠন বাণিজ্যকরণ
পুণ্যাহ উষধকরণ সগদান এ গ্রহণ জন্মে কুন্তরাশি দেবাভিগণ
বৈশ্ববর্গ রাত্রিকাল ৩০:৫ গ, মুতে শানদোষ পূর্ণের যোগিনী ৩৭:৫
গ, উত্তর বার ১ প্রহর গ, ১ প্রহর। হিম্মি ভান্ডার বদি আরম্ভ।

| | | |
|------------|------|----|
| ମିସା | ୩୧୫୦ | |
| ୨ | ୫୫ | ୨ |
| ୧୨ | ୬ | ୫୫ |
| ୩୨ | ୧୬ | ୫୫ |
| ୪୨ | ୫ | ୩ |
| କୁଣ୍ଡଳରୂପ | | |
| ୫୫୫୫୫୫୫୫ | | |
| ସାମାନ୍ୟରୂପ | | |

৩৩২ ইং ১৮ আগস্ট দুঃ ১৫ শফর ইং ১৩৩৬ গ, উ, ৬২৪ গ, জ,
শনিবার দ্বিতীয়া ৩৯৮৮ শততিবানকর ৬১৬ ত্রিভিলকরণ
সুক্রম্যোগের ৪৫বারিমান্তি পুর্বিসোব ৩৮৩৮গ,মধ্য পূর্বে অগ্নি
নাতি কয়ে কুন্তলাশি দেবারিগণ বৈশ্বাবর্ষ ৬১৬ গ মধ্য
গন ৫৩৬২৫ গ, দ্বিতীয়াশি বিজ্ঞবর্ষ ৬১৬ গ বা মুতে দ্বিগাদসোব
পরে পূর্বসোব ৩৯৮৮ গ, দ্বিগাদসোব উত্তরে বোগিনী ৩৯৮৮ গ
অগ্নিকোণে বারবোলা আদ্যক ৪ মধ্য ২২ জ্বর গতে ৪ মধ্য।

दिवा ७५००
 १ २५ ८
 १८ १० ५
 ४३. ७ २
 २७ . ५
 ४१०४ ५२२/४
 श्रीमन्मन्त्र

[illegible]

| | |
|--|--|
| <div> <div>১২</div> <div>৩১৫০</div> <div>২ ২৬ ১</div> <div>১০ ১২ ৫১</div> <div>৪১ ৫১ ২</div> <div>৫১ ১ ৫</div> <div>মৌনরচনা</div> </div> | <div>৫ ভাত্র ইং ২০ আগষ্ট মূং ১৭ শফর ইং ৫১৩৭ গ, উ, ৬১৩৭ গ, অ, সোমবার চতুর্থী ৪১৫১ উত্তরভাত্রপূর্ণমাঙ্গ ১২৫১ বৈশ্বকরণ শূলযোগ ৫১২ নক্ষত্রাত্মযোগী যাত্রাশুভ পূর্ণেনৈমন্তে নাস্তি ১২৫১ গতে বিজ্ঞানোষ ৪১৫২ গ, তিথ্যমৃতযোগ যাত্রাশুভ পূর্ণে দক্ষিণে নাস্তি জন্মে মানরাশি নরগণ বিগ্রহণ শুক্রেরদশা ১২৫১ গ, দেবগণ নৈমন্তে যোগিনী ৪১৫১ গতে দক্ষিণে বার, ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড ও ৩ অ,গ, ৪ দণ্ড। রাতি ১৫৮ পক্ষ পর্যন্ত দল্লদর্শন নিবেশ</div> |
| <div> <div>৩১৫০</div> <div>৩ ২৭ ১০</div> <div>২০ ১৪ ৪৭</div> <div>৪১ ২১ ৪৪</div> <div>২ ৩ ৫</div> <div>মৌনরচনা</div> <div>১৪২১ গতে</div> <div>মেঘরচনা</div> </div> | <div>৬ ভাত্র ইং ২১ আগষ্ট মূং ১৮ শফর ইং ৫১৩৮ গ, উ, ৬১২২ গ, অ, মঙ্গলবার পঞ্চমী ৪১২ রেবতীনক্ষত্র ১৪১২ কৌণবকরণ গণ-যোগ ৪৭৪৪ নক্ষত্রাত্মযোগ যাত্রাশুভ উত্তরে দক্ষিণে নাস্তি পত্রে শুভ পূর্ণে নাস্তি ১৪১২ গ, শুভ ৪১২ গ, পাণ্যযোগ জন্মে মৌন-রাশি দেবগণ বিগ্রহণ শুক্রেরদশা ১৪২১ গতে মেঘরাশি বৈশ্বকরণ হতে পাদমোষ দক্ষিণে যোগিনী ৪১২ গতে পশ্চিমে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ২১ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।</div> |
| <div> <div>৩১৪৭</div> <div>৪ ১ ১১</div> <div>২১ ১৪ ৪০</div> <div>৩৯ ৩৯ ২৪</div> <div>২ ৫ ৭</div> <div>১৩০৮ দ২৯৪০</div> <div>বৃ সিংহ</div> <div>মং ৪৭৪৮</div> <div>মেঘরচনা</div> </div> | <div>৭ ভাত্র ইং ২২ আগষ্ট মূং ১৯ শফর ইং ৫১৩৯ গ, উ, ৬১২১ গ, অ, বুধবার ষষ্ঠী ৩১২ অশ্বিনীনক্ষত্র ১৪১৩ গরকরণ ১৪১২ গতে বিষ্টিকরণ রাক্ষযোগ ৪০২৪ তিথ্যমৃতযোগ ৩১২ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রানাস্তি বিষমোষ নামকরণ নববস্ত্রপরিধান নৌকাচালন নৌকা-যাত্রা বাণিজ্যকরণ পুণ্যাহ রাজদর্শন ঔষধকরণ ঔষধসেবন খণ-দান ও গ্রহণ জন্মে মেঘরাশি দেবগণ বৈশ্বকরণ শুক্রেরদশা ১৪১৩ গ নরগণ ৩১২ গতে হতে পাদমোষ পশ্চিমে যোগিনী ৩১২ গতে বাহুকোণে বারবেলা ১ প্রহর গতে ৪ দণ্ড ও ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড</div> |
| <div> <div>৩১৪৫</div> <div>৫ ২ ১২</div> <div>২২ ১৩ ৩৮</div> <div>৩৫ ৪৮ ১২</div> <div>৪৫ ০ ৮</div> <div>মেঘরচনা</div> <div>২৮১২০১০ গ,</div> <div>মেঘরচনা</div> </div> | <div>৮ ভাত্র ইং ২৩ আগষ্ট মূং ২০ শফর ইং ৫১৪০ গ, উ, ৬১২১ গ, অ, বৃহস্পতিবার সপ্তমী ৩৫১৫ ভরগীনক্ষত্র ১০৪৮ বিষ্টিকরণ ৭১৮১০ গতে বৈকরণ ক্রবযোগ ৩৮১২১ যাত্রানাস্তি নক্ষত্রাদায জন্মে মেঘরাশি নরগণ বৈশ্বকরণ শুক্রেরদশা ১০৪৮ গতে দেবারি গণ রবিদশা ২৮ ২০১০ গতে রবিরাশি শূদ্রবর্ণ ১০৪৮ মমে হতে পাদমোষ পরে ত্রিপাদমোষ ৩৫১৫ গতে পাদমোষ বাহুকোণে যোগিনী ৩৫১৫ গতে দিশানে বারবেলা শেষ ১ প্রহর।</div> |
| <div> <div>৩১৪২</div> <div>৬ ৩ ১৩</div> <div>২৩ ১১ ৩২</div> <div>৪১ ৫৮ ১৪</div> <div>৫২ ২ ১</div> <div>মেঘরচনা</div> </div> | <div>৯ ভাত্র ইং ২৪ আগষ্ট মূং ২১ শফর ইং ৫১৪০ গ, উ, ৬১২০ গ, অ, শুক্রবার অষ্টমী ৩১৫২ কৃত্তিকানক্ষত্র ১১৫৮ বাসবকরণ বা-ঘাতযোগ ৩২১৪ যাত্রানাস্তি নক্ষত্র এবং অষ্টমীমোষ ৩১৫২ গতে তিথ্যমৃতযোগ যাত্রাযথায় পূর্ণে পশ্চিমে নাস্তি জন্মে রবিরাশি দে-বারিগণ শূদ্রবর্ণ ৩১৫৮ গতে নরগণ ১১৫৮ মমে হতে ত্রিপাদ-মোষ দিশানে যোগিনী ৩১৫২ গতে পূর্বে বারবেলা ১ প্রহর হতে ১ প্রহর।</div> |

কল্যাণীয়াসংগ্রহঃ ১৮১৬ সন ১০০১ ইংরাজী ১৮৯৯ গণিতাবলি ১ম পৃষ্ঠা নিম্নে স্বাক্ষর দাদ।

১৪ পৰ্য্যায়, ১৮-৯ মন ১০০১ হৈ আৰু ১৮২৪ চনৰ ভাৰতীয় হিন্দী ভাষাৰ আদি।

নিৰ্বা ৩১/২২
৫ ১০ ২০
৩০ ৪৬ ৪০
৫১ ১০ ৫৪
৫৫ ৫২ ১৫
১১১৮৪০৫২
সিংহৰচন্দ্ৰ

১৫ ভাৰত ইং ৩০ আগষ্ট মূঃ ২৭ শফর ইং ১৪৪৪ গ উ ৬১৬ গ আ
বৃহস্পতিৰ অধিবাস ৫১/৫৫ মধ্যমীয়া ৪৬/১০ চতুৰ্দশবৰণ
শিবযোগ ৪০/৫৪ বাজানান্তি পঞ্চমীয়া ৫১/৫৫ গ
অধিবাসযোগে জাগে সিংহৰাজি দেবাবিগল কজিৰবৰ বৃহৎ২৮শা
৪৬/১০ গতে মধ্যমীয়া উপাধি ৫১/৫৫গতে পূৰ্বে বাৰবেলা
শেষ ১ অহর। অধিবাসৰ পৰা এৰং উপবাস নিশি মাং মধ্যমীয়া
কৌশল্য বৃহৎ২৮শা উপাধি বাৰবাসতঃ।

নিৰ্বা ৩১/১৯
৬ ১১ ২১
১ ৪৬ ৩৪
৪৬ ৩ ৪
৫০ কিং ১৬
সিংহৰচন্দ্ৰ
৫১২৫১৪৫ গ
কজিৰচন্দ্ৰ

১৬ ভাৰত ইং ৩১ আগষ্ট মূঃ ২৮ শফর ইং ১৪৪৪ গ উ ৬১৬ গ আ
শুক্ৰবার অতিপদ ৪৬ ৫০ পূৰ্বেকলুণীকৰ ৪০/১০ কিলুণকৰণ
সিদ্ধযোগ ৩৪/৪৬ সিদ্ধিযোগ এৰং নক্ষত্রমৃতযোগ বাজানান্তি বিব-
দোষ গভীৰান সাধককণজাগে সিংহৰাজি মধ্যমীয়া কজিৰবৰ বৃহৎ২৮শা
৫১/২৫১৪৫ গতে কজিৰাজি শূক্ৰবৰ ৪০/১০ গতে মৃত্তে দ্বিপাদ,
৪৬/৫০ গতে জিগাৰ পূৰ্বে যোগিনী ৪৬/৫০ গতে উত্তরে বাৰবেলা
১ অহর গতে ১ অহর। চান্দ ভাৰত হিন্দী ভাষাৰ মূঃ ৩১৬

নিৰ্বা ৩১/১৬
৭ ১২ ২২
২ ৪০ ২৭
৪২ ৩৪ ৪০
৩৪ ২ ১৭
১১১৮৪০৫২
কজিৰচন্দ্ৰ

১৭ ভাৰত ইং ১ সেপ্টেম্বর মূঃ ২৯ শফর ইং ১৪৪৫ গ, উ ৬১৬ গ, অ
শনিবার বিতীয়া ৪২/৩৪ উত্তরকলুণীকৰ ৪০/১০ বাৰবকৰণ
সাধ্যযোগ ২৭/৪০ বাজানান্তি নক্ষত্রমধ্য ৪০/১০ গতে শুভ পূৰ্বে
উত্তরে নান্তি ৪২/৩৪ গতে উত্তরে অগ্নিকোণে নান্তি জাগে কজা
ৰাজি মধ্যমীয়া শূক্ৰবৰ বৃহৎ২৮শা ৪০/১০ গতে দেবগণ বৃহৎ২৮শা
৪০/১০ মধ্যমীয়া মৃত্তে পূৰ্ণমোৰ পরে ৪২/৩৪ মধ্যমীয়া দ্বিপাদ পরে পাক,
উত্তরে যোগিনী ৪২/৩৪ গতে অগ্নিকোণে বাৰবেলা আশা ৪ ৪০
আৰ ২১ অহর গতে ৪ ৪০।

নিৰ্বা ৩১/১৩
১ ১৩ ২০
৩ ৩৯ ২২
৩০ ১ ৭
১১ ৪ ১৮
কজিৰচন্দ্ৰ

১৮ ভাৰত ইং ২ সেপ্টেম্বর মূঃ ১৪বিহল আ, ইং ১৪৪৬ গ, উ ৬১৬ গ, অ
রবিবার তৃতীয়া ৩১/১১ হস্তানক ৩১/১১ তিথিলকৰণ শুভায়াগ
১২/৭ নক্ষত্রমৃতযোগ বাজানান্তি উত্তরে পশ্চিমে অগ্নিকোণে নান্তি
৩১/১১ গতে বিজ্ঞানোষ গভীৰান পঞ্চমীয়া মধ্যমীয়া জাগে কজা
ৰাজি দেবগণ শূক্ৰবৰ বৃহৎ২৮শা ৩১/১১ গতে দেবাবিগল মৃত্তে পাক
যোগ অগ্নিকোণে যোগিনী ৩১/১১ গতে মৈত্রেয় বাৰবেলা ১১ অ,
গতে ১ অহর। হস্তাৰ আনদানান্তি।

নিৰ্বা ৩১/১০
২ ১৪ ২৪
৪ ৩৮ ১৭
৩৬ ২৭ ১৮
৪২ ৬ ১২
কজিৰচন্দ্ৰ
১১৮ গতে
তুলাচন্দ্ৰ

১৯ ভাৰত ইং ৩ সেপ্টেম্বর মূঃ ১৫বিহল আ, ইং ১৪৪৬ গ, উ ৬১৬ গ, অ
সোমবার চতুৰ্থী ৩১/১০ চিত্তানক ৩১/১০ বণিককৰণ ৮০
গতে বিজ্ঞানকৰণ ৩১/১০ গতে বৃহৎ২৮শা শুভযোগ ১০/৮ বাজানান্তি
বিজ্ঞানোষ ৩১/১০ গতে তিথ্যমৃতযোগ বাজানান্তি পূৰ্বে পশ্চিমে
নান্তি জাগে কজিৰাজি দেবাবিগল শূক্ৰবৰ বৃহৎ২৮শা ৮/৪৬ গতে
কজিৰাজি কজিৰবৰ ৩১/১০ গতে দেবগণ মৈত্রেয় যোগিনী ৩১/১০
গতে পশ্চিমে বাৰবেলা ৪৪০ গতে ৪ ৪০ ৩০ অহর গতে ৪ ৪০
ভাৰত ইং ৪০ পালকৰণ মৰ্যচন্দ্ৰ চতুৰ্দশবৰণ নিষেধ।

আবুজ পানক-ভাৰত, সিংহৰাজি ও বাৰবাসৰ বহনতঃ নিৰ্বাৰণৰ মৰ্যচন্দ্ৰ ১১/১৮

দিবা ৩০।৪৩
৭ ১৯ ২
৯ ৫৩ ৭
৪৩ ৪৮ ৩৪
৪৫ ১ ২৪
৪১১৫/৪৪০১
বৃকভারি
মকরচন্দ্র

২৪ তাজ ইং ৮ সেপ্টেম্বর মূঃ ৭৪বিয়লআ ইং৫৪১৯গ, উ ৩১১গ, অ
শনিবার মদনীর ৪৩৪৫মুগালিমানকত্র ৫৮১৮ বালবকরণ জীতি
যোগ ৭৩৪২ সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি পূর্বো বালি ৪৩৪৫ মাকৈ গালি-
যোগ এবং মক্কাদোষ জন্মে ধনুবাশি দেবারিগণ ক্ষত্রিবর্ণ শনির
মশা ৫০৪৮ গতে মরগণ রহস্যতিরমশা মুতে পাদদোষ পূর্বো যো-
৪৩৪৫ গতে উত্তরো বারবেলা আদন্ত ৪মণ্ড ও ২৪ প্র, গ, ৪মণ্ড ।
তালনবনী জন্তঃ । ৪৩৪৫ গতে মহাদম্ভ ।

দিবা ৩০।৪৯
১ ২০ ৩
১০ ৫৯ ৮
৫৮ ৫৪ ১২
১৮ ৪ ২৫
ম বক্রী
মকরচন্দ্র

২৫ তাজ ইং ৯ সেপ্টেম্বর মূঃ ৮ বিয়লআ ইং৫৪১০গ, উ ৩১০গ, অ,
রবিবার মদনীর ৪৮১৮ পূর্বোযাত্রানকত্র ৫৯৫৪ তৈতিলকরণ
আমুখানযোগ ৮১২ তিষ্মমৃতযোগ যাত্রানান্তি মক্কাদোষ ৪৮১৮
গতে পাণযোগ জন্মে ধনুবাশি মরগণ ক্ষত্রিবর্ণ রহস্যতিরমশা
মুতে পাদদোষ ৫৯৬৪ গতে ত্রিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী ৪৮১৮
গতে অগ্নি, বারবেলা ১৪ প্র, গ, ১ প্রহর । ৪৮ ১৯ পূর্বান্ত মহাদম্ভ ।

দিবা ৩০।৪৬
২ ২১ ৪
১১ ৬০ ৯
৫৩ ০ ২২
২৩ ৬ ২৬
মকরচন্দ্র
১৬।৩১ গতে
মকরচন্দ্র

২৬ তাজ ইং ১০ সেপ্টেম্বর মূঃ ৯ বিয়লআ ইং৫৪১১গ, উ ৩১১গ, অ,
সোমবার একাদশী ৫৩২৩ উত্তরোযাত্রানকত্র ৬০১০ বশিষ্ঠকরণ
২০৫০৩০ গতে বিজিকরণ ৫৩২৩ গতে ববকরণ সৌভাগ্যযোগ
৬২২ যাত্রানান্তি মক্কাদোষ নামকরণ নিজামণ দেবতাগঠন পুণ্যজ
রাজদর্শন প্রহণুজ স্বত্বারন জন্মে ধনুবাশি মরগণ ক্ষত্রিবর্ণ রহ-
স্যতিরমশা ১৬৩১ গতে মকররাশি শূভবর্ণ মুতে দিপাদ, ৫৩২৩
গতে ত্রিপাদদোষ অগ্নিকোণে যোগিনী ৫৩২৩ নৈমন্তে বারবেলা
৪ মণ্ড গতে ৪ মণ্ড ও ৩ প্রহর গ, ৪ মণ্ড । পার্শ্ব একাদশীর উপবাস

দিবা ৩০।৪৩
৩ ২১ ৫
১২ ৬ ১০
৫৮ ২২ ৫৪
৩০ ১ ২৭
মকরচন্দ্র

২৭ তাজ ইং ১১ সেপ্টেম্বর মূঃ ১১বিয়লআ ইং৫৪১১ গ উ ৩১১গ, অ,
মঙ্গলবার দ্বাদশী ৫৮৩০ উত্তরোযাত্রানকত্র ৬২২২ ববকরণ শৌভন-
যোগ ১০৫৪ তিষ্মমৃতযোগ ৫৮২০ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি
বিষদোষ ৬২২ গতে গর্তিমান (৬২২ মধো পুংসবন) সীমন্তোন্নয়ন
জন্মে মকররাশি মরগণ শূভবর্ণ রহস্যতিরমশা ৬২২ গতে দেবগণ
৬২২ মধো মুতে পূর্ণমাস পরে ৫৮৩০ মধোপূর্ণমাসদোষ পরে
পাদদোষ নৈমন্তে যোগিনী ৫৮৩০ গতে দক্ষিণে বারবেলা ৪ মণ্ড
গতে ৪ মণ্ড আর ২৪ প্রহর গতে ৪ মণ্ড । আরণ দ্বাদশ্যপবাসঃ
শক্ৰোদ্যানং ইত্যাদিবেকং বামনদ্বাদশী বামনজন্মদিনঃ বামন, চন্দ্র
সংঃ পার্শ্বগরিবর্তনঃ ।

দিবা ৩০।৪০
৪ ২২ ৬
১৩ ১২ ১২
৬০ ৪৫ ২২
০ ৩ ২৮
৪১১৫/৪৪০১
বৃকভারি
৪৫৪৬ গতে
মকরচন্দ্র

২৮ তাজ ইং ১২ সেপ্টেম্বর মূঃ ১১বিয়লআ ইং৫৪১২গ, উ ৩১২গ, অ,
বুধবার ত্রয়োদশী ৬০১০ জ্বলানকত্র ১২৪৫ কৌলবকরণ অতি
পুণ্যযোগ ১২২২ পাণযোগ যাত্রানান্তি বশিষ্ঠকরণ নামকরণ নিজাম
মণি মুখ্যারনাশন জন্মে মকররাশি দেবগণ শূভবর্ণ রহস্যতিরমশা
১২৪৫ গতে দেবারিগণ রাজরমশা ৪৫৪৬ গতে বৃকরাশি বৈশ্ববর্ণ
দক্ষিণে যোগিনী বারবেলা ১১ প্রহর গ, ৪ মণ্ড ও ২ প্র, গ, ৪ মণ্ড ।
পূর্বোচ্চ জ্বলন দ্বাদশীর পার্শ্বঃ ।

দিবা ৩০/৩৬ ২৯ ভাদ্র ইং ১৩ সেপ্টেম্বর মুং ১২ রবিবরলআ ইং ৫৫৫৩গ,উ,৬১৭গ,অ
 শুক্রবার জন্মদশী ৩১৫ ধানভাননকজ ১৮১৭ তৈলকরণ
 মুকর্ষ্যযোগ ১৩০১ তিথ্যভূতযোগ ৩১৫ মধ্যে বাজামধ্যম দক্ষিণে
 নাস্তি পরে পাণযোগ ৩১৫ রিকাদোষ জন্মে কুস্তরাশি দেবারিগণ
 বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশী দক্ষিণে যোগিনী ৩১৫ গতে পশ্চিমে বার-
 বেলা শেষ ১ প্রহর।

দিবা ৩০/৩৬ ৩০ ভাদ্র ইং ১৪ সেপ্টেম্বর মুং ১৩ রবিবরলআ ইং ৫৫৫৩গ,উ,৬১৭গ,অ
 শুক্রবার চতুর্দশী ৭/১৭ শতভিচানকজ ২৪৩ বনিজকরণ ৭/১৭
 গতে বিষ্টি ৩৮/৪৮ গতে ববকরণ স্তুতিযোগ ১৪১২ তিথ্যভূতযোগ
 ৭/১৭ মধ্যে বাজামধ্যম পশ্চিমে নাস্তি পরে বিষ্টিদোষ জন্মে কুস্ত-
 রাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশী ২৪৩ গতে নরগণ ২৪৩ গ,
 মৃত্যুদোষাদোষ পশ্চিমে যোগিনী ৭/১৭ গতে বায়ুকোণে বার-
 বেলা ১ প্র গ ১ প্র। দিবা ৭/১৭ পলে ইংদিবা ৩৮/১২ মধ্যে
 জ্ঞানচতুর্দশীত্রতং। ঐহরিদালচাকুরের তিরোত্তাব।
 ৭/১৭ পল গ, ভাদ্রিগং আনন্দানাদি হিঙ্গি ভাদ্র হুদি পৌর্ণমাসী
 পূর্ণিমার ব্রত এবং উপবাস।

দিবা ৩০/৩৬ ৩১ ভাদ্র ইং ১৫ সেপ্টেম্বর মুং ১৪ রবিবরলআ ইং ৫৫৫৪গ,উ,৬১৭গ,অ
 শনিবার পূর্ণিমা ১০/১৯ পূর্বভাদ্রপদনকজ ২৮১০ ববকরণ
 শূলযোগ ১৩৫০, যাত্রানাস্তি সংক্রান্তিদোষ জন্মে কুস্তরাশি নরগণ
 বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশী ১২৮/১৫ গতে মীনরাশি বিএবর্ণ ২৮১০ গতে
 শুক্রেরদশী ২৮১০ মধ্যে মৃত্যু জিণাদ পরে পাদ, বায়ুকোণে যো,
 ১০/১৯ গতে পূর্বে বারবেলা আদাস্ত ৪ দণ্ড ২১ প্রহর গ, ৪ দণ্ড
 ১০/১৯ গ, প্রোতপক আকং তর্পণারম্ভঃ। প্রতিপদের একোঙ্গপি
 স্বভীতি সংক্রান্তি পূর্বরাশি সংক্রমণে দিবোত্তরার্কিং পুণ্যং
 প্রবগণে সংক্রমণাৎ বন্দাখা সংক্রান্তি কৃত্যং আনন্দানাদি রাহি-
 দণ্ডে সারং লভ্যা কার্ঘ্য।

| | | | | | |
|------------------------------|-------|--------|-------|--------|----------------------|
| আশ্বিন প্রদঃ | ৩৬/৩৫ | রবি | কজা | রাশিতে | ১২ উত্তরকর্কটীনকজে। |
| স্বভীতি সংক্রান্তি পূর্বরাশি | | চন্দ্র | মীম | রাশিতে | ২৬ উত্তরভাদ্রপদনকজে। |
| রাহি সংক্রমণে দিবোত্তরার্ক | | মঙ্গল | মেঘ | রাশিতে | ১ আশ্বিনীনকজে। |
| দিনমানং | ৩০/৩০ | বুধ | কজা | রাশিতে | ১৩ স্বতানকজে। |
| শক ভাঃ | ১৮১৬ | শুক | মিথুন | রাশিতে | ৬ আশ্বিনীনকজে। |
| মঘঃ | ১২৫১ | শুক্র | সিংহ | রাশিতে | ১১ পূর্বকর্কটীনকজে। |
| মন | ১৩০১ | শনি | তুলা | রাশিতে | ১৪ চিত্রীনকজে। |
| ইংরাজী | ১৮০৪ | রাহু | মীন | রাশিতে | ২৬ উত্তরভাদ্রপদনকজে। |
| অন্যান্যাদি ২০/১৫৫১/৩০ | | কেতু | কজা | রাশিতে | ১৩ স্বতানকজে। |

শকাব্দ ১৮১৬ বঙ্গ ১৩০১ ইংরাজী ১৮০৪ চন্দ্র ভাদ্র শুক্লপক্ষ চান্দ্র ভাদ্র

সংস্কৃত-বিশ্বকোষ-সংগ্রহ-সংস্করণ-১৯৩৩-৩৪-৩৫-৩৬-৩৭-৩৮-৩৯-৪০-৪১-৪২-৪৩-৪৪-৪৫-৪৬-৪৭-৪৮-৪৯-৫০-৫১-৫২-৫৩-৫৪-৫৫-৫৬-৫৭-৫৮-৫৯-৬০-৬১-৬২-৬৩-৬৪-৬৫-৬৬-৬৭-৬৮-৬৯-৭০-৭১-৭২-৭৩-৭৪-৭৫-৭৬-৭৭-৭৮-৭৯-৮০-৮১-৮২-৮৩-৮৪-৮৫-৮৬-৮৭-৮৮-৮৯-৯০-৯১-৯২-৯৩-৯৪-৯৫-৯৬-৯৭-৯৮-৯৯-১০০

শকাব্দ ১৮৭৩ সন ১৮৯১ খ্রিঃাব্দ ১৮৯৪ চন্দ্রাব্দ ১৮৭৩ বিক্রমাব্দ ১৮৭৩

আখিন হাতির বড়লিতি সংক্রান্তির সঞ্চার গণনা।

মন্তকে ২১/২২/২৩ কলং অগমান।

মুখে ২৬ কলং হুঃখ।

দক্ষিণ করে ২৭/১১/২০

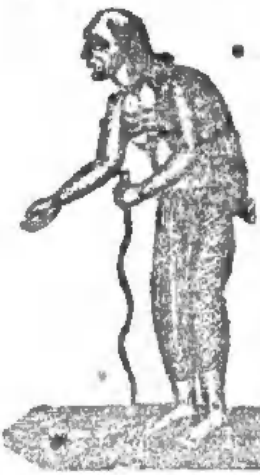
কলং লাভ।

কমরে ৮/১১/১১/১২

কলং হ্রীলাভ।

দক্ষিণ পাদে ৮/৫

কলং ভ্রমণ



মেজে ০৭/১৮/১৯/২০

কলং সন্ধান।

বাম করে ১৩/১৪/১৫/১৬

কলং বহনকর।

ভ্রাঙ্ক ২৪/২৫

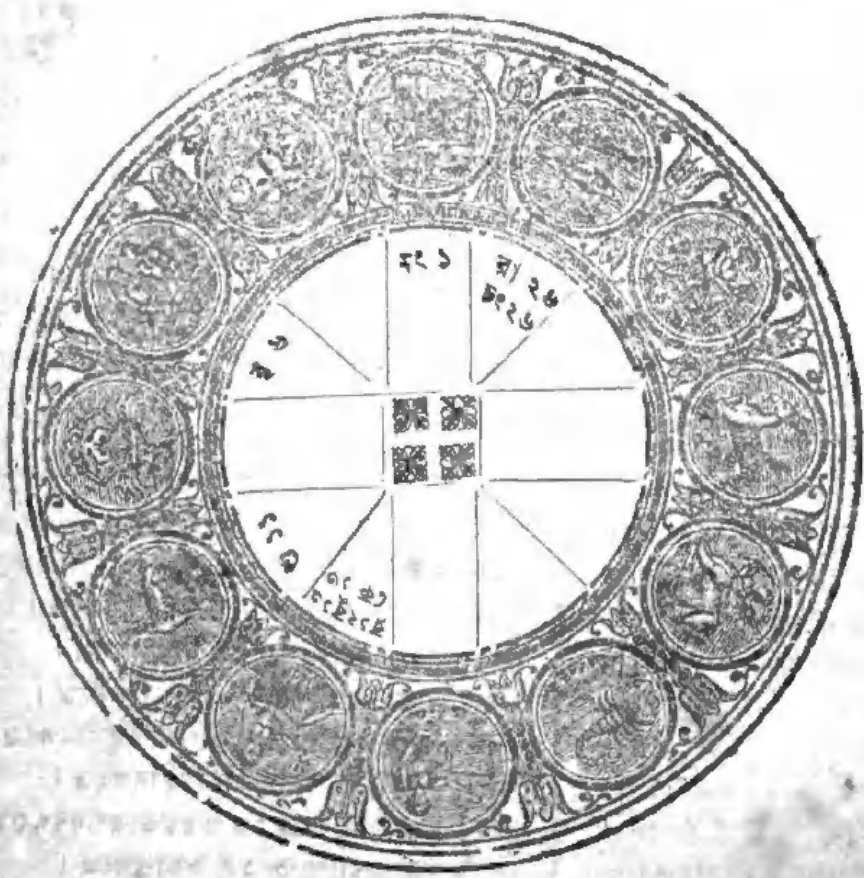
কলং হৃত্যবৎ।

বাম পাদে ৬/৭

কলং ভ্রমণ।

সংক্রান্তি অশুভের শাস্তি কনকধনুসার বীজ ও সর্কোবধি জালে স্থান

এবং বিকৃতমন্ত জপ করিলে শুভ হয়।



দিবা ৩০।২৬

১ ২৬ ১০

১৬ ৩১ ১২

১২ ১২ ৩৬

১০ ৩ ১

৩১১ মং ৩১।৭

পালকোঙ্ক

মৌনরচন্দ্র

১ আশ্বিন ইং ১৬ সেপ্টেম্বর সূর্য ১৫ রবিআ, ইং ৫।৫৫গ, উ, ৬।৫গ, অ, বুধবার প্রতিপদ ১২।১০ উত্তরভাত্রপদমকত্র ৩১।১২ কোলক-
করণ গণভোগ ১২।৩৬ যাত্রানান্তি অক্ষাংশদোষ ১২।১০ বধো নাম-
করণ নৈক/গঠন পুণ্যাহ রাজমর্শন ভৈরবকরণ ভৈরবসেবন ঋণদান
ঋণগ্রহণ অশ্ব মৌনরাশি মরগন বিপ্রবর্ণ শুক্ররমশা ৩১।১২ গতে
সেবগন মৃত্যু পাদ, ১২।১০ গতে দ্বিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী ১২।১০
গতে উত্তরে বারবেলা ১১ গ্রহর গতে ১ গ্রহর ।

১২।১০ গতে চন্দ্রমঙ্গা ।

দিবা ৩০।২৩

২ ২৭ ১১

১৭ ৩২ ১০

১২ ৫২ ২২

৪৩ ৫ ২

মৌনরচন্দ্র

৩২।৫২ গতে

মৌনরচন্দ্র

২ আশ্বিন ইং ১৭ সেপ্টেম্বর সূর্য ১৬ রবিআ, ইং ৫।৫৫গ, উ, ৬।৫গ, অ,
সোমবার দ্বিতীয়া ১২।৪৩ দেবতীনকত্র ৩২।৫২ গরুড়করণ ১২।৪৩
গতে বর্ণিজ ৪২।২১ গতে বিজিকরণ রুক্মিণীগ ১০।২২ পাণ্ডবোগ
যাত্রানান্তি চন্দ্রমঙ্গাদোষ ১২।৪৩ গ, শুভ পূর্বে কৃষ্ণিকোনে মাক্তি
৩২।৫১ গতে মক্ষাভূতযোগ যাত্রান্ত অশ্ব মৌনরাশি দেবগন
বিপ্রবর্ণ শুক্ররমশা ৩২।৫২ গতে মেঘরাশি বৈশ্ববর্ণ ১২।৪৩ বধো
মৃত্যুপাদদোষ উত্তরে যোগিনী ১২।৪৩ গতে অগ্নিকোনে বার,
■ দণ্ড গ, ■ দণ্ড আর ৩ গ্র, গ, ৪ দণ্ড । ১২।৪৩ পর্যন্ত চন্দ্রমঙ্গা ।

দিবা ৩০।২০

৩ ১ ১২

১৮ ৩৩ ৭

১১ ৩৫ ১০

৫২ ০ ৬

৪১২ মং ৫১।২৬

মেঘরচন্দ্র

৩ আশ্বিন ইং ১৮ সেপ্টেম্বর সূর্য ১৭ রবিআ, ইং ৫।৫৬গ, উ, ৬।৪গ, অ,
মঙ্গলবার তৃতীয়া ১১।৫১ অশ্বিনীনকত্র ৩৩।৩৫ বিজিকরণ
১১।৫১ গতে বধকরণ ক্রবযোগ ৭।১০ সিক্রিযোগ যাত্রানান্তি বিজি
১১।৫১ গতে রিক্তাদোষ অশ্ব মেঘরাশি দেবগন বৈশ্ববর্ণ শুক্রর-
মশা ৩৩।৩৫ গ মরগন মৃত্যু পাদদোষ অগ্নিকোনে যোগিনী ১১।৫১
গতে নৈকতে বারবেলা ■ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড ■ ২। গ্রহর গতে ৪ দ,

দিবা ৩০।১৭

৪ ২ ১০

১৯ ৩৩ ০

১০ ৪৫ ০

২ ২ ৫৪

৪ — ৫৫

মেঘরচন্দ্র

৪৭।৩০।১৫ গ,

বুধরচন্দ্র

■ আশ্বিন ইং ১৯ সেপ্টেম্বর সূর্য ১৮ রবিআ, ইং ৫।৫৭গ, উ, ৬।৩গ, অ,
বুধবার চতুর্থী ১০।২ তরুনীনকত্র ৩২।৫৫ বালকরণ যাত্রাত-
যোগ ৩।০ পরে হর্ষণযোগ ৫৪।৫৫ যাত্রানান্তি মক্ষাদোষ ৩২।৫৫
গতে মক্ষাভূতযোগ যাত্রান্ত উত্তরে দক্ষিণে মাক্তি অশ্ব মেঘ-
রাশি মরগন বৈশ্ববর্ণ শুক্ররমশা ৩২।৫৫ গতে দেবারিগন রবি-
মশা ৪৭।৩০।১৫ গতে বুধরাশি শূক্রবর্ণ ৩২।৫৫ গতে মৃত্যু দ্বিপাদ,
নৈকতে যোগিনী ১০।২ গতে দক্ষিণে বারবেলা ১ গ্রহর গতে ৪
দণ্ড আর ২ গ্রহর গতে ৪ দণ্ড ।

দিবা ৩০।১৩

৫ ৩ ১৫

২০ ৩১ ৫২

৭ ১৬ ৩২

১ ৪ ■

বুধরচন্দ্র

৫ আশ্বিন ইং ২০ সেপ্টেম্বর সূর্য ১৯ রবিআ, ইং ৫।৫৭গ, উ, ৬।৩গ, অ,
বৃহস্পতিবার পঞ্চমী ৭।১ রুক্মিকানকত্র ৩১।১৬ তৈত্তিলকরণ
বজ্রযোগ ৫২।৩২ সিক্রিযোগ যাত্রানান্তি মক্ষাদোষ ৭।১ গতে
বজ্রাদোষ অশ্ব বুধরাশি দেবারিগন শূক্রবর্ণ রবিমশা ৩১।১৬
গতে মরগন ৩২।১৬ বধো মৃত্যু দ্বিপাদদোষ দক্ষিণে যোগিনী
৭।১ গতে, দক্ষিণে বারবেলা শেষ ১ গ্রহর ।

শ্রীকল ভকন নিবেদ্য ।

দিবা ৩০।১০

৬ ৪ ১৬

২১ ২৮ ৪৬

৩ ৪০ ১০

১ ৬ ৬

৫৫ ১৫ —

রুহেরচন্দ্র

৭।৩।৩০ গতে

মিথুনরচন্দ্র

দিবা ৩০।১৭

৭ ৫ ১৭

২৩ ২৫ ৩২

৫২ ৩৩ ১০

৫৩ ২ ৭

৩১২৬/ম২২ ১৮

বৃ১৪ দং ১।২৪

মিথুনরচন্দ্র

দিবা ৩০।১৪

১ ৬ ১৮

২৪ ৩৩ ৩১

৪৭ ৪৮ ৫১

৬ ৪ ৮

মিথুনরচন্দ্র

দিবা ৩০।১২

২ ৭ ১৯

২৫ ১৭ ২৪

৪০ ৪৩ ৯

৫৮ ৬ ৯

মিথুনরচন্দ্র

৩।৪৪।১৫ গ,

কর্কটেরচন্দ্র

দিবা ৩০।১০

৩ ৮ ২০

২৬ ১৩ ৩৬

৩৪ ৩৬ ২৮

৫৬ ১ ১০

৩১৭ মং ৪৫।২

কর্কটেরচন্দ্র

৬ আশ্বিন ইং ২১ সেপ্টেম্বর মূং ২০ রবিআ, ইং ৫।৫৮ গ, উ, ৬।২ গ, অ,

শুক্রবার বঙ্গী ৩।১ পরে সপ্তমী ৫৫।১৫ রোহিণীনক্ষত্র ২৮।৪০

বণিজ্যকরণ ৩।১ গতে বিষ্ণুকরণ অক্ষয়যোগ ৪৬।১০ ব্রাহ্মশ্রম

যাত্রাসিন্ধুতকর্ম নাস্তি আনন্দানে শুভ অশ্বৈর্যশি নরগণ শূজ-

২৭ রবিরমণা ২৮।৪০ গতে দেবগণ ৫৭।৬।৩০ গতে মিথুনরাশি

বৈশ্ববর্ণ ৩।১ গতে ৫৮।১৬ মধ্যে মূতে পাদদোষ পশ্চিমে যোগিনী

৩।১ গতে বায়ুকোণে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

৭ আশ্বিন ইং ২২ সেপ্টেম্বর মূং ২১ রবিআ, ইং ৫।৫৯ গ, উ, ৬।১ গ, অ

শনিবার অষ্টমী ৫২।৫০ শূণ্যশিৱানক্ষত্র ২৫।৩০ বাসবকরণ

ব্যতীপাতযোগ ৩৯।১০ যাত্রানাস্তি অষ্টমীদোষ ২৫।৩০ গতে নক্ষত্র

দোষ জন্মে মিথুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ রবিরমণা ২৫।৩০ গতে

নরগণ চন্দ্ররমণা মূতে পাদদোষ দোষানে যোগিনী ৫২।৫০ গতে

পূর্বে বা, আদ্যন্ত ৪ দণ্ড আর ২৪ প্রহর গতে ৪ দণ্ড । মহাদক্ষা

জিতাক্রমী জিজ্ঞাস্তবাহন পূজা ।

৮ আশ্বিন ইং ২৩ সেপ্টেম্বর মূং ২২ রবিআ, ইং ৫।৬০ গ, উ, ৬।১ গ, অ,

রবিবার নবমী ৪০।৬ আর্জানক্ষত্র ২১।৪৮ তৈত্তিলকরণ বরীয়াণ

যোগ ৩।৫১ যাত্রানাস্তি রিজা এবং নক্ষত্রদোষ ৪৭।৬ গতে তিথ্য-

মৃতযোগ যাত্রাস্ত শুভ উত্তরে পশ্চিমে নাস্তি অশ্বৈর্যশি নরগণ

বৈশ্ববর্ণ চন্দ্ররমণা ২১।৪৮ গতে দেবগণ মূতে পাদদোষ

২১।৪৮ গতে ত্রিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী ৪৭।৬ গতে উত্তরে বার-

বেলা ১৪ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

অন্য দিবা ১০।১২০ বিপলে পূর্ণাঙ্কে ইং ৫।৬১ ২।৫৯।৪৪ সেকেন্দ

মধ্যে নবমাসি কল্যাণরুৎ যোগনক ।

৯ আশ্বিন ইং ২৪ সেপ্টেম্বর মূং ২৩ রবিআ, ইং ৫।৬০ গ, উ, ৬।০ গ, অ,

সোমবার দশমী ৪০।৫৮ পূনর্কমুনক্ষত্র ১৭।৪৩ বণিজ্যকরণ ১৪।২

গতে বিষ্ণি ৪০।৫৮ গতে ববকরণ পার্বযোগ ২৪।২ তিথ্যমৃতযোগ

১৪।২ মধ্যে যাত্রাস্ত পূর্বে উত্তরে নাস্তি পরে রিহিদোষ ৪০।৫৮

গ শুভ অগ্নিকোণে নাস্তি উত্তরে শুভ গর্ভাধান অশ্বৈর্যশি

দেবগণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্ররমণা ২৪।১৫ গ কর্কটরাশি বিগ্রবর্ণ ১৭।৪০

মধ্যে মূতে বিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী ৪০।৫৮ গতে অগ্নিকোণে

বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।

১০ আশ্বিন ইং ২৫ সেপ্টেম্বর মূং ২৪ রবিআ, ইং ৬।০ গ, উ, ৬।০ গ, অ,

মঙ্গলবার একাদশী ৩৪।৫৪ পূর্ণানক্ষত্র ১৩।৩৬ তৈত্তিলকরণ

শিবযোগ ১৬।২৮ নক্ষত্রাস্তযোগ যাত্রাস্ত শুভ উত্তরে অগ্নিকোণে

নাস্তি ৩৪।৫৪ গতে অগ্নিকোণে শুভ নৈমিতে নাস্তি ১৩।৩৬ মধ্যে

গর্ভাধান অশ্বৈর্যশি দেবগণ বিগ্রবর্ণ চন্দ্ররমণা ১৩।৩৬ গ,

দেবাবি, মূতে পাদ, ৩৪।৫৪ গ বিপাদ, অগ্নিকোণে যোগিনী ৩৪।৫৪

নৈমিতে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ২৪ প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।

সংস্কৃত কল্যাণী ১৮৩৬ সন ১৩০০ চন্দ্রাব্দী ১৮৩৬ চন্দ্র ভাদ্র কৃষ্ণা দশমী তিথি আশ্বিন বদি ।

দিবা ২১/৫৭
৪ ৯ ২১
২৭ ৯ ৮
২৯ ৩০ ৪৭
০ ৩ ১
কুজলারস ২১৪১
কর্কটের ১০০ গ
সিংহের চন্দ্র

১১ আশ্বিন ইং ২৬ সেপ্টেম্বর যুং ২৫ রবিআ, ইং ৬।০ গ, উ, ৫।৬০ গ, অ
কুজবার-বাদলী ২১।০ অগ্নিবানক ১।০০ কোণবকরণ সিঙ্-
যোগ ৮।৪০ সিঙ্কিযোগ যাত্রানান্তি নকত্রদোষ ঔষধকরণ অগ্নে
কর্কটরালি দেবারিগণ বিপ্রবণ চন্দ্রেরদশা ১।৩০ গতে সিংহরালি
কজিরবর্ণ কুজেরদশা ২১।০ যৎ যতে পার্দমোষ নৈকতে যোগিনী
২১।০ গতে দক্ষিণে বারবেলা ১১ প্রভর গ ৪ মণ্ড ২ প্র, গ, ৪ মণ্ড

দিবা ২১/৫৪
৫ ১০ ২২
২৮ ৫ ১
২৩ ৪১ ১৬
২৯ ৬ ৫৪
১২ — ৬
১২২৮২৮১৬
সিংহের চন্দ্র

১২ আশ্বিন ইং ২৭ সেপ্টেম্বর যুং ২৬ রবিআ, ইং ৬।১ গ, উ, ৫।৫৯ গ, অ
কুজবার-বাদলী ২০।২৯ মথানক ৫।৪১ বগিল ২০।২৯
গ, বিষ্টি ৫।১০ গ, শকুনিকরণ সাধাযোগ ১।১৬ পরে শুভযোগ
৫।৪৬ তিথাসুতযোগ ৫।৪১ গ, যাত্রামধ্যম দক্ষিণে নান্তি ২০।২৯ গ,
ত্রিকাদোষ অগ্নিসিংহরালি দেবারিগণ কজিরবর্ণ কুজেরদশা ৫।৪১
গতে নরগণ দক্ষিণে যোগিনী ২০।২৯ গ পশ্চিমে বা, শেষ ১ প্রহর
৫।৪১ পল মধ্যা মধ্য জারাদলীলাজং ।

দিবা ২১/৫০
৬ ১১ ২৪
২১ ২ ৪৭
১৮ ২৬ ২
৩২ ৫৭ ১৩
— ২১ —
— অং —
সিংহের চন্দ্র
১৬।৪৬।১৫ গ,
কজার চন্দ্র

১৩ আশ্বিন ইং ২৮ সেপ্টেম্বর যুং ২৭ রবিআ, ইং ৬।২ গ, উ, ৫।৫৮ গ, অ
শুকবার চতুর্দশী ১৮।৩২ পূর্বকল্পনীনক ২।২৬ পরে উত্তর-
কল্পনীনক ৫।৭।২১ শকুনিকরণ শুক্রযোগ ৪।৭।২ তিথাসুত শু মনকত্রা-
মুতযোগ যাত্রাশুভ পশ্চি, নান্তি ১৮।৩২ গ, জ্ঞানেন চান্তি জাহে
সিংহরালি নরগণ কজিরবর্ণ কুজেরদশা ১৬।৪৬।১৫ গতে কজারালি
শুকবর্ণ ৫।৯।৪৭ গ, দেবগণ বুধেরদশা ২।২৬ গতে ৫।৯।৪৭ মধ্যা মুতে
বিপদ, পশ্চিমে বা, ১৮।৩২ গ, জ্ঞানেন বা, ১ প্রহর গ ১ প্রহর ।
চতুর্দশ যমতর্পণে তিল তর্পণেন বারদোষ পূণাত্তর। আনন্দানাদি
অমাবস্তার নিলিপালন বারদোষনা নান্তি মকালরা পার্শ্বক জাহে ।
চতুর্দশী এবং অমাবস্তার সপিওন ।

দিবা ২১/৪৬
৭ ১৩ ২৫
৩০ ৫৮ ৪১
১৪ ০ ১০
১৭ নাং ১৪
র ১৩৪
ম ৮।০
কজার চন্দ্র

১৪ আশ্বিন ইং ২৯ সেপ্টেম্বর যুং ২৮ রবিআ, ইং ৬।২ গ, উ, ৫।৫৮ গ, অ
অনিবার অমাবস্তা ১৪।১৭ হস্তানক ৫।৮।০ নাগকরণ জাহেযোগ
৪।১।০ যাত্রানান্তি পক্ষান্তদোষ ১৪।১৭ গতে অমাবস্তাদোষ অগ্নে
কজারালি দেবগণ শুকবর্ণ বুধেরদশা ৫।৮।০ গতে দেবারিগণ মুতে
পানদোষ জ্ঞানেন যোগিনী ১৪।১৭ গতে পূর্বে বারবেলা আদ্যন্ত
৪ মণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ মণ্ড । অমাবস্তার ব্রত ৫ পবাস ।
প্রতিপদের একোদিকে সপিওন ।
১৪।১৭ গতে চান্দ্র আশ্বিন বিহি আশ্বিন সুদ আরম্ভ ।
স্বর্বাষ্টম ২ দিবা ১২।৩৬ পল গতে নৈকত্যাংস্পর্শ ১৭।৫৮ পল
গতে আরম্ভাং যৌক স্থিতি ৫।২২ পল ইংরাজী যুগ ১১।৫।১২
সেকেন বাহু স্পর্শ ১।১৪।০ সেকেন গতে আরম্ভ স্থিতি ২।৮।৪৮
সেকেন গতে অর্দ্ধাধিক গ্রাস মেঘরূষ কর্কট সিংহ ক্লিষ্টক এই
সকল রাশির মর্শমে শুভ ওভুতির রাশির মর্শনে অন্তত, ইত্যাদি
বধি সত্যাহ যাত্রানিয়মে ।

দিবা ২১।২১

৭ ১০ ৫

৭ ১১ ২৫

১৬ ৬ ৭

১ ৬ ২১

শ্রবণ ১৫।১৪৫

কে১২ দং৪।২৫

ধনুচন্দ্র

দিবা ২২।১৭

৩ ২০ ৬

৮ ১৬ ২৬

২০ ৫৭ ৭

৩১ ১ ২২

ধনুচন্দ্র

৩৩।৩৩।৪৫ গ

মকরচন্দ্র

দিবা ২১।১৪

২ ২১ ৭

৯ ২৩ ২৭

২৫ ২৪ ২০

৪ ৬ ২৩

৩১।৩১।৪১

মকরচন্দ্র

২১ আশ্বিন ইং ৬ অক্টোবর বুধ রাবি সানি ইং ৬।৮গ, উ, ৫।৫২গ, অ, শনিবার সপ্তমী ১৬।১ হুগলিরাবকত্র ১১।৬ বণিককরণ ১৬।১ গতে বিক্তি ৪৮।২৪ গতে বধকরণ শোভমযোগ ২৫।৭ বাজানুত পূর্বে বাজানো নুত্তি ১১।৬ গতে মধ্যম ১৬।১ গতে অক্টমী এবং বিক্তিযোগ অশ্ব যমুদাশি দেবাংগন কজিরবর্ণ শনিরমশা ১১।৬ গতে নুতগণ বৃহস্পতিরমশা ১৬।১ মধ্যম যুতে বিপাদ পরে পাদদোষ বায়ু যো ১৬।১ গ ইশামে বা আদ্যন্ত ৮ মণ্ড ২৪ ঐ, গতে ৪ মণ্ড অদ্যদিবা ১৪।৪৭।০ বিপলে পূর্বাঙ্কে কিন্তু বারবেলা হুতোধাৎ ৩। ৪০।৭।৩০ অমুপলে ইং ৭।৩৫।৫১ সে, গতে সপ্তমী পূজারন্ত এবং পাদিকা প্রবেশ ১০।২।৩৬ সে, মধ্যম সপ্তমীপূজা সমাপ্য তদতিরেকে মধ্যাহ্নে দেবীর ঘাটকে আর্গমন ফলংকতন্ত্র । অক্টমীর সপ্তমণ তাল তক্ষণ নিবেধ ।

২২ আশ্বিন ইং ৭ অক্টোবর বুধ রাবি সানি ইং ৬।৯গ, উ, ৫।৫১গ, অ, রবিবার অক্টমী ২০।৩১ পূর্বাযাত্রা বকত্র ১৬।৫৭ বধকরণ অতি-গণযোগ ২৬।৭ বাজানুত্তি অক্টমীদোষ ১৬।৫৭ গতে মকত্রায়ু-যোগ বাজানুত পাদিকমে ইশামে নুত্তি ২০।৩১ গতে ইশামে শুভ জয়ে যমুদাশি নরগণ কজিরবর্ণ বৃহস্পতিরমশা ৩৩।৩০।৪৫ গতে মকত্রাশি শ্রবণ যুতে পাদদোষ ১৬।৫৭ গ জিপাদদোষ ইশামে বোগিনী ২০।৩১ গতে পূর্বে বারবেলা ১। ঐহর গতে ১ ঐহর । অদ্যদিবা ১৪।৪৫।৪০ বিপলে পূর্বাঙ্কে ইং ১০।২।৫২ সে মধ্যম অক্টমী পূজা সমাপ্য তদতিরেকে মধ্যাহ্ন এবং বারবেলা পরন্ত দিবা ১৯।৬১ পল গ সক্তিপূজারন্ত ২০।৩১ পল গতে সক্তিফলিদামং ইং ২। ০।১২ সেকেন গতে সক্তিপূজারন্ত ২।২৪।১২ সেকেন গতে সক্তি-ফলিদামং । অক্টমীর একোদ্বিষ্ট নবমীর সপ্তমণ ।

নারিকেল তক্ষণ নিবেধ ।

২৩ আশ্বিন ইং ৮ অক্টোবর বুধ রাবি সানি ইং ৬।৯গ, উ, ৫।৫১গ, অ, সোমবার নবমী ২৫।৪১ উত্তরাযাত্রাবকত্র ২০।২৪ কোলবকরণ অকত্রাযোগ ২৭।২১ বাজানুত্তি মকত্রাযোগ ২০।২৪ গতে মকত্রায়ু-যোগ বাজানুত পূর্বে দক্ষিণে নুত্তি ২৫।৪১ গতে উত্তরে নুত্তি অশ্ব মকত্রাশি নরগণ শ্রবণ বৃহস্পতিরমশা ২০।২৪ গতে দেব-গণ ২০।২৪ মধ্যম যুতে বিপাদদোষ পূর্বে বোগিনী ২৫।৪১ গতে উত্তরে বারবেলা ৪ মণ্ড গতে ৪ মণ্ড আর ৩ ঐহর গতে ৮ মণ্ড । অদ্যদিবা ১৪।৪৪।৪০ বিপলে পূর্বাঙ্কে কিন্তু বারবেলা হুতোধাৎ ৩।৩৯।১৫ বিপলে ইং ৭।৩৬।৫৪ সেকেন মধ্যম মহানবমী পূজারন্ত ১০।৩৪ সেকেন মধ্যম মহানবমী পূজা সমাপ্য তদতি-য়েতে মধ্যাহ্ন বধকরণ আনদানাদি ।

সপার তক্ষণ নিবেধ ।

শ্রবণ চন্দ্রাংশব-অশ্বিন ও মকর চন্দ্রাংশব এবং মকর চন্দ্রাংশব পূর্ণমাস বিত্তকর মকরচন্দ্র ১ শির্শির মাস ১ টিকা ।

দিবা ২১।১১ ২৪ আশ্বিন ইং ৯ অক্টোবর মুং ৯ রবি সানি ইং ১৩।১০ গ, উ, ৫।৫০ গ, অ-
মকলবার দশমী ৩১।২ অধ্বানকত্র ২৯।২৫ গরকরণ প্রতিযোগ
২৮।৫৬ বাত্রামদাম উত্তরে দক্ষিণে নাস্তি ২৯।৫৫ গতে দক্ষিণে শুভ
৩১।২ গতে পাণযোগ গর্তাধান জন্মে মকররাশি দেবারিগণ শূজ-
বর্ণ রহস্যপতিদশা ২৯।৫৫ গতে দেবগণ রাহুরদশা মূতে পানদোষ
উত্তরে যোগিনী ৩১।২ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪
দণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।
অদ্যনিব ৯।৪০।৪০ বিপলে পূর্বস্থ বিজ্ঞ বারবেলায়রোধা ৩০।৩৮।
৫২।০০ অম্পলে ইং ১৩।১১।১১ মে.মধ্যে দেবীর পূজা এবং বিসর্জন
তদতিরিক্ত বারবেলা দেবীর ঘোটকে গমন ফলঃ ছত্রভঙ্গ, বিজয়া
দশমীকৃতঃ গোব্রাহ্মীমতে ত্রীমচাত্তর বিজয়োৎসব ।

মকররাশি

দিবা ২১।৭ ২৫ আশ্বিন ইং ১০ অক্টোবর মুং ১০ রবি সানি ইং ১৩।১১ গ, উ, ৫।৪২ গ, অ-
বুধবার একাদশী ৩৫।৫২ ধনিষ্ঠানকত্র ৩৬।৫ বনিজকরণ ৩২।৭
গ বিষ্টি ৩৫।৫২ গতে বকরণ শূলযোগ ৩০।৪৩ তিথ্যমৃতযোগ ৩৫।৫২
গ দিকিযোগ ৩৬।৫ গ নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রানাস্তি বিষমোষ ৩২।৭
মধ্যে নামকরণ বাণিজ্যকরণ পুণ্যাহ জন্মে মকররাশি দেবারিগণ
শূজবর্ণ রাহুরদশা ৩০ গ, কুজরাশি বৈশ্ববর্ণ ৩৫।৫২ গ, মূতে পান-
অগ্নি, ঘো. ৩৫।৫২ গ নৈঋতে বা ১ প্র গ ৪ দণ্ড ও ২ প্র গ, ৪ দণ্ড

দিবা ২১।৪ ২৬ আশ্বিন ইং ১১ অক্টোবর মুং ১১ রবি সানি ইং ১৩।১১ গ, উ, ৫।১৯ গ, অ-
রহস্যপতিবার দ্বাদশী ৩৯।৫৯ শতভিক্রমকত্র ৪১।৩৪ বকরণ
গণযোগ ৩০।৩৯ বাত্রানাস্তি দ্বাদশীমোষ ৩৯।৫৯ গতে তিথ্যমৃত-
যোগ বাত্রামদাম দক্ষিণে নাস্তি গর্তাধান নামকরণ বাণিজ্যকরণ
নবায় জন্মে কুজরাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশা ৪১।৩৪ গতে
নরগণ ৩৯।৫৯ মধ্যে মূতে পানদোষ ৪১।৩৪ গতে বিপাদমোষ নৈ-
ঋতে যোগিনী ৩৯।৫৯ গতে দক্ষিণে বারবেলা শেষ ১ প্রহর ।

দিবা ২১।১ ২৭ আশ্বিন ইং ১২ অক্টোবর মুং ১২ রবি সানি ইং ১৩।১২ গ, উ, ৫।৪৮ গ, অ-
শুক্লবার ত্রয়োদশী ৪৩।৬ পূর্বভাত্রপদনকত্র ৪৬।৪ কোলবকরণ
দিকিযোগ ৩০।৩৪ নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রান্ত দক্ষিণে পশ্চিমে নাস্তি
৪৩।৬ গতে দক্ষিণে শুভ গর্তাধান সাধভক্ষণ জন্মে কুজরাশি নরগণ
বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশা ২৯।৫৬।৩০ গতে যৌনরাশি বিপ্রবর্ণ ৪৬।৪ গতে
শুক্রেদশা ৪৬।৪ মধ্যে মূতে বিপাদদোষ দক্ষিণে যোগিনী ৪৩।৬
গতে পশ্চিমে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

দিবা ২৮।৫৮ ২৮ আশ্বিন ইং ১৩ অক্টোবর মুং ১৩ রবি সানি ইং ১৩।১২ গ, উ, ৫।৪৮ গ, অ-
শনিবার চতুর্দশী ৪৫।৩ উত্তরভাত্রপদনকত্র ৪৯।২৩ গরকরণ
৪৫।৩ গ, বিষ্টিকরণ ক্রবযোগ ২৯।৩৪ দিকিযোগ বাত্রানাস্তি নক্ষত্র
দোষ ৪৫।৩ গ পক্ষান্তমোষ জন্মে যৌনরাশি নরগণ বিপ্রবর্ণ, শুক্র-
দশা ৪৫।২৩ গতে দেবগণ মূতে পানদোষ পশ্চিমে যোগিনী ৪৫।৩
গ বায়ুকোণে বারবেলা আদ্য ৪ দণ্ড ও ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।

କେନ୍ଦ୍ର କନ୍ୟା ସମିତିର ୩୨ ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷମାନେ

কাহ্নিক মাসের জলবিহুব সংক্রান্তির মফার মণনা।

মন্তকে ২।৩৪।৫।৬।৭ কলং মাস।

মুখে ৮।৯।১০।১১।১২

কলং বৈরভর।

মক্ষিকরে ১৭।১৮।১৯

কলং ভোগ।

হৃদয়ে ১৩।১৪।১৫।১৬

কলং মৃৎসত্ত্ব।

মক্ষিকপাদে ২৩।২৪।২৫

কলং ভোগ।



বাম করে ২০।২১।২২

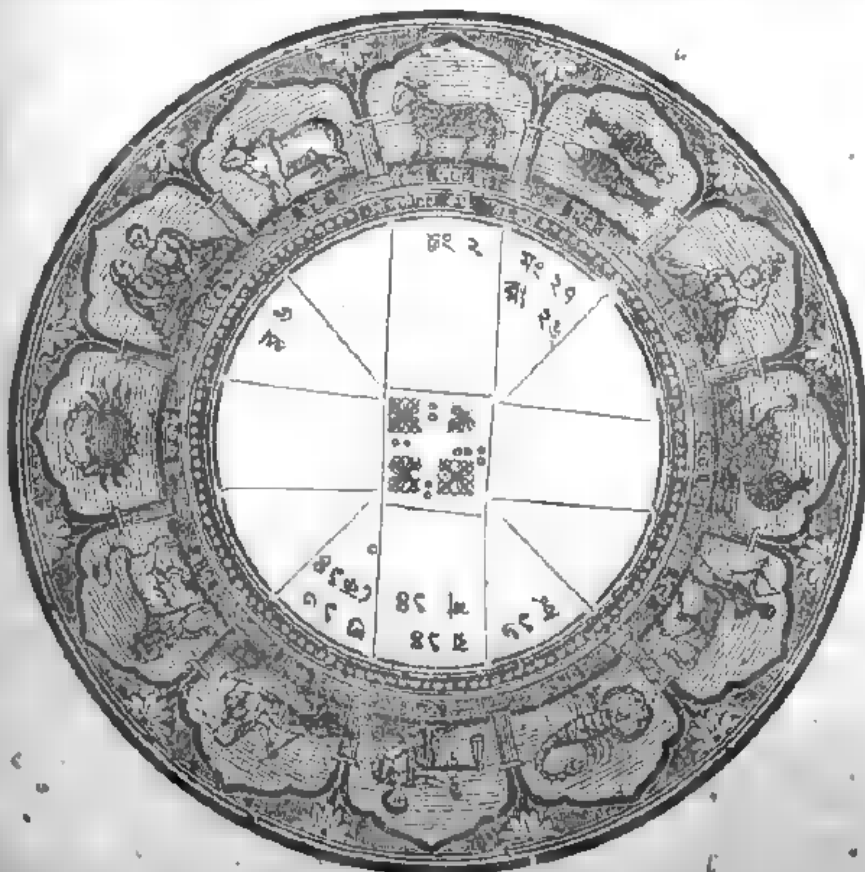
কলং ভোগ।

বাম পাদে ২৬।২৭।২৮

কলং ভোগ।

সংক্রান্তি অন্ততের শান্তি কনকপুস্ত্রদার বীজ এবং সার্বভৌম জলে স্থান

এবং বিষ্ণুমন্ত্র জপ করিলে শুভ হয়।



দিবা ২৮৮৫
৪ ৩ ১৬
১৮ ৫০ ১৫
৪০ ২৯ ৪৫
১৩ ৬ ১
পালকশ্রমি
মোহরচন্দ্র
৫৫৩৩০ গতে
রাসরচন্দ্র

১ কার্তিক ঈং ১৭ অক্টোবর মুং ১৭ রবি সানি ঈং ৬১৫গ, উং ৫১৪৫গ, অ
বৃষ্টিবার তৃতীয়া ৪০১৩ কৃত্তিকানক্ষত্র ৫০২২ বণিজকরণ ১১১
৪১১৩০ গতে বিষ্টি ৪০১৩ গ, ববকরণ অম্বকযোগ ১৫১৪৫ যাত্রা-
নাতি অগতিমোষ জন্মে মেঘরাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রবিরদশা
৬১৩৩০ গতে বৃষ্টিরাশি শূদ্রবর্ণ ৫০২২ গতে নরগণ ৫০২২ যথো
মুতে বিপাদদোষ অগ্নিকোণে যোগিনী ৪০১৩ গতে নৈমতে বার-
বেলা ১ প্রহর গতে ৪ মণ্ড ৩২ প্র গ ৪ মণ্ড । ৪০১৩ গ, চন্দ্রদশা

দিবা ২৮৮২
৫ ৪ ১৩
১৯ ৪০ ১০
৩৫ ৬ ৪
১৩ ১ ২
১১৭৮০৮১০০
রাসরচন্দ্র

২ কার্তিক ঈং ১৮ অক্টোবর মুং ১৮ রবি সানি ঈং ৬১৬গ, উং ৫১৪৮গ, অ
রসম্পত্তিবার চতুর্থী ৫৫১৭ বৌদ্ধিকী নক্ষত্র ৪৮৬৩ ববকরণ বাতি-
পাতযোগ ১০১৪ যাত্রাশ্রুত বিজ্ঞানায় ৫৫১৭ গতে সিদ্ধিযোগ
যাত্রাযথায় দক্ষিণে পশ্চিমে নাতি ৪৮৬ গতে পশ্চিমে শুভ জন্মে
বয়রাশি নরগণ শূদ্রবর্ণ রবিরদশা ৪৮৬ গতে দেবারিগণ নৈমতে
যোগিনী ৫৫১৭ গ দক্ষিণে সার শেখ ১ প্র । ৫৫১৭ পরানচন্দ্র

দিবা ২৮৮৮
৬ ৫ ১৮
২০ ৪৫ ৩
১ ৩ ৪২
৩৪ ৩ ৫২
— ৫৯ ৩
২১৪১/
৫২১১২৭
রাসরচন্দ্র
১৮১১০০ গ,
মিথুনচন্দ্র

৩ কার্তিক ঈং ১৯ অক্টোবর মুং ১৯ রবি সানি ঈং ৬১৬গ, উং ৫১৪৮গ, অ
শুক্রবার পঞ্চমী ৩১১০৪ মৃগশিরা নক্ষত্র ৪৪১০ ববকরণ বরী-
রাগে গ ৩৪২ পাত পরিধাযোগ ৫২১৫ যাত্রাশ্রুত দক্ষিণে পশ্চিমে
নাতি ৩১১০৪ গ, সিদ্ধিযোগ দক্ষিণে শুভ ৪৫১৩ গতে নক্ষত্রদোষ
গতিধান নামকরণ অববস্তুরিধান নৌকাগঠন ও চালন ও যাত্রা
রাজকর্ষন ও বসকরণ গণদান জন্মে রঘরাশি দেবগণ শূদ্রবর্ণ রবির-
দশা ১৬১৩৪০ গ, মিথুনরাশি বৈশ্ববর্ণ ৪৫১৩ গ, নরগণ চন্দ্রদশা
দক্ষিণে যোগিনী ৩১১০৪ গ, পশ্চিমে বার. ১ প্রহর গ, ১ প্রহর ।

দিবা ২৮৮৫
৭ ৬ ২০
২১ ৪১ ৪২
২৬ ২৩ ১৯
১৪ ৬ ৪
মিথুনচন্দ্র

৪ কার্তিক ঈং ২০ অক্টোবর মুং ২০ রবি সানি ঈং ৬১৭গ, উং ৫১৫৩গ, অ
শনিবার বজী ২৬১১৪ আত্মানক্ষত্র ৪১১২৩ বণিজকরণ ২৬১১৪
গতে বিষ্টি ৫০১২০ গতে ববকরণ শিবযোগ ৫১১১৯ তিথ্যমুতযোগ
যাত্রানাতি নক্ষত্রদোষ ২৬১১৪ গতে সিদ্ধিদোষ ৫০১২০ গতে শুভ
পূর্বে যাত্রাকোণে নাতি জন্মে মিথুনরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রদ-
শা ৪১১২৩গতে দেবগণ মুতে পাদদোষ ২৬১১৪ গতে বিপাদ-
দোষ ৪১১২১ গতে পূর্ণদোষ পশ্চিমে যোগিনী ২৬১১৪ গতে বায়ু-
কোণে বারবেলা আদায় ৪ মণ্ড আর ২১ প্রহর গতে ৪ মণ্ড ।

দিবা ২৮৮২
১ ৭ ২১
২২ ৩৭ ৪১
২০ ২৬ ৩১
২৬ ১ ৫
শ্রুতগণ
মং ০১৪৯
মিথুনচন্দ্র
২০২৫১৫ গ,
বর্ক চন্দ্র

৫ কার্তিক ঈং ২১ অক্টোবর মুং ২১ রবি সানি ঈং ৬১৮গ, উং ৫১৪২গ, অ
রবিবার শুক্লমী ২০১২৬ পুনর্কল্লনক্ষত্র ৩৭১২৬ ববকরণ সিদ্ধি-
যোগ ৪১১৩৯ যাত্রাশ্রুত পশ্চিমে বায়ুকোণে নাতি ২০১২৬ গতে
অক্টোমোষ ৩০১২৬ গ, নক্ষত্রমুতযোগ যাত্রাশ্রুত পশ্চিমে দিশানে
নাতি নৌকাগঠন ও বসকরণ ও সেবন গণদান গণগ্রহণ জন্মে মি-
থুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রদশা ২০১২৫১৫ গতে ককটরাশি
বৈশ্ববর্ণ ২০১২৬ যথো মুতে পূর্ণদোষ পাত্রে ৩০১২৬ যথো জিপাদদোষ
পাত্রে পাত্রে দোষ বায়ুকোণে যোগিনী ২০১২৬ গতে দিশানে বায়ুবৈলা
১১ প্রহর গতে ১ প্রহর । শুক্লমীর এবং অক্টোবর সাপ্তাহ ৪

দিবা ২৮/২৮
২ ৮ ২২
২৩ ৩৩ ৩৩
২৪ ৩৪ ৩০
২৫ ৩ ৩
২৬ ৩৪ ১০
২৭ ৩৪ ১১
২৮ ৩৪ ১২
২৯ ৩৪ ১৩
৩০ ৩৪ ১৪
৩১ ৩৪ ১৫
৩২ ৩৪ ১৬
৩৩ ৩৪ ১৭
৩৪ ৩৪ ১৮
৩৫ ৩৪ ১৯
৩৬ ৩৪ ২০
৩৭ ৩৪ ২১
৩৮ ৩৪ ২২
৩৯ ৩৪ ২৩
৪০ ৩৪ ২৪
৪১ ৩৪ ২৫
৪২ ৩৪ ২৬
৪৩ ৩৪ ২৭
৪৪ ৩৪ ২৮
৪৫ ৩৪ ২৯
৪৬ ৩৪ ৩০
৪৭ ৩৪ ৩১
৪৮ ৩৪ ৩২
৪৯ ৩৪ ৩৩
৫০ ৩৪ ৩৪
৫১ ৩৪ ৩৫
৫২ ৩৪ ৩৬
৫৩ ৩৪ ৩৭
৫৪ ৩৪ ৩৮
৫৫ ৩৪ ৩৯
৫৬ ৩৪ ৪০
৫৭ ৩৪ ৪১
৫৮ ৩৪ ৪২
৫৯ ৩৪ ৪৩
৬০ ৩৪ ৪৪
৬১ ৩৪ ৪৫
৬২ ৩৪ ৪৬
৬৩ ৩৪ ৪৭
৬৪ ৩৪ ৪৮
৬৫ ৩৪ ৪৯
৬৬ ৩৪ ৫০
৬৭ ৩৪ ৫১
৬৮ ৩৪ ৫২
৬৯ ৩৪ ৫৩
৭০ ৩৪ ৫৪
৭১ ৩৪ ৫৫
৭২ ৩৪ ৫৬
৭৩ ৩৪ ৫৭
৭৪ ৩৪ ৫৮
৭৫ ৩৪ ৫৯
৭৬ ৩৪ ৬০
৭৭ ৩৪ ৬১
৭৮ ৩৪ ৬২
৭৯ ৩৪ ৬৩
৮০ ৩৪ ৬৪
৮১ ৩৪ ৬৫
৮২ ৩৪ ৬৬
৮৩ ৩৪ ৬৭
৮৪ ৩৪ ৬৮
৮৫ ৩৪ ৬৯
৮৬ ৩৪ ৭০
৮৭ ৩৪ ৭১
৮৮ ৩৪ ৭২
৮৯ ৩৪ ৭৩
৯০ ৩৪ ৭৪
৯১ ৩৪ ৭৫
৯২ ৩৪ ৭৬
৯৩ ৩৪ ৭৭
৯৪ ৩৪ ৭৮
৯৫ ৩৪ ৭৯
৯৬ ৩৪ ৮০
৯৭ ৩৪ ৮১
৯৮ ৩৪ ৮২
৯৯ ৩৪ ৮৩
১০০ ৩৪ ৮৪

কর্কটচন্দ্র
২৮/২৮
২ ৮ ২২
২৩ ৩৩ ৩৩
২৪ ৩৪ ৩০
২৫ ৩ ৩
২৬ ৩৪ ১০
২৭ ৩৪ ১১
২৮ ৩৪ ১২
২৯ ৩৪ ১৩
৩০ ৩৪ ১৪
৩১ ৩৪ ১৫
৩২ ৩৪ ১৬
৩৩ ৩৪ ১৭
৩৪ ৩৪ ১৮
৩৫ ৩৪ ১৯
৩৬ ৩৪ ২০
৩৭ ৩৪ ২১
৩৮ ৩৪ ২২
৩৯ ৩৪ ২৩
৪০ ৩৪ ২৪
৪১ ৩৪ ২৫
৪২ ৩৪ ২৬
৪৩ ৩৪ ২৭
৪৪ ৩৪ ২৮
৪৫ ৩৪ ২৯
৪৬ ৩৪ ৩০
৪৭ ৩৪ ৩১
৪৮ ৩৪ ৩২
৪৯ ৩৪ ৩৩
৫০ ৩৪ ৩৪
৫১ ৩৪ ৩৫
৫২ ৩৪ ৩৬
৫৩ ৩৪ ৩৭
৫৪ ৩৪ ৩৮
৫৫ ৩৪ ৩৯
৫৬ ৩৪ ৪০
৫৭ ৩৪ ৪১
৫৮ ৩৪ ৪২
৫৯ ৩৪ ৪৩
৬০ ৩৪ ৪৪
৬১ ৩৪ ৪৫
৬২ ৩৪ ৪৬
৬৩ ৩৪ ৪৭
৬৪ ৩৪ ৪৮
৬৫ ৩৪ ৪৯
৬৬ ৩৪ ৫০
৬৭ ৩৪ ৫১
৬৮ ৩৪ ৫২
৬৯ ৩৪ ৫৩
৭০ ৩৪ ৫৪
৭১ ৩৪ ৫৫
৭২ ৩৪ ৫৬
৭৩ ৩৪ ৫৭
৭৪ ৩৪ ৫৮
৭৫ ৩৪ ৫৯
৭৬ ৩৪ ৬০
৭৭ ৩৪ ৬১
৭৮ ৩৪ ৬২
৭৯ ৩৪ ৬৩
৮০ ৩৪ ৬৪
৮১ ৩৪ ৬৫
৮২ ৩৪ ৬৬
৮৩ ৩৪ ৬৭
৮৪ ৩৪ ৬৮
৮৫ ৩৪ ৬৯
৮৬ ৩৪ ৭০
৮৭ ৩৪ ৭১
৮৮ ৩৪ ৭২
৮৯ ৩৪ ৭৩
৯০ ৩৪ ৭৪
৯১ ৩৪ ৭৫
৯২ ৩৪ ৭৬
৯৩ ৩৪ ৭৭
৯৪ ৩৪ ৭৮
৯৫ ৩৪ ৭৯
৯৬ ৩৪ ৮০
৯৭ ৩৪ ৮১
৯৮ ৩৪ ৮২
৯৯ ৩৪ ৮৩
১০০ ৩৪ ৮৪

সিংহচন্দ্র
২৮/২৮
২ ৮ ২২
২৩ ৩৩ ৩৩
২৪ ৩৪ ৩০
২৫ ৩ ৩
২৬ ৩৪ ১০
২৭ ৩৪ ১১
২৮ ৩৪ ১২
২৯ ৩৪ ১৩
৩০ ৩৪ ১৪
৩১ ৩৪ ১৫
৩২ ৩৪ ১৬
৩৩ ৩৪ ১৭
৩৪ ৩৪ ১৮
৩৫ ৩৪ ১৯
৩৬ ৩৪ ২০
৩৭ ৩৪ ২১
৩৮ ৩৪ ২২
৩৯ ৩৪ ২৩
৪০ ৩৪ ২৪
৪১ ৩৪ ২৫
৪২ ৩৪ ২৬
৪৩ ৩৪ ২৭
৪৪ ৩৪ ২৮
৪৫ ৩৪ ২৯
৪৬ ৩৪ ৩০
৪৭ ৩৪ ৩১
৪৮ ৩৪ ৩২
৪৯ ৩৪ ৩৩
৫০ ৩৪ ৩৪
৫১ ৩৪ ৩৫
৫২ ৩৪ ৩৬
৫৩ ৩৪ ৩৭
৫৪ ৩৪ ৩৮
৫৫ ৩৪ ৩৯
৫৬ ৩৪ ৪০
৫৭ ৩৪ ৪১
৫৮ ৩৪ ৪২
৫৯ ৩৪ ৪৩
৬০ ৩৪ ৪৪
৬১ ৩৪ ৪৫
৬২ ৩৪ ৪৬
৬৩ ৩৪ ৪৭
৬৪ ৩৪ ৪৮
৬৫ ৩৪ ৪৯
৬৬ ৩৪ ৫০
৬৭ ৩৪ ৫১
৬৮ ৩৪ ৫২
৬৯ ৩৪ ৫৩
৭০ ৩৪ ৫৪
৭১ ৩৪ ৫৫
৭২ ৩৪ ৫৬
৭৩ ৩৪ ৫৭
৭৪ ৩৪ ৫৮
৭৫ ৩৪ ৫৯
৭৬ ৩৪ ৬০
৭৭ ৩৪ ৬১
৭৮ ৩৪ ৬২
৭৯ ৩৪ ৬৩
৮০ ৩৪ ৬৪
৮১ ৩৪ ৬৫
৮২ ৩৪ ৬৬
৮৩ ৩৪ ৬৭
৮৪ ৩৪ ৬৮
৮৫ ৩৪ ৬৯
৮৬ ৩৪ ৭০
৮৭ ৩৪ ৭১
৮৮ ৩৪ ৭২
৮৯ ৩৪ ৭৩
৯০ ৩৪ ৭৪
৯১ ৩৪ ৭৫
৯২ ৩৪ ৭৬
৯৩ ৩৪ ৭৭
৯৪ ৩৪ ৭৮
৯৫ ৩৪ ৭৯
৯৬ ৩৪ ৮০
৯৭ ৩৪ ৮১
৯৮ ৩৪ ৮২
৯৯ ৩৪ ৮৩
১০০ ৩৪ ৮৪

নিষাচন্দ্র
২৮/২৮
২ ৮ ২২
২৩ ৩৩ ৩৩
২৪ ৩৪ ৩০
২৫ ৩ ৩
২৬ ৩৪ ১০
২৭ ৩৪ ১১
২৮ ৩৪ ১২
২৯ ৩৪ ১৩
৩০ ৩৪ ১৪
৩১ ৩৪ ১৫
৩২ ৩৪ ১৬
৩৩ ৩৪ ১৭
৩৪ ৩৪ ১৮
৩৫ ৩৪ ১৯
৩৬ ৩৪ ২০
৩৭ ৩৪ ২১
৩৮ ৩৪ ২২
৩৯ ৩৪ ২৩
৪০ ৩৪ ২৪
৪১ ৩৪ ২৫
৪২ ৩৪ ২৬
৪৩ ৩৪ ২৭
৪৪ ৩৪ ২৮
৪৫ ৩৪ ২৯
৪৬ ৩৪ ৩০
৪৭ ৩৪ ৩১
৪৮ ৩৪ ৩২
৪৯ ৩৪ ৩৩
৫০ ৩৪ ৩৪
৫১ ৩৪ ৩৫
৫২ ৩৪ ৩৬
৫৩ ৩৪ ৩৭
৫৪ ৩৪ ৩৮
৫৫ ৩৪ ৩৯
৫৬ ৩৪ ৪০
৫৭ ৩৪ ৪১
৫৮ ৩৪ ৪২
৫৯ ৩৪ ৪৩
৬০ ৩৪ ৪৪
৬১ ৩৪ ৪৫
৬২ ৩৪ ৪৬
৬৩ ৩৪ ৪৭
৬৪ ৩৪ ৪৮
৬৫ ৩৪ ৪৯
৬৬ ৩৪ ৫০
৬৭ ৩৪ ৫১
৬৮ ৩৪ ৫২
৬৯ ৩৪ ৫৩
৭০ ৩৪ ৫৪
৭১ ৩৪ ৫৫
৭২ ৩৪ ৫৬
৭৩ ৩৪ ৫৭
৭৪ ৩৪ ৫৮
৭৫ ৩৪ ৫৯
৭৬ ৩৪ ৬০
৭৭ ৩৪ ৬১
৭৮ ৩৪ ৬২
৭৯ ৩৪ ৬৩
৮০ ৩৪ ৬৪
৮১ ৩৪ ৬৫
৮২ ৩৪ ৬৬
৮৩ ৩৪ ৬৭
৮৪ ৩৪ ৬৮
৮৫ ৩৪ ৬৯
৮৬ ৩৪ ৭০
৮৭ ৩৪ ৭১
৮৮ ৩৪ ৭২
৮৯ ৩৪ ৭৩
৯০ ৩৪ ৭৪
৯১ ৩৪ ৭৫
৯২ ৩৪ ৭৬
৯৩ ৩৪ ৭৭
৯৪ ৩৪ ৭৮
৯৫ ৩৪ ৭৯
৯৬ ৩৪ ৮০
৯৭ ৩৪ ৮১
৯৮ ৩৪ ৮২
৯৯ ৩৪ ৮৩
১০০ ৩৪ ৮৪

কর্কটচন্দ্র
২৮/২৮
২ ৮ ২২
২৩ ৩৩ ৩৩
২৪ ৩৪ ৩০
২৫ ৩ ৩
২৬ ৩৪ ১০
২৭ ৩৪ ১১
২৮ ৩৪ ১২
২৯ ৩৪ ১৩
৩০ ৩৪ ১৪
৩১ ৩৪ ১৫
৩২ ৩৪ ১৬
৩৩ ৩৪ ১৭
৩৪ ৩৪ ১৮
৩৫ ৩৪ ১৯
৩৬ ৩৪ ২০
৩৭ ৩৪ ২১
৩৮ ৩৪ ২২
৩৯ ৩৪ ২৩
৪০ ৩৪ ২৪
৪১ ৩৪ ২৫
৪২ ৩৪ ২৬
৪৩ ৩৪ ২৭
৪৪ ৩৪ ২৮
৪৫ ৩৪ ২৯
৪৬ ৩৪ ৩০
৪৭ ৩৪ ৩১
৪৮ ৩৪ ৩২
৪৯ ৩৪ ৩৩
৫০ ৩৪ ৩৪
৫১ ৩৪ ৩৫
৫২ ৩৪ ৩৬
৫৩ ৩৪ ৩৭
৫৪ ৩৪ ৩৮
৫৫ ৩৪ ৩৯
৫৬ ৩৪ ৪০
৫৭ ৩৪ ৪১
৫৮ ৩৪ ৪২
৫৯ ৩৪ ৪৩
৬০ ৩৪ ৪৪
৬১ ৩৪ ৪৫
৬২ ৩৪ ৪৬
৬৩ ৩৪ ৪৭
৬৪ ৩৪ ৪৮
৬৫ ৩৪ ৪৯
৬৬ ৩৪ ৫০
৬৭ ৩৪ ৫১
৬৮ ৩৪ ৫২
৬৯ ৩৪ ৫৩
৭০ ৩৪ ৫৪
৭১ ৩৪ ৫৫
৭২ ৩৪ ৫৬
৭৩ ৩৪ ৫৭
৭৪ ৩৪ ৫৮
৭৫ ৩৪ ৫৯
৭৬ ৩৪ ৬০
৭৭ ৩৪ ৬১
৭৮ ৩৪ ৬২
৭৯ ৩৪ ৬৩
৮০ ৩৪ ৬৪
৮১ ৩৪ ৬৫
৮২ ৩৪ ৬৬
৮৩ ৩৪ ৬৭
৮৪ ৩৪ ৬৮
৮৫ ৩৪ ৬৯
৮৬ ৩৪ ৭০
৮৭ ৩৪ ৭১
৮৮ ৩৪ ৭২
৮৯ ৩৪ ৭৩
৯০ ৩৪ ৭৪
৯১ ৩৪ ৭৫
৯২ ৩৪ ৭৬
৯৩ ৩৪ ৭৭
৯৪ ৩৪ ৭৮
৯৫ ৩৪ ৭৯
৯৬ ৩৪ ৮০
৯৭ ৩৪ ৮১
৯৮ ৩৪ ৮২
৯৯ ৩৪ ৮৩
১০০ ৩৪ ৮৪

কর্কটচন্দ্র

৬ কার্তিক ইং২২ আক্টোবর মুং২২ রবি সানি ইং৬৩৮গ,উ.৫৪২গ,অ.
সোমবার অক্টো ১৪১৭ পুর্নামাস ৩৩১৫ কোলমকরণ সাধা
বেগ ৩৩৫০ যাত্রানান্তি অক্টোমোব ১৪২০গ, ইজাদায বাণিজ্য
করণ রাজদর্শন প্রথমকরণ প্রথমগমন স্বর্গদান স্বর্গপ্রদান জন্ম কর্তি
রাশি মেঘগণা প্রথম চাত্রদশ ৩৩১৫গতে দেবারিগণ দিশানে
যোগিনী ১৪১৭ গ, পূর্বে বার, ১ দণ্ড গ ৪ দণ্ড ৩ ৩ ৩, গ, ৪ দ.
অক্টোবর ইজাদায নবমীর ইজাদায দিশানে।

৭ কার্তিক ইং২৩ আক্টোবর মুং২৩ রবি সানি ইং৬৩৯গ,উ.৫৪৩গ,অ.
বঙ্গলবার নবমীর ১৪২৮ পুর্নামাস ২৩১৬ গরকরণ ৮২৮ গতে
বাণিজ্য ৩৩৫০গ ৩০ গতে বিজিকরণ শুভযোগ ২৬২ নক্ষত্রায়োগ
যাত্রানান্তি পূর্বে উত্তর নান্তি ৮২৮ গতে পূর্বে শুভ ২৩১৬ গতে
নক্ষত্রদশ জন্ম কর্তিরাশি দেবারিগণ দিশানে ইজাদায ২৩১৬
গতে সিংহরাশি দাত্রদশ কুজদশা দাত্র পাদদোষ পূর্বে যোগ
৮২৮ গতে উত্তর বা ৪ দণ্ড ৩ গ ৪ দণ্ড ৩ ৩ ৩, গ, ৪ দ.
৮২৮ গতে উত্তর বা ৪ দণ্ড ৩ গ ৪ দণ্ড ৩ ৩ ৩, গ, ৪ দ.

৮ কার্তিক ইং২৪ আক্টোবর মুং২৪ রবি সানি ইং৬৪০গ,উ.৫৪৪গ,অ.
বুধবার দশমীর ২৪১৭ পূর্বে অক্টো ১৪১৭ যাত্রানান্তি ২৩১৭
বিজিকরণ ২৪১৭ গতে বরকরণ ৩৩১৭ যাত্রা ১২৩৩ ইজাদায যাত্রাদি
শুভকর্মরাশি ইজাদায শুভ জন্ম সিংহরাশি দেবারিগণ কর্তি-
বর্ন কুজদশা ২৪১৭ গতে বরগণ ২৪১৭ গতে জুতে পাদদোষ
উত্তরে যোগ ২৪১৭ গ কাপ্তানগে বা, ১ গ ৪ দণ্ড ৩ ৩ ৩, গ, ৪ দ.
২৪১৭ গতে উত্তর বা ৪ দণ্ড ৩ গ ৪ দণ্ড ৩ ৩ ৩, গ, ৪ দ.

৯ কার্তিক ইং২৫ আক্টোবর মুং২৫ রবি সানি ইং৬৪১গ,উ.৫৪৫গ,অ.
বৃহস্পতিবার দ্বাদশী ২৫২২ পূর্বে কুর্নামাস ২৩১৮ কোলম-
করণ ব্রহ্মযোগ ১৪১৮ যাত্রানান্তি দ্বাদশীদোষ ২৫২২ গতে নক্ষত্র-
দোষ গর্ভদান জন্ম সিংহরাশি বরগণ কর্তিগণ কুজদশা ২৫২২
৪৫ গতে কুজরাশি শুভগণ দাত্র পাদদোষ ২৫২২ গতে দিশান-
দোষ ২৫২২ গ দিশানদোষ দৈর্ঘ্যতে যোগিনী ২৫২২ গতে দক্ষিণে
বারবেলা শেষ ১ প্রহর।

১০ কার্তিক ইং২৬ আক্টোবর মুং২৬ রবি সানি ইং৬৪২গ,উ.৫৪৬গ,অ.
শুক্রবার ত্রয়োদশী ২৬৩৩ উত্তরায়ন ১৮৫৯ গরকরণ
৪৮১৬ গতে বিজিকরণ ইজাদায ৪৮২৪ গতে ইজাদায ৫৪৫২
নক্ষত্রায়নযোগ যাত্রানান্তি দক্ষিণে পশ্চিমে নান্তি ১৮৫৯ গতে
বৈশাখমাস ৪৮২৪ মণো নক্ষত্রগণ নবব্রহ্মগণান নোকাগঠন
কুজদশা ইজাদায ৫৪৫২ গতে নবগণ স্বর্গদান স্বর্গপ্রদান জন্ম কর্তিরাশি
বরগণ শুভগণ কুজদশা ১৮৫৯ গতে দেবগণ বুধদশা ১৮৫৯
মণো ইজুতে দিশানদোষ দক্ষিণে যোগিনী ৪৮১৩ গতে পশ্চিমে
বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

বার্তাকু জন্ম নিষেধ।

সংস্কৃত পুঁজি ১৮১৬ সন ১০০১ ইংরাজী ১৮০০ চাঁদ্র বার্তিক শ্রবণ কৃষ্ণা দশমী তিথি।

দিবা ২৮/১
 ১৭
 ১৯ ৪০
 ৪০ ৫৯ ৩২
 ৫২ ৪ ১৫
 রক্তিকরচন্দ্র

১৫ কার্তিক ইং ৩১ অক্টোবর যুঃ জমাদাউ, ইং ১২৪৪ গ, উঃ ৫১৩৬ গ, অ.
 দুইবার শুভীয়া ৪৩৫২ অমৃতানন্দকৃত ১৯৫২ তৈলকরণ শো-
 তন যোগ ৪০৩২ নক্ষত্রায়ত্তযোগ ১৯ ৫২ যথো যাত্রাশুভ উত্তর
 অগ্নিকাণ্ডোনাতি পরে পাণাযোগ ৪৩৫২ গতে দিকান্দোব সাম-
 ত্বকণ নামকরণ যুধা যাত্রাশুভ জম্ম রক্তিকরচন্দ্র দেবগণ বিপ্রবর্গ
 শনিরদশা ১১৫৯ গতে দেবারিগণ ক্রিয়াকারণ যোগিনী ৪৩৫২
 গতে দৈবগণ বারবেলা ১ প্রঃ গ ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

দিবা ২৭/৫৮
 ৫ ১০ ৬
 ৪ ২৩ ৩৯
 ৪৪ ৫৮ ৫০
 ৪৪ ৬ ১৬
 ২১৫৮/
 ৪ ৩৮/১৮
 রক্তিকরচন্দ্র
 ২৩৫৮গধর

১৬ কার্তিক ইং ১ নবেম্বর যুঃ জমাদাউ, ইং ১২৪৪ গ উঃ ৫১৩৬ গ, অ.
 রক্তিকরচন্দ্র শুভীয়া ৪৩৫২ অমৃতানন্দকৃত ২৩৫৮ বর্ণিকরণ
 ১৪ ১৮ গতে বিষ্টি ৪৩৫২ গতে বকরণ অগ্নিকাণ্ডোনাতি ৩৯৫০
 পাণাযোগ যাত্রাশুভ ৪৩৫২ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রাশুভ মক্ষণ
 যাত্রা জম্ম রক্তিকরচন্দ্র দেবারিগণ বিপ্রবর্গ শনিরদশা ২৩৫৮
 গতে মক্ষণ ক্রিয়াকারণ যোগিনী ৪৩৫২ গতে মক্ষণ
 বারবেলা শেষ ১ প্রহর। গণেশ শুভীয়া গণেশ পূজা।

দিবা ২৭/৫৬
 ৬ ১৯ ৭
 ১৮ ৩৯
 ৫০ ৩৩ ৫৮
 ৩৭ ১ ১৭
 ধরচন্দ্র

১৭ কার্তিক ইং ২ নবেম্বর যুঃ জমাদাউ, ইং ১২৪৪ গ উঃ ৫১৩৬ গ, অ.
 শুভীয়া ৪৩৫২ অমৃতানন্দকৃত ৩৩ ৩৩ বকরণ অগ্নিকাণ্ডোনাতি
 ৩৯৫৮ যাত্রাশুভ মক্ষণ পাণাযোগ যাত্রাশুভ ২৮৩৩ গতে যথায় ৫০৩৭
 গতে সিদ্ধিযোগ মক্ষণ শুভ সামন্তকণ মক্ষণ জম্ম মক্ষণ
 দেবারিগণ ক্রিয়াকারণ শনিরদশা ১৮৩৩ গতে মক্ষণ রক্তিকরচন্দ্র
 মক্ষণ মক্ষণ যোগিনী ৫০৩৭ গতে মক্ষণ বারবেলা ১ প্রহর
 গতে ১ প্রহর।

দিবা ২৭/৫৩
 ৭ ২০ ৮
 ৬ ৩৪ ৪০
 ৫৫ ২২ ৪৮
 ২৪ ৩ ১৮
 ধরচন্দ্র
 ৫০৫৫১০ গ
 মক্ষণরচন্দ্র

১৮ কার্তিক ইং ৩ নবেম্বর যুঃ জমাদাউ, ইং ১২৪৪ গ উঃ ৫১৩৬ গ, অ.
 শনিবার শুভীয়া ৫৫১২ পূর্ণাষাঢ়ানন্দকৃত ৫৫১২ কো-বকরণ স্থতি
 যোগ ৪০৪৮ তিথায়ত্তযোগ যাত্রাশুভ পূর্ণাষাঢ়ানন্দকৃত ৫৫১২
 গতে মক্ষণদোব জম্ম মক্ষণ মক্ষণ ক্রিয়াকারণ রক্তিকরচন্দ্র
 ৫০৫৫১০ গতে মক্ষণ শ্রুত যুতে পাণদোব ৩৪২২ গতে
 ত্রিপাদদোব ৫৫১২ গতে পূর্ণদোব পাণদোব যোগিনী ৫৫১২ গতে
 বায়ুকোণে বারবেলা আশুভ ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।
 নিম্ন তক্ষণ নিষেধ।

দিবা ২৭/৫০
 ১ ২১ ৯
 ৭ ৪০ ৪২
 ৬০ ৩৬ ৫০
 ০ ৫ ১৯
 ২১৬ ৪৫৭১০
 মক্ষণরচন্দ্র

১৯ কার্তিক ইং ৪ নবেম্বর যুঃ জমাদাউ, ইং ১২৪৪ গ উঃ ৫১৩৬ গ, অ.
 শুভীয়া ৬০১০ উত্তরাষাঢ়ানন্দকৃত ৪০৩৬ গরকরণ শুল-
 যোগ ৪২১০ নক্ষত্রায়ত্তযোগ যাত্রাশুভ পাণদোব বায়ুকোণে নাতি
 ৪০৩৬ গতে যথায় মক্ষণ নাতি পূর্ণদোব পাণদোব শনিরদশা
 মক্ষণ জম্ম মক্ষণ মক্ষণ শ্রুত যুতে পাণদোব ৪০৩৬
 গতে দেবগণ ৪০১৬ যথো যুতে পূর্ণদোব পরে ত্রিপাদদোব বায়ু
 কোণে যোগিনী বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।
 অক্ষরকরণ অনিন্দনীয়।

কৃষ্ণা দশমী তিথি ১৮১৬ সন ১০০১ ইংরাজী ১৮০০ চাঁদ্র বার্তিক শ্রবণ কৃষ্ণা দশমী তিথি।

শ্রীমতী ১৮১৩ নং ১০০ হার্ডী ১৮১৪ চাক্র কার্তিক শুক্লপক্ষ চতুর্দশী ১১১

দিবা ২৭/৪৭ ২০ কার্তিক ইং ৫ নবেম্বর মুং ৬ জমাআউ, ইং ৬/২৭গ, উ, ৫/১৩গ, অ,
সোমবারি সপ্তমী ০/৩১ অবগামকর ৪৭/১৯ বণিজকরণ ০/৩১
২ ২২ ১০ গীতে বিষ্টি ৩০/১৮ গীতে ববকরণ গণযোগ ৪৩ ১৯ নকজামৃতযোগ
৭ ৪৭ ৪৩ যাত্রাপ্রভ পূর্বে দক্ষিণে বায়ুকাণে নাস্তি ০/২৯ গীতে বায়ুকাণে
০ ২ ১১ শুভ ইশানে নাস্তি ৪৭/১৯ গীতে দক্ষিণে শুভ জাহা মকররাশি দেব-
৩৯ ৬ ২০ গণ শূভবর্ণ রত্নস্পতিরদশা ৪৭/১৯ গীতে দেবারিগণ রত্নরদশা ০/৩১
মধ্যে মূতে পানদোষ বায়ুকাণে যোগিনী ০/৩১ গীতে ইশানে বার
বেলা ৪ দণ্ড গীতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গীতে ৪ দণ্ড।

দিবা ২৭/৪৮ ২১ কার্তিক ইং ৬ নবেম্বর মুং ৭ জমাআউ, ইং ৬/২৭গ, উ, ৫/১৩গ, অ,
মঙ্গলবার অষ্টমী ৫/৫৭ বর্নিকানকর ৫/১৩ ববকরণ রত্নযোগ
৩ ২৩ ১১ ৪৪/২৯ সিদ্ধিযোগ ৫/৫৭ মধ্যে যাত্রামধ্যম উত্তরে ইশানে নাস্তি
৮ ৫৩ ৪৪ পরে রিকাদোষ জাহা মকররাশি দেবারিগণ শূভবর্ণ রত্নরদশা ২/০
৫ ২৫ ২৯ ১৭ গীতে কুজরাশি বৈশ্ববর্ণ মূতে পানদোষ ইশানে যোগিনী ৫/৫৭
৫৭ ১ ২১ গীতে পূর্বে বারবেলা ৪ ৪৩ গীতে ৪ দণ্ড ২৪ প্রহর গীতে ৪ দণ্ড
মকররচন্দ্র
২০/১৭ গীতে
হুস্তরচন্দ্র
দিবা ৫/৫৭ পল মধ্যে গোষ্ঠাকর্মী রত্নং গবাং পূজা গোত্রাম
দানং গোত্রদক্ষিণাং গোত্রাঙ্গীমাত গোষ্ঠাকর্মী রত্নং।

দিবা ২৭/৪২ ২২ কার্তিক ইং ৭ নবেম্বর মুং ৮ জমাআউ, ইং ৬/২৮গ, উ, ৫/১৩ গ. অ,
বুধবার নবমী ১০/৫০ - তিথিবানকর ৫৮/১৬ কেলকরণ প্রব-
৪ ২৪ ১২ যোগ ৪৫/১৬ নকজামৃতযোগ যাত্রাপ্রভ পূর্বে উত্তরে নাস্তি ১০/৫০
৯ ৫৮ ৪৫ গীতে পূর্বে শুভ ৫৮/১৬ গীতে মধ্যম জাহা কুজরাশি দেবারিগণ
১০ ১৬ ১৬ বৈশ্ববর্ণ রত্নরদশা ৫৮/১৬ গীতে নরগণ ৫৮/১৬ গীতে মাতৃ ত্রিণাদি
৫০ ৩ ২২ দোষ পূর্বে যোগিনী ১০/৫০ গীতে উত্তরে বারবেলা ১ প্রহর গীতে
৪ দণ্ড আর ২ প্রহর গীতে ৪ দণ্ড।

দিবা ১০/৫৭ পল মধ্যে ত্রেতাযুগাদ্যা জানমানাদি অত্র চণ্ডী-
পূজনে কলাধিকার। নিরন্তর সম্বৎসরাবচ্ছিন্ন গঙ্গাস্নানজন্ত কল
ব বজ্রতঙ্গা ১৫ সমকল আশি গঙ্গারাং যাত্রাং। হুগানবমী গৌরী ব্রতং অকর
দং ৩১০ নবমী ব্রতং।
কুস্তরচন্দ্র
ঐত্রীজগদ্ধাত্রী পূজা।

দিবা ২৭/১৯ ২৩ কার্তিক ইং ৮ নবেম্বর মুং ৯ জমাআউ, ইং ৬/২৮গ, উ, ৫/১৩গ, অ,
৫ ২৫ ১৩ বৃহস্পতিবার দশমী ১৫/১ পূর্বতাত্রপদনকর ৬০/০ গরকরণ
১০ ৬০ ৪৫ ১৫/১ গীতে বণিজকরণ ৪৮/৩৬ গীতে বিষ্টিকরণ ব্যাঘাতযোগ ৪৫/১৯
১৫ ০ ১৯ সিদ্ধিযোগ যাত্রামধ্যম উত্তরে দক্ষিণে নাস্তি ১৫/১১ গীতে উত্তরে শুভ
১ ৫ ২৩ অগ্নিকোণে নাস্তি ৪৬/৩৬ গীতে বিষ্টিদোষ গর্ভাকান সাধিতকরণ মৌ-
৪১৬ দং ১৬/৪২ কামঠন ও চালন ও যাত্রা অগ্নে কুজরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ রত্ন-
কুস্তরচন্দ্র মঙ্গল ৪১/২৪/১৫ গীতে বানরাশি বিশ্ববর্ণ মূতে বিপানদোষ উত্তরে
৪৭/২৪/১৫ গ. যোগিনী ১৫/১ গীতে অগ্নিকোণে বার শেষ ১ প্রহর।
মৌনরচন্দ্র একদশীর সপ্তমী।

ভার্য কলকাতা নবমী ১৮১৪ চাক্র কার্তিক শুক্লপক্ষ ১১১

| | | |
|----|-------|--|
| ১৮ | ২৭৩৬ | ২৪ কাঠিক ইং ১৯ নবম্বর ১৯১০ জমাজাউ, ইং ৬২৯গ, উ. ৫।৩১গ, অ. |
| ১৯ | ২৫ ১৪ | শুক্রেবার একাদশী ১৮।১১ পূর্ব জ্যৈষ্ঠ পদমকত্র ৩৪৭ বিজিকরণ |
| ২০ | ৩ ৪৪ | ১৮।১১ গ বরকরণ ২৪।১১ মোমা ৪৪।০২ মিক্রিয়াগ ৪ নক্ষত্রামৃতযোগ |
| ২১ | ৪৭ ৩২ | যাত্রানান্তি বিগমোষ কয়ে'মানরাশি নক্ষত্র বিগমোষ রাত ৩৩নক্ষ |
| ২২ | ০ ২৪ | ৩৪৭ গ. শুক্রের ৩৪৭ মধ্য মৃত্তে দ্বিপাদ, ১৮।১১ গ, পাদ, অ. |
| ২৩ | ১৭।৪০ | যো. ১৮।১১ গ, ঈশ, বা, ২৪, গ. ১ প্র. উৎসান একাদশীর উপবাস। |
| ২৪ | ১৭।৪০ | গ. ১ সফানান্তি ১৮।১১গ মহাদক্ষ। একাদশীর একো দ্বাদশীর ম. |

| | | | |
|------|----|----|---|
| দিবা | ২৭ | ৩০ | ২৫ ক স্টিক ৫০১০ নং বেসর মুং ১১ জমাজাউ, ইং ৫২২গ, উ ৫০১গ, অ |
| ১ | ২৬ | ১৭ | শনিবার দাদশী ২০১১ উত্তরভাঙ্গাপদনক্ষত্র ৭।১৫ বাসবকরণ |
| ১২ | ৭ | ৪২ | বজ্রবাণ ৪২।৫০ যাত্রানান্তি দাদশী এবং নক্ষত্রালাহ ও মঙ্গলাদায় |
| ২০ | ১৫ | ৫০ | জ্যেষ্ঠ মীনরাশি নরগল বিশ্রবর্ণ শুক্রেরদশা ৭।১৫ গাত মবগল |
| ১১ | ২ | ২৭ | ২০২১ মঙ্গল মৃত দিপাদদায় পুরে পাদদায় মৈত্রিতে যোগিনী |
| | | | ২০১১ গাত দক্ষিণে বারবেলা আদায় ৪।৫০ আরহা ৭।১৫ গ ৪ দণ্ড |
| | | | ৪৫৫৪। স্থানদানদি গোলামীতে ভীষণকক চাতুর্থাৎ ত্রত সমাপন |
| | | | দিবা ৭।১৫ পল গ, ঐহারউস্থানং। ২০১১ পল পর্যন্ত মুহাদদা। |
| | | | এদাদশীর সপিন্দন। |

| | | |
|-------------|-------|---|
| মধ্য | ২৭।০০ | ২৬ ক. দক্ষিণ ইং ১১ নং বঙ্গের মুঃ ১২ জম্বা আউ, ইং ৬।০০ গ. উ. ৫।০০ গ. জ |
| ১ | ২৭ ১৬ | কবিবার জম্বা দশী ২০৫১ রেবতী মক্ষত্র ৯।৩৯ টি এলুকরণ |
| ১৬ | ৯ ৪০ | জম্বা মোগ ৪০।৯ দুক্ষত্র মিত্রযোগ ৯।৩৯ মুঃ যাত্রা শুভ দক্ষিণে |
| ১৮ | ৩৯ ৯ | পশ্চিমে নাশি পাত শ্রুত পূর্ণ নাশি ২০৫১ গতে দিক্রাদায় |
| ৫১ | ■ ২৬ | পক্ষাত্ত িক্র মণ মুখ্য রাশন জাম্বা মীনরাশি মেসগল বিপ্রবন |
| ২১৬৬ দ০৫০৫৪ | | শ্রুত্র ৯।৩৯ গ মেসরাশি টেব্রু. মুঃ প্যদ, দক্ষিণে যো, ২০৫১ গ, |
| মংবক্রতাং | | পশ্চিমে বারাবলা ১। প্রহর গতে ১ প্রহর । |
| মীনরুজ | | |

| | | |
|------|-------|--|
| দিবা | ২৭।২৮ | ২৭ কাহ্নিক ৫০।১২ নবম্বর মুং ১০ জমা জাতি, টংডা ৩০ গ. উ. ৫। ৩০ গ. অ. |
| ১ | ১ ১৭ | সোমবার চতুর্দশী ২০।১৪ অস্থিীন ক্ষত্র ১০।৪৯ বণিজ, ২০।১৪ |
| ১৪ | ১০ ৩৬ | গ, বিষ্টি ৪২।১৮।৩০ গ, বাতা পাত, ববব, ৩৬।২৮ নক্ষত্রানুত, ১০।৪৯ |
| ২০ | ৪৯ ২৮ | হর্য বাতাস্ত শু পূর্বে পশ্চিমে নাস্তি পরে নক্ষত্রানুয জায়ে যেষ- |
| ১৪ | ৬ ২৭ | রাশি দেবগণ বৈশ্য, শুক্র, ১০।৪৯ গ, নরগণ পশ্চি, যো, ২০।১৪ |
| | | গ, বারু, বারবে, ৪ মণ্ড গতে ৥ মণ্ড তার ৩ গ্রহর গতে ৪ মণ্ড |
| | | পূর্নিমার নিশিপালন সাংসদ্যনাস্তি । |

| | | | |
|--------------|---|----|---|
| মেষের চন্দ্র | বৈকুণ্ঠ তুর্দশী রাত্রে ত্রিভুজাকার রাসমহোৎসব। গোশ্বাসীমতে পরাহে | | |
| শিবা | ২৭ | ২৫ | ২৮ কাঠিক ষষ্ঠ ১৩ বারবর যুঃ ১৪ জ্যৈষ্ঠাষ্ট, ষ্টং ৬৩ ৩১ গ, উ ৫২ ২১ গ, অ |
| ৩ | ২ | ৩৮ | মঙ্গলবার পূর্ণিমা ১৮ ২৩ ভদ্রশীলকত্র ১০ ৮৪ বব, বহুঃ রাশিযোগ |
| ১৫ | ১০ | ৩১ | ৩ ১৪ ৮ বাত্রানান্তে মঙ্গলরোধি জন্মে মেঘরাশিঃ মঙ্গল বৈশ্ব, শুক্রের |
| ১৮ | ২৪ | ৪৮ | ১৫ ৮৪ গুতে দেবারিগণ রবিরক্ষা ২৫ ২৬ ৩০ গ, রুঘরাশি মৃত্তকর্ণ |
| ২৫ | ১ | ২৮ | মৃত্তে পাদ, ১০ ৮৪ গ, জিগাদ, বায়ুকোণে ঘোঃ ১৮ ২৩ গ, পূর্বে |
| শেষের চন্দ্র | বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আদি ২১ শুক্ল গতে ৪ দণ্ড। | | |

২৪২৬৩০ গু. কাটিকী মকতুরা জানমহাদি হিম্ব কাটিক মুনি পৌর্ণমাসী
 ইষেরচন্দ্র পূর্ণিমার তৃত এবং উপবাস সপ্তিমার সপ্তম এবং ত্রিংশদের সপ্তম

| | |
|-----------|---|
| শনি ২৭/১২ | ২৯ কৃত্তিক ইং ১৪ নবেম্বর ১৮৮০ জমাদিনা, ইং ১৮/১২/১৩০১, অ.
বৃষাব প্রতিপদ ১৫/১২ কৃত্তিকানক্ষত্র ১৩৪ কোলকরণ পশ্চিম
৪ ৩ ১২ |
| ১৬ ৯ ২৬ | যোগ ২৬/১২ যাত্রাশক্তি নিরংশনোষ জন্মে বৃষাশি দেবারিগণ শূন্য
১৫ ৩৪ ১৮ |
| ২৮ ৩ ২৯ | বর্গ ব্রবিদশা ১১/৩৪ গ. নরগণ ১১/৩৪ মধ্যে ১ তে দ্বিপাদনোষ ১৫/১২
গতে উত্তরে বা. ১° প্রহর গতে ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৩ দণ্ড।
হিন্দমা বিদি আরম্ভ। দ্বিতীয়র একোদিক সপ্তপদ।
বিষ্ণুপদী সংক্রান্তি পরাক্ষরিত্র সংক্রমণে পরদিবসীয় আদ্য
যামদয়ং পুণ্যং ব্রবণে সংক্রমণে মন্দাখ্যা সংক্রান্তি কৃত্যং হান-
দানাদি। দিব ১১/৩৪ পল গ ১১/১৮ পল মধ্যে রোহিণী নক্ষত্র যুক্ত
প্রতিপদাদি গঙ্গাফলং ব. শত স্বর্গ গ্রহণকালীন গঙ্গাশ্রমজ্ঞ ফলং |

| | | | |
|-----------------------------|----------------|--------|---------------------------------------|
| মার্গপ্রদং | ৫৫/৬ | রবি | বৃষাশি রাশিতে ১৬ বিশাখানক্ষত্রে। |
| বিষ্ণুপদী সংক্রান্তি পরাক্ষ | | চন্দ্র | বৃষাশি রাশিতে ৪ রোহিণীনক্ষত্রে। |
| রাশি সংক্রমণে পরদিবসীয় | | মঙ্গল | মীন রাশিতে ২৭ রেবতীনক্ষত্রে। |
| দিনমানং | ২৭/১২ | বুধ | তুলা রাশিতে ১৫ স্বাতিনক্ষত্রে। |
| শকাব্দঃ | ১৮৮৬ | শুক | মিথুন রাশিতে ৬ আর্দ্রানক্ষত্রে। |
| সম্বৎ | ১৯৫১ | শুক্র | বৃষাশি রাশিতে ১৬ বিশাখানক্ষত্রে। |
| সন | ১৩০১ | শনি | তুলা রাশিতে ১৫ স্বাতিনক্ষত্রে। |
| ইংরাজী | ১৮৮৪ | রাক | মীন রাশিতে ২৬ উত্তরভাদ্রপদনক্ষত্রে। |
| অগ্নিশিখা | ২০° ৫৬' ১' ৩০" | কেতু | কন্যা রাশিতে ১২ উত্তরফল্গুনীনক্ষত্রে। |

| | |
|--------------|---|
| শনি ২৭/১২ | ৩০ কৃত্তিক ইং ১৫ নবেম্বর ১৮৮০ জমাদিনা, ইং ১৮/১২/১৩০১, অ.
বৃষাশি প্রতিপদ দ্বিতীয়া ১১/৩৪ রোহিণীনক্ষত্র ১২৭ গরুড়বর্গ ১১/৩৪ |
| ৫ ৪ ২০ | গরুড় বর্গজকরণ ৩৯/১৪/৩০ গ. বিক্রিকরণ শিবযোগ ২০/১৪/৩০
মাস্তি সংক্রান্তিদোষ জন্মে বৃষাশি নরগণ শূন্য বর্গ ব্রবিদশা ১১/২৬ |
| ১৭ ৭ ২০ | গতে দেবগণ ৩৬/৫৭/০ গতে মিথুনরাশি বৈশাখ বর্গ ১১/৩৪ মধ্যে গতে
পাদনোষ উত্তরে যোগিনী ১১/৩৪ গ. অষ্টকোণে বার, শেষ ৪ প্রহর |
| ১১ ২৭ ৪ | ৩৪ ৫ ৩০ |
| ৩৪ ৫ ৩০ | |
| বৃষাব চন্দ্র | বিষ্ণুপদী সংক্রান্তি পরাক্ষরিত্র সংক্রমণে পরদিবসীয় আদ্য যাম
দয়ং পুণ্যং ব্রবণে সংক্রমণে মন্দাখ্যা সংক্রান্তি কৃত্যং হান-
দানাদি। |
| ৩৫/৫৭/০ গতে | ত্রিকাক্ষিকের ত্রত এবং পূজা। |
| মিথুন চন্দ্র | |

অগ্রহায়ণ মাসের বিষ্ণুপদী সংক্রান্তির সঞ্চার গণনা।

মন্তকে ১১২ ফলং রাজপূজা।

মুখে ১ ফলং রোগ।

দক্ষিণ করে ৫৬/৭৮

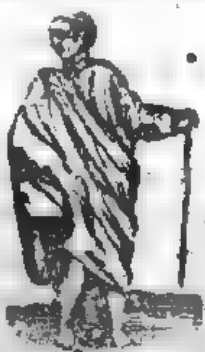
ফলং জোপ।

কমরে ১১/২০/২১/২২/২৩

ফলং লাভ।

দক্ষিণ পাশে ১১/১৩/১৪

ফলং হান।



মেয়ে ২৪/২৫/২৬/২৭

ফলং প্রার্থা।

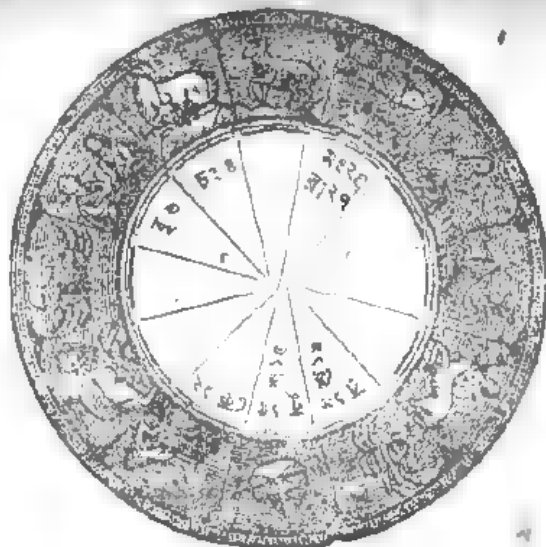
বাম করে ১৫/১৬/১৭/১৮

ফলং বন্ধনক্ষত্র।

গুহে ৩ ফলং অপহৃত্য।

বাম পাশে ১২/১৩/১৪

ফলং হান।



দিবা ২৭।১৮
৬ ৫ ২১
১৮ ৪ ১০
৬ ২৭ ৪৪
৫৫ ০ ১

পালকচন্দ্র
মিথুনরচন্দ্র

দিবা ২৭।১৫
৭ ৬ ২২
১৯ ১ ৫
১ ৩ ৪৯
৩৪ ৫২ ৫২
৫৫ ৮ ২১
৫২ ২ ২
মিথু ৪৩।৪৪গ,
কর্কটরচন্দ্র

দিবা ২৭।১২
১ ৮ ২৪
২১ ৫২ ৫১
৪৯ ৫৫ ১৮
৫৫ ৫ ৩
২৭।১১।৩৯
বৃষজ্যোতিঃ
কর্কটরচন্দ্র

দিবা ২৭।৯
২ ৯ ২৫
২২ ৪৮ ৪২
৪৪ ৪৩ ৩০
১ ০ ৪
কর্কটরচন্দ্র
১৮ ৪৫ গতে
সিংহরচন্দ্র

১ অগ্রহায়ণ ইং ১৬ নবেম্বর মুং ১৭ জমাদিআ, ইং ৩।৩২গ, উ ৫।২৮গ, অ
শুক্রবার তৃতীয়া ৬।২৫ যুগশিরানকত্র ৪।২৭ বিজিকরণ ৬।৫৫
গতে ববকরণ সিদ্ধযোগ ১।৩৪৪ যাত্রানাস্তি অগস্ত্যদোষ জন্মে মিথুন
রাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ ৩বিরদশা ৪।২৭ গতে নরগণ চন্দ্রেরদশা
অধিকোণে বো, ৬।২৫ গতে নৈমগতে বা, ১ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

২ অগ্রহায়ণ ইং ১৭ নবেম্বর মুং ১৮ জমাদিআ, ইং ৬।৩৩গ, উ ৫।২৭গ, অ
শনিবার চতুর্থী ১।৩৪ পরে পক্ষমী ৫।৫২ আত্রানকত্র ১।৩ পরে
শুন ৫২নকত্র ৭।৮ বালবকরণ সাধ্যযোগ ৫।৪৯ পরে শুভযোগ ৫।২১
ত্রাহস্পর্শ যাত্রাদি শুভকর্মাস্তি আনন্দানে শুভ জন্মে মিথুনরাশি নর
গণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রেরদশা ১।৩ গ, দেবগণ ৪।৩৫৪ গ, কর্কটরাশি বিপ্র
বর্ণ যুতে পাদ, ১।৩ গ, ৫৮।১১ মধ্যে ত্রিপাদ, পরে পাদদোষ নৈমক,
যোগিনী ১।৩৪ গ, দক্ষি, বা, আদ্যন্ত ৮ দণ্ড ২।২ প্রহর গ, ৪ দণ্ড ।

৩ অগ্রহায়ণ ইং ১৮ নবেম্বর মুং ১৯ জমাদিআ, ইং ৬।৩৪গ, উ ৫।২৬গ, অ
রবিবার বৃত্তী ৪।৫৫ পূষ্যানকত্র ৫।২৫ গরকরণ ৪।৫৫ গতে
বিজিকরণ শুক্রযোগ ৫।১৮ নকত্রায়োগ যাত্রাস্ত পশ্চিমে নাস্তি
৪।৫৫ গ, বায়ু, নাস্তি ৫।২৫ গ, নকত্রদোষ গর্ভাধান জন্মে কর্কট-
রাশি দেবগণ বিপ্রবর্ণ চন্দ্রেরদশা ৫।২৫ গ, দেবারিগণ যুতে পাদ
৪।৫২ গ, ত্রিপাদ, পশ্চি, বো, ৪।৫৫ গ, বায়ু, বা, ১।১ প্র, গ, ১ প্র

৪ অগ্রহায়ণ ইং ১৯ নবেম্বর মুং ২০ জমাদিআ, ইং ৬।৩৪গ, উ ৫।২৬গ, অ
সোমবার শুক্লমী ৪।১১ অশ্বিনানকত্র ৪।৮।৩০ বিজি, ১।৩।৫৮ গতে
ববকরণ ত্রাযোগ ৪।২০ যাত্রানাস্তি নকত্রদোষ জন্মে কর্কটরাশি
দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ চন্দ্রেরদশা ৪।৮।৩০ গতে সিংহরাশি ক্ষত্রিবর্ণ
কুজেরদশা ৪।১১ মধ্যে যুতে পাদদোষ বায়ুকোণে যোগিনী ৪।১১
গ, কেশানে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৮ দণ্ড আর ৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড

লকাতা ১৮১৬ সন ১০০১ ২২রাঙ্গা ১৮১৬ চাণ্ডিক কৃষ্ণক হিন্দু মার্গ বাদ। ১১৫

দিবা ২৭।৫

৩ ১০ ২৬

২৬ ৪৪ ৬৪

৬ ৫০ ৪৩

১২ ২ ৫

সিংহরচন্দ্র

দিবা ২৭।২

৪ ১১ ২৭

২৪ ৪১ ২৭

৬২ ১৯ ২০

৫৯ ৪ ৬

২ ১৭

২৮ ১৩

কত্মরচন্দ্র

দিবা ২৬।৫৯

৫ ১২ ১

২৫ ৫৮ ২০

৫৮ ১৭ ২০

১৪ ৬ ৭

কন্যরচন্দ্র

দিবা ২৬।৫৬

৬ ১৩ ২

২৬ ৩৬ ১৩

২৪ ৬ ৫৮

১৫ ২ ৮

কত্মরচন্দ্র

দিবা ২৬।৫৩

৭ ১৪ ৩

২৭ ৩৪ ৮

২১ ৫২ ১৬

৬ ৪ ৯

২১৫৮৪৪৪৪

২১৫৮৪৪৪৪

কত্মর ৫২৯গ

তুলারচন্দ্র

দিবা ২৬।৫২

১ ১৫ ৪

২৮ ৩৪ ৩

১৯ ৪১ ২৩

৫ ৬ ৫৬

— ৩

— ১০

তুলারচন্দ্র

৫ অগ্রহায়ণ ইং২০ নবেম্বর মুং২১ জমাদিনা, ইং৬।৩৫গ, উ. ৫।২৫গ, অ

মঙ্গলবার অষ্টমী ৩৮।১৯ মধ্যনক্ষত্র ৪৪।৫০ বালবকরণ ইন্দ্রযোগ

৩৪।৪৩ সিদ্ধিযোগ যাত্রানাস্তি নক্ষত্রদোষ ৩৪।৪৩ গতে বৈধতিদোষ

জন্ম সিংহরাশি দেবারিগণ কত্রিয়বর্গ কুজেরদশা ৪৪।৫০গ নরগণ

মতে পাদ, ক্রমানে যো, ৩৮।১৯গ, পূর্বে বার, ৪দগ ৪দ ও ২।প্রগ ৪দ,

৬ অগ্রহায়ণ ইং২১ নবেম্বর মুং২২ জমাদিনা, ইং৬।৩৬গ, উ. ৫।২৪গ, অ

বৃহবার নবমী ৩২।৫৯ পূর্বফল্গুনী নক্ষত্র ৪১।১৯ তৈতিলকরণ

বৈধতিযোগ ২৭।২০ যাত্রানাস্তি রিক্তা এবং বৈধতিদোষ ৩২।৫৯ গ,

দক্ষিণাঙ্গ জন্ম সিংহরাশি নরগণ কত্রিয়বর্গ কুজেরদশা ৫৫।৩০।৩০

গ, কত্রিয়ারিগণ শ্রুতবর্গ ৪১।১৯ গ, মতে দ্বিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী

৩২।৫৯ গ, উক্ত, বা. ১ প্র, গ ৪ দগ ৩২ প্র, গ, ৪ দগ ৩২ ৫৯গ, মহা

৭ অগ্রহায়ণ ইং২২ নবেম্বর মুং২৩ জমাদিনা, ইং৬।৩৬গ, উ. ৫।২৪গ, অ

রহস্য, তিবার দশমী ২৮।১৪ উত্তরফল্গুনী নক্ষত্র ৩৮।১৭ বণিককরণ

০।৩৬।৩০ গ, বিষ্টি ২৮।১৭ গ, ববকরণ বিষ্টি জন্মযোগ ২০।২০ সিদ্ধি-

যোগ যাত্রানাস্তি দক্ষিণ ও নক্ষত্রদোষ ৩৮।১৭গ, শুভ উত্তরে দক্ষিণে

অতিকোণে নাস্তি জন্ম কত্রিয়ারিগণ নরগণ শ্রুতবর্গ কুজেরদশা ৩৮।১৭

গ, দেবগণ বুধেরদশা ৩৮।১৭ মতে মতে দ্বিপাদদোষ উত্তরে যো,

২৮।১৪ গ, অতিকোণে বা. শেষ ১ প্রহর। ২৮।১৪ পর্যন্ত মহাদক্ষা

৮ অগ্রহায়ণ ইং২৩ নবেম্বর মুং২৪ জমাদিনা, ইং৬।৩৭গ, উ. ৫।২৭গ, অ

শুকবার একাদশী ২৪।১০ হস্তানক্ষত্র ৩৬।৬ বালবকরণ প্রীতি-

যোগ ১০।৫৮ সিদ্ধিযোগ যাত্রানাস্তি উত্তরে পশ্চিমে অতিকোণে নাস্তি

২৪।১০ গতে পাপযোগ গর্ভাধান নামকরণ জন্ম কত্রিয়ারিগণ দেবগণ

শ্রুতবর্গ বুধেরদশা ৩৬।৬ গতে দেবারিগণ ২৪।১০ গতে মতে পাদ-

দোষ অদি, যো, ২৪।১০ গ, নৈমতে বার, ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

৯ অগ্রহায়ণ ইং২৪ নবেম্বর মুং২৫ জমাদিনা, ইং৬।৩৭গ, উ. ৫।২৩গ, অ

শনিবার দ্বাদশী ২১।৬ চিত্রানক্ষত্র ৩৪।৫২ তৈতিলকরণ আশ্বিন

যোগ ৮।১৬ যাত্রানাস্তি দ্বাদশীদোষ ২১।৬ গতে মধ্যম পূর্বে দক্ষিণে

নাস্তি ৩৪।৫২ গতে নক্ষত্রাঙ্গযোগ যাত্রানাস্তি জন্ম কত্রিয়ারিগণ নরগণ

শ্রুতবর্গ বুধেরদশা ৫।২৯ গতে তুলারিগণ কত্রিয়বর্গ ৩৪।৫২ গতে

দেবগণ ২১।৬ মতে মতে দ্বিপাদ, পদে পাদ, নৈমতে যো, ২১।৬

গ, দক্ষিণে বা, আদন্ত ৪ দগ ৫২ প্র, গ, ৪ দগ। দ্বাদশীর সপি,

১০ অগ্রহায়ণ ইং২৫ নবেম্বর মুং২৬ জমাদিনা, ইং৬।১৮গ, উ. ৫।২২গ, অ

রবিবার ত্রয়োদশী ১৯।৫ স্বাতিনক্ষত্র ৩৪।৪১ বণিককরণ ১৯।৫

গ, বিষ্টি ৪৮।৪২ গ, শ্রুতিকরণ সৌভাগ্যযোগ ৩২।৩ পদে শোভন

যোগ ৫৬।৩ যাত্রানাস্তি দক্ষিণে পশ্চিমে নাস্তি ১৯।৫ গ, রিক্তাদোষ

জন্ম তুলারিগণ দেবগণ কত্রিয়বর্গ বুধেরদশা ৩৪।৪১ গ, দেবগণ

মতে পাদ, ৩৪।৪১ গ, ত্রিপাদদোষ দক্ষিণে যো, ১৯।৫ গ, পশ্চিমে

বার, ১ প্রহর গতে ১ প্রহর। ত্রয়োদশীর এবং চতুর্দশীর সপি,

১১ অগ্রহায়ণ ইং২৬ নবেম্বর মুং২৭ জমাদিনা, ইং৬।১৯গ, উ. ৫।২১গ, অ

সোমবার চতুর্দশী ১৮।৫ স্বাতিনক্ষত্র ৩৪।৪১ বণিককরণ ১৮।৫

গ, বিষ্টি ৪৮।৪২ গ, শ্রুতিকরণ সৌভাগ্যযোগ ৩২।৩ পদে শোভন

যোগ ৫৬।৩ যাত্রানাস্তি দক্ষিণে পশ্চিমে নাস্তি ১৮।৫ গ, রিক্তাদোষ

জন্ম তুলারিগণ দেবগণ কত্রিয়বর্গ বুধেরদশা ৩৪।৪১ গ, দেবগণ

১৫ অগ্রহায়ণ ১৭৩০ নবেম্বর ২১ জ্যৈষ্ঠ ১৭৩১ ৩৯ গ, ৫, ২১ গ, ৩৯
 শুক্রবার তৃতীয়া ২৭/৪১ পূর্বাষাঢ়ানক্ষত্র ৫১/৪৪ গরু কবণ ২৭/৪১
 গতে বগিজকরণ গণযোগ ৫১/৪৯ স্বাভাবিক পশ্চিম অধিকোণে
 নাস্তি ২৭/৪১ গতে তিথ্যর্হতযোগ অধিকোণে শুভ নৈশতে নাস্তি
 ৫১/৪৪ গতে নক্ষত্রদোষ সাধনক্ষণ করে ধর্মরূপ নরগণ ক্ষত্রি-
 বন বৃহৎ পতিদশা ৫১/৪৪ গতে বৃহৎ বিপাদি দোষ অধিকোণে যো-
 গিনী ২৭/৪১ গতে নৈশতে বারবেলা ১ প্রহর ধতে ১ প্রহর

and

19

100

9. 10. 11.

७१५

1996

यः,

94

75-3

2. 71

३१.

531

.ငယ်

五、

14.

ਸਿ ਤ

17-1

১৪

சு-

বুণ

281

75

জ।

—

११,५

7.5

1. 2

কল.

১৩

381

१५

531

५-

दश

719

1

突

花 花 花 花 花 花 花

दिनांक २५/७/७९

游樂器樂

2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765 2766 2767 2768 2769 2770 2771 2772 2773 2774 2775 2776 2777 2778 2779 2780 2781 2782 2783 2784 2785 2786 2787 2788 2789 2790 2791 2792 2793 2794 2795 2796 2797 2798 2799 2800 2801 2802 2803 2804 2805 2806 2807 2808 2809 2810 2811 2812 2813 2814 2815 2816 2817 2818

卷之六

मोहनदास

200
 201
 202
 203

Figure 1

✽ दिवा २५/७

卷之六

50

一、

দিবা ২৬।৩৩ ২৭ অগ্রহায়ণ ইং ১২ ডিসেম্বর মুং ১৩ জমাদিনা, ইং ৬।৪১ গ, উ, ৫।১৯ গ, অ
 বুধবার শূণ্যিমা ৪৮।৩৯ রোহিণী নক্ষত্র ২৬।৪৮ বিষ্টিকরণ ২০।
 ৪ ৪ ২২ ৩৬।৩০ গতে ববকরণ সাধাযোগ ৩৫।৬ নক্ষত্রায়তযোগ যাত্রা শুভ
 ১২ ২৬ ৩৫ উত্তরে পশ্চিমে বারুকোণে নাস্তি ২৬।৪৮ গতে পশ্চিমে শুভ ৪৮।৩৯
 ৪৮ ৪৮ ৬ গতে তিথায়তযোগ বারুকোণে শুভ পূর্বে নাস্তি রাতি ১৩।০।৫৯
 ৩৯ ০ ২৭ গতে ২২।২৯।৫৯ মধ্যে ইংরাজী ঘটী ১২।৭।০ গতে ২।১৮ ৩৬ মধ্যে
 কজা লগ্নে অতঃপরযোগে বিবাহ জন্মে বৃষরাশি নরগণ শূন্যবর্ণ
 রবিবন্দনা ২৬।৪৮ গতে দেবগণ ৫৫।২৪ গতে মিতুনরাশি বৈশ্ববর্ণ
 বারুকোণে যো, ৪৮।৩৯ গ, পূর্বে বার, ১ প্র, গ, ৪ দ ও ২ প্র, গ, ৪ দ
 মঙ্গীরং মানদানাদি হিন্দিমার্গহুদি পৌর্ণমাসী
 শূণ্যিমা ত্রত এবং উপবাস নিষিদ্ধালন সায়ংসন্ধ্যা নাস্তি।

বৃষরচন্দ্র

৫৫।২৪ গতে

মিতুনরচন্দ্র

দিবা ২৬।৩২ ২৮ অগ্রহায়ণ ইং ১৩ ডিসেম্বর মুং ১৪ জমাদিনা, ইং ৬।৪২ গ, উ, ৫।১৮ গ, অ
 বৃহস্পতিবার অতিপদ ৪৪।০ মৃগশিরা নক্ষত্র ২৪।০ বালবকরণ
 ৫ ৫ ২৩ শুভযোগ ২৮।২৬ যাত্রা শুভ পূর্বে দক্ষিণে নাস্তি ২৪।০ গতে নক্ষত্র
 ১৬ ২৪ ২৮ দেব গর্তাখান নাস্করণ নববস্ত্রপরিধান নৌকাগঠন নৌকাচালন
 ৪৪ ০ ২৬ নৌকাযাত্রা রাজদর্শন উৎসবকরণ ধাতুক্ষেদন ধাতুস্থাপন বীজসং-
 ০ ২ ২৮ গ্রহ ঋণদান জন্মে মিতুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ রবিবন্দনা ২৪।০
 গতে নরগণ চন্দ্রেরদশা ৪৪।০ গতে মতে পাদদোষ পূর্বে যোগিনী
 ৪৪।০ গতে উত্তরে বারবেলা শেষ ১ প্রহর।
 হিন্দি পৌষ বদি আশু।

মিতুনরচন্দ্র

দিবা ২৬।৩০ ২৯ অগ্রহায়ণ ইং ১৪ ডিসেম্বর মুং ১৫ জমাদিনা, ইং ৬।৪২ গ, উ, ৫।১৮ গ, অ
 শুক্রবার দ্বিতীয়া ৩৮।৪৫ আর্জুন নক্ষত্র ২০।৪৪ তৈলিলকরণ শুক্র
 ৬ ৬ ২৪ যোগ ২১।১১ যাত্রানাস্তি সংক্রান্তিদোষ জন্মে মিতুনরাশি নরগণ
 ১৭ ২০ ২১ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রেরদশা ২০।৪৪ গতে দেবগণ মতে পাদদোষ ২০।৪৪
 ৩৮ ৪৪ ১১ গতে ত্রিপাদদোষ ৩৮।৪৫ গ, দ্বিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী ৩৮।৪৫
 ৪৫ ৪ ২৯ গতে অষ্টিকোণে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

২১৯৭২৪।৭

২১৮৭৪৫।০

মিতুনরচন্দ্র

ষড়শীতি সংক্রান্তি দিবা সংক্রমণে সর্বত্র দিনং পুণ্যং চরণে
 সংক্রমণাৎ মহোদরী সংক্রমণাৎ পরং ৮ দণ্ডা পুণ্যতয়া মানদানাদি
 সংক্রান্তি কৃত্যং স্রাতিদণ্ডে সায়ং সন্ধ্যা কার্য।

পৌষ মাসের ষড়শীতি সংক্রান্তির সন্ধ্যার গণনা।

মন্তকে ২।৩।৪ ফলং অপমান।

মুখে ৭ ফলং হুৎ।

দক্ষিণকরে ৮।১।১০।১১

ফলং লাভ।

জন্মের ১৬।১৭।১৮।১৯।২০

ফলং ত্রীলাভ।

দক্ষিণপাদে ১২।১৩ ফলং

জন্ম।

মেত্রে ২৫।২৬।২৭।১ ফলং

সন্ধান।

বামকরে ২১।২২।২৩।২৪

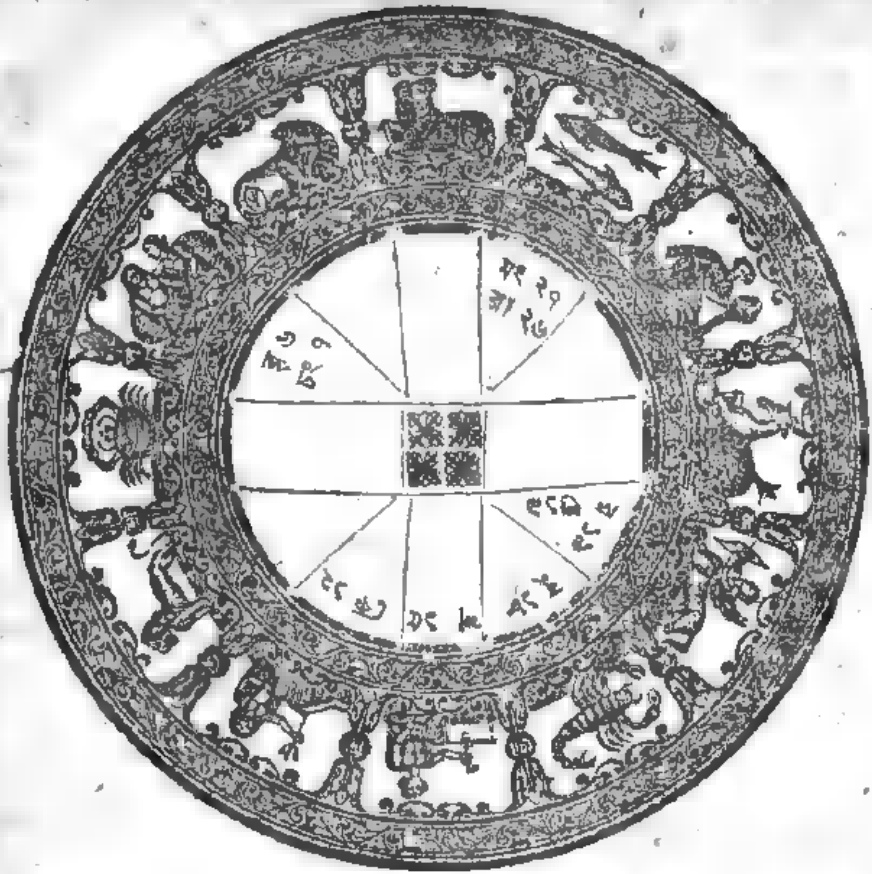
ফলং বহুদ্রব্যতম।

গুহে ৫।৬ ফলং হুৎবৎ।

বামপাদে ১৪।১৫ ফলং

জন্ম।





| | |
|------------------------------|-----------|
| পৌষ প্রদে | ২৪।৭ |
| বভ্রীতি সংক্রান্তি দিবা | |
| সংক্রমণে সক্রমণ দিনঃ পূর্ণাঃ | |
| দিনমানঃ | ২৪।৩০ |
| শকাব্দঃ | ১৮১৬ |
| সংখ্যঃ | ১৯৫১ |
| সন | ১৩০১ |
| ইংরাজী | ১৮১৪।১৫ |
| অন্যান্যশদি | ২০।৫৬।৬।০ |

রবি ধনুশাশিতে ১৯ মূলানক্ষত্রে ।
 চন্দ্র মিত্রাশিতে ৭ পুনর্ভবনক্ষত্রে ।
 মঙ্গল মীনরাশিতে ২৭ দেবতীনক্ষত্রে ।
 বুধ রশ্মিকরাশিতে ১৮ জ্যেষ্ঠানক্ষত্রে ।
 শুক্র মিথুনাশিতে ৬ আর্দ্রানক্ষত্রে ।
 শনি ধনুশাশিতে ১৯ মূলানক্ষত্রে ।
 শনি মীনরাশিতে ১৫ শ্রাবণানক্ষত্রে ।
 রাত মীনরাশিতে ২৬ উত্তরভাদ্র পদনক্ষত্রে ।
 কেতু কন্যাশিতে ১২ উত্তরফল্গুনানক্ষত্রে ।

| | |
|--------------|-------|
| দিবা | ২৪।২৯ |
| ১ ৭ ২৪ | |
| ১৮ ১৬ ১৩ | |
| ৩০ ২৬ ৩৮ | |
| ৬ ৬ ১ | |
| মধ্য পূর্ণঃ | |
| মোক্ষ ১৩৪।৫৮ | |
| পালকঃ বুধ | |
| কবচেরচন্দ্র | |

১ পৌষ ইং ১৫ ডিসেম্বর বুধ ১৬ জ্যৈষ্ঠা, ইং ১৮১৪।১৫।১৮।১৯।
 শনিবার তৃতীয়া ৩০।৬ পুনর্ভবনক্ষত্রে ১৬।৫৬ বণিককরণ ৫।
 ৫৫।৩০ গ, বিষ্ণু ৩০।৬ গ, ববকরণ ব্রহ্মযোগ ১৩।৩৮ যাত্রামাস্তি
 অগস্ত্যদেব জন্মে মিথুনাশি দেবগণ বিপ্রবর্গ চান্দ্রেরদশা ২।৫৩
 গতে ককটরাশি বিপ্রবর্গ ১৬।৫৬, মধ্যো রাত্রে ত্রিপাদ, পক্ষি পাদ-
 দেব, অতিক্রমে যোগিনী ৩০।৬ গতে সৈন্যেত, যাত্রবেলা কানান্ত
 ৪ মণ্ড আঁর ২। প্রহর গতে ৪ মণ্ড ।

দিবা ২৬/২৮

১ ৮ ২৬
১১ ১২ ৫
২৭ ৪৬ ৩৪
২ ১ ৪২
— — ১১
— — ২

কর্কটের চন্দ্র

২ পৌষ ইং ১৬ ডিসেম্বর মূঃ ১৭ জমাদিনী, ইং ৬/৪২ গ, উ, ৫/১৮ গ, অ
রবিবার চতুর্থী ২৭/১ পূর্বানক্ষত্র ১২/৪৬ ববকরণ ইন্দ্রযোগ ৪১
৪৪ পরে বৈশ্বতিযোগ ৫২/১১ নক্ষত্রায়ুতযোগ ১২/৪ মনো যাত্রান্ত
পাশ্চিমে নৈঋতে নাস্তি পরে মক্ষত্র এবং বৈশ্বতিযোগ অথো নক্ষত্র
রাশি দেবগণ বিপ্রবর্ণ চন্দ্রের দশা ১২/৪৬ গ, দেবারিগণ মূতে পাদ
দোষ নৈঋতে যোগিনী ২৭/১ গ, দক্ষিণে বারবেলা ১৭ প্র, গ, ১৭ প্র
মূলক তক্ষণ নিবেদন ।

দিবা ২৬/২৭

২ ৯ ১
২০ ৮ ৫০
২১ ৪১ ৭
১৭ ৪ ৩
১১/১১ ১৩/১১/১৪
সিংহের চন্দ্র

৩ পৌষ ইং ১৭ ডিসেম্বর মূঃ ১৮ জমাদিনী, ইং ৬/৪৩ গ, উ, ৫/১৭ গ, অ
সোমবার পঞ্চমী ২১/২৭ অশ্বিনানক্ষত্র ৮/৪১ তৈলকরণ বিহুস্ত
যোগ ৫০/৭ যাত্রানাস্তি নক্ষত্রদোষ উষ্মকরণ অথো কর্কটরাশি
দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ চন্দ্রের দশা ৮/৪১ গ, সিংহরাশি কত্রিরবর্ণ ক্রুর
দশা দক্ষিণে যো, ২৭/১৭ গ, পাশ্চিমে বা, ৪৮ গ, ৪৮, ও ৩ প্র, গ, ৪৮,
উৎকল তক্ষণ নিবেদন ।

দিবা ২৬/২৬

৩ ১০ ২
২১ ৪২
১৫ ৩৮ ৩৫
৩১ ৬ ৪
সিংহের চন্দ্র

৪ পৌষ ইং ১৮ ডিসেম্বর মূঃ ১৯ জমাদিনী, ইং ৬/৪৪ গ, উ, ৫/১৭ গ, অ
মঙ্গলবার ষষ্ঠী ১৫/৩৯ মঘানক্ষত্র ৪/৪৮ বণিকরণ ১৫/৩৯ গতে
বিক্রি ৪৩/১৩০ গতে ববকরণ ত্রীতিযোগ ৪২/৩৫ পাণযোগ যাত্রা
নাস্তি ১৫/৩৯ গতে তিথায়ুতযোগ যাত্রানাস্তি বিহুদোষ ৪৩/১৩০
গতে মধ্যম উত্তরে বায়ুকোণে নাস্তি ৪৩/৩৮ গ, গর্তাধান অথো সিংহ
রাশি দেবারিগণ কত্রিরবর্ণ ক্রুরদশা ৪/৩৮ গ, মঙ্গল মূতে পাদ
দোষ ১৫/৩৯ গতে দ্বিপাদদোষ পাশ্চিমে যোগিনী ১৫/৩৯ গতে বায়ু
কোণে বা, ৪৮ গ, ৪৮, ও ২৫ প্র, গ, ৪৮, যষ্ঠী ও শুক্লমীর একো, সপি,

দিবা ২৬/২৫

৪ ১১ ৩
২২ ১ ৩৫
১০ ০ ২০
২৪ ৫৮ ৫
— ০ —
— ১ —
সিংহের চন্দ্র

৫ পৌষ ইং ১৯ ডিসেম্বর মূঃ ২০ জমাদিনী, ইং ৬/৪৩ গ, উ, ৫/১৭ গ, অ
বুধবার সপ্তমী ১০/২৪ পূর্বকল্পমীনক্ষত্র ১/০ পরে উত্তরকল্পমীন
নক্ষত্র ৫৮/০ ববকরণ আশ্বিনানযোগ ৩৫/২০ সিদ্ধিযোগ ১/০ যথো
যাত্রাধান উত্তরে বায়ুকোণে নাস্তি পরে নক্ষত্রদোষ ১/০ গ, ন্য-
করণ মন্বন্তর পরিধান ষষ্ঠী, ছন্দন ■ স্থাপন বীজসংগ্রহ অথো সিংহ
রাশি মঙ্গল কত্রিরবর্ণ ক্রুরদশা ১৫/৩০ গ, কত্রাংশি পূজবর্ণ
৫৯/০ গতে দেবগণ বুধের দশা ১/০ যথো মূতে পাদদোষ পরে দ্বিপাদ
দোষ ১০/২৪ গতে ৫৯/০ যথো দ্বিপাদদোষ বায়ুকোণে যোগিনী
১০/২৪ গতে দোষানে বারবেলা ১ প্রহর গতে ৪ মণ্ড ■ ২ প্রহর
গতে ৪ মণ্ড । ১৫/৩০ গতে চন্দ্রদশা । পুণ্যভিকা আশ্ব ।

১৫/৩০ গতে

কত্রাচন্দ্র

দিবা ২৬/২৪

৫ ১৩ ৪
২৩ ৫৬ ৩৮
৫ ৬২ ১০
৪৫ ৩ ৬
১১/১১ ১৫/১১/১২
কত্রাচন্দ্র

৬ পৌষ ইং ২০ ডিসেম্বর মূঃ ২১ জমাদিনী, ইং ৬/৪৩ গ, উ, ৫/১৭ গ, অ
বৃহস্পতিবার অষ্টমী ৫/৪৫ হস্তানক্ষত্র ৫৬/৩২ কোদকরণ
সৌভাগ্যযোগ ৫৮/৪৩ তিথায়ুতযোগ ৫/৪৫ যথো যাত্রান্ত উত্তরে
দক্ষিণে দোষানে নাস্তি পরে তিথায়ুতযোগ অথো কত্রাংশি দেবগণ
পূজবর্ণ বুধের দশা ৫৬/৩২ গতে দেবারিগণ দোষানে যোগিনী ৫/৪৫
গতে পূর্বো বারবেলা শেষ ১ প্রহর

৫/৪৫ পূর্বো চন্দ্রদশা

| | |
|---------------|--------|
| দিবা | ২৬।২৩ |
| ৬ | ১৪ ৫ |
| ২৪ | ৫৪ ২২ |
| ১ | ৪ ৪৫ |
| ৪৮ | ৫ ৭ |
| ৫৭ | — — |
| ৪ | — — |
| ৩২০ | ১৩১।১৩ |
| কৃত্তিকচন্দ্র | |

৭ পৌষ ইং ২১ ডিসেম্বর যুৎ২২ জমানিসা, ইং ৬।৪৩গ, উ, ৫।১৭গ, অ
শুক্রবার নবমী ১।৪৮ পরে দশমী ৫৭।৪ ত্রিভানকত্র ৫৪।৪ গর-
করণ শোভনযোগ ২২।৪৫ ত্রাহল্লশ যাত্রাদি শুভকর্মনাশি আম
দানে শুভ অশ্বে কৃত্তিকারশি দেবারিগণ শূভবর্ণ বুধেরদশা ২৫।১৮
গতে তুলারশি ক্ষত্রিরবর্ণ ৫৪।৪গ, দেবগণ পূর্বে বো, ১।৪৮গতে
উত্তরে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।
অলাবু ভক্ষণ নিষেধ।

| | |
|-------------|-------|
| দিবা | ২৬।২২ |
| ৭ | ১৫ ৬ |
| ২৬ | ৫৩ ১৭ |
| ৫৭ | ৩৭ ৩২ |
| ১ | ১ ৮ |
| বুধধ্বি | |
| দং ৪২।২৬ | |
| তুলারচন্দ্র | |

৮ পৌষ ইং ২২ ডিসেম্বর যুৎ২৩ জমানিসা, ইং ৬।৪৪গ, উ, ৫।১৬গ, অ
শনিবার একাদশী ৫৭।১ ত্রিভানকত্র ৫৩।৩৭ বহুকরণ অতিগণ্ড
যোগ ১৭।৩২ তিথ্যযুত এবং নক্ষত্রাযুতযোগ যাত্রাশুভ পূর্বে অগ্নি
কোণে নাস্তি ৫৩।৩৭ গতে নক্ষত্রদোষ অশ্বে তুলারশি দেবগণ
ক্ষত্রিরবর্ণ বুধেরদশা ৫৩।৩৭গ, দেবারিগণ হতে শান্দদোষ ৫৩।৩৭
গতে জিপাদ, ৫৭।১গ, পূর্ণদোষ অগ্নিকোণে যোগিনী ৫৭।১ গতে
নৈঋতে বা, আদ্যন্ত ৫৮, ও ২। প্র, গ, ৪দণ্ড। একাদশীর উপবাস
গোম্বামীমতে পরাছে অকণোদয় বিজাদশমী এবং পক্ষবর্দ্ধিনী।
শিম ভক্ষণ নিষেধ।

| | |
|---------------|-------|
| দিবা | ২৬।২১ |
| ১ | ১৬ ৭ |
| ২৭ | ৫৪ ১৩ |
| ৫৬ | ২৫ ১২ |
| ২৩ | ৩ ৯ |
| তুলারচন্দ্র | |
| ৩৯।১৩ গতে | |
| রুশিকেরচন্দ্র | |

৯ পৌষ ইং ২৩ ডিসেম্বর যুৎ২৪ জমানিসা, ইং ৬।৪৪গ, উ, ৫।১৬গ, অ
রবিবার দ্বাদশী ৫৬।২৩ বিশাখানকত্র ৫৪।২৫ কোলবকরণ যু-
কর্ধ্যাযোগ ১৩।১২ যাত্রানাশি দ্বাদশী এবং নক্ষত্রদোষ ৫৬।২৩গতে
শুভ দক্ষিণে পশ্চিমে নাস্তি গর্ভাধান অশ্বে তুলারশি দেবারিগণ
ক্ষত্রিরবর্ণ বুধেরদশা ৩৯।১৩গ, রুশিকেরশি বিপ্রবর্ণ ৫৪।২৫ গতে
দেবগণ শনিরদশা ৫৪।২৫ যথো হতে পূর্ণদোষ পরে ৫৬।২৩ যথো
জিপাদ, পরে শান্দ, নৈঋতে যোগিনী ৫৬।২৩ গতে দক্ষিণে বার, ১।
প্রহর গতে ১ প্রহর। ১১।৫১।৩০ গ, একাদশীর পারগৎ।

| | |
|---------------|-------|
| দিবা | ২৬।২০ |
| ২ | ১৭ ৮ |
| ২৮ | ৫৬ ২০ |
| ৫৭ | ২৫ ৫১ |
| ০ | ৫ ১০ |
| ৪১।১৬। | |
| দং ১০।৩০ | |
| রুশিকেরচন্দ্র | |

১০ পৌষ ইং ২৪ ডিসেম্বর যুৎ২৫ জমানিসা, ইং ৬।৪৪গ, উ, ৫।১৬গ, অ
সোমবার ত্রয়োদশী ৫৭।০ অমরাধানকত্র ৫৬।২৫ গরকরণ ৫৭।০
গ, বিষ্টিকরণ যুতিযোগ ৯।৫১ যাত্রাশুভ পূর্বে দক্ষিণে নাস্তি ৫৭।০
গ, রিক্তাদোষ গর্ভাধান নামকরণ অশ্বে রুশিকেরশি দেবগণ বিপ্র
বর্ণ শনিরদশা ৫৬।২৫ গতে দেবারিগণ দক্ষিণে যোগিনী ৫৭।০গ,
পশ্চিমে বারবেলা ৮ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড ৩ প্রহর গতে ৮ দণ্ড।
কর্ত্তিকু ভক্ষণ নিষেধ।

| | |
|-----------|-------|
| দিবা | ২৬।২১ |
| ৩ | ১৮ ৯ |
| ২৯ | ৫৯ ১৭ |
| ৫৯ | ৩৮ ২৮ |
| ০ | ০০ ১১ |
| ৫২।৩৮ গতে | |
| ধরচন্দ্র | |

১১ পৌষ ইং ২৫ ডিসেম্বর যুৎ২৬ জমানিসা, ইং ৬।৪৪গ, উ, ৫।১৬গ, অ
মঙ্গলবার চতুর্দশী ৫৯।০ জ্যোষ্ঠানকত্র ৫৯।৩৮ বিষ্টিকরণ ২৮।০গ
শুক্লনিকরণ শূলযোগা২৮যাত্রানাশি রিক্তাদোষ অশ্বে রুশিকেরশি
দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ শনিরদশা ৫৯।৩৮গ, ধরশি ক্ষত্রিরবর্ণ হতে
শান্দদোষ পশ্চিমে যোগিনী ৫৯।০গ ইন্দ্রানে বার, ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড
আর ২। প্র, গ, ৪ দণ্ড। চতুর্দশ যমর্ত্তপর্ণে পূর্ণাতরা আমদানাদি
খ্রীষ্টমাস-ভে অর্থাৎ বড় দিন।

শকাব্দাঃ ১৮১৬ সন ১৩০১ ইংরাজিঃ ১৮২৪ চান্দ্র মার্গ কৃষ্ণাশ্বিন তিথি পৌষ বদি।

দিবা ২৬/২২

৪ ১৯ ১০

৩০ ৬০ ৬

৬০ ৬ ৬

৮৫ ১২

ধর্মরচস্র

দিবা ২৬/২৪

৫ ১৯ ১১

৩০ ৮ ৫

২ ৮১

১০ নাং ১৩

২২০ দং২৫৫৮

ধর্মরচস্র

দিবা ২৬/২৫

৬ ২০ ১২

১ ৯ ৬

৬ ৩০ ১

২০ ১ ১৪

ধর্মরচস্র

২৬/১১৫ গতে

মকরেরচস্র

দিবা ২৬/২৭

৭ ২১ ১৩

২ ১৫ ৬

১১ ৩৫ ৫৪

১৬ ৩ ১৫

২১০৮ঃ৪১২৬

২২০ দং৩৩২০

মকরেরচস্র

দিবা ২৬/২৮

১ ২২ ১৪

৩ ২২ ৮

১৬ ৬ ১১

৩৯ ৫ ১৬

মকরেরচস্র

৫৫২০১০ গ

কুন্তেরচস্র

১২ পৌষ ইং ১৬ ডিসেম্বর মৃৎ ২৭ জমাদিনা, ইং ৪৪৪ গ, উ, ৫১৬ গ, অ

বৃষবার অমাবস্তা ৬০।০ মূলানকত্র ৬০।০ চতুস্পাদকরণ গওযোগ

৬৬ যাত্রানান্তি পক্ষান্তমোষ জন্মে ধর্মরশি দেবারিগণ কত্রিয়বর্ণ

শনিরদশা ঈশানে যোগিনী ব ১১ প্র, গ, ৪ দণ্ড ৩২ প্র, গ, ৪ দণ্ড

অমাবস্তার ব্রত এবং উপবাস ও নিশিপালন সাগ্নং সন্ধানান্তি ।

১৩ পৌষ ইং ২৭ ডিসেম্বর মৃৎ ২৮ জমাদিনা, ইং ৪৪৪ গ, উ, ৫১৬ গ, অ

বৃহস্পতিবার অমাবস্তা ২১০ মূলানকত্র ৪১৪ নাগকরণ ক্রি-

যোগ ৫৪১ যাত্রানান্তি পক্ষান্ত এবং ২১০ গ, অমারপিদোষ ৪৪৪ গ,

গর্ভাধান সাধনকরণ নৌকাগঠন নৌকাচালন ও যাত্রা ধাতুক্ষেদন

জন্মে ধর্মরশি দেবারিগণ কত্রিয়বর্ণ শনিরদশা ৪৪৪ গতে নরগণ

বৃহস্পতিরদশা ঈশানে যোগিনী ২১০ গতে পূর্বে বারবেলা শেষ

১ প্রহর । ২১০ গতে চান্দ্রপৌষ হিন্দি পৌষ সুদি আভ্রম ।

১৪ পৌষ ইং ২৮ ডিসেম্বর মৃৎ ২৯ জমাদিনা, ইং ৪৪৪ গ, উ, ৫১৬ গ, অ

শুক্লবার প্রতিপদ ৬২০ পূর্বাষাটানকত্র ৯১০ ববকরণ ক্রি-

যোগ ৬১১ সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি অমারপিদোষ ৬২০ গতে দক্ষা

এবং পাণাঘে, গ জন্মে ধর্মরশি নরগণ কত্রিয়বর্ণ বৃহস্পতিরদশা

৯১০ গতে নরগণ ২৬/১১৫ গতে মকররশি শ্রুতবর্ণ ৬২০ গতে

মুতে পাদদোষ ৯১০ গতে ত্রিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী ৬২০ গ,

উত্তরে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

৬১০ গতে মহাদক্ষা । ২৬/১১৫ পর্যন্ত চন্দ্রদক্ষা

১৫ পৌষ ইং ২৯ ডিসেম্বর মৃৎ ৩০ জমাদিনা, ইং ৪৪৪ গ, উ, ৫১৬ গ, অ

শনিবার দ্বিতীয়া ১১/১৬ উত্তরাষাটানকত্র ১৫১০ কৌলব

করণ ব্যাঘাতযোগ ৬৫৪ যাত্রানান্তি দক্ষা এবং নকত্রদোষ ১৫১০

গতে মধ্য পূর্বে দক্ষিণে অগ্নিকোণে নান্তি জন্মে মকররশি নর-

গণ শ্রুতবর্ণ বৃহস্পতিরদশা ১৫১০ গতে দেবগণ ১১/১৬ মধ্যে ২তে

পূর্ণদোষ পরে ১৫১০ মধ্যে ত্রিপাদদোষ পরে পাদদোষ উত্তরে

যোগিনী ১১/১৬ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা অদ্যন্ত ৪ দণ্ড আর

২১ প্রহর গতে ১ দণ্ড । ১১/১৬ পর্যন্ত মহাদক্ষা ।

তৃতীয়ার সপ্তমণ ।

১৬ পৌষ ইং ৩০ ডিসেম্বর মৃৎ ১ রজব ইং ৪৪২ গ, উ, ৫১৬ গ, অ

রাবিবার তৃতীয়া ১৬/৩৯ অক্ষানকত্র ২২৬ গরকরণ ১৬/৩৯ গ

বণিজ ১১/২০ গ, বিষ্ঠিকরণ হর্ষণযোগ ৮১১ যাত্রামধ্যম দক্ষিণে

পশ্চিমে অগ্নিকোণে নান্তি ১৬/৩৯ গ দ্বিতাদোষ নিক্রাঘন ৫১৬/১৫

মধ্যে মুখাশালন ধাতুক্ষেদন ধাতুস্থাপন বীজসংগ্রহ জন্মে মকর-

রশি দেবগণ শ্রুতবর্ণ বৃহস্পতিরদশা ২২৬ গ; দেবারিগণ রাত্র-

দশা ৫৫২০১০ গ, কুন্তরশি বৈশ্রবর্ণ মুতে পাদদোষ অগ্নিকোণে

যোগিনী ১৬/৩৯ গ, বৈশ্রবর্ণ বারবেলা ১১ প্রহর গতে ১ প্রহর ।

৫৫২০১০ গ, চন্দ্রদক্ষা । তৃতীয়া একোদিক চতুর্থী সপ্তমণ ।

১২৪ শকাব্দ ১৮৩১ সন ১৮০১ ইংরাজী ১৮২০ চাদ্র পৌষ শুক্লপক্ষ বিহি পৌষ ১৮

দিবা ২৬।২৯
২ ২৩ ১৫
৪ ২৮ ৯
২২ ৩৫ ৩২
৭ ০ ১৭
কুন্তরচন্দ্র

১৭ পৌষ ইং ৩১ ডিসেম্বর মুং ২ রজব ইং ১২৬৪২ গ, উ, ৫।১৮ গ, অ
মোহবার চতুর্দশী ২২।৭ মনিষ্ঠানক্ষত্র ২৮।৩৫ বিহিকরণ ২২।৭ গ
ববকরণ বজ্রযোগ ১।৩২ নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রা শুভ পূর্বে নৈমন্তে
নাতি ২২।৭ গ, নৈমন্তে শুভ দক্ষিণে নাতি ২৮ ৩৫ গ, মধ্যম জন্মে
বৃহস্পতি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশা নৈমন্তে যে, ২২।৭ গতে
দক্ষিণে বা, ৪ দ গ ৪ দ, ৩ ৩ প্র, গ, ৪ দ ১৪ ২২।৭ পর্যন্ত চন্দ্রনক্ষ

দিবা ২৬।৩০
৩ ২৪ ১৬
৫ ৩৪ ১০
২৬ ৩৫ ৩২
৫৯ ২ ১৮
শু পঞ্চাঙ্গদর
দং ০।৪৫
৩২১ দং ৫।৫৭
কুন্তরচন্দ্র

১৮ পৌষ ইং ১ জানুয়ারি মুং ৩ রজব ইং ১২৬৪২ গ, উ, ৫।১৮ গ, অ,
মুহুরবার পঞ্চমী ২৬।৫৯ শতভিহানক্ষত্র ৩৪।৩৫ বালবকরণ
অক্ষযোগ ১।৩২ যাত্রা মধ্যম উত্তরে দক্ষিণে নাতি ১।৩২ গতে
যাত্রীপাতমোষ ১।৩২ মধ্যে গর্তাদান জন্মে বৃহস্পতি দেবারিগণ
বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশা ৩৪।৩৫ গতে নরগণ মুতে পানদোষ ৩৪।৩৫ গ,
ত্রিপাদমোষ দক্ষিণে যোগিনী ২৬।৫৯ গতে পশ্চিমে বার, ৪ দ গ
গ ম দ গ ৩ ২। প্র গ ৪ দ, ১ মিউইরাস্তে। ইং ১৮৯৫ সালারস্ত।

দিবা ২৬।৩২
৪ ২৫ ১৭
৬ ৩৯ ১০
৩১ ৪৫ ৫৯
০৫ ৪ ১২
২২০ দং ৬।৫৪
কুন্তরচন্দ্র

১৯ পৌষ ইং ২ জানুয়ারি মুং ৪ রজব ইং ১২৬৪২ গ, উ, ৫।১৮ গ, অ
বুধবার বর্জী ৩১।৫ পূর্বভাঃ পদনক্ষত্র ৩৯।৪৬ ভৈতিলকণে বা
ত্রিপাতযোগ ১।৩২ তিখামৃতযোগ ৩১।৫ গ, মিল্লিযোগ যাত্রা
নাতি বিষদোষ জন্মে বৃহস্পতি নরগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুরদশা ২০।২৭।৩০
গমীন্দ্রাশি বিপ্রবর্ণ ৩৯।৪৫ গ শুক্রেরদশা ৩১।৫ মধ্যে মুতে ঘি,
পরে ত্রিপাদ ৩৯।৪৫ গ পানদোষ পশ্চিমে যোগিনী ৩১।৫ গতে
বায়ুকোনে বারবেলা ১ প্রহর গতে ৪ দ গ আর ২ প্রহর গ ৪ দ গ

দিবা ২৬।৩৩
৫ ২৬ ১৮
৭ ৪০ ১০
৩৪ ৪৯ ৪৪
৮ ৫ ২০
শু মধ্যম
দং ০।৪৮
মী নরচন্দ্র

২০ পৌষ ইং ৩ জানুয়ারি মুং ৫ রজব ইং ১২৬৪২ গ উ ৫।১৯ গ অ।
রহস্যপতিবার সপ্তমী ৩৪।৮ উত্তরভাঃ পদনক্ষত্র ৪০।৪৯ গ কেরণ
৩৪।৮ গ বিহিকরণ বরোয়গযোগ ১।৩৪ যাত্রা নাতি নক্ষত্রদোষ
৩৪।৮ গ বিহিকরণ পুংসবন পঞ্চমৃত নামকরণ (দক্ষীপূজা) জন্মে
মীনরাশি নরগণ বিপ্রবর্ণ শুক্রেরদশা ৪০।৪৯ গতে দেবগণ ৩৪।৮
ম ধা মুতে পানদোষ বায়ুকোনে যে ৩৪।৮ গ দীর্ঘানে বা, শেষ ১ প্র

দিবা ২৬।৪৩
৬ ২৭ ১৯
৮ ৪৫ ৪
৩৬ ১৮ ৩২
০ ০ ২১
মী নরচন্দ্র

২১ পৌষ ইং ৪ জানুয়ারি মুং ৬ রজব ইং ১২৬৪২ গ উ ৫।১৯ গতে অ
শুক্রবার অষ্টমী ৩৬।০ দেবভীনক্ষত্র ৪১।১৮ বিহিকরণ ৪১।৮ গ বব-
করণ পরিযোগ ১।৩৯ যাত্রা নাতি অষ্টমীদোষ ৩৬।০ গতে তিখা
মৃতযোগ যাত্রা শুভ পূর্বে পশ্চিমে নাতি ৫।৪ গ সমভকণ জন্মে
মীনরাশি দেবগণ বিপ্রবর্ণ শুক্রেরদশা ৪১।১৮ গ, দেবরাশি বৈশ্ব-
বর্ণ দীর্ঘানে যে ৩৬।০ গতে পূর্বে বার ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

দিবা ২৬।৩৫
৭ ২ ২০
৯ ৪৮ ৭
৩৬ ৩০ ৩৩
৩৩ ২ ২২
দেবচন্দ্র

২২ পৌষ ইং ৫ জানুয়ারি মুং ৭ রজব ইং ১২৬৪২ গ উ ৫।১৯ গতে অ
শনিবার নবমী ৩৬।৩ অষ্টমীনক্ষত্র ৪৮।৩০ বালবকরণ শিব-
যোগ ৭।৩০ মিল্লিযোগ যাত্রা শুভ পূর্বে নাতি ৩৬।৩০ গতে পান-
যোগ জন্মে দেবরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্রেরদশা ৪৮।৩০ গতে
নরগণ মুতে পানদোষ পূর্বে যোগিনী ৩৬।৩০ গতে উত্তরে বার-
বেলা আদ্য ৪ দ গ আর ২ প্রহর গতে ৪ দ গ।

শকাব্দ ১৮৩১ সন ১৮০১ ইংরাজী ১৮২০ চাদ্র পৌষ শুক্লপক্ষ বিহি পৌষ ১৮

দিবা ২৬।৩৬

১ ২ ২১

১০ ৪০ ৪

৩৫ ২ ২৮

৫০ ৪ ২০

২২০৮/১১২২২

বু ২১ দং ০৮।৬

মেষেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৩৭

২ ৩ ২২

১১ ৪৮ ০

৩৩ ১৮ ২৬

৫২ ৬ ৫৫

— — ১৮

— — ২৪

মেষেরচন্দ্র

৩।৫১ গতে

রাশেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৩৯

৩ ৪ ২৪

১২ ৪৬ ৪৯

৩০ ৪০ ৪০

৫২ ১ ২৫

বৃষেরচন্দ্র

দং ৫২।৪৫

রাশেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৪০

৪ ৫ ২৫

১০ ৪৪ ৪০

২৬ ২ ১৭

৫৪ ৪ ২৬

২২১ দং ৭।৪৯

রাশেরচন্দ্র

১৫।২১ গতে

মিথুনেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৪১

৫ ৬ ২৬

১৪ ৪০ ৩৬

২২ ৫০ ১৪

১৪ ৬ ২৭

মিথুনেরচন্দ্র

২৩ পৌষ ইং ৮ জানুয়ারি বুঃ ৮ রজব ইং ৬।৪১ গ, উ, ৫।১৯ গ, অ,
রবিবার দশমী ৩৫।৫০ তুহীনক্ষত্র ৪১।২ তৈতিমকরণ সিঙ্ক-
যোগ ৪।২৮ যাত্রানান্তি নক্ষত্রদোষ গর্তাশান ষাঙ্কজেনম জন্মে মেঘ
রাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্ররদশা ৪১।২ গতে দেবারিগণ রবিরদশা
মুতে পাদদোষ ৪১।২ গতে ত্রিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী ৩৫।৫০
গতে অগ্নিকোণে বারবেলা ১।১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

২৪ পৌষ ইং ৭ জানুয়ারি বুঃ ৯ রজব ইং ৬।৪১ গ উ ৫।১৯ গ অ।
সোমবার একাদশী ৩৫।৫২ কৃত্তিকানক্ষত্র ৪৮।১৮ বণিজকরণ
৪।৫১ গতে বিষ্টি ৩৫।৫২ গতে ববকরণ সাধাযোগ ০।২৬ পরে
শুক্রযোগ ৫৫।২৮ যাত্রানান্তি নক্ষত্রদোষ ৪৮।১৮ গতে নক্ষত্রমৃত-
যোগ যাত্রান্তে পূর্বে পশ্চিমে নৈঋতে মাস্তি জন্মে মেঘরাশি দে-
বারিগণ বৈশ্ববর্ণ রবিরদশা ৩৫।১ গতে রবারাশি শুক্রবর্ণ ৪৮।১৮
গতে নরগণ মুতে ত্রিপাদদোষ ৩৫।৫২ গতে ৪৮।১৮ মধ্য ত্রিপাদ,
পরে পাদদোষ অগ্নিকোণে যোগিনী ৩৩।৫২ গতে নৈঋতে বার,
৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড। মরুতরা স্থানদানাদি

২৫ পৌষ ইং ৮ জানুয়ারি বুঃ ১০ রজব ইং ৬।৪১ গ উ ৫।২০ গ অ,
মঙ্গলবার দ্বাদশী ৩৫।৫২ রোহিনীনক্ষত্র ৪৬।৪০ ববকরণ শুক্র-
যোগ ৪১।৪০ তিহানুভযোগ ০।৫২ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি
বিষদোষ গর্তাশান জন্মে রবারাশি নরগণ শুক্রবর্ণ রবিরদশা ৪৬।৪০
গ, দেবগণ ৩৫।৫২ মধ্য মুতে ত্রিপাদ, পরে পাদদোষ নৈঋতে মো,
৩০।৫২ গ, দক্ষিণে বা ৪ দণ্ড গ। ৪ দণ্ড আর ২ প্রহর গ, ৪ দণ্ড।
পুণ্ডিকা তক্ষণ নিষেধ।

২৬ পৌষ ইং ৯ জানুয়ারি বুঃ ১১ রজব ইং ৬।৪১ গ, উ, ৫।২০ গ, অ,
বুধবার ত্রয়োদশী ২৬।৫৪ মৃগশিরাশনক্ষত্র ৪৪।২ তৈতিমকরণ
ব্রহ্মযোগ ৪০।১৭ পাপযোগ যাত্রানান্তি ২৬।৫৪ গতে বিজ্ঞানদোষ
সাধতক্ষণ নামকরণ নিক্রিয়ণ মুখাশান গ্রহপূজা সন্তানন ষাঙ্ক-
জেনম ষাঙ্কস্থাপন জন্মে রবারাশি দেবগণ শুক্রবর্ণ রবিরদশা ১৫।২১
গতে মিথুনরাশি বৈশ্ববর্ণ ৪৪।২ গতে নরগণ চাত্ররদশা দক্ষিণে
যোগিনী ২৬।৫৪ গতে পশ্চিমে বারবেলা ১ প্রহর মুতে ৪ দণ্ড
আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

২৭ পৌষ ইং ১০ জানুয়ারি বুঃ ১২ রজব ইং ৬।৪১ গ, উ, ৫।২০ গ, অ,
বৃহস্পতিবার চতুর্দশী ২২।১৪ আর্দ্রানক্ষত্র ৪০।৫০ বণিজকরণ
২২।১৪ গতে বিষ্টি ৪১।১০ গতে ববকরণ ইন্দ্রযোগ ৩৬।১৪ যাত্রা-
নান্তি ২২।১৪ গতে সিদ্ধিযোগ ৪০।৫০ গতে নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রা-
নান্তি বিষদোষ জন্মে মিথুনরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ চাত্ররদশা ৪০।
৫০ গতে দেবগণ ৪০।৫০ গতে মুতে ত্রিপাদদোষ পশ্চিমে যোগিনী
২২।১৪ গতে বহ্নিকোণে বারবেলা শেষ ১ প্রহর।

পূর্ণিমা বিলিপালম সঙ্কর মঙ্গলানান্তি।

১২৩ পাক্ষাঃ ১৮ ৩ দিন ১৩০১ ইংরাজী ১৮২৫ চন্দ্র পৌষ কৃষ্ণপক্ষ ১৫ মাঘ বদি ।

দিবা ২৬৪২

৬ ৭ ২৭

১৫ ৩৭ ২৮

১৬ ৮ ৪৫

৩২ ১ ২৮

৩২২২২৮/৩৭

শ্রবাসাত্যগ

মং ০।৪৫

মিথুনরচন্দ্র

২।৪।১৫ গ,

কর্কটেরচন্দ্র

দিবা ২৬৪৩

৭ ৮ ১

১৬ ৩৩ ২১

১১ ৬ ১

১৪ ৩ ২২

২২।৪।১৬

কর্কটেরচন্দ্র

২০।৫।১০।৩০

কর্কটেরচন্দ্র

মাঘ প্রদঃ ৪০।১৬

উত্তরারণ সংক্রান্তি মণ্ডর

অক অর্জুনাতি সংক্রমণের

দিনমানঃ ২৬।৪০

শাক্ষাঃ ১৮।১৬

মহৎ ১২৫১

ময় ১৩০১

ইংরাজী ১৮২৫

অরন্যশাস্তি ২০।৫।১০।৩০

দিবা ২৬৪৪

১ ২ ২

১৭ ২৮ ১৩

৫ ৫৭ ১২

২৩ ৫ ৩০

৫৪ — —

১০ — —

কর্কটেরচন্দ্র

২৮।৫।১০

সিংহেরচন্দ্র

২৮ পৌষ ইং১১ জাম্বুয়ারি মুঃ১৩ রজব ইং১৪০ গ, উ, ৫।২০ গ, অ,
শ্রবাসাত্যগ পূর্ণিমা ১৬।৩২ পুনর্বসুপক্ষ ৩৭।১ ববকরণ বৈষ্ণুতি-
যোগ ২৮।৪৫ যাত্রানান্তি বৈষ্ণুতি এবং শাক্ষাস্তমোষ ১৬।৩২ গতে
সিদ্ধিবোগ ২৮।৪৫ গতে যাত্রানান্তি পাক্ষিমে নান্তি অম্মে মিথুনরাশি
দেবগণ বৈষ্ণুবর্ণ চন্দ্রেরদশা ২০।৪।১৫ গতে দেবরাশি বৈষ্ণুবর্ণ
৩৭।১ মধো মুতে দ্বিগামদোষ বায়ুকোণে যোগিনী ১৬।৩২ গতে
পূর্বে বারবেলা ১ প্রহর গতে । প্রহর ।

পৌষারং সানমানাদি হিম্মি পৌষ সুদি পৌর্ণমাসী
পূর্ণিমা ত্রত এবং উপবাস ।

অমাবসি মাঘীপূর্ণিমা পর্যন্ত মূলকমভোক্তাঃ ।

পূর্ণিমার এবং প্রতিপদের একোদিকট সপিণ্ডন ।

২৯ পৌষ ইং১২ জাম্বুয়ারি মুঃ১৪ রজব ইং১৪১ গ, উ, ৫।২১ গ, অ,
শনিবার প্রতিপদ ১১।১৪ পুষ্যানক্ষত্র ৩৩।৬ কোলবকরণ বিষ্ণু-
ভোগ ২১।১ যাত্রানান্তি নিরংগমোষ জন্মো কর্কটরাশি দেবগণ
বিষ্ণুবর্ণ চন্দ্রেরদশা ৩৩।৬ গ, দেবারিগণ মুতে পাদ, ১১।১৪ গতে
দ্বিগাম, পূর্বে যো, ১১।১৪ গ, উত্তরে বারবেলা আদ্যন্ত ৪ দণ্ড ৮
২।প্রহর গতে ৪ দণ্ড । হিম্মি মাঘ বদি আরন্ত ।

উত্তরারণ সংক্রান্তি মণ্ডরায়ক অর্জুনাতি সংক্রমণে পর দিবা
পূর্ণিমা পুণ্যং তীক্ষ্ণগণে সংক্রমণাৎ রাক্ষসী সংক্রান্তি কৃত্যং সান-
মানাদি ।

রবি মকর রাশিতে ২৩ অধিষ্ঠানকর্ত্রে ।

চন্দ্র কর্কট রাশিতে ৯ অশ্বেষানকর্ত্রে ।

মঙ্গল মেঘ রাশিতে ১ অশ্বিনীমকর্ত্রে ।

বুধ মকর রাশিতে ২১ উত্তরভাদ্রপদনকর্ত্রে ।

শুক মিথুন রাশিতে ৬ জ্যৈষ্ঠানকর্ত্রে ।

শ্রব মকর রাশিতে ২২ জ্যৈষ্ঠানকর্ত্রে ।

শনি তুলা রাশিতে ১৫ স্বাতিনকর্ত্রে ।

রাহ মীন রাশিতে ২৭ উত্তরভাদ্রপদনকর্ত্রে ।

কেতু কন্যা রাশিতে ১২ উত্তরকঙ্কণীমকর্ত্রে ।

৩০ পৌষ ইং১৩ জাম্বুয়ারি মুঃ১৫ রজব ইং১৪১ গ, উ, ৫।২১ গ, অ,
রবিবার বিত্তীয়া ৫।২৩ পরে তৃতীয়া ৫।৪।১ অশ্বেষানক্ষত্র ২৮।৫৭
গরকরণ ৫।২৩ গ, বণিজ ৩২।২৮ গ, বিষ্টিকরণ তীতিযোগ ১৩।১২
যাত্রানান্তি সংক্রান্তিমোষ অম্মে কর্কটরাশি দেবারিগণ বিষ্ণুবর্ণ চ-
দশা ২৮।৫৭ গ, সিংহরাশি অর্জুণবর্ণ তুজের, ৫।২৩ মধো মুতে দি,
পরে পাদ, উত্তরে যো, ৫।২৩ গ, অগ্নি, বা, ১। প্র গতে ১ প্রহর ।

উত্তরারণ সংক্রান্তি পূর্ণদিবসস্ত মণ্ডরায়ক অর্জুনাতি সংক্রমণে
অমাবসি সৌর আদ্যায়মরং পুণ্যং তীক্ষ্ণগণে সংক্রমণাৎ রাক্ষসী
সংক্রান্তি কৃত্যং সানমানাদি । হিম্মি সংক্রান্তি ত্রতং ।

শ্যাম বাসের উত্তরায়ণ সংক্রান্তির সঞ্চার গণনা ।

যন্তকে ৯১০/১১১/১২১৩ ফলঃ অর্থশাল্য ।

মুখে ১৪১৫১৬ ফলঃ
অর্থশাল্য ।

কক্ষিণ করে ১৭১৮১৯
ফলঃ সৌখ্য ।

হৃদয়ে ২০২৪২৫২৬২৭
ফলঃ সৌখ্যঃ ।

মক্ষিণ পাশে ৩৪৪৫
ফলঃ সৌখ্যঃ ।

সংক্রান্তি অশ্বিনের শান্তি কনকধূলুর বীজ ও সর্ষপাদি অলে ত্রান
এবং বিকৃত্য জপ করিলে শুভ হয় ।

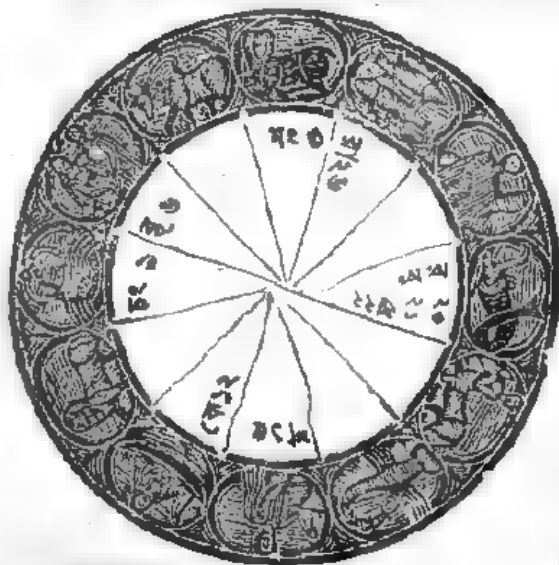


বাম করে ২০২১২২
ফলঃ অর্থশাল্য ।

নাভী ১ ফলঃ অর্থ ।

ওঁ হ ২ ফলঃ ভর ।

বাম পাশে ৬৭৭৮
ফলঃ প্রবাস ।



| | |
|------------|--------|
| দিবা | ২৬/৪৮ |
| ২ | ১০ |
| ১১ | ২৪ |
| ৫৩ | ৫৮ |
| ৫৬ | ১ |
| — | ১১ |
| — | ১ |
| ব ২২ | ৪৮৬০ |
| পালকঃ | শুভ |
| সিদ্ধান্তঃ | চন্দ্র |

১ শ্যাম ইং ১৪ আশ্বিনের মূ ১৬ ইং, ইং ৬০৯ গ, উ, ৫২১ গ, অ,
সোমবার চতুর্থী ৫৩৫৬ মমানক ২৪৫৮ ববকরণ আশ্বিন-
যোগ ৫১৯ পরে সৌভাগ্যযোগ ৫২১৯ বাজামন্তি অগস্ত্যসোম
জন্মে সিংহরশ্মি দেবারিগণ কত্রিগণ কুজেরদক্ষা ২৪৫৮ গতে
শুমিকোণে বারবেলা ■ মণ্ড গতে ৪ মণ্ড ■ ৩৭৫৮ গতে ৪ মণ্ড ।

••• মূলক ভুলন নিষেধ ।

দিবা ২৬।৪৭
৩ ১১ ৫
২০ ২১ ৫০
৪৮ ১৬ ১৭
৪১ ৩ ২
২২১৭/৫৫২/৩৮
পূর্ণিমাঃ শুক্র
সিংহচরচন্দ্র

২ মাঘ ইং ১৫ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ১৭ রজব, ইং ৬।৩২ গ, উ, ৫।২১ গ, অ,
মঙ্গলবার পঞ্চমী ৪৮।৪১ পূর্ণিমাশ্রুতীয়ক ২।১২৩ কোলবকরণ
শোভনযোগ ৫০।১৬ যাত্রামধ্যম উত্তরে, দক্ষিণে নাস্তি ২।১১৩ গতে
মঙ্গলবার জন্ম সিংহরাশি নরগণ কজিরবর্ণ কুজেরদশা ৩৫।৩৮গ,
জ্যৈষ্ঠারি শ্রুতবর্ণ মুক্ত পাদদোষ ২।১১৩গতে ত্রিপাদদোষ দক্ষিণ
যোগিনী ৪৮।৪১ গ পশ্চিমে বার ৪দণ্ড গ ৪দণ্ড ও ২। অ গ ৪দণ্ড।

দিবা ২৬।৪৮
৪ ১২ ৬
২১ ১৮ ৪৩
৪৪ ৩ ২৮
৯ ৫ ৩
কজিরচন্দ্র

৩ মাঘ ইং ১৬ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ১৮ রজব, ইং ৬।৩৮গ, উ, ৫।২২ গ, অ,
বুধবার বধী ৪৪।২ উত্তরফল্গুনীয়ক ১৮।৩ গরুড়ক ৪৪।৯ গ,
বিক্রিয়কন আভিগতযোগ ৪০।২৮ তিথ্যমৃতযোগ ৪৪।২ গতে সিদ্ধি-
যোগ যাত্রানাস্তি বিহবাসি নামকরণ নববস্ত্রপরিধান রাজদর্শন
ঐষধকরণ ঐষধাসবনধাতুস্থাপন বীজসংগ্রহ ঋণদান ঋণগ্রহণ
জন্ম কজ্যারি নরগণ শ্রুতবর্ণ কুজেরদশা ১৮।৩ গতে দেবগণ
নামেরদশা ১৮।৩ মধ্যো মুক্তে ত্রিপাদদোষ ৪৪।৯ গতে পাদদোষ
পশ্চিমে যো, ৪৪।৯ গ বাহুকোনে বার, ১ অ. গ, ৪দণ্ড ও ২ অ. গ ৪দণ্ড,

দিবা ২৬।৪৯
৫ ১৩ ৭
২২ ১৫ ৩৭
৪০ ২৬ ১২
২০ = ৪
২৫ ২ দণ্ড ৫।৩
কজ্যারচন্দ্র
৪৪।৩২।৩০ গ,
তুলারচন্দ্র

৪ মাঘ ইং ১৭ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ১৯ রজব, ইং ৬।৩৮ গ, উ, ৫।২২ গ, অ,
ব্রহ্মস্পতিবার সপ্তমী ৪০।২০ ব্রহ্মানক ১৫।২৬ বিধিকরণ ১২।
১৪।৩০ গতে ববকরণ সূর্য্যোয়াগ ৩৭।১২ যাত্রানাস্তি বিধিদোষ
১২।১৪।৩০ গতে শুভ উত্তর দক্ষিণে বাহুকোনে নাস্তি ২৫।২৬ গতে
মধ্যম উত্তর শুভ ৪০।২০গ, তিথ্যমৃতযোগ বাহুকোনে শুভ কেশ্যানে
নাস্তি ১২।১৪।৩০ গ, যাত্রাধান নামকরণ নববস্ত্রপরিধান নৌকাগঠন
ও চালন ও যাত্রা বাণিজ্যকরণ রাজদর্শন ঐষধকরণ ও সেবন শাস্ত্র
স্থাপন বীজসংগ্রহ ঋণদান ঋণগ্রহণ জন্ম কজ্যারি দেবগণ শ্রুত-
বর্ণ বুধেরদশা ১৫।২৬গ দেবারিগণ ৪৪।৩২।৩০ গ, তুলারিগণ কজিরবর্ণ
৪০।২০ মধ্যো মুক্তে পাদ, বাহু, যো, ৪০।২০গ কেশ্যানে বার, শেষ ১ অ

দিবা ২৬।৫০
৬ ১৪ ৮
২৩ ১৬ ৩১
৩৭ ৪৯ ৪৮
৩৭ ২ ৫
তুলারচন্দ্র

৫ মাঘ ইং ১৮ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ২০ রজব, ইং ৬।৩৮গ, উ, ৫।২২গ, অ,
শুক্রবার সপ্তমী ৩৭।৩০ চিত্রানক ১০।৪৯ বালবকরণ স্তুতি-
যোগ ৩।৪৮ যাত্রানাস্তি অষ্টমীদোষ ৩৭।৩০ গতে তিথ্যমৃতযোগ
যাত্রামধ্যম পূর্বে পশ্চিমে নাস্তি নামকরণ নববস্ত্রপরিধান নৌকা-
গঠন বাণিজ্যকরণ রাজদর্শন ঐষধকরণ ধাতুস্থাপন বীজসংগ্রহ ঋণ-
দান জন্ম তুলারিগণ দেবারিগণ কজিরবর্ণ বুধেরদশা ১০।৪৯ গতে
দেবগণ কেশ্যানে যো, ৩৭।৩০ গ, পূর্বে বার, ১ অহর গ, ১ অহর।
বাংলাভীকা জাঁকর।

দিবা ২৬।৫১
৭ ১৫ ৯
২৪ ১৭ ৪১
৩৫ ৬ ১২
৪৪ ৪ ৬
২২১৭/৫১৬।১
তুলারচন্দ্র

৬ মাঘ ইং ১৯ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ২১ রজব, ইং ৬।৩৮ গ, উ, ৫।২২ গ, অ,
শনিবার বধী ৩৫।৪৪ সাতিনক ১০।৬৫ তিলকরণ পূর্ণযোগ
২৭।১২ সিদ্ধিযোগ এবং মঙ্গল্যমৃতযোগ যাত্রানাস্তি বিহবাসি জন্ম
তুলারিগণ দেবগণ কজিরবর্ণ বুধেরদশা ১০।৬ গ দেবারিগণ ৪৯।
১৫।৪৫গ স্তুতি কর্তৃপক্ষি বিগ্রবর্ণ মুক্তে পাদ, ১০।৬দ ত্রিপাদদোষ পূর্বে
যো ৩৫।৪৫ গ উত্তরে বার, সাদাস্ত ৪ দণ্ড ও ২৪ অহর, গ ৪ দণ্ড।

দিবা ২৬।৫৩

৭ মাঘ-ইং ২০ জাম্বুয়ারি মুং ২২ রজব ইং ৬।৩৭ গ, উ. ৫।২৩ গ, অ,
রবিবার দশমী ৩৫।১২ বিশাখানক্ষত্র ১৩।৩৯ বণিক্করণ ৫।২৮
গ. বিষ্টি ৩৫।১২ গ, ববকরণ গণ্ডযোগ ২৩।৩৬ যাত্রানাস্তি নক্ষত্র-
দোষ ৫।২৮ গতে বিষ্টিদোষ ৩৫।১২ গ, পাপযোগ রাত্রি ১৫।১১।২০
গ, ২০।৪১।৫২ ম. ষা ইং ১১।২৭।৪ সে, গ, ১।৩৯।২১ সে, মধ্যে সূত-
হিবক্কযোগে বিবাহ জন্মে রশিক্করাশি দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ বুধের
দশা ১৩।৩৯ গ, দেবগণ শনিরদশা ১৩।৩৯ মধ্যে মতে দ্বিপাদদোষ
পরে প্রাদদোষ উত্তরে যোগিনী ৩৫।১২ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা
১। প্রহর গতে ১ প্রহর। ৩৫।১২ পূর্ণান্ত মহাদক্ষা।

রশিক্কেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৫৪

৮ মাঘ ইং ২১ জাম্বুয়ারি মুং ২৩ রজব ইং ৬।৩৭ গ, উ. ৫।২৩ গ, অ,
সোমবার একাদশী ৩৫।৫৯ অন্নরাখানক্ষত্র ১৫।২২ ববকরণ রুদ্রি
যোগ ২০।৫৮ যাত্রান্ত পূর্বে অগ্নিকোণে নাস্তি ৩৫।৫৯ গ, পাপ-
যোগ গর্ভাধান নামকরণ জন্মে রশিক্করাশি দেবগণবিপ্রবর্ণ শনির
দশা ১৫।২২ গ, দেবারিগণ ৩৫।৫৯ গ, মতে পাদদোষ তদ্বিকোণে
যোগিনী ৩৫।৫৯ গতে নৈঋতে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর
৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড। ৩৫।৫৯ গতে মহাদক্ষা।

রশিক্কেরচন্দ্র

দিবা ২৬।৫৭

৯ মাঘ ইং ২২ জাম্বুয়ারি মুং ২৪ রজব ইং ৬।৩৭ গ, উ. ৫।১৩ গ, অ,
মঙ্গলবার দ্বাদশী ৩৮।২ জ্যেষ্ঠানক্ষত্র ১৮।২২ কোলকরণ প্রব-
যোগ ১৯।১৩ তিথায়তযোগ ৩৮।২ গ, সিদ্ধযোগ যাত্রানাস্তি বিব-
দোষ রাত্রি ১৪।৪৮।২৭ গ, ২০।২৫।২৭ মধ্যে ইং ১২।১৮।৪৭ সে, গ,
১।৩৩।৩৫ সে, মধ্যে তুলান্যেস্থ তদ্বিবক্কযোগে বিবাহ জন্মে রশিক্ক
রাশি দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ শনিরদশা ১৮।২২ গ, ধনুরাশি কত্রির-
বর্ণ ৩৮।২ মধ্যে দ্বিপাদ, পার পাদদোষ নৈঋতে যোগিনী ৩৮।২ গ
বার ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড ও ২। প্র. গ ৪ দণ্ড। ৩৮।২ পূর্ণান্ত মহাদক্ষা।

ধনুরচন্দ্র

দিবা ২৭।০

১০ মাঘ ইং ২৩ জাম্বুয়ারি মুং ২৫ রজব ইং ৬।৩৬ গ, উ. ৫।২৪ গ, অ,
বুধবার ত্রয়োদশী ৪১।১৭ মূলানক্ষত্র ২২।২৭ গরকবর্ণ ৪১।১৭
গতে বিষ্টিকরণ বাঘাতযোগ ১৮।৩৫ পাপযোগ যাত্রানাস্তি ৪১।১৭
গতে রিক্কাদোষ জন্মে ধনুরাশি দেবারিগণ কত্রিরবর্ণ শনিরদশা
২২।২৭ গতে নরগণ বৃহস্পতিরদশা দক্ষিণে যোগিনী ৪১।১৭ গতে
পশ্চিমে বারবেলা ১ প্রহর গতে ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গ, ৪ দণ্ড।
বার্তাকু ভঙ্গন নিবেদ।

ধনুরচন্দ্র

দিবা ২৭।২

১১ মাঘ ইং ২৪ জাম্বুয়ারি মুং ২৬ রজব ইং ৬।৩৬ গ, উ. ৫।২৪ গ, অ,
বৃহস্পতিবার চতুর্দশী ৪৫।৩৩ পূর্ণাষাঢ়ানক্ষত্র ২৭।৩৮ বিষ্টিকরণ
১৩।২৫ গতে ববকরণ স্বর্গযোগ ১৮।৪১ পাপযোগ যাত্রানাস্তি ২৭।৩৮
গতে নক্ষত্রদোষ জন্মে ধনুবাশি নরগণ কত্রিরবর্ণ বৃহস্পতিরদশা
৪৪।৮।১৫ গতে মকররাশি শ্রবণ ২৭।৩৮ গতে মতে দ্বিপাদদোষ
পশ্চিমে যোগ ৪৫।৩৩ গ উপানে বা শেষ ১ প্র চতুর্দশ যমতপ্পং।
রটন্তী চতুর্দশী পূর্ণরাত্রি ৪ দণ্ড স্থিৎ রটন্তী চতুর্দশীর আবে।
রটন্তী রটন্তী কালিকা পূজা।

ধনুরচন্দ্র

৪৪।৮ ১৫ গ,

মকরেরচন্দ্র

দিবা ১৭।১৬

৪ ২৬ ২০
৪ ৬০ ২০
১০ ০ ৫৫
১০ ০ ১৭

মীনেরচন্দ্র

১৭ মাস ইং ৩০ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ৩ সাবান ইং ৬।৩২ গ, উ, ৫।২৮ গ, অ,
বৃহস্পতি ১০।১০ উত্তরভাগপদনক্ষত্র ৬০।০ বিষ্টিকরণ
১০।১০ গতে বহুকরণ শিবযোগ ২০।৫৫ যজ্ঞানান্তি নক্ষত্রদোষ
জন্মে মীনরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্রদশা নৈষধে যোগিনী
১০।১০ গ, দক্ষিণেবার, ১ প্রহর গ, ৪ দণ্ড আর ২ প্রহর গ, ৪ দণ্ড ।

দিবা ২৭।২২

৫ ২৬ ২১
৫ ২ ২০
১০ ৪১ ৮
৯ ২ ১৮

মীনেরচন্দ্র

১৮ মাস ইং ৩১ জ্যৈষ্ঠারি মূঃ ৪ সাবান ইং ৬।৩২ গ, উ, ৫।২৮ গ, অ,
বৃহস্পতি ১০।১০ উত্তরভাগপদনক্ষত্র ২।৪১ বালব-
করণ সিক্রিয়োগ ২০।৯ সিক্রিয়োগ যজ্ঞানান্তি নক্ষত্রদোষ ২।৪১ গতে
শুভ দক্ষিণে নাস্তি ১০।৮ গ, বক্রীদোষ পঞ্চায়ত সাধভক্ষণ নামকরণ
নবায় জন্মে মীনরাশি নরগণ বিপ্রবর্ণ শুক্রদশা ২।৪১ গতে
দেবগণ দক্ষিণে যোগিনী ১০।৯ গতে পশ্চিমে বা, শেষ ১ প্রহর ।
জীপক্ষমী অনধারউৎসবঃ সরস্বতী লক্ষ্মী মঙ্গলার লেখনী পূজা-
গোমামীরহেতু বসন্ত পক্ষমী ত্রিকর্ষাক্ষরঃ ।

দিবা ২৭।২৪

৬ ২৭ ২২
৬ ৫ ২১
১৪ ৫৫ ২।
১৪ ৪ ১৯

মু ২২৮

মু ২১।৩৩

শু ২৪ মূ ৩।৭

মীনেরচন্দ্র

৫।৫৫ গতে

যে বরচন্দ্র

১৯ মাস ইং ১ ফেব্রুয়ারি মূঃ ৫ সাবান ইং ৬।৩১ গ, উ, ৫।২৯ গ, অ,
শুক্রবার শুক্রী ১৪।৫৪ রেবতীনক্ষত্র ৫।৫৫ তৈতিসকরণ সাধা-
যোগ ২১।২৭ সিক্রিয়োগ ৫।৫২ গতে নক্ষত্রায়তযোগ যজ্ঞানান্তি
বিপ্রদোষ পঞ্চায়ত সাধভক্ষণ নামকরণ রাতি ১২।৫৪।৫৪ গতে ১৮।
৩১।৫৪ মধো ইং ১০।৩৮ ৪১ সেকেন গতে ১২।১৩।৩৪ সেকেন
মধো তুলাব্রহ্মে হতহিব্রহ্মযোগে যজ্ঞবিবাহ জন্মে মীনরাশি দেব-
গণ বিপ্রবর্ণ শুক্রদশা ৫।৫৫ গতে মেরাশি বৈশ্ববর্ণ ১৪।৫৪
গতে মতে পাকদোষ পশ্চিমে যোগিনী ১৪।৫৪ গতে বাহুদোষ
বহুদোষ ১ প্রহর গতে ১ প্রহর । শিতলক্ষী । মণ্ডমীর সপ্তিওন ।

দিবা ২৭।১৮

৭ ১ ২০
৭ ৭ ১৮
১৫ ৫৬ ৪৪
১২ ৬ ২০

মু ২৪

মু ২৪।৪০

যে বরচন্দ্র

২০ মাস ইং ২ ফেব্রুয়ারি মূঃ ৬ সাবান ইং ৬।৩০ গ, উ, ৫।৩০ গ, অ,
শনিবার মণ্ডমী ১৫।১৯ অশ্বিনীনক্ষত্র ৭।২৬ বণিক্র, ১৫।১৯ গ,
বিষ্টি ৪৪ ৫৪ গ, বহুকরণ শুভযোগ ১৮।৪৪ যজ্ঞানান্তি নক্ষত্রদোষ
নাশ্তি ৭।৫৬ গ, নক্ষত্রদোষ জন্মে দেবরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্রদ-
শা ৭।৫৬ গ, নরগণ ১৫।১৯ মধো মতে স্থিপাদ, পরে পাদ, বায়ু, বো,
১৫।১৯ গতে ক্রীষা, বার, আদ্যন্ত ৪ দণ্ড ও ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।

অকণোদয় মণ্ডমী পূর্বরাতি শেষ ৪ দণ্ড দ্বিতে অকণোদয়
মণ্ডমী স্নানঃ মাকরী মণ্ডমী স্নানদানাদি আরোগ্য বিধান মণ্ডমী
ব্রতঃ রথারণ অনধারঃ । মণ্ডমীর একোদ্বিষ্ট অষ্টমীর সপ্তিওন ।

দিবা ২৭।৩০

১ ২ ২৪
৮ ৮ ১৫
১৪ ৪৫ ৪
২৯ ১ ২১

মু ২৪

মু ২৩।৮৩০ গ,

যে বরচন্দ্র

২১ মাস ইং ৩ ফেব্রুয়ারি মূঃ ৭ সাবান ইং ৬।৩০ গ, উ, ৫।৩০ গ, অ,
রবিবার অষ্টমী ১৪।২৯ ভরগীনক্ষত্র ৮।৪৫ বহুকরণ শুক্রযোগ
১৫।৪৮ যজ্ঞানান্তি নক্ষত্রদোষ জন্মে দেবরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্র-
দশা ৮।৪৫ গতে দেবারিগণ ত্রিবিদশা ২০।৩৮।৩০ গ, বৃহস্পতি
মুদ্রবর্ণ মতে পাদ, ৮।৪৫ গ, স্থিপাদ, ক্রীষানে জ্যো, ১৪।২৯ গতে
পূর্বে বা, ১। প্র, গ, ১ প্র, । জীষাক্ষনী ভীষতপণঃ গোমামীরহেতু
জীষ পক্ষমী । অষ্টমীর একোদ্বিষ্ট নবমীর একো, সপ্তিওন ।

দিবা ২৭/৫৩

২ ৫ ২৫

৯ ৮ ১০

১২ ১৯ ২৭

২৪ ৩ ২২

র১৩দং ৩৭/৫৫

বৃষেরচন্দ্র

দিবা ২৭/৫৬

৩ ৪ ২৬

১০ ৬ ৫

৯ ৫২ ০

১৮ ৫ ৫৩

— ৮৮

— ২৩

মিথুনেরচন্দ্র

দিবা ২৭/৫৯

৪ ৫ ১

১ ৪ ৫২

৫ ২৫ ১

১৫ ০ ২৪

মিথুনেরচন্দ্র

দিবা ২৭/৬২

৫ ৬ ২

১২ ১ ৪৪

১০ ২২ ৩৭

৫৯ ৫৭ ২৫

২৫ ৪৯ —

১০ ২ —

র২৩দং ৫৭/১৭

কর্কটেরচন্দ্র

দিবা ২৭/৬৪

১৬ ৮ ৩

১৪ ৫৩ ৩৭

৪৯ ৪৭ ২

২৪ ৫ ২৬

রা, ২৫দং ৪৩/৪১

কর্কটেরচন্দ্র

২২ মাঘ ইং ৪ ফেব্রুয়ারি মুং ৮ সাবান ইং ৬/২৯ গ, উ, ৫/৩১ গ, অ,

সোমবার নবমী ১২/২৪ কৃত্তিকানক্ষত্র ৮/১৯ কোলবকরণ ব্রহ্ম-
যোগ ১০/২৭ যাত্রা নাস্তি নক্ষত্রদোষ ৮/১৯ গতে নক্ষত্রমতযোগ
যাত্রান্ত পূর্বে পশ্চিমে নাস্তি ১২/২৪ গতে উত্তরে নাস্তি রাত্রি
১৬/৩৩ গতে ২৩/৫৮/১০ মধ্যে ইং ২ প্রহর গতে ২/৫৭/৪২ সোমেন
মধ্যে জুলা হস্তিকলায়ে স্তত্বেবিকযোগে বিবাহ জন্মে বৃষরাশি
দেবারিগণ শূক্রবর্গ রবিবরদশা ৮/১৯ গতে নরগণ ৮/১৯ মধ্যে মতে
দ্বিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী ১২/২৪ গতে উত্তরে বারবেলা ৪ দণ্ড
গতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

১২/২৪ পল মধ্যে মহানন্দা শ্রানদানে অক্ষয়বর্গ প্রাপ্তি ফলং।
নবমীপের মহোৎসবের ধলট।

২৩ মাঘ ইং ৫ ফেব্রুয়ারি মুং ৯ সাবান ইং ৬/২৯ গ, উ, ৫/৩১ গ, অ,

মঙ্গলবার দশমী ৯/১৮ রোহিণীনক্ষত্র ৬/৫২ গরকরণ ৯/১৮ গতে
বগিচ্ ৩৭/৬/৩০ গতে বিষ্টিকরণ ইন্দ্রযোগ ৫/১০ পরে বৈষ্ণবতিযোগ
৫/৩৪৮ যাত্রামধ্যম উত্তরে পশ্চিমে নাস্তি ৫/১০ গতে বৈষ্ণবতিযোগ
জন্মে বৃষরাশি নরগণ শূক্রবর্গ রবিবরদশা ৬/৫২ গতে দেবগণ ৩৭/১
৩৮/৩০ গতে মিথুনরাশি বৈষ্ণবর্গ মতে পাদদোষ উত্তরে যোগিনী
৯/১৮ গ, অগ্নিকোণে বারবেলা ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড ও ২ প্র, গ, ৪ দ,

২৪ মাঘ ইং ৬ ফেব্রুয়ারি মুং ১০ সাবান ইং ৬/২৮ গ, উ, ৫/৩২ গ, অ,

বুধবার একাদশী ৫/১৫ মগশিরানক্ষত্র ৪/২৫ বিষ্টিকরণ ৫/১৫
ববকরণ বিষ্ণুযোগ ৫/২১ তিথ্যন্ত, ৫/১৫ গ, সিদ্ধিযোগ যাত্রা-
নাস্তি বিহদোষ জন্মে মিথুনরাশি দেবগণ বৈষ্ণবর্গ রবিবরদশা ৪/২৫
গ, নরগণ চন্দ্রবরদশা মতে পাদদোষ অগ্নি, ঘো, ৫/১৫ গ, নৈম্বাতে
বা, ১ প্র, গ, ৪ দণ্ড ও ২ প্র, গ, ৪ দণ্ড। ভৈরবী একাদশীর উপবাস
শিম ভক্ষণ নিষেধ।

২৫ মাঘ ইং ৭ ফেব্রুয়ারি মুং ১১ সাবান ইং ৬/২৮ গ, উ, ৫/৩২ গ, অ,

বৃহস্পতিবার দ্বাদশী ০/২৯ পরে ত্রয়োদশী ৫৫/১০ আশ্বিনক্ষত্র
১/২২ পরে পূনর্কক্ষত্র ৫৭/৪৯ বালবকরণ প্রীতিযোগ ৪৪/৩৭
ব্রাহ্মস্পর্শ যাত্রাদি শুভকর্ম নাস্তি শ্রানদানে শুভ জন্মে মিথুনরাশি
বৈষ্ণবর্গ চন্দ্রবরদশা ৪/২২ গ, দেবগণ ৪৪/৪৩/৪৫ গ, কর্কটরাশি
বিপ্রবর্গ ০/২৯ মধ্যে মতে পাদ, ১/২২ গ, ৫৯/১১ মধ্যে দ্বিপাদদোষ
নৈম্ব, ঘো, ০/২৯ গ, দক্ষিণে বা শেষ ১ প্র, ০/২৯ মধ্যে একাদ, পা।

২৬ মাঘ ইং ৮ ফেব্রুয়ারি মুং ১২ সাবান ইং ৬/২৭ গ, উ, ৫/৩৩ গ, অ,

শুক্রবার চতুর্দশী ৪৯/২৪ পূর্ণানক্ষত্র ৫৩/৪৭ গরকরণ ৪৯/২৪ গ,
বিষ্টিকরণ আশ্বিনযোগ ৩৭/২ তিথ্যন্তযোগ যাত্রান্ত পশ্চিমে
নাস্তি ৪৯/২৪ গতে বিষ্টিদোষ জন্মে কর্কটরাশি দেবগণ বিপ্রবর্গ
চন্দ্রবরদশা ৫৩/৪৭ গতে দেবারিগণ পশ্চিমে যোগিনী ৪৯/২৪ গতে
বাহ্যকোণে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

দিবা ২৭।৪৭

৭ ৯ ৪

১৫ ৪৯ ২৯

৪৩ ৪৫ ১১

৩২ ০ ২৭

কর্কটরচন্দ্র

৪২।৪৫গতে

সিংহরচন্দ্র

২৭ মাঘ ইং ৯ ফেব্রুয়ারি মুং ১৩ সাবান, ইং ৬।২৭গ. উ. ৫৭৩৩গ. অ.
শনিবার পূর্ণিমা ৪৩।৩২ অম্লমাসকত্র ৪২।৪৫ বিষ্টিকরণ ১৩।২৮
গতে ববকরণ সৌভাগ্যযোগ ২৯।১১ পাপযোগ যাত্রানাস্তি নকত্র-
দোষ জন্মে কর্কটরাশি দেবারিগণ বিপ্রবর্গ চন্দ্রেরদশা ৪২।৪৫ গতে
সিংহরাশি কত্রিবর্গ কুজেরদশা মতে পাদদোষ বাহ্যকোণে ঘো.
৪৩।৩২ গতে পূর্বে বারবেলা আদ্যন্ত ৪ মণ্ড ও ২।০ প্র. গ. ৪মণ্ড।
মাসীয় কলিযুগাদি। আনন্দানাদি হিন্দী মাঘ সুদি পৌর্নমাসী
পূর্ণিমার ব্রত এবং উপবাস সায়ং সন্ধ্যা নাস্তি পূর্ণিমার নিশি-
পালন। অক্ষাং মাসত্রয়ারব্ধিগ গজাঙ্কুরে অক্ষয় কল প্রাপ্তি।

দিবা ২৭।৫০

১ ১০ ৫

১৬ ৪৫ ২১

৩৬ ৩৭ ২২

৪০ ২ ২৮

সিংহরচন্দ্র

২৮ মাঘ ইং ১০ ফেব্রুয়ারি মুং ১৪ সাবান, ইং ৬।২৬গ. উ. ৫।৩৪গ. অ.
রবিবার প্রতিপদ ৩৭।৪০ মঘানকত্র ৪৫।৩৭ বালবকরণ শোভনযোগ
২১।২২ পাপযোগ যাত্রানাস্তি নকত্রদোষ ৩৭।৪০ গতে পূর্বিদোষ
বষকরণ জন্মে সিংহরাশি দেবারিগণ কত্রিবর্গ কুজেরদশা
৪৫।৩৭ গতে নরগণ মতে পাদদোষ ৩৭।৪০ গতে দ্বিপাদদোষ
পূর্বে যোগিনী ৩৭।৪০ গতে উত্তরে বারবেলা ১। প্র. গ. ১ প্রহর।
হিন্দী ফাল্গুন বদি আরম্ভঃ।

দিবা ২৭।৫২

২ ১১ ৬

১৭ ৪১ ১৩

৩২ ৫০ ৪০

৫ ৩ ২৯

৪২।৩৬

মং ১০।৩৯

মং ৩

মং ৪৬।৩৬

সিংহরচন্দ্র

৫৬।১।৩০ গতে

কত্রারচন্দ্র

২৯ মাঘ ইং ১১ ফেব্রুয়ারি মুং ১৫ সাবান, ইং ৬।২৬গ. উ. ৫।২৪গ. অ.
সোমবার দ্বিতীয়া ৩২।৫ পূর্ককল্পনী নকত্র ৪১।৫০ তৈতিলকরণ
অতিগণযোগ ১৩।৪০ যাত্রানাস্তি সংক্রান্তি দোষ জন্মে সিংহরাশি
নরগণ কত্রিবর্গ কুজেরদশা ৫৬।১।৩০ গ. কত্রারশি পূর্ববর্গ ৩২।৫
মধ্যে মতে পাদদোষ ৪১।৫০ গতে দ্বিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী
৩২।৫ গ. অগ্নিকোণে বারবেলা ২ মণ্ড গ. ৪ মণ্ড ও ৩ প্র. গ. ৪মণ্ড।
বিষ্ণুপদী সংক্রান্তি দিবা সংক্রমণে সংক্রমণাৎ পূর্কপদ বোড়শ-
মণ্ড পূর্ণাত্রে পূর্করাত্রি শেষ ৫।২১ পল সহিতং সর্বং দিনং পূর্ণাৎ
উগ্রগণে সংক্রমণাৎ যোরাখ্য সংক্রমণাৎ পরং ২ মণ্ড পূর্ণাতম
আনন্দানাদি রাত্রি মতে সায়ং সন্ধ্যা কার্য।

ফাল্গুন মাসের বিষ্ণুপদী সংক্রান্তির সঞ্চার গণনা।

মন্তকে ৮।৯ কলং রাজপূজা।

মুখে ১১ কলং রোগ।

দক্ষিণ করে ১২।১৩।১৪।১৫
কলং ভোগ।

জন্মের ২৬।২৭।২৮
কলং লাভ।

দক্ষিণ পাদে ১৬।১৭।১৮
কলং মাম।



নেত্রে ৪।৫।৬।৭
কলং ঐশ্বর্য।

বাম করে ২২।২৩।২৪।২৫
কলং বন্ধনভয়।

মুখে ১০ কলং
অপমত্তা।

বাম পাদে ১৯।২০।২১
কলং মাম।

দিবা ২৭:১৮

৪ ১০ ৯

১৯ ৩৫ ৫২

২২ ৪৯ ৫৭

২২ ২ ২

কক্সারচক্র

দিবা ২৮:২

৫ ১৪ ১০

২০ ৩৩ ৬৭

১৮ ৫৬ ১৮

৩৬ ৪ ৩

২২:৩৮/

২২:২৯:৩২

তুলারচক্র

দিবা ২৮:৪

৬ ১১ ১১

২১ ৩৩ ৪২

১৫ ১ ২৭

৪৮ ৬ ৪

তুলারচক্র

দিবা ২৮:৬

৭ ১৬ ১২

২২ ৩৩ ৩৮

১৪ ১৬ ৩২

৫ ১ ৫

শনি বক্রী

তুলারচক্র

১৮ ১২:১৫ গ

২২:২৯:৩২

২৮:১৯

১ ১৭ ১০

২৩ ৩৪ ৩৫

১৩ ৪৪ ৩৬

৩৮ ৩ ৬

২২:২৯:৩২

২২:২৯:৩২

২২:২৯:৩২

২২:২৯:৩২

২ কালান ইং১৩ ফেব্রুয়ারি মুং১৭ সাবান ইং৬২৪গ,উ,৫০৩৬গ, অ,
বুধবার চক্রবী ২২:২২ হস্তানক্ষত্র ৩২৪৯ বালবকরণ শ্রুতযোগ
৫২:৫৭ যাত্রানাস্তি দ্বিত্যাদোষ ২২:২২ গ, শুভ উত্তরে দক্ষিণে নাস্তি
৩২:৪৯ গ, মধ্যম জন্মে কক্সারশি দেবগণ শ্রুতবর্ণ বুধেরদশা ৩২:৪৯
গ, দেবারিগণ নৈমিত্তে যোগিনী ২২:২২ গতে দক্ষিণে ব্যস্তবেলা ১
প্রহর গতে ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

৩ কালান ইং১৪ ফেব্রুয়ারি মুং১৮ সাবান ইং৬২৪গ,উ,৫০৩৬গ, অ,
বৃহস্পতিবার পঞ্চমী ১৮:৩৬ চিত্রানক্ষত্র ৩৩:৫৬ তৈতিলকরণ
গণযোগ ৪৭:১৮ সিদ্ধিযোগ যাত্রামধ্যম দক্ষিণে নাস্তি ১৮:৩৬ গতে
যাত্রাদোষ গর্তাধান নামকরণ দেবতা গঠন বাণিজ্যকরণ রাজদশন
জন্মে কক্সারশি দেবারিগণ শ্রুতবর্ণ বুধেরদশা ৪৫:২৩ গতে তুলা
রাশি ক্ষত্রিয়বর্ণ ৩৩:৫৬ গতে দেবগণ দক্ষিণে যোগিনী ১৮:৩৬ গতে
পশ্চিমে বার, শেষ ১ প্রহর। পঞ্চমীর এবং বষ্ঠীর সপিওন।

৪ কালান ইং১৫ ফেব্রুয়ারি মুং১৯ সাবান ইং৬২১গ,উ,৫০৩৯গ, অ,
শুক্রবার বষ্ঠী ১৫:৪৮ স্ব তিনক্ষত্র ৩৩:১ বণিজ্যকরণ ১৫:৪৮ গ,
বিস্তি ৪৭:৪৩:৩০ গতে ববকরণ হস্তিযোগ ৪২:২৭ সজ্জিযোগ ১৫:৪৮
মধ্যে যাত্রা, মধ্যম পশ্চিমে নাস্তি পূর্বে বিহিদোষ গর্তাধান নামকরণ
নৌকাগঠন ও চালন ও যাত্রা বাণিজ্যকরণ ও বধকরণ জন্মে তুলা-
রাশি দেবগণ ক্ষত্রিয়বর্ণ বুধেরদশা ৩৩:১ গতে দেবারিগণ ১৫:৪৮
গতে মতে পাদদোষ ৩৩:১ গতে ত্রিপাদদোষ পশ্চিমে যোগিনী
১৫:৪৮ গ ব্যস্তকোণে বা ১ প্র, গ, ১ প্র, বষ্ঠীর একো সপ্তমীর সপি

৫ কালান ইং১৬ ফেব্রুয়ারি মুং২০ সাবান ইং৬২৩গ,উ,৫০৩৭গ, অ,
শনিবার সপ্তমী ১৬:৫ বিশাখানক্ষত্র ৩৩:১৬ ববকরণ জন্মযোগ
৩৩:৩২ যাত্রানাস্তি নক্ষত্রদোষ ১৬:৫ গতে অষ্টমীদোষ রাত্রি ১০:৬:৩০
গতে ২১:২৪:৫০ মধ্যে ইং ৯:৩৯:৪৮ সেকেন গতে ২৩:৮ সেকেন
মধ্যে তুলা হস্তিকরণে হস্তিহরকরণে বিবাহ জন্মে তুলারশি
দেবারিগণ ক্ষত্রিয়বর্ণ বুধেরদশা ১৮ ১২:১৫ গতে হস্তিকরাশি বিপ্র
বর্ণ শনিরদশা ১৬:৫ মধ্যে মতে পূর্ণদোষ পূর্বে ৩৩:১৬ মধ্যে মতে
ত্রিপাদদোষ পূর্বে পাদদোষ ব্যস্তকোণে যোগিনী ১৬:৫ গ, ঈশানে
ব্যস্তবেলা আদ্যন্ত ২ দণ্ড আর ২ প্র গ, ২ দণ্ড শাকটিকা আদ্যন্ত
সপ্তমীর একোদশী অষ্টমীর একোদশী সপিওন।

৬ কালান ইং১৭ ফেব্রুয়ারি মুং২১ সাবান ইং৬২২গ,উ,৫০৩৮গ, অ,
রবিবার অষ্টমী ১৩:৩৭ অন্নরাধানক্ষত্র ৩৪:৪৪ কৌলবকরণ ব্যা-
তযোগ ৩৫:৩৬ যাত্রানাস্তি অষ্টমীদোষ ১৩:৩৭ গতে দ্বিত্যাদোষ
নৌকাগঠন জন্মে হস্তিকরাশি দেবগণ বিপ্রবর্ণ শনিরদশা ৩৪:৪৪
গতে দেবারিগণ মতে পাদদোষ ঈশানে যোগিনী ১৩:৩৭ গতে
পূর্বে বার, ১ প্রহর গতে ১ প্রহর। নবমীর একোদশী সপিওন।
মারিকেল তক্ষণ নিবেই।

কালান ইং১৩ ফেব্রুয়ারি মুং১৭ সাবান ইং৬২৪গ,উ,৫০৩৬গ, অ, বুধবার চক্রবী ২২:২২ হস্তানক্ষত্র ৩২৪৯ বালবকরণ শ্রুতযোগ ৫২:৫৭ যাত্রানাস্তি দ্বিত্যাদোষ ২২:২২ গ, শুভ উত্তরে দক্ষিণে নাস্তি ৩২:৪৯ গ, মধ্যম জন্মে কক্সারশি দেবগণ শ্রুতবর্ণ বুধেরদশা ৩২:৪৯ গ, দেবারিগণ নৈমিত্তে যোগিনী ২২:২২ গতে দক্ষিণে ব্যস্তবেলা ১ প্রহর গতে ২ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

দিবা ২৮।১২

২ ১৮ ১৪

২৪ ৩৭ ৩৩

১৪ ২৮ ৪১

২৫ ৫ ৭

রুশিকেরচন্দ্র
৩২।২৮ গতে

ধরুচন্দ্র

দিবা ২৮।১২

৩ ১৯ ১৫

২৫ ৪১ ৩২

১৬ ১২ ৪৪

৩১ ০ ৮

ধরুচন্দ্র

দিবা ২৮।১৮

৪ ২০ ১৬

৪৬ ৪৬ ৩২

২৯ ১৩ ৩৮

১৭ ২ ৯

শ মানে

মং ৩০।৫১

ধরুচন্দ্র

দিবা ২৮।২১

৫ ২১ ১৭

২৭ ৫২ ৩৩

২৪ ৮ ১৩

৩ ৪ ১০

র২৪। মং ৭।২০

ধরুচন্দ্র

২।৪১।৪৫ গতে

মকররচন্দ্র

দিবা ২৮।২৫

৬ ২২ ১৮

২৮ ৫৮ ৩৪

২৯ ২৭ ২১

২ ৬ ১১

মকররচন্দ্র

৭ ফাল্গুন ইং ১৮ ফেব্রুয়ারি মুং ২২ সাবান ইং ৬।২২ গ, উ, ৬।৩৮ গ, অ,
সোমবার নবমী ১৪।২৫ জ্যৈষ্ঠানক্ষত্র ৩৭।২৮ গরুরগণ ১৪।২৫ গ,
বণিজ ৪৫।২৮ গ, বিক্রিরগণ স্বর্গযোগ ৩৩।৪১ যাত্রানাস্তি রিজা-
দোষ ১৪।২৫ গ, তিগমতযোগ যাত্রান্ত পূর্বে উত্তরে নাস্তি ৪৫।২৮
গ, বিক্রিদোষ জন্মে রুশিকেরাশি দেবারিগণ বিশ্রবণ শনিরদশা
৩৭।২৮ গতে ধরুশি ক্ষত্রিবর্ণ পূর্বে যোগিনী ১৪।২৪ গ, উত্তরে
বার, ৮ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড ও ৩ প্র, গতে ৮ দণ্ড। দশমীর সপ্তিগুন।

৮ ফাল্গুন ইং ১৯ ফেব্রুয়ারি মুং ২৩ সাবান ইং ৬।২১ গ, উ, ৫।৩৯ গ, অ,
মঙ্গলবার দশমী ১৬।৩১ মূলানক্ষত্র ৪১।১২ বিক্রি ১৬।৩১ গ, ব-
করণ বজ্রযোগ ৩২।৪৪ যাত্রানাস্তি বিক্রিদোষ ১৬।৩১ গ, পাশযোগ
রাত্রি ৯।৫৮।৪৮ গ, ১২।৫৭।০ মধ্যে ইং ৯।৩৮।৩০ সেকেন গতে ১০।
৪৯।৪৮ স, মধ্যে তুল্যলমে স্মৃতিহিব্রুযোগে বিবাহ জন্মে ধরুশি
দেবারিগণ ক্ষত্রিবর্ণ শনিরদশা ৪১।১২ গ, নরগণ রুহ্মপতিরদশা
মতে পাদদোষ উত্তরে যোগিনী ১৬।৩১ গতে, অগ্নিকোণে বারবেলা
৪ দণ্ড গতে ৮ দণ্ড ও ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড। একাদশীর সপ্তিগুন।

৯ ফাল্গুন ইং ২০ ফেব্রুয়ারি মুং ২৪ সাবান ইং ৬।২০ গ, উ, ৫।৪০ গ, অ,
বুধবার একাদশী ১৯।৪৭ পূর্বাষাটানক্ষত্র ৪৬।১৩ বালবকরণ অশ্বক
যোগ ৩২।৩৮ তিগমতযোগ ১৯।৪৭ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রানাস্তি
বিব্রদোষ জন্মে ধরুশি নরগণ ক্ষত্রিবর্ণ রুহ্মপতিরদশা ১৯।৪৭
গতে মতে পাদদোষ ৪৬।১৩ গতে ত্রিপাদদোষ অগ্নিকোণে যো-
গিনী ১৯।৪৭ গতে নৈখতে বারবেলা ১ প্রহর গতে ৮ দণ্ড আর
২ প্রহর গতে ৮ দণ্ড। দ্বাদশীর সপ্তিগুন।

১০ ফাল্গুন ইং ২১ ফেব্রুয়ারি মুং ২৫ সাবান ইং ৬।২০ গ, উ, ৫।৪০ গ, অ,
বৃহস্পতিবার দ্বাদশী ২৪।৩ উত্তরাষাটানক্ষত্র ৫২।৮ তৈতিলকরণ
ব্যতীপাভযোগ ৩৩।১৩ যাত্রানাস্তি নক্ষত্রদোষ ৫২।৮ গ, মধ্যম দক্ষিণে
নাস্তি জন্মে ধরুশি নরগণ ক্ষত্রিবর্ণ রুহ্মপতিরদশা ২।৪১।৪৫ গ,
মকররাশি শ্রুতবর্ণ ৫২।৮ গ, দেবগণ ২৪।৩ মধ্যে মতে ত্রিপাদ, পরে
৫২।৮ মধ্যে ত্রিপাদদোষ নৈখতে যোগিনী ২৪।৩ গতে দক্ষিণে
বারবেলা শেষ ১ প্রহর।

পুতিকা শুকন নিবেধ।

১১ ফাল্গুন ইং ২২ ফেব্রুয়ারি মুং ২৬ সাবান ইং ৬।১৯ গ, উ, ৫।৪১ গ, অ,
শুক্রবার ত্রয়োদশী ২৮।২ অবগানক্ষত্র ৫৮।২৭ বণিজকরণ ২৮।২
গতে বিক্রিরগণ বরীমানযোগ ৩৪।২৫ নক্ষত্রায়তযোগ যাত্রান্ত
দক্ষিণে পশ্চিমে নাস্তি ৫৮।২৭ গতে বিক্রিদোষ নামকরণ বাণিজ্য-
করণ জন্মে মকররাশি দেবগণ শ্রুতবর্ণ ৫৮।২৭ গতে দেবারিগণ
রাহুরদশা দক্ষিণে যোগিনী ২৮।২ গতে পশ্চিমে বারবেলা ২ প্রহর
গতে ১ প্রহর।

ত্রিশিবারাত্রি চতুর্দশীভূত গোআদীমতে পরায়ে।

সবা ২৮।২৮
৭ ২৩ ১৯
২৯ ৬০ ৩৫
৩৪ ০ ৪৬
২৯ ০ ১২
শু ২৬ স ১১।২৬
মকররচন্দ্র
৩১।৪৫ গতে
কুন্তরচন্দ্র

১২ ফাল্গুন ইং ২৩ ফেব্রুয়ারি মুঃ ২৭ সাবান ইং ৬।১৮গ, উ, ৫।৪২গ, অ
শনিবার চতুর্দশী ৩৪।২৯ ধনিষ্ঠানক্ষত্র ৩।০ বিক্রিরণ ১।৪৫।৩০
গ, শকুনিকরণ পরিষযোগ ৩৫।৪৬ সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি ১।৪৫।৩০
গতে মধ্যম পূর্বে পূর্ণিমা নাস্তি ৩৪।২৯ গতে পক্ষান্তদোষ জন্মে
মকররাশি দেবারিগণ শুভবর্ণ রাহুদশা ৩১।৪৫ গতে কুন্তরাশি
বৈশ্ববর্ণ মূতে পাদদোষ পক্ষিমা যোগিনী ৩৪।২৯ গতে ঈশানে
বারবেলা আদ্য ৪ দণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড।
শুক্লপক্ষ সমাপ্ত পূর্ণাঙ্গার সানদানাদি।
পূর্ণাঙ্গার শিবচতুর্দশীর পারিণং। অমাবস্তার নিশিপালন।

সবা ২৮।৩২
১ ২০ ২০
৩০ ৫ ৩৭
৩৯ ৩ ৬
৪৪ ৮২ ১৩
৪২৪৮ দ ২৬।১৪
কুন্তরচন্দ্র

১৩ ফাল্গুন ইং ২৪ ফেব্রুয়ারি মুঃ ১৮ সাবান ইং ৬।১৮গ, উ, ৫।৪২গ, অ
রবিবার অমাবস্তা ৩৯।৪৪ ধনিষ্ঠানক্ষত্র ৫।৩ চতুর্পাদকরণ শিব-
যোগ ৩৭।৬ যাত্রানান্তি পক্ষান্তদোষ ৩৯।৪৪ গ পাণ্ড্যযোগ জন্মে কুন্ত-
রাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুদশা। মূতে পাদদোষ ঈশানে বো,
৩৯।৪৪ গতে পূর্বে বারবেলা ১। প্রহর গতে ১ প্রহর।
অমাবস্তার ব্রত এবং উপবাস সাংসদক্ষ্য নাস্তি।
মকররাশি সানদানাদি তিলতর্পণেন বারদোষ।
দিবা ৫।৩ পালে ইং ১৮ ফাল্গুন ১৮।১৮ সেকেন মধ্যে বাতীপাত-
যোগ গঙ্গায়ানে ত্রিকোটি কুলোদ্রিকরণ কাষো গাঙ্গায়ং স্নাত্যং।

সবা ২৮।৩৫
২ ২৪ ২১
১ ১১ ৩৮
৪৪ ২০ ৬
২৯ ৩৫ ১৪
কুন্তরচন্দ্র

১৪ ফাল্গুন ইং ২৫ ফেব্রুয়ারি মুঃ ২৯ সাবান ইং ৬।১৭গ, উ, ৫।৪৩গ, অ,
সোমবার প্রতিপদ ৪৪।২৯ শতভিষানক্ষত্র ১।১২০ বিক্রিরণ
সিদ্ধিযোগ ৩৮।৬ যাত্রানান্তি অমাবস্তাদোষ ১।১২০ গতে নক্ষত্রমূত-
সোং যাত্রান্ত পূর্বে নাস্তি ৪৪।২৯ গতে উত্তরে নাস্তি জন্মে কুন্ত-
রাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুদশা ১।১২০ গতে মরগণ ১।১২০ গ,
গতে ত্রিপাদদোষ ৪৪।২৯ গতে ত্রিপাদদোষ পূর্বে যোগিনী ৪৪।২৯
গতে উত্তরে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গ, ৪ দণ্ড।
চান্দ্র কাস্তুন হিন্দি কাস্তুন শুদি আরম্ভ।

সবা ২৮।৩৮
৩ ২৫ ২২
২ ১৭ ৩৮
৪৮ ০ ২৯
২২ ২ ১৫
কুন্তরচন্দ্র
৩।৩৫ গতে
মীনেরচন্দ্র

১৫ ফাল্গুন ইং ২৬ ফেব্রুয়ারি মুঃ ৩০ সাবান ইং ৬।১৬গ, উ, ৫।৪৪গ, অ,
মঙ্গলবার দ্বিতীয়া ৪৮।২২ পূর্বভাদ্রপদনক্ষত্র ১।৭।০ শনিবরণ
সাঁধা, ৩৮।২৯ ত্রিখামুত, ১।৭।০গ, নক্ষত্রা, ৪৮।২২ গ, সিদ্ধিযোগ যাত্রা-
নাস্তি বিষদোষ গর্ভাধান পূঃসবন সীমাস্তোরন অং কুন্তরাশি
মরগণ বৈশ্ববর্ণ রাহুদশা ০।২৫ গতে মীনরাশি বিশবর্ণ ১।৭।০ গ,
শুক্রেদেশা ১।৭।০ মধ্যে মূতে পূর্ণিমা পক্ষে ৪৮।২২ মধ্যে ত্রিপাদদোষ
পরে পাদদোষ উত্তরে যোগিনী, ৪৮।২২ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা
৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

সবা ২৮।৪২
৪ ২৬ ২৩
৩ ২১ ৩৮
৫১ ৩৯ ৩
১৪ ০৪ ১৬
৪২৪৮ দ ২৪।৫৮
মীনেরচন্দ্র

১৬ ফাল্গুন ইং ২৭ ফেব্রুয়ারি মুঃ ১ রমজান ইং ৬।১৬ গ, উ, ৫।৪৪ গ, অ,
বুধবার তৃতীয়া ৫১।১৪ উত্তরভাদ্রপদনক্ষত্র ২।১।৩৯ তৈত্তিল-
করণ শুভযোগ ৩৮।৩ পাণ্ড্যযোগ যাত্রানান্তি ৫।১।১৪ গতে মক্ষত্র-
দোষ নাকরণ সিদ্ধিযোগ শুভাশান অংপুজা অন্তরন বহাং জন্মে
মীনরাশি মরগণ বিশবর্ণ শুক্রদশা ২।১।২৯ গতে দেবগণ অগ্নি-
কোণে যোগিনী ৫।১।১৪ গতে নৈঋতে বারবেলা ১ প্রহর গ, ৪ দণ্ড
২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড। ৫।১।১৪ গতে বহাদশা।

দিবা ২৮।৪৫
৫ ২৭ ২৪
৪ ২৫ ৩৬
৫২ ৮ ১৫
৫০ ৬ ১৭
মীনচন্দ্র
২৫।৮ গতে
মেঘেরচন্দ্র

১৭ ফাল্গুন ইং ২৮ কেতুবারি মৃৎ ২৪মজান ইং ৬।১৫গ, উ, ৫।৪৫গ, অ,
রক্তম্পতিবার চতুর্থী ৫২।৫০ রেবতীমকত ২৫।৮ বণিজকরণ ২২।২
গতে বিষ্টি ৫২।৫০ গতে ববকরণ শুক্রায়াগ ৩৬।৪৫ যাত্রানান্তি দশা-
দোষ ৫২।৫০ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রাপ্রভ পূর্বে দক্ষিণে নাস্তি
জ্যেষ্ঠ মীনরাশি দেবগণ বিগ্রহবর্ন শুক্ররদশা ২৫।৮ গতে মেঘ-
রাশি বৈশ্ববর্ন নৈঋতে যোগিনী ২৫।৫০ গ, দক্ষিণে বারবেলা শেষ
১ প্রহর। ৫২।৫০ পর্যন্ত চন্দ্রদক্ষা।

দিবা ২৮।৪০
৬ ১ ২৫
৫ ২৭ ৩৪
৫৩ ২৭ ২২
৯ ১ ১৮
মেঘেরচন্দ্র

১৮ ফাল্গুন ইং ১ মার্চ মৃৎ ৩ রমজান ইং ৬।১৪ গ, উ, ৫।৪৬ গ, অ,
শুক্রবার পঞ্চমী ৫৩।৯ অশ্বিনীমকত ২৭।২৭ ববকরণ শুক্রায়াগ
৩৪।২ নক্ষত্রায়ত্তযোগ ৫৩।৯ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি বিষাদোষ
পাকায়ত সাপতক্ষণ নামকরণ দিক্রিয়ণ মুখায়াশন নবব্রতপরিধান
দেবতাগঠন নৌকাচালন নৌকাযাত্রা বণিজকরণ রাঁজদর্শন ঔষধ-
করণ ঔষধসেবন গ্রহপূজা স্বস্ত্যায়ন ঋণদান ঋণগ্রহণ জাবা মেঘ
রাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ন শুক্ররদশা ২৭।২৭ গ, নরগণ দক্ষিণে যো,
৫৩।৯ গপশ্চিমে বারবেলা ১ প্রহর গ, ১ প্র. ৫৩।৯ গতে চন্দ্রদক্ষা।

দিবা ২৮।৫২
৭ ২ ২৬
৬ ২৮ ৩১
৫২ ৩৫ ২
৯ ৩ ১৯
নুবক্তরা ২৩
দং ৫৯।৪৭
র বক্তত্যাগ
মেঘেরচন্দ্র

১৯ ফাল্গুন ইং ২ মার্চ মৃৎ ৪ রমজান ইং ৬।১৪ গ, উ, ৫।৪৬ গ, অস্ত
শনিবার দ্বিতী ৫২।৯ তরুনীমকত ২৮।৩৫ কোদবকরণ ইন্দ্রায়াগ
৩১।২ যাত্রানান্তি নক্ষত্রাদোষ জ্যেষ্ঠ মেঘরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ন শুক্র
দশা ২৮।৩৫ গ, দেবারিগণ রবিদশা ৪৩।৩৩ গ, রুঘরাশি শূক্রবর্ন
মৃতে পাদ, ২৮।৩৫ গ, ত্রিপাদ, ৫২।৯ গ, পূর্ণদোষ প, যো, ৫২।৯ গ,
বায়ু, বার, আদান্ত ৪৭, ৫২।৯ প্র, গ, ৪৭, ১ ৪৩।৩৩ পর্যন্ত চন্দ্রদক্ষা।
নিষ ভক্ষণ নিবেধ। ✓

দিবা ২৮।৫৫
১ ৩ ২৭
৭ ২৮ ২৬
৪৯ ২৭ ৪২
৫৬ ৫ ২০
২৫ দং ৪।২
রুঘেরচন্দ্র

২০ ফাল্গুন ইং ৩ মার্চ মৃৎ ৫ রমজান ইং ৬।১৩ গ, উ, ৫।৪৭ গ, অ,
রবিবার সপ্তমী ৪৯।৫৬ কৃত্তিকামকত ২৮।২৭ গর, ৪৯।৫৬ গতে
বিষ্টি করণ বৈশ্বতিযোগ ২৬।৪২ যাত্রানান্তি নক্ষত্রাদোষ ২৮।২৭ গতে
নক্ষত্রায়ত্তযোগ যাত্রাপ্রভ পশ্চি, বায়ু, নাস্তি ৪৯।৫৬ গ, বায়ু, শুভ
ঈশানে নাস্তি রাত্রি ১।৫১গ, ৭।২ মধো ইং ৬।৩১।২৪ সে, গ, ৮।৪৩।০
সেকেন মধো কড়া লয়ে শুভমিবুকযোগে বিবাহ। জ্যেষ্ঠ রুঘরাশি
দেবারিগণ শূক্রবর্ন রবিদশা ২৮।২৭ গ, নরগণ ঐ মধো মৃতে পূর্ণ
৪৯।৫৬ মধো বিপাদ, পরে পাদদোষ বায়ু, যো, ৪৯।৫৬ গ, ঈশা,
বার, ১। প্রহর গতে ১ প্রহর। অক্ষয়ফলা স্নানদানাদি।

দিবা ২৮।৫৯
২ ৪ ১
৮ ২৭ ২১
৪৭ ১৪ ৩৫
৪৫ ০ ২১
বৃষেরচন্দ্র
৫৬।১১ গতে
মিবনেরচন্দ্র

২১ ফাল্গুন ইং ৪ মার্চ মৃৎ ৬ রমজান ইং ৬।১২ গ, উ, ৫।৪৮ গ, অ,
সোমবার অষ্টমী ৪৬।৪৫ রোহিণীমকত ২৭।১৫ বিষ্টি ১৮।২০।৩০
গ ববকরণ বিষ্টি ২১।৩৩ নক্ষত্রায়ত্তযোগ যাত্রাপ্রভ পূর্বে পশ্চি,
ঈশা, না ২৭।১৫গ, প, শুভ জ্যেষ্ঠ রুঘরাশি নরগণ শূক্র, রবি, ২৭।১৫
গতে দেবগণ ৫৬।১১ গতে মিতুনরাশি বৈশ্ববর্ন ঈশানে যোগিনী
৪৬।৪৫ গতে পূর্বে, বারবেলা ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড ৩ প্রহর গতে ১ দণ্ড।
নারিকেল, ভক্ষণ নিবেধ।

দিবা ২৯।২
৩ ৫ ২
৯ ২৫ ১৬
৪২ ৭ ২
৩০ ২ ২২

শুভ ১৭ দক্ষিণা৩৮
মিথুনেরচন্দ্র

দিবা ২৯।৬
৪ ৬ ৩
১০ ২২ ৯
৩৭ ৭ ৭
৩৮ ৪ ২৩
২২৫।১২২।৫৬
মিথুনেরচন্দ্র

দিবা ২৯।৯
৫ ৭ ৪
৩১ ১৮ ১
৩২ ৩৯ ৫৪
১০ ৬ ৫৪
২৪ ২৪
২৪ ৪ দক্ষিণা৫৭
মিথুনেরচন্দ্র

৪।৩১ গতে
কর্কটেরচন্দ্র

দিবা ২৯।১২
৬ ৮ ৬
১২ ১৪ ৪৬
২৬ ৪৩ ৪১
২৫ ২ ২৫
কর্কটেরচন্দ্র

দিবা ২৯।১৬
৭ ৯ ৭
১৩ ১০ ৩৮
২০ ৩৯ ৫৯
৩০ ৪ ২৬
২২৫।১৪১।৫০
কর্কটেরচন্দ্র

১০।৩৯ গতে
সিংহেরচন্দ্র

২২ ফাল্গুন ইং ৫ মার্চ মূং ৭ রমজান ইং ৬।১২ গ, উ, ৫।৪৮ গ, অ,
মঙ্গলবার নবমী ৪২।৩০ মৃগশিরাশি নক্ষত্র ২৫।৭ বালবকরণ জ্যৈতি
যোগ ১৬।২ যাত্রানান্তি রিক্তাদোষ ২৫।৭ গতে নক্ষত্রদোষ জন্মে
মিথুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রেরদশা ২৫।৭ গতে নরগণ চন্দ্রের-
দশা মূতে পাদদোষ পূর্বে যোগিনী ৪২।৩০ গতে উত্তরে বারবেলা
৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

২৩ ফাল্গুন ইং ৬ মার্চ মূং ৮ রমজান ইং ৬।১১ গ, উ, ৫।৪৯ গ, অ,
বুধবার দশমী ৩২।৩৮ আশ্বিন নক্ষত্র ২২।৭ তৈত্তিলকরণ আশ্বিন
যোগ ২।৭ যাত্রানান্তি নক্ষত্রদোষ ২২।৭ গতে শুভ উত্তরে নান্তি
৩৭।৩৮ তিথ্যমৃত্যোগ অগ্নিকোণে নান্তি জন্মে মিথুনরাশি নরগণ
বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রেরদশা ২২।৭ গতে দেবগণ ২২।৭ গতে মূতে দ্বিপাদি
দোষ উত্তরে যোগিনী ৩৭।৩৮ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা ১ প্রহর
গতে ৪ দণ্ড আর ২ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

২৪ ফাল্গুন ইং ৭ মার্চ মূং ৯ রমজান ইং ৬।১০ গ, উ, ৫।৫০ গ, অ,
বৃহস্পতিবার একাদশী ৩২।১৩ পুনর্ভূ নক্ষত্র ১৮।৩৯ বর্ণিত-
করণ ৪।৫৫।৩০ গ বিসি ৩২।১৩ গ ববকরণ সৌভাগ্যযোগ ১।৫৪
শোভনাযোগ ৫।৪।২৪ নক্ষত্রমৃত্যোগ যাত্রানান্তি দক্ষিণে অগ্নি,
নান্তি ৩২।১৩ গতে অগ্নিকোণে শুভ নৈমতে নান্তি ৫।৫৫।৩০ মধ্যে
পুংসবন পঞ্চমৃত গর্তীধন সৌভাগ্যময়ন নামকরণ নিক্ষেপন জন্মে
মিথুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ চন্দ্রেরদশা ৪।৩১ গ কর্কটরাশি বিপ্র-
বর্ণ ১৮।৩৯ মধ্যে মূতে দ্বিপাদদোষ ৩২।১৩ গ পাদদোষ অগ্নিকোণে
যোগিনী ৩২।১৩ গতে নৈমতে বারবেলা শেষ ১ প্রহর।

২৫ ফাল্গুন ইং ৮ মার্চ মূং ১০ রমজান ইং ৬।১০ গ, উ, ৫।৫০ গ, অ,
শুক্রবার দ্বাদশী ২৬।২৫ পুষ্যানক্ষত্র ১৪ ৪৩ বালবকরণ জ্যৈতি-
গণযোগ ৪৬।৪১ পাপযোগ যাত্রানান্তি ১৪।৪৩ গ, নক্ষত্রদোষ গর্তী
ধন পঞ্চমৃত সৌভাগ্যনক্ষত্র দক্ষিণে অগ্নি কর্কটরাশি দেবগণ বিপ্র-
বর্ণ চন্দ্রেরদশা ১৪।৪৩ গ, দেবারিগণ ২৬।২৫ মধ্যে মূতে পাদদোষ
নৈমতে যোগিনী ২৬।২৫ গ, দক্ষিণে বারবেলা ১ প্রহর গ, ১ প্রহর
দিবা ১৪।৪৩ পাল মধ্যে মে, বিন্দু দ্বাদশীর স্থান।

২৬ ফাল্গুন ইং ৯ মার্চ মূং ১১ রমজান ইং ৬।১০ গ, উ, ৫।৫০ গ, অ,
শনিবার ত্রয়োদশী ২০।৩৪ অশ্বিনানক্ষত্র ১০।৩৯ তৈত্তিলকরণ
মৃগশিরাযোগ ৩০।৫৯ যাত্রানান্তি নক্ষত্রদোষ রাতি ৩।৫০।৩০ গতে
৬।১৬।২৪ মধ্যে ইং ৩।২।২৪ গতে ৮।২।৪৬ মে, মধ্যে কফালায়-
পুন ১১।৫০।২৪ গ ২২।৪৮।৪ মধ্যে ইং ১০।৩৫ মে, গতে ২।৫৮।২৬ মে,
মধ্যে রুক্ষিক ঋতুয়মে মৃত্তিকবৃকোষে বিঘাৎ জ্যৈষ্ঠ কর্কটরাশি
দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ চন্দ্রেরদশা ১০।৩৯ গ, সিংহরাশি কর্কটবর্ণ
কুজেরদশা মূতে পাদদোষ দক্ষিণে যোগিনী ২০।৩০ গতে পশ্চিমে
বারবেলা অশান্ত ৪।৩২ ২। প্রহর গতে ৪।৩৩। চতুর্দশীর মণিওন।
অদ্য পূর্ণিমা নবমীপে মঙ্গলগ্রহ জন্মে সেবারন্ত।

রবিবার চতুর্দশী ১৪১৩৫ মধ্যাহ্নকাল ৭২৮ বণিক্করণ ১৪১৩৫
 গতে বিক্ষিকরণ ৪১৪৬ গতে ববকরণ স্তুতিযোগ্য ১১৪১ যা জানা নাই
 রিক্তাদোষ ও নক্ষত্রাদোষ ১৪১৩৫ গতে পক্ষান্তঃ ও বিক্টিদোষ, জন্মে
 সিংহরাশি দেবারিগণ ক্ষত্রিয়বর্ণ কুজেরদর্শন ৭২৮ গতে মরগণ
 হতে পাদদোষ পশ্চিমে যোগিনী ১৪১৩৫ গ, বাহুকাণে বায়বেলা
 ১। প্রহর গতে ১ প্রহর। পূর্ণিমার নিশি পাপের সময় স, নাই।
 সাংগৎ বহুসংখ্য। চতুর্দশীর প্রাক পূর্ণিমার প্রাক সপ্তম।

সোমবার পূর্বম-৮৫৭ পূর্বকর্মানীক্ষত্র ২।৩৬ পরে উত্তরফল্গুনী
৫৬।৪৬ ববকরণ শূলভোগ ২০।৫০ নক্ষত্রাহিতভোগ যাত্রাশুভ পূর্ব
বায়ুনাশ্তিচাণবাহু, শুভ রাত্রি ১২।১২ মতো ৫১।১২ মতো ইং ৬।১২৯
গ, ৮।১৩৫ মতো কক্সালয়ে পুন ১৫।১৮।৩০ গ, ২২।২৫।৫২ মতো ইং
২ অ, ২।৫০।৫৭ সেকেন মতো শ্লুশচক ধনুভয়ে শুভহিবুকাযোগ বি-
বাহি ক্ষেত্র সিংহরাশি নরগণ ক্ষত্রিবর্ন কুজেরদণ। ১৬।৪৭।৩০ গ,
কক্সরাশি শূঁড়বর্ন ৫৯।২২ গ দেবগণ বুধেবদণা ২।৩৬ গতে ৫৯।২২
মতো মতে ত্রিণাদল্য বায়ুভোগে যোগিনী ৮৫৭ গতে পূর্বের বার
বেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আর ৩ প্রহর গতে ৮ দণ্ড।

জিৰণী ৮৫৭ মনো কানী মল্লিকা য়ানদানাদ হিন্দী কানী হুদি
 শৌৰ্য্যানী পুৰিয়ার এত ও উপবাস । পুৰ্বকাজি ■ দণ্ড স্থিতে দেব
 দেলয় জা ত্রিভীৰ্ষকৈৰ মৌলযাত্রা । ত্রিমহাপুত্ৰ অবিভাৰ ।
 ৮৫৭ গতে হিন্দী চৈত্ৰ বদি আৰম্ভ ।

মঙ্গলবার প্রতিপদা৪৪ পরে দ্বিতীয় ৫৫২৪ হস্তানক্ষত্র ৫৬২৫
কৌলবকরণ গণ্ডযোগ ১৬৪৬ ত্রৈলোক্য যাত্রাদি শুভকর্ম্যান্তি স্মিন
কালেনশুভ জ্যেষ্ঠা রাশি মৈবগন শ্রুতবর্ণ বিধেবদন্তী ৫৬২৫ মতে
দেবারিগলঃমুতে পাদদোষ ৩৪৪ গ ৫৯৬ মধ্যে দ্বিপাদদোষ পরে
পাদ পূর্বে যোগ ৪৪ গ উত্তরে ব, ৪ দ, গ, ৪ দ, গ ২৥ প্র, গ, ৪ দ

বুধবার তৃতীয়া ৫৫২২ চিত্রানকজ ৫৪২১ বণিককরণ ২৭।১৫
গ, বিসি ৫৫২২ গ, বরকরণ রত্নযোগ ১০।১৫ বাজানান্তি সংক্রান্তি
দোষ অগ্নে ককরাশি দেবারিগণ শূদ্রেরে বুধেরদশা ২৫২৩ গতে
ফুলারশি ক্তিরবর্ণ ৫৪২১ গ, দেবগণ অষ্টকোণে বো, ৫৫২২
গতে নৈরতে বারবেলা ১ প্র, গ. ৪ দণ্ড আর ২ প্রের গতে ৪ দণ্ড

॥ अथाचार्यकालेन वनवासेन ब्रह्मविद्वद्भ्यः अगमसंकीर्तनं पूर्णक
 कृत्यान्मयं समीपमवधारय ।

যড়শীতি সংক্রান্তি মিহা। সংক্রমণে সর্বত্র দিনঃ পূর্ণাং চরমাণে
সংক্রমণাৎ মহোদধৌ সংক্রমণাৎ পরাচ নত্যা পুণাত্মা। যানমান্যামি
সংক্রান্তি কৃত্যং রাজিদগে লাবং সক্কা কাথিত।

উষাকালে যটাকর্ণ পজা । ১০ ঐশ্বৰ্য্যদশাপজা আবশ্যক ।

চৈত্র মাসের বড়শীতি সংক্রান্তির সঞ্চার গণনা।

মন্তকে ৯১১০১১১কলং অপমান।

মুখে ১৪ কলং হুঃখ।

নেত্র ৫১৬৭৮

কলং সম্মার।

দক্ষিণ কর ১৫১৬১৭১৮

কলং লাভ।

বাম কর ১২১৩৪

কলং বহুভুক্তয়।

হস্ত ২১২৪২৫২৬২৭

কলং ত্রীলাভ।

পুং ১৩১৪

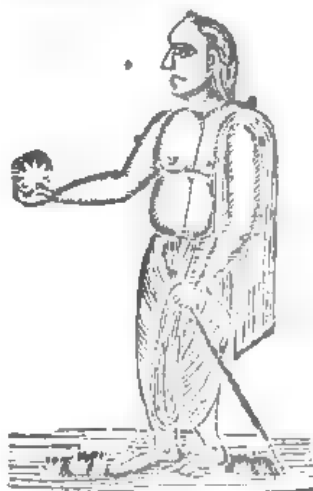
কলং মৃত্যুবৎ।

দক্ষিণ পাশ ১৯২০

কলং জয়ণ।

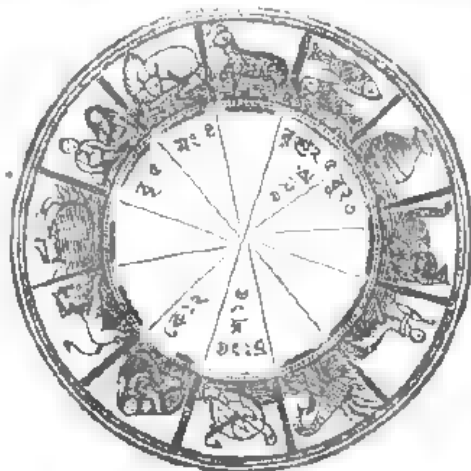
বাম পাশ ২১২২

কলং জয়ণ।



সংক্রান্তি অন্ততের শান্তি কনক পুস্তুরার বীজ এবং সর্কোমদি জন মান

ও বিষ্ণুমন্ত্র জপ করিলে শুভ হয়।



চৈত্র গ্রহঃ ০১৪৩

বড়শীতি সংক্রান্তি দিব্য।

সংক্রমণে সঞ্চঃ দিনঃ পুণ্যঃ

দিনমানঃ ২১২৯

শকাব্দঃ ১৮১৬

সম্বৎ ১২৫১

সন ১৩০১

খ্রিস্টাব্দী ১৮৬০

অন্যনামাশুদি ২০৫৬১৯১০

রাব মীন রাশিতে ২৫ পূর্বভাত্রপদমক্রে।

ভুল্য রাশিতে ১৫ আতিমক্রে।

মঙ্গল বৃষ রাশিতে ১৫ রোহিণীমক্রে।

বৃষ কুম্ভ রাশিতে ২৩ ঋষিষ্ঠীমক্রে।

শুক্ল মেষ রাশিতে ২৫ মৃগশিরামক্রে।

শুক্ল মীন রাশিতে ২৫ পূর্বভাত্রপদমক্রে।

শনি ভুল্য রাশিতে ১৫ আতিমক্রে।

বাহু মীন রাশিতে ২৫ পূর্বভাত্রপদমক্রে।

কেতু কুম্ভ রাশিতে ১২ উত্তরফল্গুনীমক্রে।

দিবা ২৯।৩০

৫ ১৫ ১২

১৯ ৫৩ ৪

৫২ ১৪ ২৬

১০ ১ ৫৪

— ৫৭ ১

পালকঃ কুজঃ

তুলাচন্দ্র

দিবা ২৯।৩৬

৬ ১৬ ১৪

২০ ৫৩ ৫৫

৫০ ১২ ২২

৫১ ৩ ২

তুলাচন্দ্র

৩৮।১০ গতে

রুচিকেরচন্দ্র

দিবা ২৯।৪০

৭ ১৭ ১৫

২১ ৫৪ ৫২

৫০ ২৫ ২

২৩ ৫ ৩

২২৬ দক্ষিণ ৩।১০

বৃ পুন ২৪

দক্ষিণ ২২।৩০

শ্রমোষদক্ষিণ ৬।১৯

দেবেচন্দ্র

দিবা ২৯।৪৪

১ ১৮ ১৬

১২ ৫৬ ৪০

৫১ ৪৯ ৫২

১০ ০ ৪

রুচিকেরচন্দ্র

৫৬।৪৯ গতে

ধনুরচন্দ্র

১ চৈত্র ইং ১৪ মার্চ যুং ১৬ রমজান, ইং ৫।৫ গ, উ, ৫।৫৫ গ, অ, ।

রুচিকেরচন্দ্র ৫২।৩০ আতিনকত্র ৫৩।১৪ ববকরণ ঐক্য-
যোগ ৪।২৬ পরে বাতীপাতযোগ ৫৪।৫৭ যাত্রানান্তি অগস্ত্যদোষ
পূর্বেদিনের রাশির চন্দ্রশুদ্ধ জন্মে তুলারাশি দেবগণ ক্ষত্রিয়বর্ণ
বুধেরদশা ৫৩।১৪ গতে দেবারিগণ ৫৩।১৪ গতে মূতে দ্বিপাদদোষ
দৈশ্যতে যোগিনী ৫২।৩০ গতে দক্ষিণে কারবেলা শেষ ১ প্রহর।

মূলক ভঙ্গন নিবেধ।

২ চৈত্র ইং ১৫ মার্চ যুং ১৭ রমজান, ইং ৬।৫ গ, উ, ৫।৫৫ গ, অ, ।

শ্রবণের পক্ষমী ৫০।৫১ বিশাখানকত্র ৫৩।১২ কোলবকরণ
কর্কশযোগ ৫৫।২২ যাত্রানান্তি ৫৫।৫১ গতে দ্বিধিযোগ ৫৩।১২
গতে নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রানান্তি বিষদোষ গর্ভাধান জন্মে তুলা-
রাশি দেবারিগণ ক্ষত্রিয়বর্ণ বুধেরদশা ৫৩।১২ গতে রুচিকেরচন্দ্র
বিপ্রবর্ণ ৫৩।১২ গতে দেবগণ শনিরদশা ৫৩।১২ মধ্যে মূতে দ্বিপাদ-
দোষ দক্ষিণে যোগিনী ৫০।৫১ গতে পশ্চিমে বারবেলা ১ প্রহর
গতে ১ প্রহর।

টিকল ভঙ্গন নিবেধ।

৩ চৈত্র ইং ১৬ মার্চ যুং ১৮ রমজান, ইং ৬।৪ গ, উ, ৫।৫৬ গ, অ, ।

শনিবার বকী ৫০।২৩ অমুরাধানকত্র ৫৪।২৫ গরকরণ ৫০।২৩
গতে বিক্রিরণ বর্জ্যযোগ ৫২।২ তিথ্যমৃতযোগ যাত্রান্ত পূর্বে
পশ্চিমে নান্তি ৫০।২৩ গতে বিক্রিদোষ জন্মে রুচিকেরচন্দ্র দেবগণ
বিপ্রবর্ণ শনিরদশা ৫৪।২৫ গতে দেবারিগণ মূতে পাদদোষ
৫০।২৩ গতে দ্বিপাদদোষ পশ্চিমে যোগিনী ৫০।২৩ গতে বাহু-
কোণে বারবেলা আদ্যন্ত ২৪ প্রহর গতে ৪ দণ্ড।

স্বকষকী।

৪ চৈত্র ইং ১৭ মার্চ যুং ১৯ রমজান, ইং ৬।৩ গ, উ, ৫।৫৭ গ, অ, ।

রবিবার সপ্তমী ৫১।১০ জ্যোতীনকত্র ৫৬।৪৯ বিক্রিরণ ২০।৪৬।
৩০ গতে ববকরণ অক্ষযোগ ৪৯।৫২ যাত্রানান্তি বিক্রিদোষ ২০।
৫৬।৩০ গতে শুভ পশ্চিমে বায়ুকোণে নান্তি ৪৯।৫২ গতে বাতী-
পাতদোষ ৫৬।৪৯ গতে নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রান্ত পশ্চিমে দৈশ্যনে
নান্তি জন্মে রুচিকেরচন্দ্র দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ শনিরদশা ৫৬।৪৯
গতে হস্তরাশি ক্ষত্রিয়বর্ণ ৫১।১০ মধ্যে মূতে দ্বিপাদদোষ পরে
পাদদোষ বায়ুকোণে যোগিনী ৫১।১০ গতে দৈশ্যনে বারবেলা
১১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

তাল ভঙ্গন নিবেধ।

দিবা ২৯।৪৬

২ ১৯ ১৭

১৩ ৬ ৪৮

৫৩ ০ ৪২

১৬ ২ ৫

ধর্মরচন

৫ চৈত্র ইং ১৮ মার্চ যুং ২০ রমজান, ইং ৬৩৩ গ, উ, ৫৫৭ গ, অ, ১

সোমবার অষ্টমী ৫৩১৬ মূলানক্ষত্র ৬০।০ বাণবকরণ বাতী-
পাতযোগ ৪৮।৪২ যাত্রানান্তি বাতীপাত এবং অষ্টমীদোষ ৫৩১৬
গতে রিক্তাদোষ জন্মে ধর্মরচন দেবারিগণ কত্রিয়বর্ণ শনিরদশা
দশানে যোগিনী ৫৩১৬ গতে পূর্বে বারবেলা ১ মণ্ড গতে ৪ মণ্ড
আর ৩ প্রহর গতে ৪ মণ্ড।

নারিকেল ভাংগ নিষেধ।

দিবা ২৯।৫০

৩ ১৯ ১৮

২৪ ০ ৪৮

৫৬ ২০ ২৯

২৯ ০ ৬

২২৬।৭৪৫।৩৮

ধর্মরচন

৬ চৈত্র ইং ১৯ মার্চ যুং ২১ রমজান, ইং ৬৩২ গ, উ, ৫৫৮ গ, অ, ১

মঙ্গলবার নবমী ৫৩২৯ মূলানক্ষত্র ০।২০ তৈত্তিল্যকরণ বহীরা-
যোগ ৪৮।২৯ যাত্রানান্তি রিক্তাদোষ ৫৩২৯ গতে মধ্য উত্তর-
নান্তি জন্মে ধর্মরচন দেবারিগণ কত্রিয়বর্ণ শনিরদশা ০।২০ গতে
নরগণ রহস্যপতিরদশা হতে পাদদোষ পূর্বে যোগিনী ৫৩২৯ গতে
উত্তরে বারবেলা ১ মণ্ড গতে ১ মণ্ড আর ২। প্রহর গতে ৪ মণ্ড।

অলারু ভাংগ নিষেধ।

দিবা ২৯।৫৩

৪ ২০ ১৯

২৫ ৫ ৪৮

৬০ ১০ ৫৯

০ ১৬ ৭

ধর্মরচন

২১।৩৬ গতে

মকরেরচন

৭ চৈত্র ইং ২০ মার্চ যুং ২২ রমজান ইং ৬৩১ গ, উ, ৫৫৯ গ, অ, ১

বুধবার দশমী ৬০।০ পূর্বাষাঢ়ানক্ষত্র ৫।১০ বাণবকরণ ২৮।৩৬
গতে ষষ্ঠিকরণ পরিষযোগ ৪৮।৫৯ যাত্রামধ্যম উত্তর নান্তি ৫।১০
গতে নক্ষত্রদোষ ৫।১০ গতে নামকরণ নববস্ত্রপরিধান রাজদর্শন
ভৈষ্যকরণ ভৈষ্যসেবন ঋণদান ঋণগ্রহণ জন্মে ধর্মরচন নরগণ
কত্রিয়বর্ণ রহস্যপতিরদশা ২১।৩৬ গতে মকররচন শ্রুতবর্ণ ৫।১০ গ,
হতে দ্বিপাদদোষ উত্তরে যোগিনী বারবেলা ১ প্রহর গতে ৪ মণ্ড
আর ২ প্রহর গতে ৪ মণ্ড।

দিবা ২৯।৫৭

৫ ২১ ২০

২৫ ১০ ৫০

০ ৫৪ ৪

৪৩ ০ ৮

মকরেরচন

৮ চৈত্র ইং ২১ মার্চ যুং ২৩ রমজান ইং ৬৩১ গ, উ, ৫৫৯ গ, অ, ১

বৃহস্পতিবার দশমী ০।৪৩ উত্তরাষাঢ়ানক্ষত্র ১০।৫৪ বিহিকরণ
০।৪৩ গতে ববকরণ শিষযোগ ৫০।৪ সিদ্ধিযোগ যাত্রানান্তি বিহি
এবং নক্ষত্রদোষ ১০।৫৪ গতে মধ্যম নাক্ষত্র অগ্নিকোণে নান্তি
০।৪৩ গতে নামকরণ নববস্ত্রপরিধান নৌকাগঠন রাজদর্শন ভৈষ্য-
করণ ও সেবন ঋণদান ঋণগ্রহণ জন্মে মকররচন নরগণ শ্রুতবর্ণ
রহস্যপতিরদশা ১০।৫৪ গতে দেবগণ ১০।৫৪ মধ্যে হতে দ্বিপাদ-
দোষ উত্তরে যোগিনী ০।৪৩ গতে অগ্নিকোণে বারবেলা শেষ ১
প্রহর।

দিবা ৩০।০

৬ ২২ ২১

২৬ ১৭ ৫১

৫ ৯ ৩৫

৩৮ ২ ৯

মকরেরচন

৫০।২৫ গতে

কুন্তেরচন

৯ চৈত্র ইং ২২ মার্চ যুং ২৪ রমজান ইং ৬৩০ গ, উ, ৬০ গ, অ, ১

শুক্রবার একাদশী ৫।৩৮ অরুণানক্ষত্র ১৭।১ বাণবকরণ সিদ্ধি-
যোগ ৫১।৩৫ সিদ্ধিযোগ ৫২ নক্ষত্রমৃতযোগ যাত্রানান্তি বিবদোষ
গর্তাধান নামকরণ জন্মে মকররচন দেবগণ শ্রুতবর্ণ রহস্যপতিরদশা
১৭।১ গতে দেবারিগণ রাজদর্শন ৫০।২৫ গতে কুন্তরচন বৈশ্রবণ-
৫।৩৮ গতে হতে পাদদোষ অগ্নিকোণে যোগিনী ৫।৩৮ গতে বৈ-
শ্রবণে বারবেলা ১ প্রহর গতে ১ প্রহর।

১৪৪ শকাব্দ ১৮১৬ সনে ১৩০১ খ্রিঃ অব্দে জন্ম ১৮১৬ খ্রিঃ অব্দে মৃত্যু ১৮১৬ খ্রিঃ অব্দে ৫১ বৎসর বয়সে।

দিবা ৩০।৩
১ ২৩ ২২
২৭ ২০ ৫০
১০ ৫ ১
৪৫ ৪ ১০
১৮৬৫ সন ৮।৫

কৃষ্ণচন্দ্র
দিবা ৩০।৭
১ ২৪ ২৩
৩৮ ৩০ ৫৪
১৫ ৫ ১৫
৫ ৬ ১১

কৃষ্ণচন্দ্র
দিবা ৩০।১৫
২ ২৫ ২৪
২৯ ৩৫ ৫৪
২০ ৫৯ ৩৯
৪০ ৫৫ ১২
কৃষ্ণচন্দ্র
১৮।৩১।৩০ গ.
মীনচন্দ্র

দিবা ৩০।১৪
৩ ২৬ ২৫
৩০ ৪০ ৫৪
২৪ ৫৪ ৩০
৩০ ৫৫ ১৩
৩ ২৬।৭
৮৫ ৩০।৩২
মীনচন্দ্র

১০ চৈত্র ৫২ ২৩ মার্চ যুং ২৫ রমজান ৫২ ৫।৫৯ গ, উ, ৬।০ গ, অ, ।
শনিবার মীনচন্দ্র ১০।৪৫ মীনচন্দ্র ২৪।৪৫ চৈত্রিলক্ষণ
সাদাযোগ ৫৮।১০ যাত্রানান্তি মীনচন্দ্র ১০।৪৫ গতে মদাম পূর্বে
দক্ষিণে নাস্তি অশ্বকুন্তরাশি দেবারিগন বৈশ্ববর্ণ রাতরদশা ১০।৪৫
মধ্যে মৃত্তে দ্বিপাদদোষ পদে পাদদোষ নৈমতে যোগিনী ১০।৪৫
গতে দক্ষিণে বারবেলা আদান্ত ৪ দণ্ড আদি ২৪ প্রহর গতে ৪ দণ্ড
দিবা ২০।৪৫ পালে ৫২।৫১ ৩।২১।২৪ সেকেন মধ্যে মদা
বাকী গজাশানে কোটিহুয়াগ্রহণ কালীন গজাশানজন্ম ফল সমকল
প্রাপ্তি কামো গজাশান আয়াৎ । রাতি ২২।৫৮ পালে ৫২।৫১ ৩।২১।২৪
৩।২১।২৪ সেকেন গতে মদামহাবাকী গজাশানে ত্রিকোটিবুলো-
করণ কামে গজাশান আয়াৎ ।

ত্রয়োদশীর একাদিক্ষি সপিণ্ডন ।

১১ চৈত্র ৫২ ২৪ মার্চ যুং ২৬ রমজান ৫২ ৫।৫৯ গ, উ, ৬।১ গ, অস্ত ।
রবিবার ত্রয়োদশী ১৬।৫ শনিবার ৩০।১৫ রবিবার
১৬।৫ গতে বিষ্টি ৪৮।২৪ গতে শকুনিকরণ শুভযোগ ৫৪।১৫ যাত্রা-
মদাম দক্ষিণে পশ্চিম নাস্তি ১৬।৫ গতে মিত্রাদোষ এবং বিষ্টিমোষ
অশ্বকুন্তরাশি দেবারিগন বৈশ্ববর্ণ রাতরদশা ৩০।১৫ গতে নরগণ
মৃত্তে পাদদোষ ৩০।১৫ গতে দ্বিপাদদোষ দক্ষিণে যোগিনী ১৬।৫ গ
পশ্চিম বারবেলা ১৪ প্রহর গতে ১৪ প্রহর ।

দিবা ১৬।৫ ৫২।৫১ ৩।২১।২৪ সেকেন মধ্যে বাকী
গজাশানে বহুশতহুয়াগ্রহণ কালীন গজাশানজন্ম ফল সমকল
প্রাপ্তি কামো গজাশান আয়াৎ । চতুর্দশীর সপিণ্ডন

১২ চৈত্র ৫২ ২৫ মার্চ যুং ২৭ রমজান, ৫২ ৫।৫৮ গ, উ, ৬।২ গ, অ,
সোমবার চতুর্দশী ২০।৪০ পূর্বে ভাত্রাপদমকত্র ৩৫ ৫২ শকুনি-
করণ শুভযোগ ৫৪।৩০ যাত্রানান্তি দ্বিপাদদোষ অশ্বকুন্তরাশি
নরগণ বৈশ্ববর্ণ রাতরদশা ১৯।৩১।৩০ গতে মীনরাশি বিপ্রবর্ণ
৩৫।৫৯ গতে শুক্রদশা ৩৫।৫৯ মধ্যে মৃত্তে দ্বিপাদদোষ পশ্চিমে
যো, ২০।৪০ গ, উপানে বার, ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড ও ৩ প্রহর ৪ দণ্ড ।
চতুর্দশমতপর্ণ অমাবস্তার নিশাপালন সাং সন্ধ্যা নাস্তি ।
চতুর্দশীর একাদিক্ষি অমাবস্তার সপিণ্ডন ।

১৩ চৈত্র ৫২ ২৬ মার্চ যুং ২৮ রমজান, ৫২ ৫।৫৭ গ, উ, ৬।৩ গ, অ,
মঙ্গলবার অমাবস্তা ২৪।৩০ উত্তরভাত্রাপদমকত্র ৪০।৫৪ নাস্তি-
করণ শুভযোগ ৫৪।৩০ যাত্রানান্তি পশ্চিম এবং নক্ষত্রদোষ ২৪।৩০
গতে অমাবস্তাদোষ অশ্বকুন্তরাশি নরগণ বিপ্রবর্ণ শুক্রদশা
৪০।৫৪ গতে দেবারিগন মৃত্তে পাদদোষ উপানে যোগিনী ২৪।৩০ গ
পূর্বে বারবেলা ৪ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড আদি ২৪ প্রহর গতে ৪ দণ্ড ।
অমাবস্তার ত্রিত এবং উপবাস ।
গৌসহজা গজাশানে গৌসহজা দান ফল ।

কালিকা পুস্তক

দিবা ৩০।১৭
৪ ২৭ ২৬
১ ৪৪ ৪৩
২৭ ৩৬ ৩০
১৪ ৩ ১৪
১২ ১০২।৬
মী/নরচন্দ্র
৪৪।৩৬গতে
মেঘেরচন্দ্র

১৪ চৈত্র ইং ২৭ মার্চ যুং ২৯ রমজান ইং ৫৫৭ গ, উ, ৩।৩ গ, অ,
বৃষবার জ্যৈষ্ঠ ২৭।১৪ রোহিণীনক্ষত্র ৪৪।৩৬ বশবকরণ ইং-
যোগ ৫৫।৩৬ তিথ্যভিযোগ ২৭।১৪ গতে সিদ্ধিযোগ যাত্রাভি
বিষদোষ লক্ষিতকরণ নাক্ষত্রিক নিক্রমণ জ্যৈষ্ঠ মীনরাশি দেবগণ
বিশ্ববর্ণ শুক্রেরদশা ৪৪।৩৬ গ, দেবরাশি বৈশ্ববর্ণ ২৭।১৪ গ, যুতে
পাদপূর্বে যো ২৭।১৪ গ, উত্তরে যা ১ প্রহর গ, ৪ মণ্ড ২ প্র,
গ, ১ মণ্ড। চাত্রচৈত্র হিম্মচৈত্র হ্রি আরম্ভ।

দিবা ৩০।২০
৫ ১ ২৭
২ ৪৭ ৪১
২৮ ১৪ ৩০
৪৩ ৩ ১৫
১২৫ ১০২।৪০
মেঘেরচন্দ্র

১৫ চৈত্র ইং ২৮ মার্চ যুং ৩০ রমজান ইং ৫৫৬ গ, উ, ৩।৪ গ, অ,
রহস্যভিযোগ দ্বিতীয়া ২৮।৪০ অশ্বিনীনক্ষত্র ৪৭।১৪ কোণব-
করণ বৈশ্বভিযোগ ৫১।৩০ যাত্রাভি যৈষ্ঠভিযোগ লক্ষ্মীপূজা
বৈশ্বভিযোগ জ্যৈষ্ঠ দেবরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্রেরদশা ৪৭।১৪
গ, নরগণ ২৮।৪০ যথো যুতে পাদদোষ উত্তরে যোগিনী ২৮।৪০ গ,
অগ্নিকোণে বারবেলা শেষ ১ প্রহর
রহস্য ভক্ষণ নিবেদ।

দিবা ৩০।২৪
৬ ২ ৩
৩ ৪৮ ৪৮
২৮ ৩৭ ৩০
৫৫ ৫ ১৬
১২৭ ১০২।৫০
মেঘেরচন্দ্র

১৬ চৈত্র ইং ২৯ মার্চ যুং ১ শওরাল ইং ৫৫৫ গ, উ, ৩।৫ গ, অ,
শুক্রবার তৃতীয়া ২৮।৫৫ ভরণীনক্ষত্র ৪৮।৩৭ গরুড়করণ ২৮।৫৫
গতে বণিজকরণ ৫৮।২০ গতে বিষ্টিকরণ বিষ্ণুভোগ ৪৮।৩০
যাত্রাভি নক্ষত্রদোষ জ্যৈষ্ঠ দেবরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ শুক্রেরদশা
৪৮।৩৭ গতে দেবারিগণ রবিব্রদশা ৪৮।৩৭ গতে যুতে দ্বিপাদদোষ
অগ্নিকোণে যোগিনী ২৮।৫৫ গতে নৈমতে বারবেলা ১ প্রহর গ,
১ প্রহর। বহুস্তরা যানদানাদি।

দিবা ৩০।২৭
৭ ৩ ২
৪ ৪৮ ৪৪
২৭ ৪৭ ৩২
৫১ ০ ৩৭
১২৫ ১০২।৬
মেঘেরচন্দ্র
৩।৩২।৩০গতে
যুঘেরচন্দ্র

১৭ চৈত্র ইং ৩০ মার্চ যুং ২ শওরাল ইং ৫৫৫ গ, উ, ৩।৫ গ, অ,
শনিবার চতুর্থী ২৭।৫১ কৃত্তিকীনক্ষত্র ৪৮।৪৭ বিষ্টিকরণ ২৭।৫১
গতে বাব-ন ত্রীতিয়াগ ৪৪।৩২ সিদ্ধিযোগ ৪৮।৪৭ যুতে
যুতযোগ যাত্রাভি বিষদোষ জ্যৈষ্ঠ দেবরাশি দেবারিগণ বৈশ্ববর্ণ
রবিব্রদশা ৩০।২১।৩০ গতে রহস্য ভিষ্টবর্ণ ৪৮।৪৭ গতে বব-
করণ ৪৮।৪৭ যথো যুতে ত্রিপাদদোষ পরে পাদদোষ নৈমতে
যোগিনী ২৭।৫১ গ, মক্ষিণে বারবেলা আদ্যন্ত ৪ মণ্ড আর ২৪
প্রহর গতে ১ মণ্ড।
মূলক ভক্ষণ নিবেদ।

দিবা ৩০।৩১
১ ৪ ৩
৪ ৪৭ ৩৯
২৫ ৪৭ ৫২
৩৫ ২ ১৮
মেঘেরচন্দ্র

১৮ চৈত্র ইং ৩১ মার্চ যুং ৩ শওরাল ইং ৫৫৪ গ, উ, ৩।৬ গ, অ,
রবিবার পঞ্চমী ২৫।৩৫ রোহিণীনক্ষত্র ৪৭।৪৭ বশবকরণ
আহুয়ানযোগ ৩০।৫২ নক্ষত্রভিযোগ যাত্রাভি মক্ষিণে পক্ষিমে
নাক্তি ৪৭।৪৭ গতে পীপযোগ গর্তাধাম নিক্রমণ যুগাধুয়ান রাজ
দর্শন ভিষ্টকরণ গ্রহপূজা লক্ষ্মীপূজা জ্যৈষ্ঠ দেবরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ
রবিব্রদশা ৪৭।৪৭ গতে দেবগণ যুতে পাদদোষ মক্ষিণে যোগিনী
২৫।৩৫ গ, পক্ষিমে বারবেলা ১৪ প্রহর গ, ১ প্রহর।
জীকল ভক্ষণ নিবেদ।

বিহু ৩০।৩৪

২ ৫ ৪
৬ ৪৫ ৩৪
২২ ৫১ ১২
১৮ ৪ ১৯

বুধেরচন্দ্র

১৬।৪৯ গতে
বিধুনেচন্দ্র

বিহু ৩০।৩৭

৭ ৪৩ ২৭
১৮ ৪ ৫৫
২ ৬ ২০

২২।৭১ ১৫।২৬

বিধুনেচন্দ্র

বিহু ৩০।৪১

৪ ৭ ৬
৮ ৩৬ ২৮
১০ ৪৪ ৫৮
৪ ১ ২১

বিধুনেচন্দ্র

২৫।৩৪।৪৫ গ
কর্কটেরচন্দ্র

বিহু ৩০।৪৪

৫ ৮ ৭
৯ ৩৫ ১০
৭ ৪৫ ৪২
১০ ৩ ২২

কর্কটেরচন্দ্র

১৯ চৈত্র ইং ১ এপ্রেল মুং ১ শওরাল ইং ৫।৫০ গ, উ, ৬।৪ গ, অ,
সোমবার বধী ২২।১৮ বৃগশিরানকত্র ৪৫।৫২ তৈতিলকরণ
মৌত্যাগাযোগ-৩৪।২২, নক্ষত্রমিতযোগ যাত্রান্ত পূর্বে দক্ষিণে
নালি ২২।১৮ গ, পশ্চিম শুভ ৪৫।৫১ গতে নক্ষত্রদেব গর্তাধান
সামন্তকন নামকরণ বিক্রামণ জন্মে বুধর বি দেবগণ শ্রুতবর্ণ চৈত্র
১৮।১৬।৪৯ গ, বিধুন, বৈশ্ব, ৪৫ ৫১ গ, নরগণ চন্দ্রের, ২২।২৮ গ, মৃত্তে
পাদ, পশ্চিমে যোই ২।১৮ গ, বায়ু, ৮।৪ গ, ৭।৪ গ, ৩ গ ৪ গ
অম। দিবা ১০।১১।২০ বি, পূর্বাঙ্কু বিজু বারবেলায়ৈরাধাৎ ৩।৪৯।
১৫ বি, ই ৭।২৪।৪৪ সে মধো বাসন্তীদেবীর বর্জাদি নপ্পারন্ত, সারং
আমন্ত্রণাধিবাসো। বর্জীর একাক্ষিক সপি। সপ্তমীর সপিওন।

২০ চৈত্র ইং ২ এপ্রেল মুং ৫ শওরাল ইং ৫।৫৩ গ, উ, ৬।৭ গ, অ,
বঙ্গলবার সপ্তমী ১৮।২ আত্মানকত্র ৪০।৪ বর্জি ১৮।২ গ, বিষ্টি
৪৫।৩০ গ, ববকরণ শোভন, ২৭।৫৫ তিথাস্ত ১৮।২ গ সিদ্ধিযোগ
যাত্রানালি বিষাদাষ জন্মে বিধুনরাশি নরগণ বৈশ্ববর্ণ ষষ্ঠর ৪।৪
গ দেবগণ ১৮।২ মধো মৃত্তে পূর্ণ ১৮।৭ গ জিপি ৪০।৪ গ, পাক বায়ু-
যে ১৮।২ গ দীনা বাই দ গ ৪ দ গ ২। ৩ গ ৪ গ ১৮।২ গ চন্দ্রদক্ষা
অম। দিবা ১০।১২।২০ বি পূর্বাঙ্কু বিজু বারবেলায়ৈরাধাৎ ৩।৪৯।
৩৭।৩০ অশ্রুপল ইং ৭।২৪।২৭ সে মধো বাসন্তীদেবীর সপ্তমীপূজারন্ত
এবং পত্রিকা প্র. বশ তদ বাই ৫।৭।৩২ সে মধো পূজাসমাপ্য। তদন্তি
মধ্যাহ্ন দেবীরঘোটিকে আগমন। ফল হ্রতঃ। সপ্তমীঃ কৌজকৌপি

২১ চৈত্র ইং ৩ এপ্রেল মুং ৬ শওরাল ইং ৫।৫২ গ, উ, ৬।৮ গ, অ,
বুধবার অষ্টমী ১৮।৪ পুনর্জন্মকত্র ৩৯।৪ ববকরণ অতিগণ-
যোগ ২০।৫৮ পা.পযোগ যাত্রানালি ১০।৪ গতে বিজাদেব সাম-
ন্তকন নামকরণ বিক্রামণ জন্মে বিধুনরাশি দেবগণ বৈশ্ববর্ণ চৈত্র
২০।৩৪।৪৪ গ কর্কটরাশি বিপ্র ৩৯।৪৫ মধো মৃত্তে দ্বিপাদ দীনা যো ১।৩।৪
গ পূর্বে বা ১ এ গ ৪ দ গ ৩ ২ এ গ ৪ দ ১০।৪ পাক চন্দ্রদক্ষা।
অম। দিবা ১০।১৩।৪০ বি পূর্বাঙ্কু বিজু বারবেলায়ৈরাধাৎ ৭।৪০।১৫ বি
ইং ৮।৫৫।৫৭ সে, মধো বাসন্তীদেবীর মহামহাকৌমী পূজারন্ত তদ বার
৯।৫৭।১৬ সে. মধো পূজাসমাপ্য। তদ মধ্যাহ্ন পরন্তু দিবা ১২।৪ পল গ,
সন্ধিপূজারন্ত ১৩।৪ পল গ সন্ধিবলিদানং ইং ১০।৪১।২৪ স গ, সন্ধি
পূজারন্ত ১১।৫।২১ রুণ, সন্ধিবলিদানং। অমপূর্ণ পূজা। অষ্টমীর একা

২২ চৈত্র ইং ৪ এপ্রেল মুং ৭ শওরাল ইং ৫।৫১ গ, উ, ৬।৯ গ, অ,
বৃহস্পতিবার নবমী ১৩ পুণ্যানকত্র ৩৫।৫৫ কৌলবকরণ সুবর্জী
যোগ ১৩।৪২ নক্ষত্রমিতযোগ ৭।১ গ সিদ্ধি যাত্রানালি বিবলোব ৭।১০
গ গর্তাধান পক্ষ মৃত্ত সামন্তকন নামকরণ কর্কটরাশি দেবগণ বিপ্র
চন্দ্রের ৩৫।৫৫ গ দেবারিগণ পূর্বে যো ১।৩ গ উত্ত বা শেষ ১ এ
অম। দিবা ১০।১৩।৩৭ সে ইং ৮।৪৪।২৪ স মধো বাসন্তী দেবীর মহা
নবমী পূজা সমাপ্য। ৭।১৩ পল গ, ৩।১ পল মধো ইং ৮।৪৪।২৪ সে,
গ, ১।৫৬।৪৮ স মধো দেবীরপূজা। বিসর্জন তদ মধ্যাহ্ন বিজুদিশম্বী
কৃতঃ। দেবীর দে. লার গমন। কনঃ মধ্যকঃ। ৭।১৩ পলে ইং ৮।৪৪।
২৪ সে, মধো জীরাধনবমী ব্রতগোশ্বামঃ বত জীরাধচন্দ্রের, পূজা। ৫ অম। চিহ্ন

বিহু চৈত্র ২০।৩৪ ইং ১ এপ্রেল মুং ১ শওরাল ইং ৫।৫০ গ, উ, ৬।৪ গ, অ, সোমবার বধী ২২।১৮ বৃগশিরানকত্র ৪৫।৫২ তৈতিলকরণ মৌত্যাগাযোগ-৩৪।২২, নক্ষত্রমিতযোগ যাত্রান্ত পূর্বে দক্ষিণে নালি ২২।১৮ গ, পশ্চিম শুভ ৪৫।৫১ গতে নক্ষত্রদেব গর্তাধান সামন্তকন নামকরণ বিক্রামণ জন্মে বুধর বি দেবগণ শ্রুতবর্ণ চৈত্র ১৮।১৬।৪৯ গ, বিধুন, বৈশ্ব, ৪৫ ৫১ গ, নরগণ চন্দ্রের, ২২।২৮ গ, মৃত্তে পাদ, পশ্চিমে যোই ২।১৮ গ, বায়ু, ৮।৪ গ, ৭।৪ গ, ৩ গ ৪ গ অম। দিবা ১০।১১।২০ বি, পূর্বাঙ্কু বিজু বারবেলায়ৈরাধাৎ ৩।৪৯। ১৫ বি, ই ৭।২৪।৪৪ সে মধো বাসন্তীদেবীর বর্জাদি নপ্পারন্ত, সারং আমন্ত্রণাধিবাসো। বর্জীর একাক্ষিক সপি। সপ্তমীর সপিওন।

দিবা ৩০৪৮
৬ ৯ ৮
১০ ৩১ ৬
১ ৫২ ৩
৪১ ৫ ৫১
৫৫ — ৩৮
৪০ — ২৩
২২৭৬৮৩৭৫৩
ককটেরচন্দ্র

২৩ চৈত্র ইং ৫ এপ্রেল মুং ৮ শওরাল ইং ৫৫০ গ, উ, ৬১০ গ, অ,
শুক্লাবার দশমী ১৪১ পরে একাদশী ৫৫৪০ অম্লবানকত্র
৩১৫২ গরকরণ ১৪১ গতে বণিজ ২৯১১ গতে বিজিকরণ ধৃতি
যোগ ৬৩ পরে শূলযোগ ৫১৩৮ জাহঙ্গীর যাত্রাদিশুভকরনান্তি
সানদানে শুভ জাহ্ ককটেরচন্দ্র দেবারিগণ বিপ্রবর্ণ চৈত্রদশ।
৩১৫২ গতে সিংহরাশি ক্ষত্রিবর্ণ কুজেরদশা ৫১২১ গতে হতে
পান উত্তরে যো ১৪১ গতে অম্লকোণে বারবেলা ১ অং ১ অ।
দিবা ১৪১ পল মধ্যে জীরামনবনী পাতণৎ।

দিবা ৩০৫১
৭ ১০ ১০
১২ ২৭ ৫০
৪৯ ৪৪ ৩
৪০ ১ ২৪
বু ২৬ ৮৩১১০
সিংহেরচন্দ্র

২৪ চৈত্র ইং ৬ এপ্রেল মুং ৯ শওরাল ইং ৫৫০ গ, উ, ৬১০ গ, অ,
শনিবার দশমী ৪৯৪০ মধ্যানকত্র ২৭৪৪ বহকরণ গণযোগ
৫০১০ যাত্রানান্তি দশমী এবং নক্ষত্রদোষ ৪৯৪০ গ মধ্যম পূর্বে
দক্ষিণে নান্তি জ্যে সিংহরাশি দেবারিগণ কুজেরদশা ২৭৪৪ গ,
নরগণ ৪৯৪০ মধ্যে হতে দ্বিপাদদোষ পরে পাদদোষ বৈধতে
যোগিনী ৪৯৪০ গতে দক্ষিণে বারবেলা আদ্যন্ত ৮ দণ্ড আর ২৮
প্রহর গতে ৪ দণ্ড। একাদশীর উপবাস।

দিবা ৩০৫৪
১ ১১ ১১
১৩ ২৩ ৫২
৪০ ৪৬ ৩৮
৫৭ ৩ ২৫
মং বিধুনে
৮২ ১২৫৮
৩৩ ৮২৩৭২২
সিংহেরচন্দ্র

২৫ চৈত্র ইং ৭ এপ্রেল মুং ১০ শওরাল ইং ৫৫১ গ উ ৬১১ গ অ।
রবিবার জ্যোতিষী ৪০৫৭ পূর্বকল্পনীমকত্র ২০৪৬কোণবকরণ
রুক্মিণী ৫২৪৮ যাত্রা মধ্যম দক্ষিণে পশ্চিমে নান্তি ২০৪৬ গতে
নক্ষত্রযুতযোগ যাত্রাশুভ ৪০৫৭ গ দক্ষিণে শুভ গর্তাধান জ্যে
সিংহরাশি নরগণ ক্ষত্রিবর্ণ কুজেরদশা ৩৭৫১৪৩ গ কত্রাশি
শুভবর্ণ হতে পাদদোষ ২০৪৬ গতে দ্বিপাদদোষ দক্ষিণে যোগিনী
৪০৫৭ গতে পশ্চিমে বারবেলা ১১ প্রহর গতে ১ প্রহর।
জ্যোতিষী পাতণৎ মনভয়দশী কদম্পূজা।

দিবা ৩০৫৮
২ ১২ ১২
১৪ ২০ ৩৫
৩৮ ৯ ৫৪
৪১ ৫ ২৬
ককটেরচন্দ্র

২৬ চৈত্র ইং ৮ এপ্রেল মুং ১১ শওরাল ইং ৫৪৮ গ উ ৬১১ গ অ।
সোমবার চতুর্দশী ৩০৪১ উত্তরকল্পনীমকত্র ২০১৯ গরকরণ
৩০৪১ গতে বিজিকরণ জ্যোযোগ ৩৫৩৪ নক্ষত্রযুতযোগ যাত্রাশুভ
পূর্বে পশ্চিমে নান্তি ২০১৯ গতে উত্তরে নান্তি ৩০৪১ গ পশ্চিমে
শুভ বায়ুকোণে নান্তি জ্যে কত্রাশি নরগণ শুভবর্ণ কুজেরদশা
২০১৯ গ দেবগণ কুজেরদশা ২০১৯ মধ্যে হতে দ্বিপাদদোষ পশ্চিমে
যোগিনী ৩০৪১ গতে বায়ুকোণে বারবেলা ৮ দণ্ড গতে ৪ দণ্ড ও
৩ প্রহর গতে ৪ দণ্ড। মনভয় পূর্ণিবার নিশিপালন।

দিবা ৩১১
৩ ১৩ ১৩
১৫ ১৭ ২৩
৩৪ ১৫ ৪
১ ০ ২৭
২২৭৬৮৩৭৫৩
শুভবেদ ৪২১৪
ককটেরচন্দ্র
৪৬৩৩০ গতে
শুভবর্ণেরচন্দ্র

২৭ চৈত্র ইং ৯ এপ্রেল মুং ১২ শওরাল, ইং ৫৪৮ গ, উ, ৬১২ গ, অ,
মঙ্গলবার পূর্ণিমা ৩১১ হস্তানকত্র ১৭১৫ বিজিকরণ ৬১২ গ,
বহকরণ বায়ুযোগ ২৯৪ যাত্রানান্তি শকাব্দদোষ জ্যে কত্রা-
শি দেবগণ শুভবর্ণ কুজেরদশা ১৭১৫ গ, দেবারিগণ ৪৬৩৩০-
গ, ভুল্যরাশি ক্ষত্রিবর্ণ হতে পাদদোষ বায়ুকোণে যোগিনী ৩১১
গ, পূর্বে বারবেলা ৪ দণ্ড গ, ৪ দণ্ড আর ২৮ প্রহর গ, ৪ দণ্ড।
চৈত্রী মনভয় আনন্দ্যানি বিজি চৈত্রযাত্রা পূর্ণিবার
শুভ এবং উপবাস। সাধুং সফলানান্তি।

ককটেরচন্দ্র—শকাব্দ ১৮ ৩ মন ১০১ হংরাঙ্গা ১৮২০ চান্দ্র চৈত্র শুক্লপক্ষ ত্রিবিং চৈত্র শুদি।

১৪৮ শকাব্দা: ১৮১৬ সন ১৩০১ চন্দ্রাব্দী: ১৮২৫ চৈত্র কৃষ্ণপক্ষ তিথি বৈশাখ বদি।

| দিবা | ৩১৫ |
|-------------|-------|
| ৪ | ১৪ ১৪ |
| ১৬ | ১৪ ২০ |
| ৩০ | ৫২ ১৪ |
| ২ | ২ ২৮ |
| কুলারচন্দ্র | |

| দিবা | ৩১৮ |
|---------------|-------|
| ৫ | ১৫ ১৫ |
| ১৭ | ১৩ ১৮ |
| ২৭ | ৫৫ ১০ |
| ১৭ | ৫ ২০ |
| কুলারচন্দ্র | |
| ৫৮১৩১৪৫ গ | |
| হুশিকেরচন্দ্র | |

| দিবা | ৩১১১ |
|---------------|-------|
| ৬ | ১৬ ১৬ |
| ১৮ | ১৩ ১৩ |
| ২৫ | ১২ ৫৭ |
| ৩১ | ০ ৩০ |
| ২১ মং ২২১৪৭ | |
| মুং ২৭ ৫৬১৩০ | |
| রাহু কুন্ড | |
| মং ৩৩১১২ | |
| কেতু মিথহে | |
| মং ৩৩১১২ | |
| হুশিকেরচন্দ্র | |

২৮ চৈত্র ইং ১০ এপ্রেল মুং ১৩ শওরাল ইং ৫৫৪২৭ গ উ ৬১১৩ গ অ।
বৃহস্পতি প্রতিপদ ৩০১২ চিত্রানক্ষত্র ১৪৫২২৭ লবনরূপ হর্ষণযোগ
২৩১৪ তিথ্যমৃত্যোগ ১৪৫২২৭, নক্ষত্রমৃত্যোগ ৩০১২ গ সিদ্ধিযোগ
যাত্রানান্তি বিষদোষ ন্যায়করণ বাণিক্যকরণ জ্যোতুলারানি দেবারি
গণ ক্ষত্রিগণ বৃধেরদশা ১৪৫২২৭, দেবগণ ৩০১২ গ, মৃত্যে পামদোষ
পূর্ণে যো ৩০১২ গ, উত্তরে বার ১ প্র গ ৪ ম ২ প্র গ ৪ ম ৩।
হিন্দ বৈশাখ বদি আরম্ভ। ৩০১২ গতে মহানক্ষা।

২৯ চৈত্র ইং ১১ এপ্রেল মুং ১৪ শওরাল ইং ৫৫৪৩৭ গ উ ৬১১৪ গ অ।
বৃহস্পতিবার তৃতীয়া ২৩১১৭ আত্মনক্ষত্র ১৩৩৫ গরকরণ ২৭১১৭
গতে বণিক ৫৬২৪ গতে বিদিকরণ বজ্রযোগ ১৮১৩০ যাত্রানান্তি
পূর্ণিমা ১৩৩৫ গ, নক্ষত্রদোষ গর্তাধান নামকরণ জ্যোতুলার-
ানিমেবগণ ক্ষত্রি, বৃধের, ১৩৩৫ গ, দেবারি, ৫৮১৭১৪৫ গ,
হুশিকরানি বিপ্র, মৃত্যে পাম ১৩৩৫ গ, দ্বি, ২৭১১৭ গ বিপা, উত্তরে
যো ২৭১১৭ গ অগ্নি বা শেষ ১ প্র। ২৭১১৭ পর্যন্ত মহানক্ষা।

৩০ চৈত্র ইং ১২ এপ্রেল মুং ১৫ শওরাল ইং ৫৫৪৬ গ উ ৬১১৪ গ অ।
শুক্রবার তৃতীয়া ২৫১৩১ বিশাখানক্ষত্র ১৩১২ বিদিকরণ ২৫১৩১
গতে বণিকরণ অন্যকযোগ ১৩৫৭ যাত্রানান্তি সংক্রান্তিদোষ জ্যো
হুশিকরানি দেবারিগণ বিপ্রগণ বৃধেরদশা ১৩১২ গ, দেবগণ অনিহ-
দশা ১৩১২ যথো মৃত্যে বিপা অগ্নি যো ২৫১৩১ গ নৈঋ বার ১ প্র ১২ প্র
মহাবিষুব সংক্রান্তি দিবা সংক্রমণে সংক্রমণাৎ পরং প্রহরময়
পুণ্যতে ত্রি ৬৩৬ পল পর্যন্তং সক্র ১ দিনং পুণ্যং মুহূর্ণে সং-
ক্রমণাৎ যক্ষাকিনী সংক্রমণাৎ পরং ১ দণ্ড পুণ্যতম। মানদানানি
সক্রান্তি ক্র ৩৭ ঘটাদি মানং। চতুর্পূজা।

শকাব্দা: ১৮১৬ সন ১৩০১ সালের দিনপঞ্জিকা সমাপ্ত।

৩০ চৈত্র রাহু ৩৩১১২ পলে কুন্তরানিত গমন করিবেন তাহার সফার গণনা।
মন্তকে ২৫১২৬২৭১১২৩৪ ফলং নান এবং ধনলাভ।

মুখে ৫৬৩৩১১১০ কলং
কটে ও কলং।



নেত্র ১১১২১৩১৪১৫১৬
ফলং যথ ১ পূজ এবং
বুদ্ধিলাভ।

বর্ষের ১৭১৮১৯২০২১
২২২৩২৪ ফলং বহন ও
বহ ভর এবং ধনহানি।

অথ রাহুর গৌচর শুদ্ধিঃ।

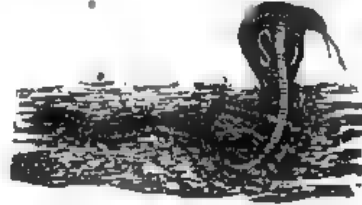
যেব বহ কড়া যত এই সকল রাশির গৌচর শুদ্ধ এতদ্রির রাশির গৌচরে
অশুদ্ধ কল দেন। সংক্রমণকালে চন্দ্রশুদ্ধিঃ।
যত কুন্ড বীম বিধুন কর্তে কুলা এই সকল রাশির শুদ্ধ চন্দ্রে গমন অশুদ্ধ হই-
লেও শুদ্ধ কল দেন।

কুন্তরানিত গমন করিবেন তাহার সফার গণনা ও পিতারোমের জাতিখাত মনোমত ও মুগারি তেল ১ দিনের দ্বারা ১১ টাকার

৩০ চৈত্র কেতু ৩১২১ পালে সিংহরাশিতে গমন করিবেন তাহার সফার গণনা ।

পূ ১৭১১/২১৩৪ ৫
ফলং বিবিধত্ব ।

বাম পাদে ১১১০১১
ফলং হানি ।



দু ১২/১৩১৪ ফলং

হুত্বাৎ ।

৩১ ১৫/১৬১৭১৮১৯২০

ফলং সফলনাশ ।

২১ ২২/২৩২৪২৫

২৬/২৭ ফলং সম্পদ ।

দক্ষিণপাদে ১১৭১৮ ফলং
হানি ।

কেতুর গোচর শুদ্ধিঃ ।

মিথুন তুলা রশ্মিক যীন এই সকল রাশির গোচরে শুভ ফল দেন এতদ্বিধ
রাশির গোচরে অশুভ ফল দেন ।

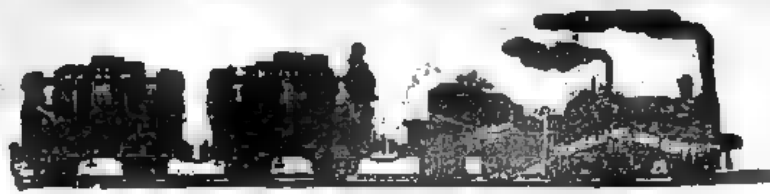
অথঃ কালশুদ্ধিঃ ।

এতদ্বর্কীর সৌর বৈশাখন্ত প্রথম দিনাবধি অষ্টাদশ দিনপর্যন্ত শুদ্ধঃ ।
ততঃ বৈশাখন্ত উনবিংশতি দিনাবধি আষাঢ়ন্ত উনবিংশতি দিনপর্যন্ত মশুদ্বঃ ।
শুক রাক্ষস বালা শুক্লানিতা যোগেভ্যঃ । ততঃ আষাঢ়ন্ত বিংশতি দিনাবধি যদু
বিংশতি দিনপর্যন্ত শুদ্ধঃ । ততঃ আষাঢ়ন্ত সপ্তবিংশতি দিনাবধি আগামী বর্ষীয়
কতিপয় দিন পর্যন্ত মশুদ্বঃ । শুক রাক্ষস বালা চারামহাতিচারেভ্যঃ ।

অন্তর্থাঃ । বৈশাখ মাসের প্রথম দিন হইতে অষ্টাদশ দিনপর্যন্ত শুদ্ধকাল ।
আর বৈশাখ মাসের উনবিংশতি দিবস হইতে আষাঢ় মাসের উনবিংশতি দিবস
পর্যন্ত অশুদ্ধকাল । আর আষাঢ় মাসের বিংশতি দিবস হইতে বজ্রবিংশতি দিবস
পর্যন্ত শুদ্ধকাল । আর আষাঢ় মাসের সপ্তবিংশতি দিবস হইতে আগামী বৎসরের
বিহুদিন পর্যন্ত অশুদ্ধকাল ।

অথঃ গুরু শুক্রের স্থিতি নির্ণয় ।

১৬ বৈশাখ রহস্পতি বৃহৎ হইবেন । ৩ জ্যৈষ্ঠ রহস্পতি পশ্চিমদিকে অস্ত হইবেন ।
৪ আষাঢ় রহস্পতি পূর্বদিকে উদয় হইবেন । ১১ আষাঢ় রহস্পতি বালাভাগ করি-
বেন । ২৭ আষাঢ় রহস্পতি মকাতিলারী হইবেন । ২১ আশ্বিন শুক্র বৃহৎ হইবেন ।
৫ কার্তিক শুক্র পূর্বদিকে অস্ত হইবেন । ১৮ পৌষ পশ্চিমদিকে উদয় হইবেন ।
২৮ পৌষ শুক্র বালাভাগ করিবেন ।



ইফ ইণ্ডিয়া রেলওয়ে কোম্পানির ভাড়া নিরূপণ।

বাংলাদেশের ভাড়া।—৩ তিন বৎসরের নূন বয়স্ক শিশুদিগের ভাড়া লাগে না, এবং ছাদশ বৎসরের নূন হইলে আর্জেক লাগে।

১ম শ্রেণীর ভাড়া মাইল প্রতি /১০ দেড় আনা।

২য় শ্রেণীর " " " (১৫ তিন পয়সা।

মধ্যবর্তী " " " ইং ৪৮ পাই, বাং দেড় পয়সা।

হাবড়া হইতে মাইল সমেত তৃতীয় শ্রেণীর ভাড়া নিরূপণ।

| | | | |
|-------------------------|-------|------------------|--------|
| ৩ লেনুয়া | (১৫ | ৫১ মেমারি | ১৮/১৫ |
| ৬ বালী | /৫ | ৫৫ রত্নলপার | ১৮/১০ |
| ৯ কোন্‌নগর | ৮/০ | ৫৯ শক্তিগড় | ৮৫ |
| ১২ জীরামপুর | ৮/১০ | ৬৭ বর্জমান | ৮৮ |
| ১৪ সিওড়াপলি জং | ৮/০ | (লুপ লাইন সংযোগ) | |
| (তারকেশ্বর লাইন সংযোগ) | | ৭৫ কাছ জংসন | ৮৮/১৫ |
| (১৮ গোবিন্দপুর | ১০ | ৮৭ গুসকরা | ১০/৫ |
| ২১ সিঙ্গর | ১/০ | ৯৪ বেদিয়া | ১৮/১০ |
| ২৫ নালিকুল | ১৮/০ | ৯৯ বোলপুর | ১১/৫ |
| ২৯ হরিপাল | ১৮/১৫ | ১১১ আদমপুর | ১৮/৫ |
| ৩২ বাহিরখণ্ড | ১৮/১০ | ১১৯ সিদ্ধিয়া | ১১/১৫ |
| ৩৬ তারকেশ্বর | ১১/০ | ১২৯ মোলারপুর | ১৮/০ |
| ১৫ বৈদ্যবাটী | ৮/৫ | ১৩৬ রামপুরহাট | ১৮/৫ |
| ১৮ ভদ্রেশ্বর | ৮/১৫ | ১৪৫ নলহাটি জং | ১৮/৫ |
| ২১ চন্দননগর | ১১/০ | (১৭২ আজিমগঞ্জ | ২৮/১৫) |
| ২৪ হুগলী (ই, বি, রে, স, | -১/০ | ১৫০ চাতরা | ১৮/৫ |
| নৈহাটি জং ১/১৫) | | ১৫৫ মুরারৈ | ২/৫ |
| ২৭ ব্রিশ বিছা | ১/১৫ | ১৬২ রাজগা | ২/১৫ |
| ২৯ মগরা | ১৮/০ | ১৬৯ পাকুর | ২৮/৫ |
| ৩৫ ধরেন | ১৮/৫ | ১৭৬ কোটালপুকুর | ২১/১৫ |
| ৩৮ পাণ্ডুরা | ৮/০ | ১৮৪ বারীওরা | ২৮/১০ |
| ৪১ ক্রিমলাগড় | ১১/০ | ১৯৫ তিনপাহাড় জং | ২১/১৫ |
| ৪৪ বৈটি | ৮/৫ | (২০২ রাজমহল | ২৮/০) |
| ৪৭ দেবীপুর | ১/১৫ | ২১০ মহারাজপুর | ২৮/১৫ |

| | | | |
|-----------------------------------|---------|------------------------------|---------|
| ২১৯ সাহাবগঞ্জ | ২৮ ১৫ | ২১৩ পাণ্ডারাক | ৩৮/০ |
| ২২৩ পিরোজি | ৩১০ | ২১৬ বার | ৩৮/৫ |
| ২৪৫ কলগঞ্জ | ৩৩/০ | ৩১০ ব্যক্তিরানপুর | ৪১/০ |
| ২৫২ খোলা | ৩১০ | ৩১৯ খসকপুর | ৪৮/১০ |
| ২৬৫ তগলপুর | ৩৮/৫ | ৩২৪ কতুয়া | ৪৮/১০ |
| ২৮০ সুলতানগঞ্জ | ৩৮/৫ | ৩৩২ পাটনা (সিটি) | ৪৮ ৫ |
| ২৯১ বরিরানপুর | ৩৮১৫ | ৩৩৮ বাকিপুর জং | ৪৮/১০ |
| ২৯৮ জামালপুর জং | ৩৮১৫ | (পাটনা গয়া ফেট রেল সংযোগ) | |
| (৩০৩ মুন্সুর | ৩৮৮/০) | (৩৪৬ পুনপুন | ৪৮/০ |
| ৩০৫ দারহা | ৩৮/৫ | ৩৫৬ মোসরি | ৪৮/৫ |
| ৩১৬ কুজরা | ৩৮ ০) | ৩৬১ নডোল | ৪৮/৫ |
| ৮১ শুলসি | ১ ০ | ৩৬৬ জাহানাবাদ | ৪৮৫ |
| ৯০ মানকর | ১৮/১৫ | ৩৭৬ মাকড়মপুর গয়া | ৪৮/৫ |
| ৯৭ পানিগড় | ১৮ | ৩৮৩ বেলা | ৪৮/১৫ |
| ১০১ রাজবন্দ | ১৮/০ | ৩৮৯ চাকও | ৫ ০ |
| ১০৬ দুর্গাপুর | ১৮/০ | ৩৯৫ গয়া | ৫৮/৫) |
| ১১৬ আশাল | ১৮/৫ | (৩৪৪ ডিগাঘাট জং | ৪৮/১৫) |
| ১২১ রাণীগঞ্জ | ১৮ ৫ | ৩৪৪ দানাপুর | ৪৮/১৫ |
| ১৩২ এসমন্সাল | ১৮/১০ | ৩৫৫ বিটা | ৪৮/০ |
| ১৩৮ সীতারামপুর | ১৮১৫ | ৩৬০ কৈলাস | ৪৮/০ |
| (১৪৩ বরাকর শাখা | ১৮ ১৫) | ৩৬৮ আরা | ৪৮১৫ |
| ১৪৮ মিহিজাম | ১৮/১৫ | ৩৮২ বিহিয়া | ৪৮/১০ |
| ১৫৭ জামতারা | ২১/৫ | ৩৯১ রমুনাথপুর | ৫ ১০ |
| ১৬৮ খারমাটার | ২৮/০ | ৪০১ ফুমরাউন | ৫৮/১০ |
| ১৮৩ মধুপুর (সি, শাখা) | ২৮/৫ | ৪১১ বজার | ৫৮/১৫ |
| (১৯১ জগদীশপুর | ২৮/১৫ | ৪১৮ চৌমা | ৫৮/০ |
| ২০০ ম হুশমণ | ২৮ ১৫ | ৪২৪ শুমার | ৫৮৫ |
| ২০৬ গিরিডি | ২৮/০) | ৪৪৩ দিলদারনগর | ৫৮/৫ |
| ২০১ বৈদ্যানাথ জং | ২৮/০ | (তারিঘাট সংযোগ) | |
| (২০৫ বৈদ্যানাথ শাখা | ২৮/০) | (৪৩৯ নাগসর | ৫৮/১০ |
| ২১৭ সিফুলতলা | ২৮ ৫ | ৪৪৫ তারিঘাট | ৫৮১৫) |
| ২২৮ নওয়াদি | ২৮/১০ | ৪৪২ জাহুমিরা | ৫৮/০ |
| ২৩৫ গিরহর | ৩ ০ | ৪৫০ খীনা | ৫৮/১৫ |
| ২৪৪ জাহাই | ৩৮/১৫ | ৪৫৮ সুলকদিয়া | ৫৮/১০ |
| ২৫৪ মানানপুর | ৩৮/০ | ৪৬৯ মঙ্গলসরাই জং | ৬/১৫ |
| ২৬২ লক্ষীসরাই | ৩৮/১০ | (আউন ও মোহিলখণ্ড রেল) | |
| ২৭১ বারহী | ৩৮/১০ | (৪৭৫ বেনারস রাজঘাট | ৬৮/০ |
| ২৮২ মোকামা | ৩৮/১৫ | ৬০৫ আশাখাঘাট | ৭৮/০) |
| (মো ঘা ও টি, ফেট, রেল ও লুপ সহ) | | ৪৭৮ আরারারোড | ৬৮/১০ |
| (২৮৪ মোকামা ঘাট | ৩৮/৫) | ৪৮৯ চনার | ৬৮/০ |

কাছা পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩ পানক-৩৮৩

| | | | |
|-------------|--------|--------------|-------|
| ৪৯৯ গাহাতা | ৬৪০ | ৫৪১ মিজারাত | ৭১৫ |
| ৫০০ ফকুপু | ৬৪০ | ৫৫০ করনাল | ৭২৫ |
| ৫১৪ বিজ্ঞান | ৬৪০ | ৫৬০ নাইনি | ৭১৫ |
| ৫২১ গরিপুর | ৬৪০ | ৫৬৪ এলাহাবাদ | ৭১/১০ |
| ৫৩০ বাওয়াই | ৬৪০/১০ | | |

ইউইওরা রেলওয়ে স্টেশন ও লাইন একত্রে নিম্নে দেওয়া গেল।

(জবসপুর শাখা—১৭০ জবসপুর ৭১/১৫, ৫৮০ মিউরাজপুর ৭১ ১০, ৫৯৪ বারগড় ৭১/১৫, ৬০৪ দাভাউরা ৭১/১৫, ৬১৮ মণিকপুর ৭১ ১৫, ইউইয়ান মিডল্যান্ড রেলওয়ে এই খানে সংযোগ) ৬২৭ মারকুজী ৮১/১৫, ৬৪১ মাজাগাঁও ৮১/১০, ৬৫৩ জাইতয়ার ৮১, ৬৬৬ জুনা ৮১/১৫, ৬৭৯ আনচেরা ৮১ ১০, ৬৮৮ মাইহার ৮১/৫, ৬৯৬ ডামনপুর ৮/০, ৭০৪ আমলারা ৮১/১৫, ৭১৬ জুকেহী ৮১/৫, ৭২৭ কাটমা জংসন ৮১/১০, (এই খানে বেঙ্গল মার্গপুর ও ইউইয়ান মিডল্যান্ড রেলওয়ে সংযোগ) ৭৩৫ মাইওয়ার ৮১/৫, ৭৪৪ গিমানাবাদ ৮১/০, ৭৫৯ সিহোরা/রাড ৮১/৫, ৭৭৩ ডিওরী ১০/০, ৭৮৪ জবসপুর জংসন ১০/৫, (এই ইউইয়ান পেনিনসুলা রেলওয়ে এই খানে ৫৭৫ মাইওয়ার ৭১/১৫, ৫৮৮ জারায়ারি ৭১/১০, ৬০০ সিরাপু ৭১/০, ৬০৮ কনওয়ার ৭১/১৫, ৬১৬ খাগা ৮১/৫, ৬২৪ বহরমপুর ৮/০, ৬৩০ হামওয়া ৮১/৫, ৬৩৭ কতপুর ৮/১৫, ৬৪৭ মালারা ৮১/১৫, ৬৫৬ মোহার ৮১/১৫, ৬৬৪ কারবিগাঁও ৮১/৫, ৬৭১ মারমাল ৮১/১৫, ৬৭৮ চাকিরি ৮১ ৫, ৬৮৪ কানপুর জংসন ৮১/১০, (এই খানে আউড ও রোহিলখণ্ড, রাজপুতানা মালব এবং ইউইয়ান মিডল্যান্ড রেলওয়ে সংযোগ) ৬৯১ পানকী ৯, ৬৯৮ ফৌশর ৯ ১০, ৭১১ করা ৯/৫, ৭২৩ বিজ্ঞক ৯/১৫, ৭৩২ ফাকুও ৯/৫, ৭৪৬ অচলদা ৯১/১০, ৭৫৮ ভরননা ৯১/০, ৭৭০ এটায়া ১০/১০, ৭৮০ বখরনগর ১০/১০, ৭৯২ ডামান ১০/০, ৭৯৮ কাউরারা ১০/৫, ৮০৫ মিকার, মদ ১০/১৫, ৮১১ মখনপুর ১০ ০, ৮১৭ কিরাজাবাদ ১০/৫, ৮২৭ তুওলা জংসন ১০/৫, (৮৪০ শাখা আগর ফোর্ট ১০/১৫, এই খানে রাজপুতানা মালব রেলওয়ে সংযোগ—৮৮৬ ময়ুরনগর ১১/১৫, ৮৯১ ত্রিভুবনবন ধাম ১১/১৫, ৮৯৬ বারহান ১০/৫, ৮৯৮ জলধরপুর ১১), ৮২১ পোরা ১১/৫, ৮২৭ হাটরাশ জংসন ১১/৫, (রাজপুতানা মালব রেলওয়ে সংযোগ এবং বখরনগর সেটাল ইউইয়ান রেলওয়ে গাড়ি এই খানে বদল) ৮৬৭ পালি ১১/১৫, ৮৭৬ আলিগড় জংসন ১১/১০, (আউড ও রোহিল খণ্ড রেলওয়ে সংযোগ) ৮৮৪ কালোরা ১১/৫, ৮৮৯ সোমনা ১১ ৫, ৮৯৬ ডামার ১১/১৫, ৯০৩ খুরজা ১১/৫, ৯১২ চোলা (বুলন্দ শহর রোড) ১১/০, ৯২০ সেকন্দ্রাবাদ ১১/১৫, ৯৩১ দাতি ১২/০, ৯৪২ গাজিয়ারা জংসন ১২/৫, (নর্থওয়েস্টার্ন স্টেট রেলওয়ে সংযোগ) ৯৫০ দিল্লীসদর ১২/০, ৯৫৪ দিল্লী জংসন ১২/১৫, (রাজপুতানা মালব রেলওয়ে সংযোগ এবং দিল্লী আশালা কলকাতা রেলওয়ে আরম্ভ) ৯৬৩ বাঙ্গলী ১২/০, ৯৭০ বাঙ্গলী ১২/০, ৯৮১ সোনিপাট ১২/০, ৯৯১ গনাউর ১২/০, ৯৯৮ সমলখা ১৩, ১০০৯ পানিপথ ১৩/০, ১০২০ বারগা ১৩/০, ১০৩০ করনাল ১৩/০, ১০৪৮ তরাওরী ১৩/০, ১০৪৯ আমিন ১৩/০, ১০৫১ খানপুর কুকাবত ১৩/০, ১০৬৫ খরিদা ১৩/০, (১০৭৭ অমলী কাটমবেটন জং ১৩/০, ১০৮২ অমলা শহর ১৪/০, বর্থ ও রং সং ১২/৬৪ লাহোর ১৬/০, ১০৮২ ধলকট ১৪/০, ১০৮৮ আলক

১৪১০, ১৪২৮ ষাগর ১৪১০, ১১০৭ চণ্ডিগড় ১৪১০, ১১১৬ কলকাতা ১৫১, কলকাতা হইতে (৫৮ মাইল) সিমলার মধ্যবর্তী যে কোন স্থানে (সাধারণ ভাবে) ভাড়া ৭ টাকা।

ইন্টারন বেল্ট স্টেট রেলওয়ে।

ইহাতে ৪ শ্রেণীর গাড়ি আছে—প্রথম শ্রেণীর ভাড়া মাইল প্রতি ১/০, দ্বিতীয় শ্রেণী ১/০, মধ্যবর্তী শ্রেণী ইং ৪ পাই, তৃতীয় শ্রেণী ইং ২১০ পাই।

সিমলাদহ হইতে ফেসন সকলের হ্রতা ও তৃতীয় শ্রেণীর ভাড়া।

সিমলাদহ হইতে দমদমা জংসন ৪ মাইল ভাড়া ১/০, (বেঙ্গল স্টেট রেলওয়ে সংযোগ) ৭ বেলঘরিয়া ১/০, ১০ সোদপুর ৮/৫, ১১ খড়সা ৮/১০, ১৩ টিটোগড় ৮/১৫, বারাকপুর ৮/১০, ১৭ ইছাপুর ৮/১৫, ১৯ শ্রামনগর ১০, ২২ কানকিনাড়া ১৫, ২৪ নৈহাটি জংসন ১/০, (ইষ্ট ইন্ডিয়া রেলওয়ে সংযোগ) ২৮ কাঁচড়াপাড়া ১০, ৩৩ মদনপুর ৮/০, ৩৮ ঢাকদা ১০, ৪৫ রাণাঘাট জংসন ৮/১০, (বেঙ্গল স্টেট রেলওয়ে সং) ৫১ আড়িঘাটা ৮/১৫, ৫৮ বগুলা ৮/৫, ৬৫ ককগঞ্জ ৮/১৫, ৬৯ বেনপুর ৮/১০, ৭৫ রামনগর ৮/১৫, ৭৮ জয়রামপুর ১/৫, ৮৪ চুয়াডাঙ্গা ১/১০, ৮৯ মুন্সীগঞ্জ ১৮/১৫, ৯৩ আলমডাঙ্গা ১৮/১০, ৯৯ হালদা ১৮/১৫, ১০৩ পোড়াদ জং ১৮/১০, (শাখা দামুকদিয়া ১০৯ মিরপুর ১৮/১৫, ১১৪ ভেরাঝা ১৮/১৫, ১২০ দামুকদিয়াঘাট ১৮/১০, নর্দারন বেল্ট স্টেট রেলওয়ে এইখানে) ১০৭ জগতি জংসন ১৮/১০, ১১২ কুষ্টিয়া (কুষ্টিয়া কোর্ট) ১৮/১০, (এইখানে ফীমার যোগে পাবনা হইতে হয়) ১২০ কুমারখালি ১৮/১০, ১২৪ খোকলা ১৮/১০, ১৩২ পাংশা ১৮/১০, ১৪০ বেলগাছিয়া ৮/৫, ১৪৭ রাজবাটা জংসন ১৮/১৫, ১৫৪ পাটুরিয়া ২/৫, ১৫০ গোয়ালন্দ ১৮/৫, (ফীমার লাইন ১৬৪ আর্চা ২/৫, ১৭০ করিমপুর ২/৫, ১৮২ জৈলাদি ২/৫, ১৯৩ কামিনপুর ২/৫, ২০২ তারপাশা ৩/৫, ২১৯ হাসিরকান্দি ৩/৫, ২১৬ বকসাই ৩/৫, ২১৩ মুন্সিয়া ৩/৫, ২০৮ বোহার ৩/৫, ২১৮ কার্শিকপুর ৩/৫, ২২৯ চাঁদপুর ৩/৫, ২৪০ সাতনল মেঘনা জংসন ৩/৫, ২৪৯ কমলাঘাট ৩/৫, ২৫৪ নারায়ণগঞ্জ ৩/৫, ঢাকা স্টেট রেলওয়ে এইখানে আরম্ভ)।

ঢাকা স্টেট রেলওয়ে।

ফেসন সকলের হ্রতা ও তৃতীয় শ্রেণীর ভাড়া—নারায়ণগঞ্জ হইতে ১০ মাইল ঢাকা ৮/০, ২৩ টাঙ্গি ১৫, ৩০ জয়দেবপুর ৮/৫, ৩৭ রাজেন্দ্রপুর ৮/১৫, ৪৪ ঐশ্বর ৮/৫, ৫২ কাগরাইদ ৮/১৫, ৬৩ গাফরা গাঁও ৮/৫, ৭১ বালিপাড়া ৮/১৫, ৭৭ কালীর বাজার ১/০, ৮৫ মরমনসিংহ ১/১৫।

আসাম ও বেহার দেকমন।

কলিকাতা হইতে আসাম, বেহারী, ডিব্রুগড় মাইলার নিম্ন শ্রেণীর ভাড়া।

আসাম লাইন : কলিকাতা হইতে ১০৩ পোড়াদ জংসন ১৮/১০ গোয়ালন্দ নারায়ণগঞ্জ ঢাকার গাড়ি এইখানে বদল হয়) ১২০ দামুকদিয়া ঘাট ১৮/১০, ১৩২ সারাগাট ১৮/১০, ২৪৪ পার্শ্বাতিপুর জংসন ৩/১৫, (বৈষ্ণব হুড়ী কোচবেহার ও আসামের জঙ্গ গাড়ি বদল হয়) ২৫৩ বনরগঞ্জ ৩/১৫, ২৫৯ শ্রামপুর ৩/১০, ২৬৬ রদপুর ৩/১০, ২৭৭ কাউনিয়া ৩/১৫, ২৮৩ তিস্তাজং ৩/১৫, (আসাম যোগলহাট কোচবেহারের গাড়ি বদল হয়) শাখা যোগলহাট ২৮৯ বড়বাড়ী মাইলিং ৩/১৫, ২৯২ কালমণ্ডির হাট ৩/১৫, ২৯৭ যোগলহাট ৪/১০, (কুচবেহারে বাইবাস, দেশীয়

পথ এইখান) ২৮৯ সিকার ডাবরীছাট ৩৫/১৫, ২৯২ রাজার ছাট ৩৫/১৫, ২৯৪ টোয়াই ছাট ৩৫/১০, ২৯৯ কুড়ীগ্রাম ৪/০, ৩০১ খালী রাইট বাত ৪/১৫, ৩০৫ খালী বাত ৪/০, ৩০৯ বাত্রাপুর ৪/১০, (আসাম বাইবার জন্ত এইখান হৈন হইতে জীয়ার ছাই ত ছর) ৩৪১ বড়ী ৪৫/০, ডিক্রগড় লাইন রিডার জীম বেভিগেসন কোম্পানির জীয়ার যোগে) কলিকাতা হইতে গোয়ালপাড়া ৩৮/০, গৌহাটী ৮৪/০, বাদামাটী (মঙ্গলদই) ৯৫/০, তেজপুর ১১৮/০, সিলখাট কোলিয়াবার ১১৮/০, বিহনাথ ১১৫/০, বিহালিযুথ ১২৮/০, লোহিত যুথ ১৩৮/০, ধানদারী যুথ ১৩৮/০, নিশিটীং (শিকারীঘাট) ১৪৮/০, কোকিলাযুথ ১৪৮/০, ডিক্রযুথ ১৪৫/০, ডিসাংযুথ ১৫৮/০, দিহিংযুথ ১৫৪/০, ডিক্রগড় ১৫৫/০।

বেঙ্গল সেন্ট্রাল রেলওয়ে।

বংশীহর, খুলনা, বরিশাল, নোয়াখালি পর্যন্ত।

কলিকাতা হইতে ৪৫ মমদমা জং ৮/০, মমদমা ক্যাটে ৮/৫, ৮ বরতি ৮/০, ১১ চণ্ডীপুর ৮/৫, ১৪ বারানত ৮/০, ১৭ বামনগাছি ৮/১০, ১৯ মঙ্গপুতুর ১০, ২১ দোগাছিয়া ৮/৫, ২৪ গুমা ৮/০, ২৮ হাবরা ৮/০, ৩৫ মাসলন্দপুর ১১৫, ৩৬ গোমরডাঙ্গা ৮/০, ৪২ চাঁদপাড়া ১৮/১০, ৪৮ বনগং জং ৮/০, (শাখা রাণাঘাট :—বনগং হইতে ৬ গোপালনগর ৮/১০, ১১ বাজুর আঁথ ৮/১৫, ১২ গগনাপুর ৮/১৫, ২১ রাণাঘাট ৮/৫,) ৫৩ বেনাপোল ৮/৫, ৫৯ যাদবপুর নাভারগ ৮/১৫, ৬৭ তিকরগাছা ১৮/১৫, ৭৫ যশোর ১৮/১৫, ৮০ রূপকীরা ১৮, ৮৪ সিজিয়া ১৮/০, ৯১ মণ্ডরাপাড়া ১৮/১৫, ৯৯ ফুলতলা ১৮/১৫, ১০৫ দৌলতপুর ১৮/৫, ১১০ খুলনা ১৮/১০, (জীয়ার যোগে) ১২৭ বরিশাল ২৮/১০, ২৮০ নোয়াখালি ৩৮/০।

মর্দরং বেঙ্গল কেট রেলওয়ে।

সানুকদিয়া হইতে ১২ মাইল সারাঘাট ৮/১০, ২১ গোপালপুর ১১০, ২৯ মালকী ৮/০, ৩৬ নাটোর ৮/১০, ৪৫ মাধনগর ৮/১০, ৫১ আতরই ৮/১০, ৫৯ ব্রাহ্মনগর ৮/৫, ৬৪ ফুলতানপুর ৮/৫, ৬৯ তিলকপুর ৮/১০, ৭৫ নবাবগঞ্জ ৮/১৫, ৮০ জামালগঞ্জ ১৮/৫, ৮২ জয়পুরছাট ১৮/১৫, ৯১ পাঁচবিবি ১৮/০, ৯৭ হিলী ১৮, ১০৫ চরকাই ১৮/০, ১১২ ফুলবাড়ি ১৮/৫, ১১৯ জবানীপুর ১৮/১৫, ১২৪ পার্শ্বতীপুর জংমন ১৮ ১৫, (আসাম বেহার কেট রেলওয়ে সংযোগ) ১৩০ মৈদপুর ১৮/১৫, ১৪০ দারভাঙ্গা ১৮/৫, ১৪৫ নিলকাহারি ১৮/৫, ১৫৬ জোয়ার ২৮/১০, ১৬৫ চিলছাট ২৮/১০, ১৭১ হলদিবাড়ী ২৮/১৫, ১৭৯ মণ্ডলঘাট ২৮/৫, ১৮৫ জম্পাইগুড়ি ২৮/১০, ১৯৫ বেলকোছা ২৮/১৫, ২০৮ শিলিগুড়ি ২৮/৫, (দারজিলিং হিমালয়েন রেলওয়ে আরম্ভ)।

দারজিলিং হিমালয়েন রেলওয়ে।

শিলিগুড়ি হইতে ৮ মাইল শুকনা ১১৫, ১২ রংটং ৮/০, ১৯৮ তিস্তারিয়া ১৮/১০, ২৩৪ গয়াবাড়ি ১৮/১০, ২৭৮ মহানদী ২৮/০, ৩১৫ কশিপুর ২৮/১৫, ৩৬৮ টুং ২৮/৫, ৪১৪ সোণালা ৩৮, ৪৭৮ খুম ৩৮/০, ৫০৫ দারজিলিং ৩৮/১০।

লগেজ।

লগেজ :—প্রত্যেক প্রথম শ্রেণীর যাত্রী সেড়মন, ২য় শ্রেণীর ৩০ সের, তৃতীয় শ্রেণীর ২০ সের, এবং ৩য় শ্রেণীর যাত্রী ১৫ সের পর্যন্ত অথবা বিনা যাত্রলে লইয়া বাইতে পারে, উহার অতিরিক্ত হইলে পার্শ্বদেশে নিয়মে ভাড়া দিতে হয়।

কিওপেট্রা শালসা।

শালসা, অথচ ব্যবহারের কোন নিয়ম নাই। সকল ঋতুতে, সকল অবস্থাতেই, সকল সময়েই, স্ত্রী-পুরুষ বালক-বালিকা সকলেই ইহা অনিয়মিত ব্যবহার করিত পারেন।

এই শালসার প্রধান গুণ, ইহাতে শরীরের রক্ত পরিষ্কার করে; শরীর শবল, পুষ্ট, চাকচিক্যমণ্ডিত ও তেজস্বী হয়; শরীরের দুর্বলত্ব হয় এবং কাস্তি পুষ্টি করে। অর্থাৎ গুণ, এই শালসার সুখার ইচ্ছা করে; যন্ত্রের পিড়ার উপশম হয়; বীৰ্য্য গাঢ় হয়; উদর-দয় অচ্যুতি পেটের পীড়া আশ্রয় হয়; খোস, পীড়িত, চুলকনা প্রভৃতি সর্প-প্রকার চর্ম রোগ ও ক্ষত নষ্ট হয়। সর্প-প্রকার বাত বেদনা ও তক্তনিত ফলা প্রভৃতি সর্পের দ্বারা বা এই সমস্তের প্রভাব পিড়ার আশ্রয় হয়। পাংরাগু ঘা, টিপস-ঘা, প্রভৃতিরও ইহা ঐ হৌযধ। অধিক কি দীর্ঘকাল ব্যবহার করিল, ইহা ত দুর্ভাগ্যে আশ্রয় হয়। পুরাতন মালেরিয়া জ্বর ও যন্ত্র সংযুক্ত জ্বর ইহা ত আশ্রয় হয়। কোন নিয়ম বীজবীজিত না থাকিয়া এমন ফল-প্রসূত ইহা জর নাই। মূল্য প্রতি বাতল ২ টাকা, পাকিং ১০ আনা, মালিক

বাতের ঔষধ।

যে কোন সর্পের বাতই হউক না কেন, অবস্থা যত দিনের যত-বেদনাই হউক না কেন, এই ঔষধ ব্যবহার করিলেই, নির্দিষ্ট আশ্রয় হয়। অকস্মিকই ব্যর্থতার পাতলা যায়। বাত বীজকে পশু বদ্রিয়া হ, তিনিও একবার ইহা ব্যবহার করিয়া দেখুন। অধিক কি, দীর্ঘকাল যাব-ত্বের পক্ষাঘাত পণ্ডিত আশ্রয় ইহা থাকে। মূল্য প্রতি পিণ্ডি ১) এক টাকা। পাকিং ১০ চারি আনা। মালিক স্বতন্ত্র।

এ, যি, মুখার্জী এণ্ড কোং। ৩৩ নং ক্যানিং স্ট্রিট, মুম্বাই-১—কলিকাতা।

আর্ভেভিশিফিক্টা।

(বোধক বেদনার একমাত্র মহৌষধ)

ইহা স্রোতঃগের একমাত্র পরম উপকারী আশুফলপ্ৰদ পরীক্ষিত প্রসিদ্ধ ঔষধ। স্বভাবতঃ লজ্জাশীলা মহিলাগণ নানা স্রোতঃগ কত যে যন্ত্রণা পান, তাহা আত্মা জ্ঞানিতে পারি না : কিন্তু স্রোতঃগের চিকিৎসা অত্র এই প্রসিদ্ধ। যদি সস্ত্রীনের মঙ্গল কামনা করেন, তবে স্রোতঃগিনা শয্যায় বসুন। এই ঔষধে সর্ববিধ স্রোতঃগ বিশেষতঃ বাধকবেদন, বীহাদর পুত্র হইবার সম্ভাবনা নাই, গর্ভধারণ যাহারা অক্ষম হইয়াছেন, ইহা তাঁহাদের পক্ষে মহৌষধ। রক্তঃবহ, অতিরিক্ত রক্তঃস্রাব প্রভৃতিও আশ্রয় হইয়াছে, এই ঔষধ অল্পদিনে সেবনেই যথানিয়মে স্বাভাসমস্ত শত্ৰুজীব হইতে কোন স্বীকৃতি হয় না। এক শিশির মূল্য ৪ চারি টাকা, প্যাকিং ১০ আনা, মাস্তল স্বতন্ত্র।

স্ববিনির ক্যান্ডার।

ওলাউঠা রোগের অব্যর্থ মহৌষধ।

ওলাউঠা বেরূপ সংক্রামক রোগ, হস্তচিহ্নিতক ডাক্তারিতই রোগীক দ্রুতমুখে পরিত হইতে হয়। তজ্জন্ম কবিনী সাহসক জ্যোৎস্ন প্রভৃতিক গ্রহঃদ্রুত সদস্যক সা গ্রাহ রাধা আবশ্যক। কারণ, ইহা দ্বারা নিশ্চয়ই ওলাউঠা ও নানা প্রকার উদরায়ন, দহক পেটনাশন, অতি দার, পেটকামড়ান ও তদ্ব্যনক শূলোবদন পর্যাগত আশ্রয় হইয়া থাকে। মূল্য প্রতিশিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা, মাস্তল স্বতন্ত্র।

এ. সি. মথাজী এণ্ড কোং। ৩৯ নং ক্যানিং স্ট্রিট, মুর্শিদাবাদ—কলিকাতা।

লিটন অয়েল।

ইহা অতি চমৎকার তৈল। অনেক অমূল্যমান দ্বারা আমরা এই বিশেষ উপকারক অয়েল আবিষ্কার করিয়াছি। ইহা ত পঠাখাত, উকতুত, গণ্ডমালা, বাড়মাগুরা, অমূলীহাড়া, ভগন্দর, উৎকট কত, গোটলাগা, নালী, শেখ, গলিত বা পচা ঘা, গন্ধির ঘা, কাউর, কর্ণ-শেখ প্রভৃতি উৎকট রোগ নির্দোষে আরোগ্য হয়। মূল্য হাণ্ড আউল শিশি ১০ আনা। প্যাকিং ১০ আনা, ডাকমাণ্ডল ১০ চারি আনা।

যোজন গন্ধা।

ইহা অতি চমৎকার স্তম্ভি গোলাপী নারিকেল তৈল। আমরা অনেক অমূল্যমান ও কুসুমিকা এই বিশেষ পরীক্ষা দ্বারা এই মহাপকারী তৈল প্রাপ্ত হইয়াছি। এই তৈল ব্যবহার করিল কেশ ঘন, লম্বা ও দৃঢ় হয়, মণ্ডিক শীতল রাখা; মাথাধরা, মাথা ব্যথা, মাথাঝালা। কেশদ্রব দূর হয়, কেশের অকাল পতন নিবারণ করে, জীবাণুকদিগের কেশ উঠিয়া যাওয়া রহিত করে; কেশের ময়লা ও ময়ামাল থাকে না। মূল্য ৮ আউল শিশি ৫০ আনা। মকঃমঃ প্যাকিং ১০, ডাক মাঃ ৫০। ড্যানুপেএবল পাঠান যায় না।

কোরোডাইন।

আমরা অনেক অমূল্যমান ও যত্ন সহকারে এই কোরোডাইন প্রস্তুত করিয়াছি। ইহা উৎকট হাইপার কোরোডাইন। ইহা দ্বারা ওলাউচা, সমকাদাত, উদরাময়, হৃদী, বদহজম, ঘনি পেটলাপা। বেদনাদি শীঘ্র আরোগ্য হয়। মূল্য হাণ্ড আউল শিশি ১০ আনা। মকঃমঃ প্যাকিং ১০, ডাক মাঃ ১০ আনা।

ফু ইড একট্রাক্ট অফ রেড জ্যামেকা

সালশা প্যারিল।

বিলাতী প্রস্তুত যে সকল সালশা আমদানী হইয়া থাকে, তাহার ব্যবহার এক্ষণে লোকের সহ মা হওয়াত আমরা বিশেষ মনো দ্বারা এই গুরুত্ব দেশের উপকারী সালশা প্রস্তুত করাইয়া বিলাত হইতে আমদানী করিতেছি। ইহা ব্যবহারে সর্ব প্রকার বাত, চর্ম-রোগ, শারীরিক কষ্টকর বশতঃ হাত কীণতা ও নারভাশ্জিবিগিটী দূরীভূত হয় ও রক্ত পরিষ্কার এবং পুষ্টিবর্ধন করে। মূল্য প্রতি শিশি ১০০, প্যাকিং ও ডাকমাণ্ডল অন্তর্ভুক্ত।

বটকুবঃ পাল এণ্ড কোং।

১২০/১২১ নং ধোদরাপটা স্ট্রীট, চিনাবাজার, কলিকাতা।
অফিস—৭ নং বঙ্গবিল্ডিং কোম, চিনাবাজার, কলিকাতা।

আইওডাইজ্‌ড ফ্‌ ইড. একফ্ল্যাক্ট অফ্‌ রেড জ্যামেকা সালশা প্যারিলা।

ইহা উপর্যুক্ত প্রকার প্রস্তুত করা ইয়া বিলাত হইতে আমদানী করিতহি। ইহাতে উপর্যুক্ত সালশার সকল গুণই আছে, অধিকতর পার্শ্ব ঘা, গরমির বা শরীরের যে কোথা দ্বানই হউক, ইহা সেবনে নিরুদা বা আশ্রয় হয়। মূল্য প্রতি শিশি ১৫০, প্যাকিং ও মাস্তুল স্বতন্ত্র।

সিরাপ হাইপো ফস্‌ফেট অফ্‌ লাইম।

আমরা বিলাত হইতে এই দেশের ব্যবহার্য্য যাবী উক্ত সিরাপ প্রস্তুত করা ইয়া আমদানী করিতহি। ইহা সেবনে কাশি, সর্দি, রক্তপিত্ত, শ্বস্রভজ, হাঁপানী প্রভৃতি উপদ্রব সমস্ত দূরীকৃত করে। ইহা শ্রী পঞ্চ বালক বৃদ্ধ সকলই স্বচ্ছন্দ সেবন করিতে পারেন। মাত্রা পূর্ণ বয়স্ক ৪ ড্রাম। মূল্য প্রতি শিশি ১৫০, প্যাকিং ও ডাকমাস্তুল স্বতন্ত্র।
উক্ত সকল ঔষধেই ব্যবসারীদিগকে ডিস্কোন্ট দেওয়া যায়।

প্রেসকপসন্।

এতদ্বারা সর্বসাধারণকে জ্ঞাত করিতহি যে, আমরা প্রেসকপসন্‌র ঔষধ সকলও প্রস্তুত করিয়া দিতেছি। একগণে সামান্য রোগ হইলেই ডাক্তারি চিকিৎসা করিত হয়, কিন্তু ডাক্তারি চিকিৎসা অনেক ব্যয় সাধা,—কারণ প্রেসকপসন্‌র ঔষধ প্রায় হইে তিন গুণ মূল্য সি অপরাপর ডিসপেন্সারি হইতে করা য়িত হয়। এই কষ্ট কথঞ্চিৎ দূর করাই আমাদিগে ডিসপেন্সারির প্রধান উদ্দেশ্য। আমাদিগের ঔষধালয় হইতে অনেকই অসুগ্রহ করি ঔষধ ক্রয় করিয়া থাকেন ও মূল্যের বিষয়ও বিশেষ জ্ঞাত আছেন। প্রেসকপসন্‌র মূল্যও সেইরূপ মূল্যে চার্জ করা হয়।

বটিকার পাল এণ্ড কোং।

১২০/১২১ নং খোদয়াপটী ষ্ট্রিট, চিনাবাজার, কলিকাতা।
অফিস—১ নং বন্‌কিল্ডস্‌ লেন, চিনাবাজার, কলিকাতা।

উক্ত কোম্পানির ঔষধালয় সন ১২৬৫ সালে স্থাপিত। বিলাতের প্রধান প্রধান ঔষধি কারখানা হইতে ইণ্ডেন্ট করা সর্বশ্রেষ্ঠ ঔষধ এবং সার্জিক্যাল ইনস্ট্রুমেন্ট সকল মগন মূল্যে প্রস্তুত এবং কার্য্যের অংশে ১০ শতাংশের বিক্রয় হয়। খরচাপ হইতে কষ্ট দিবেন। যখনই সম্ভব সার্জিক্যাল কার্য্যে প্রধান কার্য্য। মূল্যে বরদার প্রতি বিশেষ লক্ষ্য দিয়া ডেস্প্যাচেটহঁপর।



মূল্য ফেরৎ

শ্রীলালমোহন সাহার

পৃথিবীব্যাপিত

সর্বজ্বর গজসিংহ।

ইহাতে কুইনাইন নাই জ্বর থাকাসত্ত্বেও সেবনীয়।

নতুন ও পুরাতন জ্বর, প্লীহা যকৃৎ বা তদাভ্যুসঙ্গীক জ্বর, ম্যালেরিয়া, কম্প ও জীর্ণ জ্বর, কুইনাইনের আটকান জ্বর, পিত্ত-রক্তাদি এবং পাণ্ডাজ্বর এমন কি সর্ববিধ জ্বর আরোগ্য হয়।

(৪৮ ঘণ্টার সর্বপ্রকার জ্বর, এক সপ্তাহ প্লীহা ও যকৃৎ আরোগ্য হয়।)

এই ঔষধে কত দেশ বিদেশের লক্ষ লক্ষ লোক নানাবিধ জ্বর, প্লীহা, যকৃৎ রোগ ইহাতে মুক্ত ও পুনর্জীবন প্রাপ্ত হইয়া আত্মদাসহকারে প্রশংসাগত দিয়াছেন।

এথাকার জুরাক্রান্ত সর্ব সাধারণকে জানাইতেছি যে ইহা একরার ব্যবহার করুন, উপকার না হইলে

মূল্য ফেরৎ দিব।

মূল্য বড় ডিবা ২৮ বটি ১৪০, মধ্যম ১৪ বটি ১১, ছোট ৭ বটি ৮/০,

ডাঃ মাঃ ১—৮ ডিঃ ১০ আনা।

শ্রীলালমোহন সাহার

জগদ্বিখ্যাত

সর্বদ্রব্য হত্যাশনে

দাউদাদি চর্মরোগ ২৪ ঘণ্টার বিনাক্ষেপে আরোগ্য হয়। মূল্য ১০/০ আনা, ডাঃ মাঃ ১—১১ ডিঃ ১০ আনা।

শ্রীলালমোহন সাহার

সুপ্রসিদ্ধ

কণ্ডুদাবানলে

শোণ পাঁচড়াদি কত রোগ বিনাক্ষেপে অতি শীঘ্র আরোগ্য হয়। মূল্য ১০/০ আনা, ডাঃ মাঃ ১—৮ ডিঃ ১০ আনা।

প্রত্যেক ঔষধ একত্রে তিন ডিবা লইলে কমিশন দেই, ইহা আমাকে নকল করিয়াছে।
রেজিষ্টারী নং শঙ্খমার্কা দেখিয়া লইবেন।

দে, শাল কোম্পানির

৭৮ বা ১১ নং আই.সি.টোলা ইট—কলিকাতা।

ধাতুরোগের আশ্চর্য্য মহৌষধ।

এই ঔষধ নিয়ম পূর্ব্বক সেবন করিলে যে প্রকার ও যত দিনের ধাতুর ব্যাধিবাদ হউক না কেন, নিশ্চয়ই আরোগ্য হইবেক। ধাতুনিঃসরণ, ফোঁটা ফোঁটা প্রস্রাব, জ্বালাযুক্ত প্রস্রাব, লিম্বোস্রাব, রক্তপ্রস্রাব প্রভৃতি ধাতুরোগের সর্ব্বপ্রকার উপসর্গ আরোগ্য হইবে। ইহার আশ্চর্য্য এণ যে, একদিনমাত্র সেবনই রোগের অনেক উপশম হইবে। মূল্য প্রতি শিশি ১৫ টাকা, মাছুল ১০ আনা।

হাহডোয়াল (কোষটিক্স) অতি আশ্চর্য্য মলম।

এই মহাপকারী মলম ব্যবহার করিলে যে রূপ কোষটিক্স হউক না কেন, নিশ্চয়ই আরোগ্য হইবেক। কোনরূপ অস্ত্র চিকিৎসা করি ত হয় না।

মূল্য প্রতি কোটা ২ ডুই টাকা; প্যাকিং ও ডাকমাছুল ৫০ আট আনা।

হাঁপানী ক শীর মহৌষধ।

অনেকের সংস্কার আছে যে, হাঁপানী বশী কিছু তই নির্দোষ আরোগ্য হয় না। আমরা দেয় এই মহৌষধি এক শিশি মাত্র সেবন যত দিনের হাঁপকাশ হউক না কেন, নিশ্চয়ই নির্দোষে আরোগ্য হইবে। শিশি ১০ ও মাঃ ১০ আনা।

গোল্ডেন ড্রেনেটমেন্ট।

এই মলমে গর্ষির ঘা, পচা ঘা, খোসা, পাঁচড়া, লালি ঘা প্রভৃতি সর্ব্বপ্রকার ক্ষত নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। ইহাত পারা বা অল্প কোন দ্রুতি পদার্থ নাই।

মূল্য প্রতি কোটা ৫০ প্যাকিং ও ডাক মাঃ ১০ আনা।

সম্প্রিট ক্যাস্কর।

এই মহৌষধ সেবন ও লাউটা এবং সর্ব্বপ্রকার উদরাময়, পেট কামড়ান, দমকাভ্রম, অল্প জনিতভেদ আশ্র আরোগ্য হয়। অতএব গৃহস্থমাত্রই উচিত যে, সম্প্রিট ল্য এ হেন মহৌষধকারী ঔষধ এক শিশি গৃহে রাখা। শিশি ১০ আনা।

অন্তরোগের অব্যর্থ মহৌষধ।

এই ঔষধ সেবন করিলে অগ্নিশূল, অগ্নি উদ্বার, বমন, বুকজ্বালা, অগ্নিমান্দ্য, পেটকাঁপা, দমকাদান্ত ও অগ্নিজনিত সকল প্রকার উপসর্গ একেবারে দূরীভূত হইবেক। যাহারা উক্ত রোগে ব্যতিবস ভুগিতেছেন, তাহারা এই ঔষধ একবার মাত্র সেবন করিলেই সবিশেষ ফল পাইবেন। শিশি ১১ টাকা ও মাঃ ১০ আনা।

দেশবিখ্যাত ম্যালেরিয়া পিল।

এই মহাপকারী পিল জ্বর ও বিষের সকল অবস্থাতেই সেবন করা হইতে পারে। ইহার দ্বারা মবজ্বর, পুরাতনজ্বর, প্রাচী ও যকৃত সংযুক্তজ্বর, কম্পজ্বর, কুইনাই মর আটকানজ্বর, মৌকালীন, ত্রিকালীন, আর্ষিক, ম্যারিক, জ্যামিক, প্যাকিক মাসিক প্রভৃতি সকল প্রকার পীড়ার অত্যুপদ্রবসর মধ্যে আরোষ্য হইবে। মূল্য প্রতি কোটা ৫০ আনা। চামি আনা মাছুলে ৬ কোটা মার।

অর্শরোগের মহৌষধ।

এই ঔষধ সেবন করিলে যতদিন মর ও যে প্রকারের অর্শরোগ হউক না কেন, আরোগ্য হইবে। তিতরবলি, বারবলি, রক্তপড়া, দমদবানি প্রভৃতি সমস্ত যন্ত্রণা দূরীভূত হইবে। মূল্য প্রতি কোটা ৫০ প্যাকিং ও ডাক মাঃ ১০ আনা।

ওলাউঠার আশ্চর্য ঔষধ ।

ডাক্তার বি, দাস এণ্ড নেকিউ কর্তৃক

সন ১২৯৮ সাল হইতে সূত্রন আবিষ্কৃত ।

সত্যনারায়ণ রস ।

অজীর্ণ মোহে যেকুল ভিন্ন বসন শুষ্ক অথবা প্রকৃত ওলাউঠা রোগে ভেদ বসন হইয়া স্নানী যে অবস্থাপন্ন হউন, এই ঔষধ সেবন করিলে নিশ্চয়ই আরোগ্য হইবে। একটা বাকসতে দুইটা শিশি আছে একটার ঔষধ সাতা, এই ঔষধ রোগের প্রথম অবস্থায় এতদূর দিয়া দুইবার সেবন করিলে রোগ আর বৃদ্ধি হইবে ন ইহাতেই নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। অপরটা লাল দৈব বিকল্পনায় প্রথম অবস্থায় এই ঔষধ না পাওয়াতে পীড়া বৃদ্ধি হইয়া সুখবৎ অথবা হিন্দু হইয়া নানি চাটিনার উপক্রম হয়, এমন কি ভ্রম্মনীতে নানি অনুভব হয় না, এরূপ অবস্থাপন্ন হইলেও এই লাল ঔষধ ব্যবহা পত্রের নিয়মানুযায়ী দুই তিনবার সেবন করিলে জীবনীশক্তি উত্তেজিত করিয়া মাত্র গরম ও নানি নবল হইয়া প্রস্থাব হইবে, পরে নকল প্রকার উপদ্রব ক্রমশঃ উপশমিত ও যক্ষা। দুই হইয়া ১০।১২ ঘণ্টা কিবা ২৪ ঘণ্টা মধ্যে রোগ আরোগ্য হইবেই হইবে। ইহাতে কোন প্রকার নানক কিবা বিধাক্রম নাই, এ কারণ দুঃখপোষা শিশু হইতে পুঙ্খপূর্ণ আত্মবলকও সেবন করাইতে কোন আশঙ্কা নাই ইহা দ্বারা মন দেশের লোক আরোগ্য লাভ করিয়া বিস্তর প্রশংসা পত্র নিম্নাঙ্কন। এই ঔষধ ১৫ বৎসর বাল্য যুগে রাখিলেও গুণের কোন অনাধা হইবে না। এইরূপ গুণকর ও আশ্রয় কলনাক ঔষধ ব্যক্তি আজ্ঞেই রাখা কতদূর আবশ্যক তাহা সাধারণে একবার পৰীক্ষা করিলেই জানিতে পারিবেন। মূল্য প্রতি বাকস ১, দুই টাকা, ডাকে পাঠাইতে আতিরিক্ত প্যাকিং খরচ ১০ এক আনা, ডাকমাফুল ১০ চাঁর আনা মাত্র। অগ্রে মনিঅর্ডার দ্বারা ২০ দুই টাকা এক আনা না পাঠাইলে ভ্রিঃপিঃ ডাকে ঔষধ পাঠাইবার নিয়ম নাই। মনিঅর্ডারের কখনে প্রাপ্তের নাম, ঠিকানা ডাকের এবং জেলা স্ট্রাক্টরকে লিখিলে ঔষধ পাঠানিয়া হইবে না। কারণ এক মানের ডাক ঘর বহু জেলায় লেখতে পাওয়া যায়।

অরের আশ্চর্য ঔষধ ।) বৈকুণ্ঠ-রস (এক দিবসেই অর আরোগ্য হয় ।

সূত্রন অর কিবা যত দিনের প্ৰতিভন অর শুষ্ক না কেন, এই ঔষধ প্রতি ৩টা হইতে ১০ টা পর্যন্ত দুই ঘণ্টা অন্তর তিনবার ঔষধ সেবন করিলেই এক দিবসেই অর নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। কিন্তু নীচ ও বহু আরোগ্য হইতে কিছু বিলম্ব হইয়া থাকে। ইহা বহু দিন অবধি প্রচলিত আছে সকল জেলায় ও সকল গণপ্রাচীরে দোকানদারদিগের নিকট অনুদ্রষ্টব্য করিলে পাওয়া হইবে। কিন্তু ইহা শুধু বিটিতি দেখিয়া অনেক দূরত্ব লোকে ইহার ফল ও মূল্য করিয়াছে, এই ব্যবহারীগণ ফল ও মূল্য ঔষধকে খুব স্থূলত মূল্যে খরচ করিয়া অমলোভে প্রাপ্তগণকে আসল ঔষধ বাল্য প্রতারণা করিয়া থাকেন। সেই প্রতারণা মিবারণের জন্য অম্লানদের দূত টবকুঠরস ঔষধ সবুজ কাগজে পেক করিয়া পাচ বৎসর ছাপান ও টিটিটি দিয়াছি, অপর দিকে আবিষ্কারকে ডাক্তার বি, দাসের কঁচা পাকা নানি বিশিষ্ট চোকা দেখিয়া লইল কখনই প্রতারণিত হইবেন না। মূল্য প্রতি শিশি ৫০ বাস আনা, ডাকে পাঠাইতে হইলে আতিরিক্ত প্যাকিং খরচ এক শিশির ১০ আনা, ডাকমাফুল ১০ আট আনা মাত্র।

পরিবের সালনা ।) সুধামিশ্র (৮ ১০ বৎসরের মীহা বহু আরোগ্য হয় ।

এই টবকুঠরস ঔষধ সেবনের পর কিবা অর শরীরেই শুষ্ক ইহা এক বোতল ঔষধ সেবন করিলে ৮।১০ বৎসরের মীহা ও বহু আরোগ্য হইবে এবং সুখা ও পরিণাম শক্তি বৃদ্ধি করিয়া সালনা ব্যবহারের ন্যায় দোহের কল্যাণ ও সুখি পাথন করিবে। মূল্য এক বোতল ১, ডাকে পাঠাইবার সুবিধার জন্য ৫ আউন্স শিশি দ্বারা মাত্র ঔষধ পাঠান যায় প্যাকিং খরচ ১০, ডাক মাফুল ১০ মাত্র।

অগ্রে মূল ও প্যাকিং খরচ না পাঠাইলে ভ্রিঃপিঃ ডাকে ঔষধ পাঠাইবার নিয়ম নাই।

ঔষধ পাঠাইবার ঠিকানা—ডাক্তার বি, দাস এণ্ড নেকিউর ঔষধালয় ৮৮ নং আততীয়েলা ট্রাষ্ট কলিকাতায় আমাফিগের ঔষধালয়ে—অশ, হাঁপানি কুশিত, বারকবেদনা, অর, অরশুন, গরমির মা আরার ঘা, হস্তরোগ, অমেহরোগ প্রভৃতি কঠিন রোগের আশ্রিতগণকে ঔষধ পাওয়া যায়, টিকিট নং প্রণীত অবস্থা ও বসন দেখিয়া পাঠাইলে ঔষধের কোন ও মূল্য জানিতে পারিবেন।

চক্ষু রোগের মহৌষধ ।

বিজ্ঞাপন ।

আমরা ২০ বৎসর পরীক্ষা করিয়া দেখিলাম যে নিম্নলিখিত ঔষধ সকল চক্ষুরোগে বিশেষ উপকার প্রদর্শন কর । এই ঔষধ সকল বাহ্যিক ও আভ্যন্তরিক ব্যবহার করিতে হয় । আর ব্যবহার করিলে ইহাদিগের উপকারিতা অতি অল্প দিনে জানিতে পারা যায় । আর এই ঔষধে একবার আরাগ্য লাভ করিলে পুনরায় চক্ষুপীড়া হইবার সম্ভাবনা থাকে না । সাধারণ উপকারের জন্য সামান্য মূল্য ধার্য্য করিয়া প্রকাশ করিতেছি ।

বাহ্যিক ঔষধ ।

১। নেত্রমঞ্জীবনী-সার—ইহা কার্টারাইট (অর্থাৎ মতিয়া বিন্দু, ভিতরহানি) আঘাত বশতঃ রক্তহানি, বাগ্গা দৃষ্টি, হ্রস্ব দৃষ্টি, নিকট দৃষ্টি প্রভৃতি রোগে ব্যবহার হয় । ১ শিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

২। নেত্ররক্ষক-সার—ইহা চক্ষু পিট পিট করা, উপর ও নীচের পাতা ফলা ও চক্ষু শুক হওয়া প্রভৃতি রোগে ব্যবহার হয় । ১ শিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

৩। চক্ষু-সার—অল্প (অর্থাৎ চক্ষু কাটানির পর দৃষ্টির অভাব বা অল্প কোন উৎকট পীড়া বশতঃ দৃষ্টি নষ্ট হওয়া) ও রাতকাণা রোগে ব্যবহার হয় । ১ শিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

৪। মুক্তাষু-সার—ইহা লাল হওয়া, জল বরা, আলোক অসহ ও বেদনা ইত্যাদি রোগে ব্যবহার হয় । ১ শিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

৫। নেত্রাঙ্গন-সার—ইহা চক্ষু পরিষ্কারক ও স্নিগ্ধকারক । প্রত্যেক ব্যক্তির ব্যবহার করা উচিত । ১ কোটা ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

৬। নেত্রবিন্দু-সার—ইহা অজ্ঞাত নানাপ্রকার চক্ষুরোগে ব্যবহার হয় । বিশেষতঃ ক্ষত বা আঘাত জনিত বা অল্প কোন কারণ বশত চক্ষের বেদনায় আশু উপকার প্রদর্শন করে । ১ শিশি ১০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা ।

৭। নেত্রধৌত-সার—ইহা প্রত্যেক লোকের চক্ষু ধৌত করিবার মহৎ ঔষধ । স্কুলের ছাত্রদিগের বিশেষ উপকারক । ১ শিশি ১০, প্যাকিং ১০ আনা ।

শিরশূল-তৈল ও বাতশূল-তৈল । চক্ষুরোগের সহিত বা অল্প কোন কারণ বশতঃ শিরশীড়া বা বাত থাকিলে এই দুই ঔষধ ব্যবহার করিতে হয় । প্রতি শিশি ১১ টাকা, প্যাকিং ১০ আনা ।

পারদ ব্যবহার জনিত, দৌর্জলা বশতঃ, গরমীর পীড়া বশতঃ, মেহপ্রযুক্ত এবং বার্ককা বশতঃ চক্ষুরোগ উপস্থিত হইলে উপরোক্ত বাহ্যিক ঔষধ বাতীত “সালসা-সার” (আয়ুর্বেদ মতে) ও “সুখামাগর-সার” ইত্যাদি আভ্যন্তরিক ব্যবহার করিতে হয় ।

আমাকে নিম্নলিখিত ঠিকানায় পত্র লিখিলে উক্ত ঔষধ সকল ত্রি, পি, পোষ্টে পাঠ্য ইয়া থাকি ।

বিশেষ জানিতে হইলে পত্র দ্বারা কিম্বা অর্থ উপস্থিত হইবে ।

শ্রীশ্রীশচন্দ্র ঘোষ ।

৩৬ নং কৃষ্ণ সিংহর সেন, কলিকাতা ।

(ডাক্তার জীই রামলাল ন্যায়ের বাড়ী ।)

কমলাইন।

পুষ্কবহানি, খাড়া দাঁড়ান, ঘেহ, স্বপ্নাদি প্রভৃতি মহারোগ সবুহ আরোগ্য

হইবার একমাত্র মাহোষধ।

কালকালে এবং যৌবন অতিরিক্ত এবং অবৈধ ইন্দ্রিয়সেবার দরুণ যাহাদের পুষ্কবহ হানি হইয়াছে, বা হইবার উপক্রম হইয়াছে দুঃস্বপ্ন নিবন্ধন যাহাদের শুষ্ক তরল হইয়াছে ও ধারণাশক্তির হ্রাস হইয়াছে অথবা যাহাদের খড়্গিগোলার জায় সম্পূর্ণ খাড়া নির্গমন হয়, তাহাদের পক্ষে, এই “কমলাইন” মাহোষধ সেবন একান্ত বিধেয়। ইহা মেধাশক্তি বর্ধক, খাড়া পুষ্টিকারক ও স্থায়িত্ব শক্তিবর্ধক, যাহাদের বয়স পঞ্চাশের উর্দ্ধ এ ঔষধ সেবন করিলে তাহারা ৬৫ বৎসর পর্যন্ত যৌবনের জায় শক্তিমান থাকিবেন। ইহার আলৌকিক গুণ, অসাধারণ শক্তি। কমলাইনের মূল্যাদি ১নং কোটা ১৪ বটিকা এক টাকা চারি আনা। ২নং কোটা ২৮ বটিকা দুই টাকা ও ৩নং কোটা ৬০ বটিকা চারি টাকা। ডাঃ মাঃ ১০ আনা, প্যাকিং ৭০ দুই আনা।



ক্ষুধাশক্তি, কোষ্ঠাশ্রিত বায়ু প্রায় সকল লোকেরই আছে। পাকিস “হজমীগুলী” ১নং বৎসরের পরীক্ষিত ঔষধ। ইহাতে (১) অকচি, (২) কোষ্ঠাশ্রিত বায়ু (৩) পেটকাঁপা (৪) বদহজম (৫) দান্ত পরিষ্কার না হওয়া (৬) পেটভার (৭) মুখের বিষাদ (৮) বুকজ্বালা (৯) মুখে জল উঠা (১০) মাথাঘোরা (১১) বুক খড়্গড় করা ইত্যাদি রোগ যত দিনেরই হউক এবং যে প্রকারেরই হউক নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। যাহারা মালেরিয়া জ্বর ভুগিয়াছেন, তাহারা জ্বরে এই “পাকিস হজমীগুলী” ব্যবহার করুন; বৎসর টেনিক একমাস সেবন করিলে যে ফল, এই ঔষধ কেবল এক সপ্তাহ খাইলে সেই ফল পাইবেন। মূল্য ১নং কোটা ২০ বটিকা ১১ টাকা, ২নং কোটা ৪০ বটিকা ২১। প্যাকিং ৭০, ডাঃ মাঃ ১০, ভিপি.ত লইলে আরও ৭০ লাগিবে।

উন্মাদ।

বড় বড় বা হউক না কেন ইহাতে এক সপ্তাহের মধ্যে একবার আরোগ্য হইয়া যাইবে। ইহা হস্ত গরমীর যা, পারায় যা, ঘসা যা, শোষ যা, কাউর, নাড়দা, নালি যা, পাচা যা, পাঁচড়া প্রভৃতি সর্ষপ্রকার চর্মরোগ ও ক্ষত এককালে আরোগ্য হয়। ইহাতে পাগল কিরা কোনও দ্রুতি বস্তু নাই। মূল্য প্রতি কোটা ৪০ আট আনা, প্যাকিং ৭০, ভিঃ পিঃ কমিসন ৭০ ও ১টা হইতে ৬টা পর্যন্ত, ডাক মাফুল চারি আনা।

(দোকানদারদিগের দর স্বতন্ত্র।)

ভারতবর্ষে একমাত্র বিক্রেতা,

এস. পঙ্কজানি এণ্ড কোং।

১নং চীম ব্যাকার লেন, হাঙ্গাম গলি, কলিকাতা।

নূপেন্দ্রচন্দ্র বসাক কোং

স্থাপিত সন ১২৭৮ ইং ১৮৭১ সাল।

মাং ৩৮ নং ক্যানিং স্ট্রিট (মুরলিহাটা) কলিকাতা।

দর দস্তুর নাই, এক কথা, ইক দর, ঠিক জিনিস।

অথবা দো দানদারি বা চাতুরী নাই।

আমরা বিলাত প্রভৃতি স্থান নর নিজ-মেনিউ ককনা রর যর হইত সকল, প্রকার
ননিহারি ও নানাবিধ ক্যানিস ও বিলাস জন্ম আনাইয়া বাজার নর পাই-
কারি হিসাব বিক্রয় করি।

দোকানদারদিগের সুবিধার জন্য আমরা কমিশন এজেন্সিরও কার্য করিয়া থাকি।

আমাদি গর দোকান হইত জন্ম লইয়া কাহারও কোন প্রকার ঠকা বিবচনা হইলে
তিন দিবস মধ্য জিনিস ফেরত লইয়া টাকা ফেরত দিয়া থাকি।

সুবিধাত এন, বিটীস কোম্পানির লেভেণ্ডার-ওয়াটার এবং মেকসার
অয়েলের আমরা ভারতবর্ষ একমাত্র এজেন্ট।

উক্ত মেকসার অয়েল এক শিশি নিয়মিতরূপে ব্যবহার করিলে যে প্রকার শুভ ফল
পাইবন অন্য অন্য লব্ধ প্রতিষ্ঠিত কেশরক্ষক ও কেশবর্দ্ধক তৈল তুরি তুরি পরিমাণে
ব্যবহার করিয়াও তাহার অর্ধেক ফল পাইবন কিনা সন্দেহ।

রুবিনির ক্যান্ফর বা ওলাউঠার মহৌষধ।

সর্বদা টাটকা (ফ্রেশ) থাকে। মূল্য প্রতি শিশি মায় পাণ্ডিত্য ১০ বাত, ভিঃ পিতে
লইলে আরও ১০ আনা লাগিবে। পাইকারি দর স্বতন্ত্র।

এজেন্সি।

যে বসিয়া কলিকাতার বাজার দরে মাল পাইবার একমাত্র উপায়। পরচ-নিবেচনা
করিলে আমাদিগকে কমিশন দিয়াও সুবিধা পড়ত, পড়িবে। কারণ আজ আমরা ২০ বৎসর
বিলাত, জাপান, করসী প্রভৃতি স্থান হইত জন্ম আনাইয়া পরিস বিক্রয় করিতেছি : এত-
দীর্ঘকাল কোন জন্ম কোন স্থানে এবং কি উপায়ে লইলে সুবিধা হয় তাহাও বিশেষ
অবগত আছি।

অর্ডার সহিত কিছু (চারি আনা আদ্য) টাকা পাঠাইলে ভিঃ পিতে রসিদ
পাঠাইয়া থাকি।

কলিকাতার বাজার দর প্রায় প্রত্যহই কমবেশী হওয়ার আমরা কোন প্রকার ছাবান
প্রাইস লিষ্ট রাখিতে সক্ষম নহি।

আমাদের সোকায়েদ জন্ম কমিশন লই বা। অপরাপর মালের কমিশন লইয়া
থাকি।

অত্যন্ত বিবর জ্ঞানিত হইলে প্রিন্সিপ্যাল প্রোডাক্ট কিবা ১০০ আনার তাক টিকিট
পাঠাইবন।

সাবধান,

সাবধান,

সাবধান।

সেজিয়ারি করা

শ্রেষ্ঠ মার্কা।

এই মার্কা বাতিল

সকলই নকল।



অনেক প্রশংসাপত্র সমেত কণ্টাগ আছে আবেদন মাঝেই বিনামূল্যে প্রেরিত হয়।

পি, এম, বাকচির

নানারঙের লিথিবর কালী।

রুৱাক, রুৱাক কপিং, রুৱাক পাউডার; ব্রাক, ব্রিলিএন্ট লাল, ফার্স্ট লাল, রু
ডাওলেট, ডাওলেট ব্রাক কপিং ইত্যাদি। মার্কিং কালী—কাপড়ে মার্কা দেওয়া যায়

চুলের কলপ।—পক কেশ কাল হয়।

সুগন্ধ দ্রব্যাদি।

অট-ডি-রোজ নং ১।—বিলাতি ও ফরাসি দেশের আটো অপেক্ষা কোন
অংশে নিকট নহে। গন্ধের স্থায়িত্ব, মনোহাতিব উৎকৃষ্টতায় ন্যূন নহে। ইহার
কোটা মাত্র কাপড়ে দিলে গোলাপের গন্ধে চতুর্দিক আশোষিত করিবে এবং গন্ধ
বহু দিবস স্থায়ী হইবে। মূল্য প্রতি অর্দ্ধতাম শিশি, সুন্দর কাচের শিপিযুক্ত ১।০ আনা।

অট-ডি-মতিয়া নং ১।—ইহা উৎকৃষ্ট বেল ফুলের আভর। মূল্য ৮০ আনা।

অট-অব-জেস-মিন।—ইহা বিলাতি জেসামিন বা আমাদের দেশের কতকটা ফুল
ও চাশেলির ভায় গন্ধ। মূল্য অর্দ্ধতাম শিশি ৮০। অট জিরেনিয়ম।—মূল্য ১০ আনা।

এঙ্গেল অব রোজ।—ইহা বিলাতি ডামাস্ক রোজ হোয়াইট রোজ অপেক্ষা
উৎকৃষ্ট, ইহার গন্ধ বহুদূর স্থায়ী। মূল্য প্রতি আউল কাচের শিপিযুক্ত শিশি ১।০ টাকা।

সুবাসিনী তৈল।—ইহার মনোহর গন্ধ দীর্ঘকাল স্থায়ী ও ভৃগুজনক। ইহাতে মাথ
ব্যোরা, মাথাধরা প্রভৃতি শিরোরোগ সকল আরোগ্য হয়। কেশমূল বৃদ্ধি, ঘন, কোমল ও কৃষ্ণ
বর্ণ হয়। চুলকরা পাঁচড়া প্রভৃতি আরোগ্য হয়। গাত্রদাহ ও চক্ষু জ্বালা নিবারণ করে
ইহার মনোহর গন্ধ স্থানের পরেও ঐশ্বর্য তাম দিবস থাকে। মূল্য ৮০ হইতে ২।০ পর্যন্ত।

ঔষধাদি।

সুবাসিত দন্তসঞ্জন।—দন্তরোগের অব্যর্থ মহৌষধ। দাঁতের গোড়া কোলা
বন্ধপড়া ও মুখের দুর্গন্ধ প্রভৃতি নষ্ট করে। মূল্য প্রতি কোটা ৮০ আনা দ্বার।

স্পিরিট ক্যাম্ফার।—কলেরা ও উসরসর প্রভৃতির মহৌষধ। মূল্য ১০ ও ১০।

গরমি ও পচা ঘায়ে পর্জীকৃত মহৌষধ।—মূল্য প্রতি বাটী ১০ আনা।

পি, এম, বাকচি এণ্ড কোং।
কর্জিপাড়া কেমিকাল ওয়ার্কস নং ৫১১
কৈলাস দাসের গলি, মসজিদ বাটী দ্বিট,
মসজিদ

নিরুপা—নগর মূল্য ব্যতিত কোন
জিনিস বিক্রয় হয় না। শিকি মূল্য
পাঞ্জাবল ও বিদেশে, কিং পিঃ ওপাটে
মাল পাঠান যায়।

ধারনে প্রত্যক্ষ ফলম।

সিঃইউঃ ১০:১৫
মূল্য পণ্য এক
সঙ্গে যায়।



একটো মাদুলী
লইলে আর :সিঃ
বিনা মূল্যে দেওয়া
হয়।

**এই সকল ফকির দত্ত মাদুলী ধারনে অনেকেই
'আরোগ্য লাভ করিতেছে।**

ইহা ত নূতন পুরাতন জ্বর, রক্তপিত্ত, সর্কপ্রকার বাত, শোথ, গুল্ম শূল, অশ্ম, বহুত
প্রাণ, সর্কপ্রকার কাস ও হাঁপানী, শিরঃশীড়া, প্রঃমহ, অপ্রঃমহ, মূত্রকৃচ্ছ, সকল প্রকার
প্রকশিয়া, বাণ কুজান মফে, বন্ধনা দাব, গর্ভগতণ, রসতঃকা, রক্তঃবহ, বিবঃফোড়া
প্রভৃতি আঃরাগ হয়। এতদ্বিঃ—মহাশিমিংহ কবচ ধারা—ভূত প্রেত পিশাচ যোগিনী
ভিকিনী যাবতীর উপদেবতার ভয় নিবারণিত হয়!! প্রাতঃক রোগের প্রত্যেক মাদুলীর মূল্য
১/০ হিসাবে, মফঃশাল পাঠাইতে প্যাকিং ১/০, ভিঃ পিঃ ১/০, ডাকমাশুল ১০ আনা।

শত পরীক্ষোত্তীর্ণ ঔষধ।

অম্ল ঔষধ শূলের ঔষধ, রক্তঃভাগীর ঔষধ, শেত প্রদঃরর ঔষধ, বাহক বেদনার ঔষধ,
রক্তমাশায়ের ঔষধ প্রাতঃক রোগের প্রত্যেক ঔষধির মূল্য ১/০ হিঃ, মফঃশাল পাঠাইতে
প্যাকিং ১/০, ভিঃ পিঃ ১/০, ডাকমাশুল ১০ আনা।

তীনকরচন্দ্র দাস বৈরাগ্য।

পোষ্ট—হাটখোলা, ১১২নং সেকপাড়া—মাদুলীকাগোশ্বর, কলিকাতা।

ইণ্ডিয়ান ফার্মাসিয়েল।

(ভারতবর্ষীয় তারা তৈল।) সর্কপ্রকার অতঃরাগের অত্যাঃরক্ট ঔষধ।

কাটা, গা, শ্কাটক, কোকঃ ঘা, তলের দা ও স্তনগুলের ঘা, ডুবা ঘা খোশ পাঁচড়া, গণ্ডমালা, পুইত্রণ,
বিবিধ প্রকার অশ, কিঃবেদনা, আঃজুলহাড়া কাউর দা, কবঃগুলের ঘা, বহুতালভায়ী পচা ঘা, সর্ক
প্রকার মূরঃমূরঃ ঘা, আঃবের ঘা, বেলেঃস্তারঃ ঘা সকল প্রকার গলিত বৃক, ছঁড়িয়া ছঁড়িয়া পড়িয়া
ঘাওয়া ঘা, পুড়ে যাওয়া ঘা, সর্কপ্রকার নালা ঘা ও শোথ ঘা, উপদঃশঃঅখাৎ (গর্ভিরঃদা) সর্কপ্রকার
পারঃদঃ ঘা, বিবঃফোড়ঃ, সর্ক প্রকার বেদনা, বিবিধ প্রকার চর্মরোগ ইত্যাদি। অগ্নি বা অন্য কোন
ঔষধ দ্বারা শরীরের কোন স্থান দক্ষ হইল তৎক্ষণাৎ এই দ্বাঃনে তৈল দ্বারা তুল্য তিক্কাইয়া দিবে,
সাবধান যেম দক্ষদ্বাঃনে কোন প্রকারে জ্বল লাগিতে না পারে। যদি শরীরের কোন স্থানে কিঃ বা অন্য
কোন প্রকার বেদনা উপস্থিত হয়, তাহা হইলে এই তৈল তৎক্ষণাৎ বেদনা স্থানে দ্বিঃগনে জঃ বার মাঃলিস
কিঃবে। মূল্য প্রতি অর্ক আউন্স শিশি ১ টাকা।

ইণ্ডিয়ান গোল্ডেন আইন্টমেন্ট।

(ভারতবর্ষীয় চৈম মলম।)

খোশ পাঁচড়া, সকল প্রকার গরঃমিরঃকা, দঃশা পক্ষিঃম মূরঃমূরঃ দাঃকুকুরঃ কাঃগঃদাঃ দা ও অপরাঃসর
সকল প্রকার দা ও কতঃর অবাঃমঃমঃমঃমঃ। মূল্য এক কোটা ১ টাকা।

(ক্যাঃস্কারি এলিকুজার।) অর্থাৎ জীবিনঃশ ক্যাঃস্কার।

বিঃহচিকা অর্থাৎ ওলাউঠা, নূতন ও পুরাতন উদঃরঃমঃ প্রভৃতি পীড়ার চঃ-২২ঃর ঔষধ। মূল্য ১/০
১০, ১০, ডাক মফঃশাল প্রত্যেক শিশি ১০ চারি আনা প্যাকিং ১/০ প্রত্যেক শিশি।

হেমরস।

সর্কঃস্তরঃদাঃ নাশক ও শক্তি সক্ষারক হেমরস সানক এই ঔষধ ব্যবহার করিলে শরীর সবল ও ক্ষুদ্র
বৃদ্ধি করে এবং কোষ্ঠ পরিষ্কার রাখে। ই। পুরঃতন জ্বর, কুশঃ জ্বর, পালাঃ জ্বর, বহুত ও শিঃহাঃসঃযুক্ত
জ্বর, ম্যাঃলিঃরিঃ জ্বর ইতঃদীঃ প্রঃজ্বরঃ বিঃহচিকাঃ, আঃরঃকঃ। মূল্য ২২ শিশি ১/০, কোটা শিশি ১০ আনা।

এই মলম তৈল কলিকাতা শোভাঃবাঃজঃর বহুতলা ও হালীঃ সারঃ দত্তের স্ট্রীটে ১০ নং ঐঃকঃকঃ
বুঃখোঃদাঃয়ারের বিকট এবং ১০ নং কৈঃলঃ স্ট্রীটে গাওয়া বঃইঃবঃ

রুমণীমোহন পোলোস পিল।

এই পিল সেবনে ক্ষুধা বৃদ্ধি হয় ও কোষ্ঠ পরিষ্কার রাখে এবং রতিশক্তি বৃদ্ধি করে। ২১৩ দিবস সেবনে পুরুষদের যে কোন প্রকার শিথিলতা হউক না কেন, কি পৌড়িত, কি যুবা, কি বৃদ্ধ প্রত্যেকেরই উক্ত শিথিলতা দোষ নষ্ট করিয়া কামেচ্ছা প্রবল করিবে।

মূল্য ১০ টাক, মাশুল ১০, প্যাকিং ১০ অ'না।

এন, এল, দে এণ্ড কোং,

২০১২ নং অর্মহরীটোলা স্ট্রীট, কলিকাতা।

পরিব্রাজকবর শ্রীযুক্ত কুমারানন্দ কুলাবধত

পরমহংস-প্রদত্ত

সর্ব জ্বর-নাশক নব ধূজটি-রস।

মূল্য অগ্রিম না পাঠাইলে কোন

ব্যক্তিকেও ঔষধ পাঠাই না।

প্রতি লিপি এক টাকা চারি অ'না।

২৫ বোতল তিন টাকা।

সকল স্থানে ডাকমাশুল বহুত।

পাইকারীগণকে বীতিমত কমিশন

দেওয়া হয়।

৫০ টিকিট সহ পর লিখিলে

সমস্ত বিসয় জামান যায়।

রেজেষ্ট্রারী করা ট্রেড মার্ক।



এই মহৌষধ ২১ দিন সেবনে দুতন ও পুরাতন জ্বর, সবিরাম ও অবিরাম জ্বর, মীছা পাণ্ডু-ও শোথ যুক্ত জ্বর, মণালজিয়া, কম্প, পালা, ঘাহিক, ভ্রাহিক ও হৌকালীনজ্বর প্রভৃতি নিশ্চয়ই আরোগ্য হয়। ৮ দিন সেবনে ভবিষ্যতে আর ঐ সকল রোগ হয় না এবং ক্ষুধা বৃদ্ধি ও শরীর সবল হয়।

আজ্জ কালর লোকর ছাত্র

বিজ্ঞাপনের আড়ম্বর নাই;

তবে এই মাত্র বলিতে পারি যে, যে সকল ব্যক্তি বহু দিনাবধি জ্বরে আক্রান্ত হইয়া অ'ন্যকামক অ'স্তার কবিরাজের ঔষধেও কল পান নাই, প্রাণের আশা ত্যাগ করিয়াছেন, তাঁহারা "পরমহংস-প্রদত্ত" এই ঔষধ সেবনেই যে সম্পূর্ণ আরোগ্য হইবেন, সন্দেহ নাই।

শ্রীকুঞ্জবিহারী দে এণ্ড কোম্পানি।

২৮৫ নং অপর চিৎপুর রোড, কলিকাতা।

DR. K. N. GHOSH'S

THE WONDERS.

ASTHMA SPECIFIC.

হাঁপানি রোগের অব্যর্থ মহৌষধ।

এই ঔষধ সেবনে বহুসংখ্যক হাঁপানি-রোগী একেবারে আরোগ্য হইয়া ভূমি ভূমি



প্রাণত্যাগ পত্র দিয়াছেন, স্থানান্তর কখনও

তৎসমস্ত এই হুয়ে উদ্ধৃত হইল না। কেবল

হাঁপানি পত্রমাত্র নিয়ে প্রকাশ করা গেল।

এই ঔষধের বিশেষ গুণ এই যে, হাঁপানির

প্রবল অবস্থায় অর্থাৎ যে সময়ে নিশ্বাস

প্রবাসের টান হইয়া ভয়ানক বর্ণনা হয়,

সেই সময়ে ২৩ বার খাইলে, তৎক্ষণাৎ

আরোগ্য তর এবং নিয়মিতরূপে কিছু দিন

সেবন-করিলে নিশ্বাস হয়। আমি হাঁপানির

চাকার মবাব সাহেবের কাহিনী ডাক্তার

চিলাঙ্গী। প্রায় ২৫ বৎসরকাল উক্ত মহা

প্রাকটিক করি, কিন্তু ২৫ বৎসরের মধ্যে

আমার হাতে বতগুলি হাঁপানি রোগী

পড়িয়াছিল, সকলকেই এই ঔষধে আরোগ্য

করিয়াছি। সাধারণের হিতার্থে প্রস্তুতি

এই মহৌষধী পেটেট করিলাম।

ভাঙ্গদেলের রাজা রাজেন্দ্রনারায়ণ রায়

বাহাদুর আমাকে এই ঔষধ সবচেয়ে বেশ

লিখিয়াছেন, নিয়ে প্রকাশ করিলাম;—

JOYDEBPORE,

The 17th August 1893.

MY DEAR KEDAR BABU,

Will you kindly send me 6 bottles of your "Asthma Specific" as early as possibly you can. I am thankful to say it has done my Ranees much good and I hope that if she continues using it she will recover.

Yours very truly,

RAJENDRO NARAIN ROY.

জেনা খুলার অস্ত্রাগত রাজা স্বীচাণ্ডভূষণ রায় মহাশয় সিকে ঔষধ সেবন করিয়া আমাকে পত্র লিখিয়াছেন ;—

“আমি অত্যন্ত আফ্রাদেব সহিত আপনাকে লিখিতেছি যে আপনার হাঁপানির ঔষধ সেবন করিয়া আমি আশাভীত ফললাভ করিয়াছি এবং যে প্রকার সফলতা লাভ করিয়াছি তাহা আর লিখিয়া কি জানাটুকু, ভগবীশ্বর আপনাকে চিরজীবী করিয়া রাখুন কারণমূল্যবাক্যে এই প্রার্থনা করিতেছি।..... আপনার ঔষধ ব্যবহারের অগ্রে প্রায় সকল সময়েই হাঁপ হইত, প্রাতে উঠিয়া ডয়ানক হইত এমনকি দুই পা চলিতে ক্রেশবোধ হইত, কিন্তু আপনার ঔষধ সেবন করিতে চারি পাঁচ দিনে হাঁপ প্রায় সমস্ত কমিয়া গেল সামান্য একটু বোধ হয়।

এই সময়ে আমার অনেক প্রকার ভরদিক হাঁপ হইয়া উদ্বান শক্তি রহিত হইয়াছিল, সেও বিশেষ উপকার পাটয়াছে, বেশি কি, যে লোককে ঔষধ খাইবার পূর্বে পার্শ্ব পরিবর্তন করিতে সাহায্য করিতে হইত, সেই ছোক-এক শিশি মাত্র ঔষধ খাইয়া সে নিজে অসুস্থমান পাঁচ রসি হাঁটিয়া আসিয়া আমাকে বলিল যে “কতটা মহাশয় আমি বিশেষ উপকার পাটয়াছি হাঁপ আর বোধ হয় না, কাশিত অতি সামান্য আছে। আর একটি রোগী হাঁপানিরোগে একেবারে লম্বাগত ছিল—চারিদিন রাত্রি ঔষধ খাইয়া সঙ্কল্প শরীরে চলিয়া বেড়াইতেছে, যে হাঁপের শব্দ রাত্রে হইতে শুনা বাইত এখন বোধ হয় তাহার কোনকালে হাঁপ ছিল না।

মূল্য প্রতি শিশি ২২ টাকা, ডাকমাতুল বত্তর।

THE MOTHER'S MILK.

মাতৃদুগ্ধ।



অধুনা কলিকাতা মহানগরীতে ও অন্তান্ত স্থানে সচরাচর সাংবাদিক বক্তৃতায় পীড়িত বহুসংখ্যক শিশুর প্রাণ নষ্ট হইতেছে। এগুলি দেখা উচিত এষ্ট ভয়ানক পীড়ার কারণ কি? গোরালার রোতান হুৎ হুৎ একমাত্র কারণ, গাভীদুগ্ধ গ্রহণ হইলেও দুই চারিটা গাইয়ের দুগ্ধ একত্র করিয়া শিশুদিগকে খাওয়াইলে শিশুদিগের নানা প্রকার ব্যাধির উপস্থিত হয়। কলিকাতার শত করা পঞ্চালদে শিশু এষ্ট রোগে পীড়িত হইয়া মৃত হইতেছে; সেটুকু আমরা The Mother's Milk নামক এষ্ট

দ্রব্য প্রস্তুত করিলাম। পেটের দোষে পীড়িত শিশুদিগকে এষ্ট দ্রব্য খাওয়াইলে প্রত্যেক ফল লাভ্য হইবে, প্রমোদবরত রায় ব্যক্তিদিগের পক্ষেও এষ্ট দ্রব্য মহোপকারী, বেশি দেখা বহুলাংশে পরিচয়। ইহার মূল্য আত্মকালের গাভীদুগ্ধ অপেক্ষাও কম, কারণ একটু টানে হয় লাভ সেও চিহ্ন হুৎ প্রত্যুত হয়। প্রত্যেক দিনের মূল্য ৫০ আনা।

DR. K. N. GHOSH,

Durgachurn Mitter's Street, Dalampara, Calcutta.

MYCRODYNE

OR

YOUTH AGAIN

মাইক্রোডিন।

(ধাতুদৌর্বল্য ও নানাবিধ রোগের মহৌষধ।)

এই নবাবিস্কৃত ঔষধক অতি আশ্চর্য্য ও গুণ, ইহাতে একাধারে তিন প্রকার উপকার হইয়া থাকে। প্রথম—অতি উৎকৃষ্ট স্নায়ুসার জায় যত্ন পরিহার করিয়া দূষিত পীড়িত পরমাণুকে নষ্ট করিয়া নূতন সুস্থ রক্ত কণিকা উৎপাদন করে ও শরীরকে নূতন কণেবর প্রদান করে।



দ্বিতীয়—ক্ষয়জনক অল্প উত্তেজনার ক্ষুধাপাত, শ্রী মক-
বাসে অক্ষমতা প্রভৃতি রোগ সকলে এই ঔষধ বিশেষ
উপকারী। জামাদিগের নবাবিস্কৃত মাইক্রোডিন এক-
কালীন পুরাতন জীর্ণ রোগের পক্ষে মহৌষধি ও ধাতু-
দৌর্বল্যের প্রকাশ্য। শরীর কিছু সুস্থ থাকিলে ইহার
প্রত্যক্ষ ফল এই এক ঘণ্টার মধ্যে নিশ্চই অনুভব করা

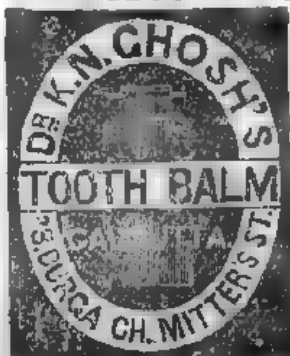
যাক। তৃতীয়—ইহা অতি উৎকৃষ্ট পুষ্টিকর টনিক্ ঔষধ, বাস্তবিক আপাততঃ যত প্রকার
টনিক্ প্রচলিত আছে, ইহার জায় উৎকৃষ্ট টনিক্ আর দেখা যায় না। ধাতুর দুর্ব-
লতা বশতঃ শরীরের বলহানি, অল্প পরিশ্রমেই ক্লান্ত হইয়া পড়া, প্রস্রাবের দোষ
অর্থাৎ কখন প্রস্রাবের বর্ণ সাদা, কখন লাল, কখন খড়ি গোলার মত, কখন কখন
দী দিন বাড়িক্রমে ৩-৪০ বা ততোধিকবার প্রস্রাব করা ইত্যাদি সম্পূর্ণ আরোগ্য
হয়। উদরানয়, অগ্নিমান্দ্য, অজীর্ণ, পুরাতনজ্বর, জীর্ণজ্বর, বিষমজ্বর, অস্বচ্ছন্দ্য, কাশ,
শ্বাস, হাঁশামি, বম্বা, মূত্রা, হিষ্টিরিয়া, মৃগীরোগ, বাস্তবিক বেদনা, খেত ও রক্তপ্রস্রাব
প্রভৃতি নানাবিধ জরারোগ, এই ঔষধে আরোগ্য হয়।

মূল্য প্রতি শিশি ২ টাকা, মাডল ১০ আনা। প্যারিস চার্জ রাখা যায় না।

THE TOOTH BALM.

দন্তশূলের চমৎকার ঔষধ।

দন্তশূলের যে অসহ্য কষ্ট একটু বেশি বয়স্ক বয়স্ক-
মাত্রেই জানেন এ ঔষধটীও তেমনি উপকারী ও অতি
ফলপ্রসূ। লাপাই বামাত্রই উপসম, বিশেষ বিবরণ
ব্যবস্থাপক্ষে লেখা গেল।



মূল্য প্রতি শিশি ১০ আনা, ডাকমাডল পৃথক।

28, Durgacharn Mitter's Street Durgapara, Calcutta.

THE BELOVED OF THE BARREN.

বক্ষ্য। বাঙ্কিব।

অসংখ্যক জনীলোকদিগের স্বাস্থ্য বিকৃতি জন্ত বক্ষ্য। যোষ কালে কখন কখন উপদংশ, পারা ইত্যাদি জনিত রক্ত দূষিত হইয়া মৃতবৎসা দোষ জন্মে, অনেক সময় কারণ নির্দিষ্ট না হইলেও বক্ষ্য। বা মৃতবৎসা দোষ দেখা যায়; যাহা হউক জরায়ুর বিকৃতি বা নিষ্ফলতা উভয়াদি বক্ষ্য। বা মৃতবৎসা দোষের বিশেষ কারণ। কখন কখন পুরুষদিগের পারদ, উপদংশ বা জননেত্রিরেব অপরিস্থিত সঞ্চালন জন্ত রায় সঞ্চল নিষ্ফল হইয়া অকালে সন্তান উৎপাদিকা শক্তির হ্রাসতা জন্মায়। ইতরাই পুরুষ বক্ষ্য।। আশাদিগের এই ঔষধ সকল অবস্থাতেই মহোপকারী, উভয় জনী পুরুষে একত্রে কিছু দিন এই ঔষধ সেবন করিলে জনপত্য ব্যক্তির পুত্রমুখ দেখিয়া পরম আনন্দিত হইবেন।



মূল্য প্রতি শিশি ২২ টাই টাকায়।

ডাক্তার ক্রীকেনারনাথ ঘোষ,

২৮ নং হুগাচরন স্ট্রিট, বঙ্গীপাড়া, কলিকতা।

THE DYSENTERY CHARM.

রক্ত আমাশয়ের মন্ত্রপুতঃ ঔষধ।

রক্ত আমাশয়ের এইস চমৎকার ঔষধ পৃথিবীতে আর দ্বিতীয় দেখা যায় না। বাস্তবিক হই এক মাত্রা সেবন করিলেই এই বাৎসাতিক পাঁড়ার মূৰোচ্ছেদন হইবে, এমন আশু উপকার আর কোন ঔষধে দেখা যায় না, ঔষধ ডাকিলে উত্তর দেয় যদি কোনসঙ্গে, ত্রিক হয় সে এই ঔষধ সহজে, মস্ত্রে না তেজীতে বেরণ অসম্ভব কষ্টের একেবারে উপশম হয় এই ঔষধেও সেইরূপ। সেটকই ইহার নাম "রক্ত আমাশয়ের মন্ত্রপুতঃ ঔষধ" দেওয়া গিয়াছে।

মূল্য এক বাস এক টাকায়।

Dr. K. N. Ghosh,

28, Dugachurn Mitter's Street,

Duggespara, Calcutta.



THE IMPROVED SYRUP SARSA.

উন্নত সীরাপ সালসা।

এই সালসা নীচ প্রদত্ত সকল রক্তে ও সকল অবস্থার সেবন করা যায় এবং
খাইবার সময় পুর্বে সালসা খাইবার নিয়মিত ব্যথা থাকিতে
হয় না। ইচ্ছানুসারে রান আহার, বিহার ও কাজকর্ম করিতে
পারায় যায়।



আজ পর্য্যন্ত যে সব সালসা চাইতে, তাহার মধ্যে
একটাও প্রকৃত উপকারী সালসা দেখিতে পাওয়া যায় না।
কারণ বর্তমানে যে সমুদায় সালসা প্রচলিত আছে, তাহা-
বারা দূষিত রক্ত পরিষ্কার হয় বটে, কিন্তু বিড়ক রক্ত বৃদ্ধি
করিয়া শরীরকে সবল করিতে দেখা যায় না। রোগীর
সবলার্থে কেবল টিসুর পরিবর্তনে বিশেষ কার্য হয় না।
নূতন রক্ত টিসুর বর্জন হওয়া আবশ্যিক। শরীরের শোণিত
পরিষ্কৃত হইলে হৃদয় রক্তের একেবারে অল্প পর-
মাণু পরিবর্তিত ও সুস্থ পরমাণুর পরিবর্তিত হওয়া আবশ্যিক।
আমাদিগের এই উন্নত সীরাপ সালসাতে এই তিনটি ভগ্নই
আছে। সেইজন্য ইহার নম্ন “উন্নত সীরাপ সালসা” দেওয়া
গেল। আমাদিগের এই উন্নত সীরাপ সালসা প্রকৃতরূপে রক্ত পরিষ্কারক বলিয়া
সকল প্রকার পুরাতন রোগের মহৌষধি। পান্দু, উপদংশ ইত্যাদিতে বহুলাংশ
দূষিত করে সেইরূপ যক্ষ্মা, গণ্ডমালা, ক্যান্সার ইত্যাদি সাংঘাতিক রোগের
ব্যক্তিরোগের ও তাহাদিগের সম্ভাব্য সঙ্কতিগণেরও এই সকল সাংঘাতিক রোগ অল্প
রক্ত সম্পূর্ণরূপে দূষিত। স্বাভাবিক অধুনা রিজানবিৎ পণ্ডিত ডাক্তারেরা স্থির
করিয়াছেন যে যক্ষ্মা, গণ্ডমালা, ক্যান্সার ইত্যাদি রোগ শরীরের স্থান বিশেষে
প্রকাশ পায় বটে, কিন্তু প্রকৃত এই সকল রক্তের রোগ স্থানীয় রোগ নয় অতএব
সালসা তাহার একমাত্র ফলদায়িনী ঔষধ। আর সীরাপ সালসা বহুলাংশ রক্তের
সহিত মিশ্রিত হয়, সালসা অল্প আকারে মেলগ হয় না বলিয়া আমাদিগের সালসা
সীরাপ সালসা করা হইয়াছে।

মূল্য প্রতি শিলি ১০, বাতল ১০০।

ডাক্তার স্নিকেন্দারনাথ ঘোষ,

৮ নং হর্গাটরগ মিডেল ইন্ট, দক্ষিণাঙ্গী, কলিকাতা।

DR. D. CHESTERFIELD'S MALA RODDYNE.

ম্যালেরোডাইন।

২৪ ঘণ্টার মধ্যে জ্বর আরাম।

নবজ্বর, পীহাজ্বর, জীর্ণজ্বর, ম্যালেরিয়া রিমি-
টেণ্টাফিভার, শিত্তশ্লেষ্মাবিকার, বাতশ্লেষ্মাবিকার,
ইত্যাদি যতপ্রকার জ্বর আছে ২৪ ঘণ্টার মধ্যে
আরোগ্য হইবে।

মূল্য—চোট শিশি ১০ আনা, বড় শিশি ১৫ টাকা।

28, Durgachurn Mitter's Street, Durzeepara, Calcutta.

THE CHOLERA KILLER.

ওলাউঠার নূতন ঔষধ।



ইহা প্রকৃত প্রস্তাবে ওলাউঠার একটা নূতন ঔষধ।

এই ঔষধে ওলাউঠা বত সাংঘাতিক হউক না কেন, অতি
সহজে ও অতি অল্প সময়ের মধ্যে আরোগ্য হয়। ব্যবহা-
পক্ষে ইহার বিস্তারিত বিবরণ লেখা গেল।

মূল্য প্রতি কোটা ১০ আনা, ডাকমাণ্ডল পৃথক।

ডাক্তার ক্রীকেন্দারনাথ ঘোষ,

২৮ নং দুর্গাচরণ মিট্টার স্ট্রীট, দুর্জিগড়, কলিকাতা।

THE HEALING OINTMENT.

শ্রুতকো মলম।



ইহাতে গরমীর ঘা, ঘুরঘুরে ঘা, দাউদ, কাউর, চসি-
পোকা, খোস, নালি বা ইত্যাদি যত প্রকার দূষিত
ঘা আছে ইহাতে আরোগ্য হয়। এমন কি কৃষ্ঠ রোগের
ঘা পড়িলে এই মলমে ওষাৎ, বিস্তারিত বিবরণ ব্যবহা-
পক্ষে লেখা গেল।

প্রতি কোটা ১ টাকা, ডাকমাণ্ডল পৃথক।

28, Durgachurn Mitter's Street,

Durzeepara, Calcutta.

DR. ROBINSON'S PANCREATIC POWDER.

(অল্পপিত্ত রোগের অমোঘ ঔষধ ।)



(ডাক্তার রবিন্সন নিজে বালককাল হইতে এই রোগে বিস্তর কষ্ট ভোগ করেন পলে একটি বড়দশী ডাক্তারের পরামর্শে এই ঔষধটি সেবন করিয়া একেবারে আরোগ্য হন বলিয়া ইহাকে প্লেটেন্ট করিয়াছেন।)

অল্পপিত্ত রোগ কি অসহ্য যন্ত্রণাদায়ক ! ইহার যত্না সহ করিতে না পারিয়া বিস্তর লোক আত্মহত্যা করে। ইহার প্রধান প্রধান লক্ষণ :—ইহাতে অগ্নিমান্দ্য, সম্রাই বমনেচ্ছা, বৃকঙ্কাল, পেটকোলা, মস্তকের পীড়া, শির ঘূর্ণন, হৃদপিণ্ডে সময়ে সময়ে একরূপ অসহ্য ধক ধড়ী যেন শ্বাস বন্ধ হইয়া আইসে, আহনীয় দ্রব্য আহায়ে অব্য-

বহিত পরেই বমন হইয়া যায়, অথবা বমন না হইলে এত কষ্ট হয় যে রোগী যে কোন উপায়ে তটুক আহারিত দ্রব্য বমন না করিলে স্তম্ভিত হইতে পারে না, অল্পপিত্তজনিত পাকস্থলীতে অসহ্য বেদনা হয়, যাহাকে অল্পশূল বলে, এই বেদমা কখন কখন সাহার করিলে ক্ষণিক নিবারণ হয়, আবার কোন সময় আহারে দ্বিগুণ বৃদ্ধি হয় ;—অল্পরোগে কখন কোষ্ঠবদ্ধ, কখন ওলাউঠার দ্বারা দমকা পাতলা বাহ্যে হয়। ইহার বিচিত্র গতি ! ইনি পাকস্থলীকে এক অবস্থায় রাখেন না। অল্পরোগে অধিক দিন থাকিলে লোকের মস্তিষ্কষ্ট হয় ;—শ্রবণ ক্রিয় হ্রাস হইয়া, চক্ষুর জ্যোতির অল্পতা হয়, শ্রীলোকদিগের শ্বাসের বিকৃতি জন্মে। বাস্তবিক অনেক বাধক বেদনা পাকস্থলীর বিকৃতির সঞ্চিত সংশ্লিষ্ট। প্রবল অল্পপিত্ত রোগে অকালে শ্রীলোকের শ্বাস বন্ধ হওয়াতে চক্ষুর ও মস্তকের গুরুতর রোগ জন্মে ;—চক্ষে ছানি পড়ে, শব্দে বৃহান ইত্যাদি বায়ু বৃদ্ধির রোগ হয়। পুরুষদিগের ও বায়ু বৃদ্ধি রোগ পাকস্থলি হইতে উৎপত্তি। পরিপাক সম্পূর্ণরূপ হইলে বায়ু বৃদ্ধি রোগ শরীরে স্থান পায় না। যাহাদের পাকস্থলীর কোন না কোন পীড়া আছে পরিপাক প্রচুররূপ হয় না, তাহাদিগেরই বায়ু বৃদ্ধি রোগ। যাহা হউক, এই ঔষধটি অল্পরোগের একটি চমৎকার ঔষধ, ইহাতে অসহ্য যন্ত্রণা আশু নিবারণ হয় ও কিছুদিন নিয়মিত সেবন করিলে অল্পরোগের মূদোৎপাতন হইয়া দেহ সম্পূর্ণরূপ সুস্থ হয়। মূল্য প্রতি কোটা ১০০ দেড় টাকা।

একমাত্র এজেন্ট ডাক্তার শ্রীকেদারনাথ ঘোষ,

১৮ নং হুগাচরণ সিক্কর স্ট্রিট, দক্ষিণাড়া, কলিকাতা।

সেন্টোনাইন।

শিশুদিগের কুমির রক্ত প্রায়ই সর্বাঙ্গ এক প্রকৃতির এক বকম আকারে সেন্টোনাইন



বা ওয়াইতে হয়; এমন যোগ্যরস
ঔষধ খাওয়াইলে কুমি নির্গত হয়
বটে কিন্তু ডাক্তার পর বিশেষ অত্যা-
কার হয়, গাঁহাটীতে সেন্টোনাইনের
গরম ঘোষ ও একবার সেন্টোনাইন
খাওয়াইলে পরে বিরেচক দেওয়ার
আবশ্যকতা নিবারণ কল্প আসে।
একটি Opening Santonine নামক
কুমির ঔষধ প্রস্তুত করিয়াছি।
ইহাতে জোলাপ দিবার আবশ্যক নাই
ও এট ঔষধ খাওয়াইলে বাহ্যে রক্ত ও
কুমি নির্গত হয়।

মূল্য প্রতি কোটা ১০ আনা মাত্র, ডাকঘাটের পুণক।

Dr. K. N. GHOSH,

28, Durgachurn Mitter's Street, Durgachurn, Calcutta.

THE TOOTH POWDER.

দন্ত পরিষ্কারক চূর্ণ।

দন্তচূর্ণের বিজ্ঞাপনের আদ্যকাল ছড়াছড়ী। বাস্তবিক দন্তচূর্ণের বিজ্ঞাপন প্রত্যাহ



রাস্তায় রাস্তায় গড়াগড়ী মাইতেছে।
দাদের ঔষধ ও দন্তচূর্ণের একপানি
না একখানি কেরসিনের টিনের উপর
সাইনবোর্ড লেখা প্রত্যেক বেনের
পোকানে ও বণিকারীর দোকানে
ঝুলিতেছে। এস্থলে আবাদিগের
এই দন্তচূর্ণের বিজ্ঞাপিত বিজ্ঞাপন
লেখা চম্বিত চম্বণ করা অথবা
ভেড়ার শিংগে কেলে হীরার দাঁত
জাল মাত্র। অতএব সে দন্তচূর্ণ বেশি
লেখার প্রযুক্তি নাই। সংক্ষেপে বলা

আবশ্যক যে আবাদিগের দন্ত পরিষ্কারক চূর্ণ দিয়া প্রত্যাহ একবার কি দুইবার দন্ত
পরিষ্কার করিলে মুখের চূর্ণক, দাঁতের গোড়া ফোলা, দাঁতের গোড়ায় ব্যা, দাঁতের
গোড়া হটতে পুঁথ নির্গত হওয়া, অকালে দাঁত নষ্ট হওয়া নিবারণ হয়। ইচ্ছা হয়
একবার পরীক্ষা করিয়া দেখিতে পারেন। মূল্য প্রতি কোটা ১০ আনা, ডাকঘাটের পুণক।

Dr. K. N. GHOSH,

28, Durgachurn Mitter's Street, Durgachurn, Calcutta.



৫ নং গুলু ওস্তাগরের লেন, দর্জিপাড়া, কলিকাতা।

কো-অপারেটিভ সালসা

উনবিংশ শতাব্দীর অদ্ভুত আবিষ্কার।

REGISTERED.

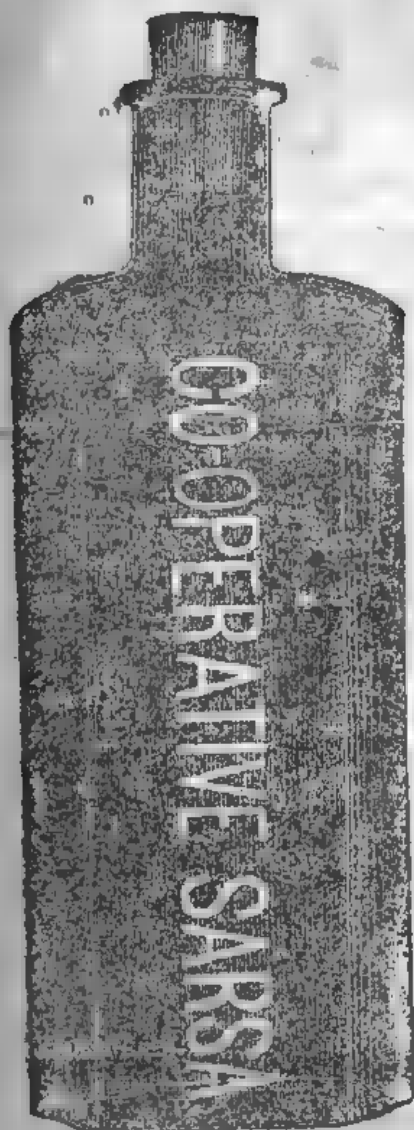


রেজিস্ট্রী করা।

স্বাস্থ্যকাল কলিকাতা সহরে ভয়ানক জ্বাচুরি ও নকলের দ্বারা মধ্যবিত্তেরা বিবাহ ব্যক্তিগণের সঙ্গে কোন্ট্রী আসল, কোন্ট্রী নকল, তাহা ঠিক করিয়া লওয়া হকটন। জ্বাচুরি আসল ওষধের নাম করিয়া যা তা দিয়া অল্প ব্যক্তিগণকে ঠকাইয়া থাকে। ঐরূপ জ্বাচুরি দমনের জন্য আমরা ১৮৯৩ সালের ১১ই ফেব্রুয়ারি তারিখে গবর্ণমেন্টের নিকট হইতে এই “কো-অপারেটিভ সালসা” রীতিতে রেজিস্ট্রী করিয়া লইয়াছি। এই সালসা ক্রয় করিবার সময় শিশির দ্বারা লেবেলের উপর ইংরাজীতে “এইচ. ডি. এম.” এই তিনটি অক্ষরের হস্তাক্ষর মনোগ্রাম ও মনোগ্রামের উপরে ইংরাজীতে “কো-অপারেটিভ সালসা” এবং নিম্নে ট্রেড মার্ক এই নামের কথা দেখিয়া লইবেন এবং শিশির দ্বারা “এচ. ডি. এম. এণ্ড কোম্পানির কো-অপারেটিভ সালসা” বলিয়া ইংরাজীতে বোলা থাকিবে। তত্ত্বের অন্য শিশির উৎপন্ন নকল জানিবে।

এই সালসা পীত গ্রীষ্ম বর্ষা সকল ঋতুতে ও সকল অবস্থায় সেবন করা যায় এবং খাইবার কোন বাধা নাই, ইচ্ছানুরূপ স্নান, আহার বিহারে কাল ক্রম করিতে পারিবেন। আমরা সাহস করিয়া বলিতে পারি, “স্বাস্থ্যকাল কলিকাতা যে সকল সালসা বিক্রীত হইতেছে, কি দোষী, কি বিলাতি এই সালসা সর্বোপেক্ষ উৎকৃষ্ট ও বলকারক। কারণ ইহা সম্পূর্ণ নূতন উপাদানে প্রস্তুত, ইহাতে যে সকল দ্রব্য আছে, তাহা অত্যন্ত সালসায় নাই। এমন কি, অনেকে তাহার নাম ও গুণ পর্যন্ত অদ্যাবধি জানেন না। সাময়িক সংযোগে কোন্ট্রী আসল কি ওষধ, তাহা অনেক চিকিৎসকও অনভিজ্ঞ। ইহাতে পারা কিবা কোন অপকারক পদার্থ নাই।

সালসার গুণ কি?



দূষিত রক্তকে পরিষ্কার করিয়া বাতাসিক অবস্থা করাই সালসার গুণ অর্থাৎ সাবাস। শরীরই পীড়িত (পরমাণু) সকলকে সহ টিহুতে পরিণত করে অর্থাৎ অশরীরকে সহ করে। এই অস্ত্র রক্ত পরিষ্কারক ঔষধ সকলে মধ্যে সালসার সর্বাপেক্ষা উৎকৃষ্ট ঔষধ।

কো-অপারেটীভ সালসার গুণ কি?

আমরা পর্ষ্যন্ত যে সমস্ত সালসার বাহির হইয়াছে, তাহা মধ্যে একটীও প্রকৃত উপকারী সালসার দেখিতে পাওয়া যায় না। কারণ বর্তমানে যে সমস্ত সালসার প্রচলিত আছে, তাহারা দূষিত রক্ত পরিষ্কার হয় বটে, কিন্তু বিকৃত রক্ত বৃদ্ধি করিয়া শরীরকে সবল করিতে দেখা যায় না। রোগী সম্বলার্থে কেবল টিহুর (পরমাণুর) পরিবর্তনে বিশেষ কাহইবার সম্ভাবনা নাই। নূতন সহ পরমাণুর বর্ধন হও আবশ্যক। কিন্তু আমাদিগের এই সালসার দুইটা প্রকৃষ্ট গুণই আছে। ইহা সহ সহ টিহুর (পরমাণুর) সহ ক্রিয়া নূতন সহ পরমাণুর সমষ্টি বর্ধন করে। অর্থাৎ ইহা দূষিত রক্তকে পরিষ্কার করিয়া সহ রক্তকে বৃদ্ধি করিয়া শরীরে বলবান করে। এক সময়ে এই উভয় প্রকার কার্য ক বলিয়া ইহা অস্ত্র সালসার অপেক্ষা উৎকৃষ্ট এবং তৎসম ইহা নাম "কো-অপারেটীভ সালসার" প্রদত্ত হইয়াছে। ইহা সমস্ত প্রকার পুরাতন রোগের একটা অব্যর্থ মহৌষধ। সাধারণ নিকট আর্ধনা, সকলে এক একবার পরীক্ষা করিয়া দেখ ইহা অস্ত্র সালসার অপেক্ষা উপকারী ও নূতন কি না?

অন্যান্য সালসার ও এই সালসার প্রভেদ কি?

১ম। প্রধানতঃ ইহাতে শরীরের রক্ত পরিষ্কার হইয়া বিকৃত রক্তই মানুষের জীবন ধারণের প্রধান উপায় ও বাহ্যের একমাত্র সহজ। "কো-অপারেটীভ সালসার" শরীরে দূষিত রক্তকে পরিষ্কার করিয়া নূতন রক্তকণিকা সহ

উৎপাদন করে, শরীরকে হটপুটে ও অলিষ্ট করে, বর্ণ পরিষ্কার করে, ক্ষুধা বৃদ্ধি করে, কোষ্ঠ পরিষ্কার রাখে শরীর বহিঃ ও মাংসযুক্ত হয়, দুর্বলকে সবল করে, কৃশ ব্যক্তিকে স্থলকার্য করে, শরীরের হাড় মোটা পড়ায়; বালকদিগকে নিয়মিত বাওয়াইলে কোন রোগ থাকে না, এবং শরীর-নীচ পীড় ব্যক্তিভেদে ধাতু জীলোকে সেবন করিলে ঘোবনের সমস্ত অঙ্গই ক্রিয়শীল হটপুটে ও সহৃৎ হয়। শরীরে বোল ও নিটোল হয় যঃ পোলাপী বা হুঁধে আলতার জ্বর হয়। গাঃ হল, বক্ষঃ হল ও নিতম্ব পুঙ্খ ও মাংসযুক্ত হয়।

২য়। শরীর হইতে পান্না নির্গত করিতে "কো-অপারেটীভ সালসার" জ্বার আর দ্বিতীয় ঔষধ নহি। পান্না নানা প্রকার বা, পায়ে ঢাকা ঢাকা পান্না কোটা, গরুরিখা, বাউ, বাগী, নালি যা, শোব খোব, পাচড়, দার, হুঁধি, তুলহুনি, হুঁধুড়ি প্রভৃতি সকল প্রকার চর্মরোগ "কো-অপারেটীভ" সালসার প্রদোষ হয়।

৩৭। সকল প্রকার বাতরোগ, হাত পায়ে পীঠের কনকনানি ও কোলা, কোমরের বেদনা, ঝিক বেদনা, বুকের বেদনা প্রভৃতি ইহাতে আরোগ্য হয়। এই সালসা পুরাতন বাতরোগের অব্যর্থ মহৌষধ।

৩৮। মস্তকের বাবতীর পীড়া, মাথা ঘরা, মাথাঘোরা, আদকপানী, চক্ষুর নিস্তেজতা, কর্ণের পীড়া, কাণের ভিতর কটু কটু করা, প্রভৃতি বাবতীর শিরঃপীড়া কো-অপারেটীভ সালসার আরোগ্য হয়।

৩৯। শাস্ত্রের দ্রব্বলতা জনিত যে সকল পীড়া হয়, এই সালসার তৎসমস্ত আরোগ্য হয়। অতিশয় চিন্তা বা অধারনাদি অত্যধিক মানসিক পরিশ্রম দ্বারা যুগ্মদের মস্তিষ্ক দ্রব্বল হইয়াছে, “কো-অপারেটীভ” সালসা তাহাদিগের পরম মুল্য। ইহাতে ধারণাশক্তি ও বুদ্ধিবৃত্তি তীব্র হয়, মানসিক অক্লমতা ও দায়বিক উত্তেজনা বৃদ্ধি করে। ফলতঃ ইহার দ্বারা দায়বীর বলকারক ঔষধ আর নাই।

৪০। পুরাতন প্রমেহ রোগ বাহা বহকাল ঔষধ সেবনেও নির্দোষ হয় নাই, এই কো-অপারেটীভ সালসার উক্ত প্রমেহ আরোগ্য হইবে। এতদ্বির গুণের তরলতা, কীণগুণ, ইন্ড্রির শিথিলতা, শূণ্যদোষ, বহুদুঃখ, যুগ্মক্লম, মধুমেহ, তাহাতেও এই সালসা বিশেষ ফলপ্রসূ।

৪১। বক্ষঃস্থলের সকল প্রকার পীড়া, যথা—বুকে মর্দি বসিয়া বক্ষঃস্থল ঘড়ঘড় করা, বুকে বেদনা হওয়া, হীপানি, ফণ, কানী, বালকদিগের হৃৎকক প্রভৃতি ইহা দ্বারা আরোগ্য হয়।

৪২। এই সালসা স্বল্পমূল্য ব্যক্তিদ্বিগের বিশেষ উপকারী। ইহা দ্বারা রতিশক্তি বৃদ্ধি ও অপরিমিত বীর্য উৎপন্ন হয় এবং বৃদ্ধ ব্যক্তি বুবার ক্ষার কার্যকর হয়।

৪৩। স্ত্রীলোকদিগের বাধক বেদনা, শুভ্র পরিষ্কার না হওয়া, কিম্বা বতুর দোষ থাকিলে এই সালসার আরোগ্য হইবে। এবং হিষ্টিরিয়া, মুচ্ছা, প্রভৃতি রোগ সকলেও এই কো-অপারেটীভ সালসা উপকারী।

৪৪। পিতামাতার পারার মোহকন্ত সন্তানের দ্বায়েও পারার দ্বা বাহির হয়, অতএব ঐরূপ বালক বালিকাদিগের পক্ষে এই সালসা প্রত্যক্ষ ফলদায়ক। অর্শের পীড়া থাকিলে এবং অজ্ঞাত ধাতুদোষীরা রোগেও এই সালসা বিশেষ উপকারী।

৪৫। এই “কো-অপারেটীভ” সালসার উপদংশ-বিষ সমুলে বিনষ্ট হয়। উপদংশ-বিষ হইতে ঐরূপ দ্রুতকিঞ্চিৎ ব্যাধি নাই বাহা হয় না। এমন কি, সর্বপ্রধান ব্যাধি বৃষ্ট পর্য্যন্ত উপদংশ-বিষ হইতেই উৎপন্ন হয়। আমরা পরীক্ষা করিয়া দেখিয়াছি, কুষ্ঠের প্রবৃত্তি হৃৎককান্তে এই সালসা কিছু দীর্ঘকাল ব্যবহার করিলে শরীরের দ্রুতিগত সকল দুরীভূত হইয়া স্বাভাবিক অবস্থায় হয়।

৪৬। উপদংশজনিত রক্ত দ্রুতি হইলে অনেক পুরুষের শুক্রের ভেজ থাকে না এবং ঐ শুক্রের সম্ভাব্য স্ফোদিকা শক্তিও হ্রাস হয়। ঐ সকল পুরুষ বীর স্ত্রীকে বক্ষা মনে করিয়া থাকেন। অনেক সম্ভাব্য না হওয়ার দুই বা ততোধিক বিবাহ করেন। কিন্তু ঐরূপ পুরুষ বতই বিবাহ করুন না, বতদিন শুক্রের দোষ থাকিলে, কিছুতেই সম্ভাব্য উৎপন্ন হইবে না। সেই সকল বক্ষা পুরুষগণের পক্ষে এই “কো-অপারেটীভ” সালসা পরম মুল্য। কিছুদিন সেবন করিলে শুক্রের উপদংশজনিত দোষ বিনষ্ট হইয়া প্রকৃতপক্ষে কন্যার সম্ভাব্য হয়।

অধিক কি, “কো-অপারেটীভ” সালসা সেবন করিলে, গলুয়া বলবান, কাণ্ডিবিপ্লিষ্ট, স্বল্পকাম ও হৃষ্টগুণ হইয়া থাকে। চিরক্লম, দ্রব্বল ও ক্লম ব্যক্তিদ্বিগের এবং সকলপ্রকার পুরাতন রোগের ইহা মহৌষধ।

মূল্য প্রতি শিশি : ১- বেড় টাকা, মক্ষঃস্থল ডাকমাণ্ডল ১- আনা। ডজন বা ১২ শিশির মূল্য ১০ টাকা, প্যাকিং ১- আনা, মাণ্ডল ৩। অর্ধ ডজন ৬ টাকা, প্যাকিং ১- আনা, ডাকমাণ্ডল ১০ টাকা। শিশি ডজন ৪০ আনা, প্যাকিং ১০ আনা, ডাকমাণ্ডল ১০ টাকা। ড্যানুপেয়েবলে ৮- বোতী লাগে।

এক ডজন কিম্বা অর্ধ ডজন সালসা ডাকে লইলে মাণ্ডল বেশী পড়ে। কিন্তু রেলওয়ে পার্শ্বেরে কিম্বা রেলওয়ে সংক্রান্ত টীমারে লইলে মাণ্ডল অতি সামান্য লাগে। অতএব ঐ স্থানগুলিতে রেলওয়ে পার্শ্বেরে লইবার সুবিধা আছে, তাহারা অর্ধের পাঠাইবার সময় ট্রেনটির দায় উল্লেখ করিয়া পত্র লিখিবেন। আমরা রেল-স্টেশনে মাল পাঠাইয়া দিলে অক লেডিংখানি ড্যানুপেয়েবলে পাঠাইয়া দিব। রেলওয়ে পার্শ্বেরে উল্লেখ পাঠাইতে বলিলে অর্ধের সঙ্গে কিছু টাকা অগ্রির পাঠাইতে হইবে। নতুবা ঔষধ পাঠান যায় না।

সাবধান ! সাবধান !! সাবধান !!!

আমরা স্বর্গদেউ হইতে এই সালসা রীতিমত রেজিষ্টারী করিয়া লইয়াছি। যে কেহ আবাদিগের অজ্ঞানতায় এই সালসা বিক্রয় করিবেন, তিনি আইনানুসারে দণ্ডনীয় হইবেন। আমরা এই সালসার রিক্রাদিক দেখিয়া জুয়াচোরেরা মকল করিবার উপক্রম করিতেছে। অতএব যে কেহ এই সালসার মকল কলিয়া দিলে, তাহাকে যুগ্ম পুত্রকার দেওয়া হইবে।

এচ, ডি, এম্ এণ্ড কোং

মনার্ক পিল ।

(২৪ ঘণ্টার মধ্যে নবজ্বর আরোগ্য হইয়া থাকে) ।



এই ঔষধে মঙ্গলেরিয়া জ্বর, নূতন ও পুরাতন জ্বর, মর্দি, কালী, কব ও মেছামুক্ত জ্বর, মৌহা ও বকুৎসামুক্ত জ্বর, পালা জ্বর, জীর্ণ জ্বর, অজীর্ণ, অরিমান্য, হাত পা ফোলা, পাণ্ডু (বেগ), চন্দ্র হলুদের জ্বর হওয়া প্রভৃতি উপসর্গ বিশিষ্ট জ্বর, অতিশীত, রক্তাতিশীত, শায় এবং কুইনাইনের আটকান জ্বর নিশ্চয় আরোগ্য হইয়া থাকে। একদিন তিনটি মাত্র বটিকা সেবন করিলে ঘেড়াপ জ্বর হউক না নিশ্চয় উপশম হইবে। মৌহা ও বকুৎস যত বেশী দিনের ও যত বড় হউক না, ইহা সেবনে নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। ইহা ঘূত, পাকস্থলী, মূত্রাশ্রি এবং অন্ত্রের জড়তা, উত্তপ্ততা এবং দুর্বলতা সম্পূর্ণরূপে নষ্ট করে। দূষিত জলবায়ু, অতিরিক্ত পরিভ্রম এবং অমিত পানভোজন দ্বারা শাশুরুলের দৌর্বল্য বা পীড়া হইলে-

ইহাতে অগ্নিদগ্ধে আরোগ্য হয়। ইহার বলকারিতা, শক্তি থাকায় অত্যন্ত দুর্বল অবস্থার এবং দুই শরীরেও সেবন করা যায়। ইহাতে কোন প্রকার বিযাক্ত প্রণা নাই, একারণ মনুষ্য জ্বরে, বিষারে, সুস্থদেহে, কলাতঃ সকল সময়ে সেবন করিতে পারেন এবং এই ঔষধ খাইলেও কোন কষ্ট নাই। রোগান্তে কিছুদিন ব্যবহার করিলে ইহা উম্মির কাণ্ড করে অর্থাৎ শরীরের রক্ত বৃদ্ধি করিয়া শরীরকে বলবান করে।

বড় কোটার মূল্য ১০ টাকা, ডজন নয় টাকা, ৬ কোটা ৫ টাকা। ছোট কোটার মূল্য ১০ আনা, ডজন পাঁচ টাকা, ৬ কোটা ২০ টাকা। বাতুল এক খোঁটা হইতে ৬ কোটা পর্যন্ত ১০।



শিরঃশূলনাশিনী তৈল ।

এই তৈল তিনদিন মাত্র ব্যবহার করিলে ঘেড়াপ শিরঃপীড়া হউক না, নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। ইহাতে বস্তক বেদনা, মাথা, তুলিতে না পারা, আমকপালী, মাথার ভিতর দপ্ দপ্ করা, মাথা ঘোরা, কর্ণে, শুনিতে না পাওয়া, কর্ণের যন্ত্রণা, কর্ণশূল, অন্ধকার দর্শন, অর্থাৎ চক্ষে ধোয়ার মতন দেখা, ইত্যেব কনকনানি ও হস্তশূল নিবারণ হয় এবং মাথার চুল বৃদ্ধি হয়, চুলের অকালপকতা নষ্ট হয়, চুলের গোড়া শক্ত হয়, দৃষ্টিশক্তি ও চক্ষুর জ্যোতিঃ বৃদ্ধি হয়। তন্নিমিত্ত উর্দ্ধগণ্ডা, মুখ, নাসিকা ও চন্দ্র দিয়া জলপড়া, চক্ষে পিচুটি পড়া প্রভৃতি আরোগ্য হইয়া থাকে। মূল্য এক শিশি তৈল এবং এক বস্তা-হের ঔষধ ১০০ ফেড় টাকা বাতুল ১০ আনা। ডি: পি: কমিশন ১০ আনা।

অঙ্গরোগের মহৌষধ ।

এই ঔষধে অঙ্গকর্ষক গলা ছালা করা, বুঝ ছালা করা, পেট ছালা করা, অঙ্গল চেষ্টুর গঠা, আহায়ে অনিচ্ছা, বনকা পেটনাশান, অঙ্গশূল, অজীর্ণ, পেটের ভিতরে ঘুটঘুট করা, পেট ভাকা, পেট কাপা, অরিমান্য, আহায়ে যাত্রে বসি হওয়া প্রভৃতি নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। মূল্য প্রতি কোটা ১০ টাকা, ডাকঘাতল ১০ আনা। অ্যাকুপারেল কমিশন ১০ আনা। মোট ১০০।

কলেরা ক্যান্ফর ।

ওলাউরা রোগের অব্যর্থ মহৌষধ । এই ঔষধ সেবনে অসংখ্য ব্যক্তি ওলাউরার কবল তবল হইতে মুক্তিলাভ করিয়াছেন । তেজ বহি বখি। রোগীর আলস মুত্ৰা উপহিত হইলেও এই ঔষধের আশ্রয় লইয়া রক্ষা হইয়া থাকে । শরীর ব্যাধির মন্দির বজ্রগ, কখন কি হয় বলা যায় না, তৎক্ষণাত্ প্রত্যেক গৃহস্থের এই মহৌষধকারী ঔষধ নিত্য প্রয়োজনীয় প্রবোধ দ্বারা সদা সজ্জা হইতে যত্ন রাখা কর্তব্য । কারণ ওলাউরা যেমন ভয়ানক রোগ, তাহাতে মৃত্যুও হইতে ডাক্তার আনিয়া চিকিৎসা করিবার সময় থাকে না । মৃত্যু হলে একপ হার আছে, যেখানে ১৭ সোদ না পেলে ডাক্তার করিবার পাওনা হয় না । সুতরাং সেজন্য হলে ডাক্তার আনিতে আনিতেই রোগীকে মৃত্যুব্রাত্রে পতিত হইতে হয় । কিন্তু এই মহৌষধ গৃহে থাকিলে চিকিৎসক ডাক্তারের প্রয়োজন হইবে না, ইহার আশ্রয় লইয়া নিশ্চয় আরোগ্য হইবে । মূল্য প্রতি শিশি ১০ আনা, মাওলা ১০ আনা, ডি. পিতে মইলে ৬/০ আনা ।

সুধানল বটিকা ।

এই ঔষধ সেবনে অসংখ্য অসুখ আহারে অনিচ্ছা, দুখী না হওয়া, হজম না হওয়া, পেট কঁপা, পেট ফুটকট করা প্রভৃতি সমস্তই আরোগ্য হইবে । ইহা ব্যাধি অল্প সময়ে হজম হইয়া পুষ্টির দ্বারা উন্নত হইবে, এমন কি, অতিরিজিত আহার করিলেও এই ঔষধের দ্বারা অনায়াসে পরিপাক হইবে । এবং বিন দিক কুখাবৃদ্ধি, কোষ্ঠ পরিষ্কার ও পরিপাক শক্তি বৃদ্ধি করিয়া পরীক্ষকে বিরোধ ও সন্দেহ করিবে । মূল্য প্রতি শিশি কোটা ১০ আনা, মাওলা ১০ আনা । একত্রে তিন কোটা মইলে ১০/০ আনা, মাওলা ১০/০ আনা ।

ওরাওয়ারফল হেমার ডাই ।

(অত্যন্ত চর্বা চুলের কলপ ।)

ইহা পাঁচা চুলে কাগাইবার জন্য ব্যবহৃত হইবে । একবার লাগাইলে অনেক দিন পর্যন্ত কোঁচ ফকর থাকে । মূল্য প্রতি শিশি এক টাকা, মাওলা ১০/০ আনা ।

হেরিজ সিরাপ ।

ইহা মার্শাল ডিবিজিটের প্রধান ঔষধ । মাত্রার প্রকরণভাবনায় কে বাতুলকীর্ণ, বাতুলকীর্ণ, বাতুল কবলতা, পুষ্কবহানি প্রভৃতি রোগ হইয়া থাকে, এই ঔষধ কিছুদিন সেবনে তৎসমস্ত আরোগ্য হয় । এবং সকল বৃক্ক বৃক্কের ব্যাধির অর্থাৎ বৃক্ক বড়ানু বড়ানু করা, বৃক্কের বেদনা, মন্দি, কান্দি, হাঁপানি, বম্বা বা অসুখের আর পরিভ্রমে কি অঙ্গ হোঁড়িয়া গেলে হয় আশা, হপিং কক প্রভৃতি সকল প্রকার চেষ্টা ডিবিজিট (বক্ক-ভ্রমের পীড়া) আরোগ্য হয় । কঙ্কনিবর অয়েল অপেক্ষা ইহার গুণ ও ক্রিয়া অধিক এবং দিবা যিট আশ্বাসন । বাসক হইতে বৃক্ক পর্যন্ত সকলেই চুক্তির সহিত বাইতে ইচ্ছা করিবেন । ইহা ব্যাধি কুখা ও পরিপাক শক্তি বৃদ্ধি পায় ও রক্তের নির্মাণ ক্রিয়া উন্নত হয় ।

তন্নির উন্নয়ন, রক্তাকতা, শিরোরোগ, গুটাকর, চক্ষুর বিচ্ছেদতা, ভ্রমবেহ, পার্শ্ববেদনা এবং শারীরিক ও মানসিক দুর্বলতা হ্রাস হয় । ইহাতে ব্যাধি শক্তি ও বুদ্ধিবৃত্তি তীব্র হয়, বন প্রকৃতি থাকে, যত্নে উন্নত হয় । হৃৎ উপহিত হয় । শারীরিক জড়তা, নির্জীব অবস্থা ও অসুখের ভাব হ্রাস হইয়া থাকে । এই ঔষধ হৃৎ, অস্থি, বাসক, বৃক্ক, বৃক্ক, প্রীলোক সকলেই সকল সময়ে ও সকল অবস্থায় সেবন করিতে পারিবেন । যে সকল পরমাণু ব্যাধি হাড় পতিত হইয়া পরীক্ষকে বন্দিষ্ট করে, এই ঔষধে তাহা প্রচুর পরিমাণে থাকায় সকল ব্যক্তিরই নিরবিত্ত রূপে সেবন করা কর্তব্য । বিশেষতঃ বাসকসিগকে বৈশেষ অবস্থা হইতে বাওরাইলে হাড় খোঁচা হইয়া কষ্ট পুটে ও বলিষ্ট করিবে এবং পরীক্ষের পূর্বে ক্রিয়ায় পূর্ণ বৃত্তি হইবে থাকিবে অর্থাৎ বন বনসের বাসককে পনের বনসের তর্য দেখাইবে । তন্নির হেমোরের পীড় উন্নয়ন সমস্ত যে হৃৎ, উন্নয়ন, মন্দি, কান্দি প্রভৃতি হয়, যে সময়ে এই ঔষধ সেবনে বনস পীড় বাহির হইয়া সকল পীড়া আরোগ্য হয় । মূল্য প্রতি শিশি পীড় মিটা, ডাকমাওলা আট আনা । একত্রে তিন শিশি মইলে পাড়ে তিন টাকা, ডাকমাওলা এক টাকা ।

কো-অপারেটীভ অয়েল ।

এই মহোপকারী তৈল ব্যবহারে হাত পা ভাল করা, চক্ষু ভাল করা, গাভ্রাঘা, চুলকনা, শিশুপ্রকোপ, গা মাটি মাটি করা, আলত, জীর্ণজন, বিষময়ন, যুগ্মপুণে ঘর, মাথাধরা, মাথাঘোরা প্রভৃতি নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। শরীরের রক্ত দূষিত হইয়া সর্পিলাক্বে যে চাকা চাকা দাগ বাহির হয় এবং আমবাত অর্থাৎ চুলকাইলে গায়ে ফুলিয়া উঠা প্রভৃতি সকল প্রকার রোগ শুদ্ধ এই তৈল মর্দনে আরোগ্য হয়। বাহ্যদের রক্ত ধারাপ হইয়াছে, তাহাদের পক্ষে এই তৈল বিশেষ উপকারী। তন্নির এই তৈলের আরও নান্যপ্রকার গুণ আছে। ইহা দ্বারা বহু ও পাকস্থলির ত্রিভা বর্জন করিবে অর্থাৎ পরিপাকশক্তি বৃদ্ধি করিবে, লিবারের আকৃশন বৃদ্ধি করিয়া দূষিত রক্তকে পরিষ্কার করিবে, শরীরের চর্ম মন্থ ও চিকণ হইয়া ফলের কোমলতা এবং মস্তিষ্কের শীতলতা ঃ দেহের সৌন্দর্য্য বৃদ্ধি করিবে। এতন্নির ইহার বিশেষ গুণ এই যে, ইহা মর্দনে ম্যালেরিয়া বিব বহুলে নির্মূল হইয়া থাকে। বাহ্যরা ম্যালেরিয়া করে সর্পিমা-বাতিবাত, এই তৈল কিছুদিন সর্পিলাক্বে মর্দন করিলে ম্যালেরিয়ার হত হইতে দৃষ্ট হয় ইহা পাইবে। ইহা মর্দনে আর কখন ম্যালেরিয়া হইবে না। সহস্র সহস্র লোক এই তৈল ব্যবহারে নানাবিধ জটিল রোগ হইতে আরোগ্য হইয়াছেন। মূল্য প্রতি পিপি ১ এক টাকা। বাতলাদি ১০ আনা।

দন্তরক্ষণ চূর্ণ ।

এই চূর্ণ দ্বারা প্রত্যহ দন্ত মার্জন করিলে দাঁতের গোড়া নক্ত হয় এবং দন্তহীন হইবার আশঙ্কা থাকে না। তন্নির দাঁতের গোড়া কোলা, দন্তপুল, দাঁতনড়া, দাঁতের গোড়া হইতে রক্তপূজাদি নির্গমন ইত্যাদি দোষ থাকিলেও আরোগ্য হয়। এই ঔষধ ব্যবহার করিলে মুখের দুর্গন্ধ নিবারিত হইয়া সঙ্গলক্ষিত হইবে। মূল্য প্রতি কোটা ১০, বাতল ১০ আনা। তিন কোটা একত্রে লইলে ১ টাকা, বাতল ১০।

এস্ট্রেন্স অয়েল ।

এই মহোপকারী তৈল ব্যবহারে স্ত্রী পুরুষ উভয়েই কেশের অকালপকতা, মাথার চুল উঠা, টাংগড়া প্রভৃতি দাবতীর কেশরোগ নিবারিত হয়। ইহা দ্বারা কেশ ঘোর কৃকর্ণ, চুলের গোড়া নক্ত, মন্থ ঃ কেশ বৃদ্ধি হইয়া থাকে। ইহা ব্যবহারে মস্তিষ্ক ও শীতল থাকে, এবং দাবতীর বাহুরোগ বিনষ্ট হয়। মাথাঘোরা, মস্তিষ্কের দুর্বলতা, মাথা গরম হওয়া, ঘনে ঘুর্ন্তি না থাকা, সর্পিলা বিষম ও অজ্ঞানবক্তাবে থাকা প্রভৃতি দাবুর দুর্বলতাবশতঃ যে সকল লক্ষণ ঘটে, এই তৈল দ্বারা তৎসমস্ত রোগ নিবারিত হয়। অপরিসীম শুভকর, অতিরিক্ত চিন্তা ও অধ্যয়নাদি মানসিক পরিশ্রম, হুঁরাপান ঃ রাত্রিভাগরণাদি দ্বারা বাহ্যদের মস্তিষ্ক হীনবল হইয়াছে এই তৈল তাহাদিগের পরম সুস্থ। তন্নির এই তৈল মর্দনে সুনিদ্রা হয়, উত্তম পোষিতকে শীতল করে ঃ ঘন প্রকৃতি থাকে। ইহা মনোহর সুসন্ধিবিশিষ্ট।

মূল্য প্রতি পিপি ১ এক টাকা, বাতলাদি ১০।

সুখ বিরেচন ।

হাত পরিষ্কার থাকিলে সহস্রা কোম দ্বাৰি হয় না। শুভ্রত জরাদি রোগের প্রধমে এবং আত্মমৌলীর তৈল ও রসায়নাদি ঔষধ ব্যবহারের পূর্বে বিরেচন দ্বারা বাড়ী পরিষ্কার করিয়া পরে ঔষধ সেবন করা কর্তব্য। কারণ বেগুন বসিধ বহুকে কোম রক্তে মজিত করিলে ভাবরণ না হয় না, তেহনি শরীরে বরদা থাকিতে ঔষধের ভালত্ব গুণ হয় না। শুভ্রত প্রায় অধিকাংশ ঔষধ সেবনের পূর্বে বিরেচন অর্থাৎ কোমশ দ্বারা শরীরকে বিশুদ্ধ করা উচিত। বাহ্যদের আত্মবিক দান্ত পরিষ্কার হয় না; শুভ্রত দ্বাৰাদান্য, অজীর্ণ, পেটকাঁসা, গাভ্রাঘ, গা মাটিমাটি করা, কাজকর্মে অনিচ্ছা, মাথাঘোরা, মাথাভার প্রভৃতি হইয়া থাকে, এই "সুখ বিরেচন" তাহাদের প্রকৃত বন্ধ। মধ্যে মধ্যে ইহা সেবন করিলে বীতিমত দান্ত পরিষ্কার হইয়া শরীরের জড়তা দূর হয় এবং সুখাবুধি, পরিপাক শক্তি ঃ মনের প্রকৃততা লক্ষিত হইয়া থাকে। তন্নির যে সকল ব্যক্তির অর্পণোপ আছে, তাহাদিগের কোম সরল রাখিবার জন্ত "সুখ বিরেচন" বহুকা বিশেষ উপকারক। ছোট এক কোটা বটিকার মূল্য ১০ আনা, বড় কোটার মূল্য ১০ আনা, বাতলাদি ১০।

এচ, ডি, এম, এণ্ড কোম্পানির আয়ুর্বেদীয় ঔষধ বিভাগ।

আমাদের আবিষ্কৃত "কো-অপারেটিভ সালসা, মনাকপিল, এমের টিস্তামি, শরর বৃত্ত" প্রভৃতি ঔষধ সকলের উপকারিতা বর্ণনে মফঃস্বলের অনেকেই আমাদেরকে সকল প্রকার আয়ুর্বেদীয় ঔষধ রাখিবার জন্য সর্বদা অনুরোধ করিয়া থাকেন। এমন কি, আমাকে আয়ুর্বেদীয় কোন ঔষধের আবশ্যক হইলে অকুজির ঔষধ পাঠাইবার জন্য আমাদেরকে টাকা পাঠাইয়া থাকেন। এই সকল সন্তান গ্রাহকগণের উৎসাহে উৎসাহিত হইয়া এত দিনের পর আমরা আয়ুর্বেদীয় প্রসিদ্ধ প্রসিদ্ধ ঔষধ, তৈল, বৃত্ত, আনব, অরিষ্ট, মোদক, বটিকা, মকরফল প্রভৃতি ঔষধ সকল টিক শাস্রমতে প্রস্তুত করিয়া রাখিতেছি। তাঁহাদের বর্ধন যে ঔষধের প্রয়োজন হইবে, পত্র লিখিলে তৎক্ষণাৎ প্রাপ্ত হইবেন।

আয়ুর্বেদীয় ঔষধাদি বিশেষতঃ তৈলাদির গুণ অতি উৎকৃষ্ট। নিরমমতে প্রস্তুত হইলে তাহা বারা বাস্তবিকই সকল রোগ নাশ হইয়া থাকে। বর্তমানে আয়ুর্বেদীয় তৈলাদি টিক শাস্রমতে প্রায়ই প্রস্তুত হয় না, কারণ কোন দ্রব্য দুঃপ্রাপ্য হইলে তৎপরিবর্তে অন্য দ্রব্য দিয়া কিবা উক্ত দ্রব্য পরিত্যাগ করিয়া কেহ কেহ পাক সমাধা করিয়া থাকেন, তজ্জন্ত তৈলাদির গুণও টিক হয় না। আমরা এইজন্য বাহ্যতে সাধারণে আয়ুর্বেদীয় তৈলাদির আশ্রয় গুণ বর্ণনে চমৎকৃত হন, তজ্জন্ত বহুসংখ্যক উদ্ভিদবিধ ব্যক্তি, কতিপয় সুবিজ্ঞ কবিরাও ও তৈলাদি-পাকনিপুণ ব্যক্তিগণকে নিবৃত্ত রাখিয়াছি। উদ্ভিদবিধ-ব্যক্তিগণ মানা স্থান হইতে গাছ গাছড়া সংগ্রহ করিয়া আনিয়া থাকে, এবং কোনটাকে সন্দেহ হইলে বহুজনে পরীক্ষা করিয়া ঔষধাদিতে প্রস্তুত হইতেছে। এক্ষণে গ্রাহকগণ অনায়াসেই স্মৃতিতে পারিবেন, আমরা কিরূপ বৃত্ত ও পরিভ্রম কীকার দ্বারা তৈলাদি প্রস্তুত করিতেছি। সুতরাং তৈলাদির গুণ কেন না হইবে? অগ্নি তত্ত্বাচ্ছাদিত থাকিলেও তাহার গুণ বেধগণ নষ্ট হয় না, তজ্জন্ত আমাদের প্রস্তুত অকুজির তৈলাদির গুণও ব্যবহার করিলে অতি অল্পকালের মধ্যে "কো-অপারেটিভ সালসা" দ্বায় বেশ ব্যাপিত হইবে, সন্দেহ নাই। এক্ষণে সাধারণের নিকট-প্রার্থনা, বীহার আয়ুর্বেদীয় অকুজির তৈলাদি ক্রয়, তাহার আনাদের নিকট হইতে প্রথমতঃ অল্প মূল্যের নইয়া পরীক্ষা করিয়া দেখুন। সকল প্রকার তৈলের শিশির মূল্য এক টাকা। বাস্তল ১০ আনা, ত্যালুপেরবলে লইলে আরও ১০ অধিক লাগিবে।

জীর্ণজ্বরাদিকারে।

বৃহৎ অসারক তৈল, বৃহৎ কিরাডাতি তৈল, মহা-লাকাদি তৈল।

শোণাধিকারে।

শোষ-শাকুল তৈল, পুনর্ব্বাদি তৈল, বৃহৎ মূলকাদি তৈল।

গ্রহণী অধিকারে।

গ্রহণীমিহির তৈল, বিম তৈল, দাড়িবালা তৈল।

বস্ত্রাধিকারে।

মহাচন্দনাদি তৈল।

কাসাধিকারে।

চন্দনাদি তৈল, বাসাচন্দনাদি তৈল।

হিত্তাখাল (হাঁপানি) অধিকারে।

বৃহচ্চন্দনাদি তৈল।

উন্মাদ, মূচ্ছা, অপম্মারাধিকারে।

বিষ্ণু তৈল, বধ্যম বাদারণ তৈল, হিমসাগর তৈল, বৃহৎবলা তৈল, পুন্ডরাক প্রসারণী তৈল, কুন্ড প্রসারণী তৈল, মহাবায় তৈল।

বাতরক্ত (রক্তধারাপ) অধিকারে।

ভড়ুচী তৈল, বৃহৎ ভড়ুচাদি তৈল, মহা ক্রা তৈল, বিম তিলুখ তৈল।

বাত (পেটেবাত) অধিকারে।

বৃহৎ সৈকবাতি তৈল, রাসাদি তৈল, প্রসারণী তৈল, বিমরৈতরব তৈল, বাব তৈল।

শূল অধিকারে।

শূল-পম্পেজ তৈল।

প্রমেহ অধিকারে।

প্রমেহ মিহির তৈল।

বৃদ্ধি (কোষবৃদ্ধি, একশিরা) অধিকারে।

বৃহৎ সৈকবাতি তৈল, শেত পুন্ডা তৈল, গন্ধক-হস্ত তৈল।

হুতাধিকারে।

বৃহচ্চন্দনাদি তৈল, বিম তৈল, বেতকরবীরাতি তৈল, সিন্দূরাতি তৈল, অর্কজনঃশিলা তৈল, পৃষ্ঠী-মার তৈল, সোমরাতি তৈল, কলপনার তৈল, বৃষ্টি কাল্যাদি তৈল।

শঙ্কর দ্বত।

ব্রহ্মচারী হইতে
প্রাপ্ত।



বৈদ্য মার্ক।

ইহা গরমির যার আৰম্ভ মনোমত। তিন দিন ব্যবহারে যে প্রকারের গরমি হটক না কেন, নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। ইহাতে ভাল কিম্বা মন্দ কিছুই নাই। ইহাতে লক্ষ লক্ষ রোগী আরোগ্য হইয়াছে। উপদংশ (গরমি) বিষয়ে স্তায় ডায়নক সংক্রমিক রোগ আর নাই, ইহাতে শরীরকে জরুরিত ও জর্জর করে। সুতরাং এই রোগের চিকিৎসা সর্বোত্তম করা উচিত। অনেকেরই গুরুত্বের ভয়ে ও লজ্জার দ্বারা এই পীড়া গোপন করিয়া থাকেন, কিন্তু তাহাতে বাত, পল্ল, ধাতুর পীড়া, মূদ্রা, ভগ্নান্ন, শোথ, নালি বা বাগি, কুষ্ঠ প্রভৃতি কষ্টকর ও প্রাণনাশক পীড়া হইয়া থাকে। ইহাতে পারা কিম্বা কোন প্রকার দূষিত পদার্থ নাই। এমন কি, এই দ্বত দ্বারা নানাপ্রকার পচা গলা ঘা, নালি বা এবং কুষ্ঠ পর্যন্ত আরোগ্য হইতে দেখা গিয়াছে। মূল্য প্রতি কে.টা এক টাকা, মাণ্ডল ১০ আনা। ডা. লুপেয়েবল কমিশন ১০ মোট ১৮০।

অগস্ত্য-তৈল বা বাতরোগের মহৌষধ।



এই তৈল সর্জন করিলে সজ্জিপাড়ার বেদনা, ঠাট্টার বেদনা, উল্লভ, পায়ে গাটের বেদনা, হাতের কঁজ, কপালের বেদনা, কোমরের বেদনা, পৃষ্ঠের মেরদণ্ডের বেদনা প্রভৃতি সকল প্রকার গাট বাত ও উল্লভ বেদনা ও কানা নিশ্চয় আরোগ্য হইবে এবং বাত জ্বর, শিরোরোগ, মাথা কন্দন, কপাল, কড়া এবং নানাপ্রকার কঁক বেদনাও আরোগ্য হইবে। ইহা সর্বপ্রকার বাতের উৎকৃষ্ট তৈল। মূল্য প্রতি শিল ১০ মাণ্ডল ১০ ভিঃ পিং কমিশন ১০ মোট ১৮০।

প্রমেহ চিন্তামণি।

প্রমেহ রোগ অতি ভয়ানক, এই রোগে অগরমিত গুরুতর হইয়া পুরুষকে কষ্ট ও দুর্ভাগ্য করিয়া ফেলে। শুক্ৰই মনুষ্যের আত্মা, শুক্ৰই মানবের বল। বেধা, ব্যরণ, বৃদ্ধি প্রভৃতি সমস্তই শুক্ৰবলে সাধিত হইয়া থাকে। আহারীয় জ্বরের সার অংশ হইতে রক্ত উৎপন্ন হয়। সেই রক্তের সার অংশই শুক্ৰ। কিন্তু কোষ্ঠি রক্ত হইতে এক কোটা শুক্ৰ উৎপন্ন হয়। সুতরাং বাহ্যে সেই শুক্ৰের কোমল পীড়া না হয়, তৎপক্ষে লক্ষ্য রাখিলেই মনুষ্য বলবান ও দীর্ঘায়ু হইতে পারেন। "প্রমেহ চিন্তামণি" শুক্ৰ পীড়ার অধিকার মহৌষধ। ইহা প্রমেহ রোগের সাক্ষাৎ ধ্বংসের বিশিষ্ট ও অত্যাশ্চর্য্য হয় বা।

ইহাতে সর্বপ্রকার মেহ, ধাতু পীড়া, পুঞ্জপড়া, প্রস্রাবকালীন জ্বালা বত্বা, রক্ত প্রস্রাব, বড়ি গোলায় স্তায়, ধাতু মিশ্রিত প্রস্রাব, হৃৎকল, কাপড়ে দাগ লাগা, প্রস্রাব শেষে বৃত্তার স্তায় বাহির হওয়া এবং স্রীলোকের বেস্ত ও রক্তপ্রস্রাব প্রভৃতি সকল প্রকার প্রমেহ রোগ নিশ্চয় আরোগ্য হয়। মূল্য প্রতি শিল ১০ টাকা মাণ্ডল ১০ ভিঃ পিং কমিশন ১০ মোট ১৮০ আনা।

দ্রুত-কালান্তক।

ইহা যার সকল প্রকার দাঁত, কোষ্ঠদাঁত, ছলি, প্রভৃতি চর্মরোগ অতি অল্পকালে সম্পূর্ণরূপে আরোগ্য হয়। ইহাতে পারা কিম্বা কোন বিকৃত পদার্থ নাই। এবং কানা বত্বার ভয় নাই। মূল্য রোগের এক পদার্থ অতি কমদামক ওষধ আর নাই। মূল্য প্রতি কোটা ১০ আনা, মাণ্ডল ১০ আনা।

সুরত-সিন্ধু।



এই উৎকৃষ্ট বাস্তবিক ঔষধ সেবনে শরীরে অপরিমিত গুরু উপকার হয়। অনিয়মিত শুক্রকর্ম কিম্বা বৌদ্ধদুঃখভ্রমলভ ইন্দ্রিয়পরবশতা জন্ত বাহ্যাদিগের গুরু ভরন হইয়াছে এবং ঘৃণ্যাদের বীর্ষবাহিনী শিরায় সকল হীনবল হওয়াতে প্রীতহাস্যে অক্ষমতা জন্মিয়াছে, এই ঔষধ কিছুদিন সেবন দ্বারা তাহাদিগের উজ্জ্বল নিশ্চয় আরোগ্য হইবে। তন্ত্রি অঙ্গ উদ্ভেজনার শুক্রপাত, জননোন্নিহের শিথিলতা, ক্ষয়ভক্ষরোপ এবং যাবতীয় গুরু বিকার ইহা দ্বারা আরোগ্য হইয়া থাকে। ধাতুদোষনা ও পুরুষদুঃখানির বহু ঔষধ অধ্যায়ি বাহির হইয়াছে, এই ঔষধ সর্বাঙ্গোপকার, তাহা বহুসংখ্যক ব্যক্তি ব্যবহার করিয়া মুক্তকণ্ঠে প্রকার করিয়াছেন। অধিক কি এই ঔষধ নিয়মপূর্বক কিছুদিন সেবন করিলে শুক্রকর্ম কিম্বা বলের হ্রাস, হ্রস্ব না, কীর্ণবীর্ষ্য ক্ষতি মহাবীর্ষ্যবান হয় এবং বৃদ্ধ যুবার জায় কাঁচা ক্ষম ও মন্বল হইয়া থাকে। এককোটা বটি ঔষধ এবং বাস্তবিক প্রয়োগার্থ এক শিশি তৈল, এই উভয়ের মূল্য ২ টাকা, ডাক মাওলাদি ১০ আনা।

অবলা-সুহৃদ (বাধকরোগের অব্যর্থ মহৌষধ)।

এই ঔষধ সেবনে সকল প্রকার বাধকরোগ আরোগ্য হয়। কতুকালে ভরানক বেধনা ও বস্ত্রণা, কতু পরিষ্কার না হওয়া, অঙ্গ অঙ্গ বা বাহ্য কোঁটা করিয়া কতু হওয়া, কাপড়ে মাথা সাঁরা লাগ লাগা, কখন কখন বা বাহ্যে জলের জ্বার কাপড়ে লাগ লাগা, অধিক পরিমাণে মাথা জলের জ্বার নির্গত হওয়া, এক মাসে দুইবার কতু হওয়া, অথবা কতু না হওয়া, তলপেটে কোন জ্বর জ্বা খুলিতেছে যোধ হওয়া, কোমর ও তলপেটে বেধনা, উরদেশ ভার হওয়া, মস্তক ঘোরা, আহাবে অনিচ্ছা, শরীরের দুর্বলতা, হুহু ও হিহিরিয়া, প্রভৃতি সকল প্রকার লক্ষণসূত বাধকরোগ এই ঔষধে আরোগ্য হয়। মূল্য প্রতি শিশি ১০ আনা, মাওলা ১০ আনা।

ঔষধের জন্ত পত্র লিখিবার সময় রোগীর বয়স, অবস্থা অর্থাৎ বয়সটি কি পাচল, সন্তান হইয়াছে কি না এবং সেই সন্তান জীবিত আছে কি না, মথবা কি বিধবা, গরমি ও ধাতুর গীড়া হইয়াছিল কি না, ইত্যাদি পট্টন লেখা করিয়া লিখিবেন।



নেত্রবিন্দু (চক্ষুরোগের মহৌষধ)।



এই ঔষধে চক্ষু দিয়া জলপড়া, চক্ষু কঁকর, কঁকরা, চক্ষু লাল হওয়া, চক্ষু উঠা, চক্ষের পাতা গোলা, চক্ষু পিচুটা পড়া, দৃষ্টির অল্পতা অর্থাৎ আঙ্গা দেখা, দূরের বস্তু দেখিতে না পাওয়া, চক্ষু ছানি পড়া, প্রভৃতি যাবতীয় নেত্ররোগ আরোগ্য হয়। তন্ত্রি দৃষ্টির অল্পতা জন্ত

বাহ্য অঙ্গ করসে চক্ষু লইয়া থাকেন, তাহাদিগেরও বিশেষ উপকার হইবেক। মূল্য প্রতি শিশি ১ এক টাকা; মাওলাদি ১০ আনা।

সচিত্র । ভেল্কি । ভোজবাজী ! সচিত্র ।

প্রথম ও দ্বিতীয় খণ্ড একাত্রে বঁধান । মূল্য ১৮/০ আনা ।

একটা বোতল হইতে মন ঢালিয়া বাওরাইয়া উঠা হইতে পক্ষী বাহির করা ; সোপার বড়ি হামানদিয়াতে কুটিয়া ফেলিয়া পিত্তলের আঙুরাজ দ্বারা বে নে স্থান হইতে বাহির করা ; একটা বোতল হইতে চা, মদ্য, দুধ, সরবৎ প্রভৃতি খাওয়ান, এইরূপ বোতলের নান্যপ্রকার কৌতুক । তাদের বহুসংখ্যক তানানা, একটা খালি চুপি হইতে যে যাহা খাইতে চাহিবে, তাহাকে সেই দ্রব্য খাইতে দেওয়া ; ম্যাজিক পিরামিড অর্থাৎ ডিকান্টারের দুই রঙের জলকে পৃথক্ করা ; দর্শকের হাত হইতে আংটি উড়ান ; ঘড়ী ও টাকা উড়ান ; একপ্রকার কুখিকে মিষ্টায় করা ; একখণ্ড চক্রাকার কাগজকে টাকা করা, একটা প্রান্তে একটা টাকা ফেলিয়া দিলে ঐ টাকা উঠিয়া দর্শকের প্রমের উত্তর দিবে ; কাটাযুগে কথা কহান, মড়ার মাথাকে বাহা জিজ্ঞাসা করিবে, তাহার উত্তর পাইবে ; তিনখানি তলোয়ারের ভগার উপর নির্ধিয়ে বসিয়া থাকা ; অকৃত শিরহেদ অর্থাৎ কোন বস্তুকে তলোয়ার দিয়া কাটিয়া সেই মুণ্ড সকলকে দেখাইয়া পুনরায় তাহাকে জীবিত করা ; বুকের কি গলার কি হাতের একোড়ি ওকোড়ি ছোয়া বাতলোয়ার চালান ; ভৌতিক মণিঅর্ডার দ্বারা টাকা পাঠান ; স্কোন লোককে দড়ি দিয়া উত্তম রূপে বঁধিয়া রাখিলে সেই ব্যক্তি অন্যায়সে বন্ধন মুক্ত হইবে ; তাবুর ভিতর হইতে কোন লোককে উড়ান ; সামান্য একগাছি লাঠির উপর ভর দিয়া শূন্যমার্গে নিশা বাওয়া ; গোলা ও আগ্নেীর আশঙ্কা তানানা, ম্যাজিক পিকচার ফ্রেম, কোল বাজকে ইজামত ভারী ও হালকা করা, একটা খালি গেলোসের ভিতর আশঙ্কাক্রমে গোলাপফুল কোটান, ভৌতিক আলবারি অর্থাৎ একটা খালি আলবারির ভিতর হইতে নানাবিধ দ্রব্য বাহির করা, আজ্ঞাকারী ঘড়ী অর্থাৎ ঘড়ীকে বাহা জিজ্ঞাসা করিবে, তাহার উত্তর পাইবে ; কোটা ও গোলার বাজী, আজ্ঞাকারী গোলা, ছোট গোলাকে তৎক্ষণাৎ বড় করা, তিনটা গোলা হইতে অসংখ্য গোলা প্রস্তুত করা, ঐক্সজালিক পিষ্টক অর্থাৎ ডিম্ব ভাঙ্গিয়া পিষ্টক প্রস্তুত করিতে করিতে জীবিত কবুতর হইয়া বাইবে, ছাতার অত্যশঙ্কা তানানা অর্থাৎ দর্শকের নিকট হইতে একটা ছাতা লইবে, পরক্ষণে দেখিবে যে, সেই ছাতার কাপড় নাই, কেবল শিকমাত্র আছে, আবার পরক্ষণে আদিত ছাতা দেখিতে পাইবে, নজদানী পাজ অর্থাৎ এই পাজে ঘড়ী রাখিলে তৎক্ষণাৎ অদৃশ্য হইবে, পরে ঐ ঘড়ী অস্ত্র স্থান হইতে বাহির করা, ভৌতিক গোলাপফুল অর্থাৎ কোন দর্শকের হাতের আংটি উড়াইয়া দিয়া তাহাকে একটা গোলাপফুলের কুড়ি শুকিতে দিলে, তিনি ঐ গোলাপের কুড়িটা আশ্রয় লইবামাত্র প্রকৃতি হইয়া তাহার আংটি প্রদান করিবে । বাজ হইতে টাকা উড়ান অর্থাৎ একটা বাজে টাকা রাখিয়া টাঁবি বন্ধ করিবে, পরে চাবি খুলিয়া দেখিবে যে, উহাতে কিছুই নাই, পরে পুনরায় ঐ বাজ হইতে কিবা অস্ত্র যে কোন স্থান হইতে ঐ টাকা বাহির করা, ঐক্সজালিক ট্রে অর্থাৎ একখানি ডিসের উপর টাকা কিবা পয়সা রাখিলে ভৌতিক বলে তাহা অদৃশ্য হইবে, ঘড়ীর আশঙ্কা পেলা অর্থাৎ কোন দর্শক একটা ঘড়ীর যে কোন ঘটায় দাগ মনে করিবেন, তাহা বলিয়া দেওয়া, ইত্যাদি বহুবিধ আশঙ্কা নূতন নূতন ম্যাজিক এই পুস্তকে লিখিত হইয়াছে ।

শ্রীভুতনাথ মান্না ।

৫ নং গুলু ওস্তাগরের লেন, দর্জিপাড়া ; কলিকাতা ।

রয়াল রবর স্ট্যাম্প ওয়ার্কস্ ।

৫ নং গুলু ওস্তাগরের লেন, দর্জিপাড়া ; কলিকাতা ।

পর পৃষ্ঠায় কয়েকটা রবর স্ট্যাম্পের নমুনা দেওয়া গেল, প্রত্যেক স্ট্যাম্পের উপরে নম্বর ও মূল্য লেখা আছে । অর্ডার পাঠাইবার সময় ঐ নম্বর দিরা পত্র লিখিবেন । স্ট্যাম্প বাহা লিখিত হইবে, তাহা খুঁটিয়া লিখিবেন, নতুবা ভুল হইলে আশেবা দায়ী নহি । ইংরাজী কিবা বাঙ্গালা যে কোন এক ভাষায় মূল্য একই পড়িবে । ইংরাজী ও বাঙ্গালা দুই ভাষায় স্ট্যাম্প লইলে, লিখিত মূল্য অপেক্ষা ১০ আনা বেশী পড়িবে । প্রত্যেক স্ট্যাম্প স্বাক মাছুসাদি ১০ আনা অভিন্নরূপে লাগিবে ।

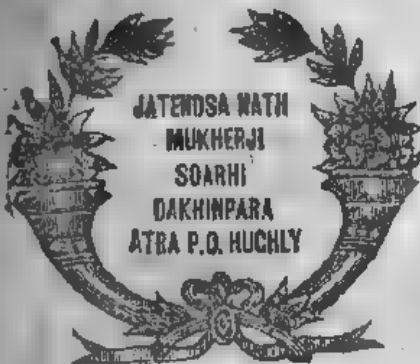
১০ আনার স্ট্যাম্প পাঠাইলে রবর স্ট্যাম্পের সহযোগে নমুনাবৎ রবর ব্যাটিলি পাঠান যাইবে ।

०-बार—बूढ़ा ३ टोका । १-बार—बूढ़ा ३० पोंता । २-बार—बूढ़ा ३० पोंता । ३-बार—बूढ़ा ३ टोका ।



॥१॥ मः—पुनः १, टीका ।

१ नक्षत्र-ग्रह २ ठीका :



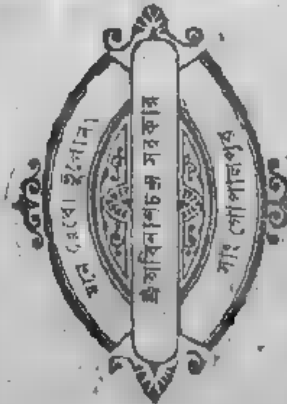
मोहनजोदड़, हड़प्पा, उत्कल ।



३० नर—गुण १, टीका ।

७१ न१—मूल्य १, टाका ।

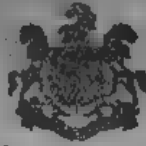
७ नर—भूया १ टाका ।



अभूनेनाद्व हेराभ मूना २. ठाका ।



স্থাপিত ১২৭৮ সাল।



ESTD. 1870 A. D

শ্রীলক্ষ্মীমুক্ত মহারাজাবিরাজ বর্জমান প্রদেশাধিপতি বাহাদুরের
অনুমোদিত ও অনুমোদিত

শ্রীবিনোদলাল সেন কবিরাজের

আদি-আয়ুর্বেদ ঔষধালয়।



১৪৩ নং লোয়ার চিংপুর রোড, ফৌজদারীবালাধানা, কলিকাতা।

ধর্মার্থকারমোক্ষাধানারোগাং মূলমন্ত্রম্। আয়ুর্বেদঃ।

ভারতবর্ষ মধ্যে এই ঔষধালয়টি আদিম ও সর্বপ্রধান।

উপরোক্ত ঔষধালয়ে আয়ুর্বেদ অর্থাৎ বাহ্যিক মতের সর্বপ্রকার রোগের
নানাবিধ ঔষধ (ধাতুঘটিত ও অপর বাটিকা সকল), তৈল, ঘৃত, মোদক, চূর্ণ,
অবলেহ, আসব, অরিষ্ট ও খাত্তব্যাদি বিশেষ যন্ত্রের সহিত যথাশাস্ত্র প্রস্তুত
সর্বদা প্রাপ্ত হওয়া যায়। আমি বা জনৈক উপযুক্ত চিকিৎসক সর্বদা তথায়
উপস্থিত থাকিয়া যথাশাস্ত্র ব্যবস্থা ও ঔষধাদি প্রদান করিয়া থাকি। ইহাতে
আমাদিগের নবাবিকৃত প্রত্যক্ষ-ফলপ্রদ ঔষধ সকল এবং মংগ্ৰনিত ও প্রকাশিত
আয়ুর্বেদ নিকোপযোগী বিবিধ পুস্তকের তালিকা মাত্র প্রকাশিত হইল। অপর
সমস্ত রোগের ঔষধ, তৈলাদির নাম ও মূল্য এবং নবাবিকৃত ঔষধাদির প্রশংসা-
পত্র আমাদিগের "প্রতিবর্ষের পঞ্জিকা" সহিত ঔষধাদির মূল্য নিরূপণ পুস্তকে
প্রকাশিত হয়। উহার জন্য আমাদিগের নিকট লোক পাঠাইলে বা মাণ্ডল জন্ত
অর্থ আনার ভাকষ্ট্যাম্পসহ পত্র লিখিলে যথাস্থানে প্রেরিত হয়। বিদেশত রোগী-
দিগের গীড়ার অবশ্য অবগত হইলে শাস্ত্রসম্মত ব্যবস্থা প্রেরিত হয়। প্রাতে সমা-
গত রোগীদিগকে বিশেষ যন্ত্রের সহিত দেখিয়া বিনামূল্যে ঔষধ দেওয়া হয়।

শ্রীবিনোদলাল সেন কবিরাজ।

শ্রী বিনোদলাল সেন কবিরাজের

শ্রী বিনোদলাল সেন কবিরাজের নবাবিহৃত ঔষধ সমস্ত ।

আমরা নিম্নলিখিত আয়ুর্বেদ-শাস্ত্রসম্মত প্রত্যঙ্গ-কলপ্রায় ঔষধসমস্ত
প্রস্তুত করিয়া বহুকালাবধি বহুতর পরীক্ষার কৃতকার্য হইয়া
সাধারণের সুবিধার জন্য বাবস্থাপত্রের সহিত এই
ঔষধালয়ে বিক্রমার্থ রাখিয়াছি ।

কুন্তলবুঝ তৈল ।

ইহা কুন্তলবুঝাখ্য কাতিপুটিবলসম্বন্ধ ।
কেতবদ্যভবঘন কেশরুদ্ধিকরং পরম্ ।
শিরছাপচিহ্নাঃ কেশান্তিরূপাঃ প্রহরপ্রভাঃ ।
ব্রহ্মলোক জায়তে তৈলভক্ত বিমর্দনাং ।
খালিতো কেশপাতে চ পালিতো নীর্ঘবর্ণমে
শিরঃকর্ণাঙ্কিরোধেবু তৈলয়েতৎ প্রশস্ততে ।

মহাবিদ্য হইতে কেন্দ্রতঃ পর্যালোচনা করিয়া
এই মহোপকারক তৈল প্রস্তুত করা গিয়াছে ।
ইহা বর্ষাবিধি ব্যবহার করিলে নিশ্চয় কেশ-
হীনতা (টাক) আরোগ্য ও কেশ অকালপকতা
এণ্ড না হইয়া বিশিষ্টরূপ বর্ধিত ও শোভামূলক
হয় এবং মস্তক বৃদ্ধপ্রভৃতি শিরোরোগ আরোগ্য,
মস্তক মৃদতল ও চক্ষুর্জ্যোতি বৃদ্ধি হয় । ইহা
অতি মনোহর গন্ধযুক্ত । ভিন্নদেশীর প্রস্তুত এই-
রূপ সর্বগ্রকার তৈলাবি হইতে ইহা অসন্দেহে
বিশেষ কলপ্রায় ।

১ শিলিং মূল্য ১০ টাকা ।
প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১/০ আনা । ডিঃ পিঃ ১/১
৩ শিলিং একত্রে ১০ টাকা । ডিঃ পিঃ ৬/৬

প্রশংসাপত্র ।

(ইংরাজি হইতে অনুবাসিত)

বাকসমাজের আচার্য্য পরম প্রভাঃ পদ বর্গীয়
কেশবচন্দ্র সেন মহোদয় 'কুন্তলবুঝ' উপ-
কারক ক্রিয় বিজ্ঞেয়-নিধি রাখিয়াছেন ।

কলিকাতা, কলুটোলা ।

মহাশয়, ২২ বাল ব্যবহারে আমার বিনয়
প্রীতি প্রদিয়াছে যে, আপনার কুন্তলবুঝ তৈল
"শিরোরোগনা ও মস্তকবৃদ্ধি" বিশেষ কলপ্রায়
ঔষধ । ইতি ৪ঠা জুলাই ১৮৭৫ সাল ।

শ্রী কেশবচন্দ্র সেন ।

নাউগল জেলার একটা এসিস্ট্যান্ট কমিশনার
বহমানাশ্রম প্রীত বাবু শরৎচন্দ্র মজুমদার
মহোদয় লিখিয়াছেন ।

মহাশয়, আশ্চর্য্য সহকারে জানাইতেছি যে,
আপনার "কুন্তলবুঝ তৈল" ব্যবহারে বিশেষ কল
পাইয়াছি । অতীত পূর্বক আর ৬ শিলিং ডিঃ
পিঃ গোটে নীচ পাঠাইয়া দিয়া বাখিত করিয়াছেন ।
ইতি ২৩শে মে ১৮৭২ সাল ।

শ্রী শরৎচন্দ্র মজুমদার ।

জেলা পুলকার সবজ্য বহমানাশ্রম প্রীত বাবু
শরৎচন্দ্র সেন মহোদয় লিখিয়াছেন ।

মহাশয়, আপনার সুপ্রসিদ্ধ "কুন্তলবুঝ তৈল"
অথ ৮ বৎসর ব্যবহারে বিশেষ উপকার লাভ
করিয়াছি । অথ ১০ টাকার সুবিধা
করিলাম, অতীতপূর্বক ১২ শিলিং "কুন্তলবুঝ
তৈল" পাঠাইয়া দিবেন । ইতি ২২ মে ১৮৭২ সাল ।

শ্রী পূর্ণচন্দ্র সেন ।

সারিবাচি কবায়।

উপদংশবিকারয়ে দুইশোষিতবাসনঃ।
পারদোষান্ পদান্ সর্বান্ বাতরোগক মারণম্।
সারিবাচিকবায়োহসৌ হস্তাৎ বলকরঃ পরঃ।

শোষিত জীবদেহের এক প্রধান উপাধান। ইহার বিপুলতা ও অবিসৃঙ্খতাই স্বাস্থ্য এবং পীড়ার একমাত্র কারণ। যে পর্যন্ত সমুদায়দেহে রক্ত দূষিত না হয়, তাবৎকাল কোন পীড়ার সম্ভাবনা থাকে না। কিন্তু একবার দূষিত হইলেই সর্ববিধ পীড়ার আবির্ভাব হইয়া থাকে। অধিক কি, দেহের একস্থলের রক্ত দূষিত হইলে স্বাভাবিক রক্ত প্রবাহের ক্ষতিগতি বশতঃ শীঘ্রই প্রায় সমস্ত দেহের রক্ত দূষিত হইয়া উঠে। অনিয়মিত আহার, বিহার, অতিরিক্ত পরিশ্রম অথবা এককালে পরিশ্রম বা ব্যায়ামের অভাব, রক্তপরি-
বর্তন, দূষিত জলবায়ু সেবন ও পারদোষি বিষদোষ ইত্যাদি কারণবশতঃ দেহের রক্ত দূষিত হয়। আমাদের এই অত্যাব্যর্থগুণবিশিষ্ট অমোঘ "সারিবাচি কবায়" সেবন করিলে, রক্তদোষজনিত সকল প্রকার পীড়া, বিশেষতঃ বাত, বাতরক্ত, পারদোষ, উপদংশ, গাত্রকণ্ড ও নক্ষ প্রভৃতি কু-
রোগ এবং সর্ববিধ ক্ষত, সত্ত্ব প্রশমিত হয়। ইহা ভিন্নদেশীয় সালসা অপেক্ষা অন্যদেশে বিশেষ উপকারী, কারণ দেশ ও প্রকৃতিভেদে ঔষধের ভেদের তারতম্য হইয়া থাকে, অতএব অন্যদেশ-
জাত ঔষধই যে অন্যদেশীয়দিগের বিশেষ উপযোগী হইবে, তাহাতে আর অসুন্দার সন্দেহ নাই।

শিশির মূল্য ১০ টাকা।
প্যাকিং ও ভাঃ বাঃ ৫/- আনা। ভিঃ পিঃ ২০ টাকা।
এককালে ৬ শিশির মূল্য ৭০ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

পত্রাবের ভূতপূর্ব সিভিল সার্জন শ্রীযুক্ত এইচ. ডব্লিউ. মিটনিস্, এম্. আর. সি. এস্. (লন্ডন), সাহেব মহোদয় আমাদের "সারিবাচি কবায়ের" উপকারিতার বিষয় লিখিয়াছেন।

(ইংরেজি হইতে অনুবাদিত)

কলিকাতা, ১ই ফেব্রুয়ারি ১৮৭১ সাল।

মহাশয়, আমাদের সন্তুষ্টি ও কৌতুহলে আপ-
নাদের প্রসিদ্ধ "সারিবাচি কবায়" শীতলান এবং

কৃতকতলি রোগীকে ব্যবহার করাইয়া আশাতীত ফল পাইয়াছিলাম। উক্ত বিষয় আপনাকে জ্ঞাত করা মুক্তিভুক্ত বিবেচনা করিয়া জানাইতেছি যে, উহা "সর্বপ্রকার উপদংশে রোগের সহোপকারক ঔষধ, অতি উৎকৃষ্ট রক্তপরিষ্কারক এবং উপদংশ ও পারদোষজনিত সর্বপ্রকার চর্ষরোগে বিশেষ ফলপ্রসূ।"

এইচ. ডব্লিউ. মিটনিস্,

M. R. C. S. (London).

এম্. আর. সি. এস্. (লন্ডন)

শ্রীরামপুরের সিভিল মেডিক্যাল অফিসার এমিঙ্গ ডাক্তার শ্রীযুক্ত বাবু উদয়চাঁদ দত্ত মহোদয় লিখিয়াছিলেন।

প্রিয় বিনোদ বাবু।

প্রায় একবৎসর অতীত হইল আপনি যে দুই শিশি "সারিবাচি কবায়" আমার নিকট পরিক্ষার্থ প্রেরণ করেন তাহা ব্যবহার করাইয়া বিশেষ ফল প্রাপ্ত করিয়া পরে তাহা আমি দুই জন দৌশউপদংশ এবং এক জন বাতরোগী-
ক্রান্ত রোগীকে ব্যবহা করিয়াছিলাম। তাহার আরোগ্যলাভ করিয়াছে। আমি আপনার "দুপাকসব" পরীক্ষা করিয়া দেখিবার জন্য ২ শি রক্তোৎকাস রোগীকে উহা ব্যবহা করি তাহা-
দিগের পীড়া সত্ত্ব উপশমিত হওয়ারতে পরিতুষ্ট হইয়াছি। বতসিবস হইতে আমি বেশী উৎক-
প্রিয়; আপনার ঔষধের গুণ দুটে আরও বেশী উৎক-
প্রিয় পক্ষপাতী হইয়াছি, এই সকল ঔষধ আবিষ্কার সত্ত্ব আপনি বিশেষ প্রশংসার যোগ্য।
ইতি ১২ আশ্বিন ১২৮৫ সাল। আপনার
শ্রীউদয়চাঁদ দত্ত।

মহাশয়, অত্রস্থ পূর্বক প্রেরিত মোক
সারকত আপনার আবিষ্কৃত "সারিবাচি কবায়"
এক শিশি দিবেন। ইতি পূর্বে আপনার ২
ঔষধ ২ শিশি ব্যবহারে আমার বাতানিরোগের
বিশেষ ফল পাইয়াছিলাম। দিবেন ইতি
২০ আশ্বিন ১২৮৬ সাল। দিবেন

শ্রীশ্রীলক্ষ্মণ বাবু, পেকারি।

উদয়চাঁদ, কলিকাতা, ১২৮৬ সাল।

অবগজারসারন।

জীবনঃ সুখং যুবাঃ কীপনঃ কোবদাননঃ।
অবগজারসোঃ তমবগজারসারনঃ।
যাতিঃ কীপমেহা মে দীপকঃ তুর্কলেত্রিয়াঃ।
অবগতো নষ্টোক্তা করয়া তুর্কলীকৃতা।
ভেবাংহিতমিহং এবাং এসবান্তে চ বোধিতাম্।

বিশেষ রাসায়নিক প্রক্রিয়া দ্বারা তুর্কলি-
পুটিকর বসন্ত ঔষধি অবগজার বীজ হইতে
পুটীত এই অমাব্যাদিনাশক ঔষধ প্রস্তুত হইয়াছে।
ইহাতে রক্তসংশোধক, শুক্রজনক, জীবনী-শক্তি-
সংবর্দ্ধক এবং আত্মরক্ষণ থাকতে, ইহা দ্বারা
দীর্ঘকালীন রোগজন্ত বা শারীরিক ঘোরে কীণতা,
দীর্ঘতাপদ্বা, স্নায়বিক ও শারীরিক দৌর্বল্য
নিম্নোৎপন্ন, দর্শন ও শ্রবণশক্তির অম্লতা, শুক্রমেহ
ও শুক্রভারলা এবং স্ত্রীদিগের এসবান্তে বা অস্ত্র
কারণ দ্রুতঃ দৌর্বল্য ও কৃশতা ইত্যাদি সমস্ত
নিবারিত হয়। এই নির্দোষ ঔষধ, আবাল, বৃদ্ধ,
বনিতা, সকলেই সর্বব্যবহার অমায়াদেই সেবন
করিতে পারেন।

১ শিশির মূল্য ... ১০ টাকা।
প্যাকিং ও ভাঃ মাঃ ৫/০ আনা। ভিঃ পিঃ ২৫।
এককালে ৬ শিশির মূল্য ... ৭০।

প্রশংসাপত্র।

কলিকাতা মেডিক্যাল স্টেশনের ভূতপূর্ব হাউস
সার্জন শ্রীযুক্ত বাবু শ্রীকৃষ্ণগোবিন্দ সেন এল.
এম. এম. (ডাক্তার) মহোদয় "অবগজারসারনের"
উপকারিতার বিষয় লিখিয়াছেন।

কলিকাতা, ৪ পৌষ ১২২০ সাল।

মহাশয়, অবগত আছেন, আমি ডাক্তারি
অধ্যয়নকাল হইতে আত্মকর্মের মতের গুরুশাস্তি,
তাহা আমার বাহ্যরক্ষা সম্বন্ধীয় প্রবৃত্তি প্রকাশিত
আছে। শাস্ত্রীয় চিকিৎসা করিব এবং ঐ ঔষধ
ব্যবহার করিব ইহা আমার আত্মরিক ইচ্ছা।
আমার শরীর অধ্যয়ন ও পরিশ্রম দ্বারা নিত্য
তুর্কল ও নিত্যকঃ হইয়াছিল, আমি আপনার
সহোদরের পরামর্শে আপনার সুবিখ্যাত "অবগজা-
রসারন" ও নিপি, ব্যবহার করিয়া আশাতীত
ফলপ্রসূত করিয়াছি এবং যৌবনকালে

করিয়া বাহ্যঃ ইহার মহোপকারিতা প্রত্যক্ষ
করিয়াছি।

আপনার স্নেহভাজন
শ্রীকৃষ্ণগোবিন্দ সেন।

(ডাক্তার) এল. এম. এম।

কলিকাতা, ৩ জানুয়ারি ১৮৮৪ সাল।

আপনার আবিষ্কৃত "অবগজারসারন" দ্বারা
হানে ব্যবহারে বেরূপ আশাতীত ফল পাইয়াছি
তাছাড়া আমার বিশেষ প্রীতি প্রদর্শিত হইয়াছে যে
উহা "শারীরিক ও স্নায়বিক দৌর্বল্যের" পক্ষে
মহোৎকর্ষ। অধিকতর ইহার দ্বারা প্রেমের এবং
সুত্রকৃষ্ণেরও বিশেষ উপকার হয়। এক্ষণে আমি
বহুল পরিমাণে উহা ব্যবহার করিতে মনস্ত
করিয়াছি।

বনময়

শ্রীআদানানথ বসু,

(ডাক্তার) এল. এম. এম।

ভূনিষাদি কথায়।

স্বিড জলবাহুজনিত (ম্যালেরিয়া) অর,
সর্বপ্রকার পুরাতন-অর, বিষম-অর, মেহফলিত
অর, একজর ও পদ্যার-অর এবং তৎসংযুক্ত দীর্ঘ
বহুতাদির নিশ্চয় আরোগ্যকারক মহোৎকর্ষ।

১ বোতলের মূল্য ... ১০ টাকা।

প্যাকিং ও ভাঃ মাঃ ৫/০ আনা। ভিঃ পিঃ ৩০।

এককালে ৬ বোতলের মূল্য ... ৬০ টাকা।

ডাকে বোতল পাঠাইতে হইলে অধিক মাস্তুল
লাগে, ডাক্তার ইহা শিশি পূর্ণ করিয়া পাঠান হয়।

প্রশংসাপত্র।

পাবনার জজ আদালতের প্রসিদ্ধ উকিল
যশহানাম্পদ শ্রীযুক্ত বাবু বাসুদেবচন্দ্র বসু মহা-
শয় "ভূনিষাদি কথায়ের" উপকারিতার বিষয়
লিখিয়াছেন।

পরম কল্যাণবরেন্দ্র।

আজ্ঞার সহকারে জানাইতেছি যে আপনার
নবাবিকৃত "ভূনিষাদি কথায়", দুই বোতল নিম্ন-
মত ব্যবহারে মৌর্য তমরা জীমতী বরদা দ্বারা
বহুপ্রদীপিত ম্যালেরিয়া অর অত্যন্তকালে সুবি-
রাম হইয়াছে। মহাশয় চিরজীবী হউন, এই
আশীর্ব্বাদ করি। উক্তি ৮ই চৈত্র ১২৮০ সাল।

অন্যতঃপরম

শ্রীযুক্ত বাসুদেবচন্দ্র বসু।

শক্তি থাকার এই মহৌষধ দ্বারা সর্বপ্রকার অর
অর্থাৎ জীর্ণর, বিবরহর, খাড়াহর, দীহা ■
বকুং সংযুক্ত অর, মাসেরিয়াঃজর, অশুচিৎ কুই-
নাইন সেবনক্রমিত জর ■ তদাণ্ডৈবিক অগ্নিমূল্য,
অরুচি, উদরামর, শোথ ■ অবসাদাদিতাবৎ উপ-
শ্রব নিশ্চরই নিবারণিত হইয়া থাকে এবং ইহার
"জীবনীর" স্তম্ব থাকার শরীরের পুষ্টি, কোষ্ঠের
সুস্থি, অগ্নির দীপ্তি, বাত সকলের বৃদ্ধি, ইন্দ্রিয়
সকলের প্রশস্ততা এবং স্তন, মলঃ ও ওষঃ পদার্থের
প্রসরতা হয়। ইহার প্রভাবে, বর্জিত দীহা, বকুং
■ অগ্রমাংস প্রভৃতি পীড়িত বর সকলও কোমল
হইয়া স্বাভাবিক অবস্থা প্রাপ্ত হইয়া থাকে। এই
মহৌষধ "বহুভক বটিকার" শক্তিতে অরমুহুরোগীর
দিন দিন অগ্নির দীপ্তি, আহারে রুচি, জোজনে
তৃষ্ণা, দেহের উপচিতি, বলের বৃদ্ধি ■ মনের প্রশু-
রতা ও ইন্দ্রিয়ের সামর্থ্য প্রভৃতি বাহ্য লক্ষণ সকল
উপস্থিত হয়। মাসেরিয়া জ্বরের এপ্যাক্ত বসন্ত
ঔষধ আবিষ্কার হইয়াছে "বহুভক বটিকার" দ্বারা
দ্বারীফল কোন ঔষধেরই নাই। ইহা যেমন আশু
জরনাশক তেমন দেহের পুষ্টিসাধক।

১ কোটার মূল্য ১ টাকা।
ডাকমাল ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১৮০ আনা।
এককালে ১২ কোটার মূল্য ১২ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

শেওড়াপুলির অশেষগুণালঙ্কৃত বহুমানাপদ
শ্রীশ্রীমুহুরাম নরেন্দ্রচন্দ্র রায় মহোদয়
"বহুভক বটিকার" উপকারিতার
বিষয় লিখিয়াছেন;—

প্রিয় কবিরাজ মহাশয়,
আমি ৪৯তম মাসেরিয়া জ্বরে ভুগিয়া, ডাক্তারি
এবং হাকিমি চিকিৎসার কল্লাভ না করিয়া,
গতবৎসর নবেম্বর মাসে আপনাদি হুচিকিৎসার,
বিশেষতঃ আপনার প্রস্তুত "বহুভক বটিকা"
সেবনে সম্পূর্ণরূপে আরোগ্য লাভ করিয়াছি।
আমি এক্ষণে নিম্নলিখিত বলিতে পারি যে,
আমার স্ত্রী পুরাতন মাসেরিয়া জ্বরাক্রান্ত যে
কোন ব্যক্তি আপনার "বহুভক" সেবন করিবেন,
তিনিই নিশ্চয় আরোগ্য লাভ করিবেন।

আপনান্ত, শ্রীনরেন্দ্রচন্দ্র রায়।

রামনগরের প্রেক্ষিত চিকিৎসক শ্রীমুহুরাম
তত্ত্বাবধান মুখোপাধ্যায় মহোদয় লিখিয়াছেন;—

মহাশয়, আমি এপর্যন্ত অনেক সুবিখ্যাত
ঔষধ্য ও ডাক্তার মহাশয়দিগের অনেক ঔষধ
আনাইয়া পরীক্ষা করিয়া দেখিয়াছি, কিন্তু মহা-
শয়ের নবাবিকৃত "ভূনিয়াদি কবাব" ■ "বহুভক
বটিকার" তুল্য বিষহকরের মহৌষধ আর দেখি
নাই। আমি কতকগুলি রোগীকে উক্ত ঔষধ
সেবন করাইয়াছি, সকলেই উত্তমরূপে আরোগ্য
লাভ করিয়াছেন। একান্ত বশবাস

শ্রীতত্ত্বাবধান মুখোপাধ্যায়।

ইচ্ছাভেদী বটিকা।

কোষ্ঠারিত বাত, জর অর্থাৎ অজীর্ণ, বকুং, পাণ্ডু,
শোথ, উদরী, বাত, শিরঃপীড়া এবং বিকৃত রক্ত,
বিকৃত-শিত্র ও কোষ্ঠবদ্ধ জন্ত যে সকল পীড়া
উপস্থিত হয়, ইহা সেবনে তৎসমুদায় নিশ্চয়
আরোগ্য হয়। সকলেই জানেন যে একমাত্র
"মলবদ্ধই" সর্কারোগের কারণ। কোষ্ঠ বিস্তৃত
নষ্ট হইলে কোন ঔষধ কার্যকর হয় না সুতরাং
কোন পীড়াই আরোগ্য হয় না। অতএব সর্কারীড়া
শাস্তির জন্ত উপরোক্ত নির্দোষ বিরোধক ব্যবহার
করা নিত্য আবশ্যক। তৎকর্তব্য যে কোন পীড়া-
ভেদেই হউক, অপর ঔষধ সেবনকালে এই হিতকর
ঔষধ ব্যবহার করা বিশেষ আবশ্যক। ইহা বালক,
বৃদ্ধ এবং স্ত্রী, পুংসু ■ পীড়িতাবস্থার নির্দিষ্ট
সেবন করিতে পারেন।

১ কোটার মূল্য ১০ আনা।
ডাকমাল ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১৮০
এককালে ১২ কোটার মূল্য ১২ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

মহাশয়, আমি বহুকাল হইতে কোষ্ঠবদ্ধজনিত
শিরোরোগে কষ্ট পাইতেছিলাম। উক্ত পীড়াজন্ত
কবিরাজী মতের অনেক প্রকার ঔষধ সেবন
করিয়াছি। কিছুতেই আরোগ্য লাভ করিতে পারি
নাই। অবশেষে আপনার নিকট হইতে "ইচ্ছা-
ভেদী বটিকা" নামক মহৌষধ এক কোটা আনা-
ইয়া তিন দিন মাত্র সেবন করার অনেক উপকার
পাইয়াছি। ইহা যে কোষ্ঠবদ্ধজনিত শিরোরোগের
একমাত্র "মহৌষধ" তাহাতে সন্দেহ নাই।

শ্রীপ্রসন্নকুমার চক্রবর্তী।
শিক্কা, পটয়া স্কুল চট্টগ্রাম।

কুস্তলবৃষ্য তৈল ।

যদিবস হইতে আমরা কেশভঙ্গ পর্যালোচনা করিয়া এই মহোপকারক "কুস্তলবৃষ্য তৈল" আবিষ্কার করিয়াছি। ইহা যথাবিধি ব্যবহারে কেশপাত, টাক, ধুস্কী, মস্তকত্রণ ও কেশের অকালগততা প্রভৃতি কেশ ও কেশভূমি সম্বন্ধীয় মস্তকের সমস্ত পীড়া, অধিকতর ইহা দ্বারা মস্তকধূর্নন, মস্তকের দুর্বলতা, মর্কদা মনের চাকলা, কর্তব্যকর্মে অমুৎসাহ, দর্শন, ভাবন ও স্মরণশক্তির অজ্ঞতা প্রভৃতি এবং ব্যাপিত্তাদিজনিত উৎকট রোগসকল নিশ্চয়ই নিবারিত হয়।

কারণ—কোন রোগ ভাল করিতে হইলে অগ্রে সেই রোগের উৎপাদন হেতু ■ তাহার সম্ভাবিত বিশেষরূপ জ্ঞান করিয়া পরে তদুপযোগী ঔষধ প্রয়োগ করা কর্তব্য, তাহা হইলে রোগের শাস্তি হয়। নতুবা অন্ধকারে লোষ্ট্রনিক্ষেপের দ্বারা অনির্দিষ্ট ফল হইয়া থাকে। আমরা কুস্তলবৃষ্যবি যতপ্রকার ঔষধ আবিষ্কার করিয়াছি, সকল হইলেই ঔষধ সমূহের গুণ ও তাহাদের সংযোগের শক্তি এবং রোগের স্বরূপ, এই সমস্ত বিষয় যথাযথ বিবেচনা করিয়া ঔষধ সকল দ্বির করিয়াছি। উজ্জ্বলই ঔষধ সমস্ত অংশুগুণ কল্পপ্রদান করে এবং সেই কারণেই কি রাজা, কি প্রজা, কি ধনী, কি নির্ধন, সকলের নিকট ই ঔষধগুলি এত সমাদৃত হইয়াছে। মনে করণ, কেশপাত ও টাকরোগে পিণ্ড কুপিত হইয়া কেশ-মূলকে পচায় এবং বায়ু কুপিত হইয়া তাহাকে শুষ্ক করে, তজ্জন্তই কেশ সকল দুর্বল ও বিবর্ণ হইয়া উঠিতে থাকে। আবার সেই কেশপাত রোগে যদি রেণু ও রক্ত কুপিত হইয়া ঐ কেশ-কূপ সকলকে ■ করিয়া ফেলে, তাহা হইলে সেই স্থানে আর কেশের পুনরুদ্ধান হয় না, সুতরাং টাক রোগ জন্মে। এখন দেখুন, কেশপাত ও টাকরোগের ত এই হেতু ও এইরূপে ইহাদের উৎপত্তি। এক্ষণে কি ঔষধ দিলে ইহাদের প্রতি-কার হইবে? বাস্তবিক দোষের প্রশমনক অন্ন মধু-রানি প্রভৃতি অনেকই আছে কিন্তু ব্যাধিরণ দোষ-প্রশমনক ঔষধে ত বিশেষ রোগের শাস্তি হয় না। এমন ঔষধ প্রয়োগ করিতে হইবে, যাহা রসেই হটক, গুণেই হটক, বীজেই হটক, বিলাকেই হটক তা এতাবধি হটক, উহা রোগস্থানে কাণ্ড্য-কারী হয়, তাহা হইলেই সেই রোগের প্রশ-
 ১১

হইবে, নতুবা অবশ্যই অন্ধকারে ঢিল মারার দ্বারা অনির্দিষ্ট ফল কলিবে। রোগোপযোগী যথাযথ ঔষধ নির্বাচন করাই চিকিৎসকের চিকিৎসক এবং তাহাই অত্যন্ত মুকুটিন। আমাদের এই "কুস্তলবৃষ্য তৈল" একরূপ উপাদানে নির্মিত ও একরূপ সংযোগে সংযোজিত যে, ইহা মস্তকে মাথিলে কেশকূপাশ্রয়িত বায়ু, পিত্ত, কক ও রক্ত সকলেরই একোপনষ্ট হয় অর্থাৎ ইহা দ্বারা বায়ুর শোষণকতা, পিত্তের পচন এবং কক ও রক্তের কেশকূপাবরোধ নিবারিত হয়। এই মহোপকারী তৈলে কেশভূমি স্নিগ্ধ ও প্রকৃতির থাকে। বস্তুরা শিরোগত ব্যা-
 ১২
 পিত্তাদি দোষের একোপ ■ কেশভূমির হস্তি দুর্নী-
 জ্ঞত হয়, তাহাতে কেশপাত, টাক, ধুস্কী, শিরো-
 ত্রণ ও কেশের অকালগততা প্রভৃতি কেশ ও
 কেশভূমি সম্বন্ধীয় রোগ সকল কেন না নিবারিত
 হইবে? এবং কেনই বা এই ত্রিদোষনাশক স্নিগ্ধ
 গুণাবিত তৈলে মস্তকধূর্নন, মস্তকের দুর্বলতা,
 চিন্তের চাকলা, কাণ্ড্য অমুৎসাহ এবং দর্শন, ভ্রমণ
 ও স্মরণশক্তির অজ্ঞতা প্রভৃতি উৎকট রোগ সকল
 বিনষ্ট না হইবে? আমাদের "কুস্তলবৃষ্য তৈল"
 যেমন রোগনাশক, তেমনই আবার ঐ সকল
 রোগের প্রতিষেধক। এই তৈল স্নানবাহার মাথিলে
 উক্ত রোগ সকল কখনই উৎপন্ন হইবে না।

যদিও কেশপাত ও টাক প্রভৃতি রোগে বিশেষ
 আলা যত্নগা নাই, তথাপি উহাকে অগ্রাহ্য করা
 কোন ক্রমেই কর্তব্য নহে। পরমেশ্বর যে কেবল
 মস্তকের পোড়ার্থই কেশ প্রদান করিয়াছেন,
 তাহা নহে। মস্তক হই থাকিলে চক্ষুর্গাদি
 ইন্দ্রিয় সকলও সবল থাকে, মস্তকপীড়িত হইলে
 উহারও পীড়িত হয়। অতএব যে উপাস (কেশ)
 দ্বারা উত্তমাত্র রক্ষিত হয় এবং যে উত্তমাত্র রক্ষিত
 হইলে চক্ষুর্গাদি সমস্ত জ্ঞানেন্দ্রিয় সবল থাকে,
 যে জ্ঞানেন্দ্রিয়ের বলে জীব সকল সংসারে পরম
 সুখে অবস্থান করে, সেই সুখলাভ করিতে হইলে
 অগ্রে কেশরক্ষা বিষয়ে সকলেরই বিশেষ দৃষ্টি
 রাখা কর্তব্য। "কুস্তলবৃষ্য তৈল" স্তুতি মনোহর
 গন্ধবিশিষ্ট বলিয়া ইহা বায়ুনাশক দ্রবরাং ইহা
 দ্বারা মস্তক বায়ুবিহার প্রশমিত এবং শরীর
 স্নিগ্ধ ও চিত্ত প্রসূত হয়।

একশিশির মূল্য ... ১ টাকা।
 প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা। ভিত্তিপিঃ ১০-
 এককাণ্ডে ১২ শিশির মূল্য ... ১২

প্রশংসাপত্র।

ভারতের প্রধানতম বড় ইংলিস্ক বর্সসম্মারক
বর্সার মহাশয় কেশবচন্দ্র সেন মহোদয়
যং: লিখিয়া গিয়াছেন:—

আমি ৯ মাসকাল ব্যবহার করিয়া বিশেষরূপ
জানিয়াছি যে, আপনাদি "কুন্তলবুবা তৈল" শিরঃশূল
ও শিরোঘূর্ণনাদি রোগের অস্বাধ কলগ্রস মহোদয়।

আপনাদি—ক্রীকেশবচন্দ্র সেন।
কলিকাতা, কলুটোলা।

বাঁওগর জেলার একটা এসিস্ট্যান্ট কমিশনার
বহমানাশ্বর শ্রীযুক্ত বাবু শত্ৰুঘ্নচন্দ্র মহুদার
মহোদয় লিখিয়াছেন:—

মহাশয়, আজ্ঞার সহকারে জানাইতেছি যে,
আপনাদি "কুন্তলবুবা তৈল" ব্যবহারে বিশেষ ফল
পাইয়াছি। অসুখের পুষ্কিক জ্বর ২ শিশি ভিঃ পিঃ
পোটে শীঘ্র পাঠাইয়া দিয়া বাধিত করিবেন।

শ্রীশত্ৰুঘ্নচন্দ্র মহুদার।

জেলা খুলনার সবজ্ঞ বহমানাশ্বর শ্রীযুক্ত বাবু
পূর্ণচন্দ্র সোম মহোদয় লিখিয়াছেন:—

মহাশয়, আপনাদি ইংলিস্ক "কুন্তলবুবা তৈল"
বিশেষ উপকার পাইয়া অদ্য ২ বৎসর কাল
ব্যবহার করিতেছি। ১০ টাকার মণিঅর্ডার
করিলাম, অতঃপর পূর্বক ১২ শিশি "কুন্তলবুবা
তৈল" পাঠাইয়া দিবেন।

শ্রীপূর্ণচন্দ্র সোম।

কপূরাসব।

ইহা সেবনে বিব্রটিকা অর্থাৎ ওলাউঠা, প্রবল
অভিসার, আমাশয়, অগ্নিমান্দ্য ও জ্বরীর্ণ প্রভৃতি
পীড়া সমস্ত শান্তি আশু হয়। ওলাউঠা রোগের উপ-
গ্রস হইতেই ইহা নিরনিতরূপে সেবিত হইলে, পীড়া
প্রায় প্রবল ও মারাত্মক হইতে দেখা যায় না।

১ শিশির মূল্য ... ১০ আনা।

প্যাকিং ও ভাঃ মতে ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১০ টাকা।

এককালে ১২ শিশির মূল্য ১ টাকা।

বর্ণযুক্ত বড় পুণ্ডরলিঙ্গামিত

নকরপুণ্ডর।

ইহা সকলেই অবগত আছেন যে, উপরোক্ত
কলোণকারক ঔষধ, অমুখ্যাম বিশেষের সহিত
সেবন করিলে ক্রান্ত, পিত্ত ও কলঙ্কিত মুহুরিমিত
সর্বপ্রকার পীড়া অর্থাৎ জ্বর, বিকার, জ্বরীর্ণহী,
জ্বিমি, অর্শঃ, জ্বরীর্ণ, কোষ্ঠাশ্রিত বায়ু, এসেহ,
গুত্রকর, কাস, কফ, অতিশয় আমাশয় কিংবা
অগ্নব কোন মানসিক বা শারীরিক পরিভ্রমজ্ঞ
ধাতুদোষলা এবং মতিভ্রমের হীনবলতা, দ্বীবিগ্নের
এসকালে দৌর্বল্য শিথলিগ্নের উৎকালি এবং
বৃদ্ধাবস্থার প্রায় সমস্ত রোগই নিষ্কর আরোগ্য
হয়। ফলতঃ ইহার দ্বারা সমস্ত রোগেরই ধ্বংস
হয়, ইহা বাল্যকালেও অমুখিত হয় না। যেহেতু এক
হবার অমুখি নীল পীড়ানি বিবিধ কাচে বিবিধরূপে
প্রতিফলিত হয়, সেইরূপ একবার "মকরপুণ্ডর" ভিন্ন
ভিন্ন অমুখানের সহিত মিলিত হইলে ভিন্ন ভিন্ন
রূপে প্রবল করিয়া সমস্ত রোগেরই শান্তি করিয়া
থাকে। অধিকতর উপকার দ্বারা আশুপুষ্কি ও
বৃদ্ধিলাভি আশু প্রাপ্ত হয়।

১ বৎসর মাত্রায় ১ পুষ্কির মূল্য ... ৪ টাকা।

ভাঃ মতে ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১০ আনা।

১ তোলায় মূল্য ১৪ টাকা। ভিঃ পিঃ ২৪ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

মারগ জেলার অন্তর্গত মহারাজগঞ্জের এসিস্ট
কমিশনার বাবু রায়চন্দ্র বাহাদুর বড়পুণ্ডরলিঙ্গামিত
মকরপুণ্ডরের উপকারিতার বিষয় লিখিয়াছেন:—

মহাশয়, বিগত ডিসেম্বর মাসে আপনাদি
নিকট হইতে যে ১ পুষ্কি "মকরপুণ্ডর" আনাইয়া-
ছিলাম উহার অভ্যাসে প্রথমদর্শনে আমি মোহিত
হইয়া সাতিশর আজ্ঞার সহকারে উহার উপ-
কারিতার বিষয় মহাশয়কে জানাইলাম।

শ্রীরায়চন্দ্র বাহাদুর—কমিশনার।

মহাশয়, আমি নিশ্চিত অবস্থায় বধে বীর্ঘ্য-
অলন রোগে আক্রান্ত হইয়া ভয়ানক কষ্টে কাল-
ব্যাপন করিতেছিলাম। কিন্তু আপনাদি নিকট
হইতে "মকরপুণ্ডর" আনাইয়া সেবন করিয়া
বিশেষরূপে আরোগ্যলাভ করিয়াছি।

বাধ্য, শ্রীজয়কান্দিন ভ্যাক্সিনেটর।

বাগিগড়, রাঙ্গামাটিপুর, দিনাশপুর।

সারিবাগি কবার ।

আমাদের এই অত্যাকর্ষ-ভাবিত রক্তরসের
অসৌখ্য ঔষধ “সারিবাগি কবার” অর্থাৎ দেবীর
সালসা বধাবিধি সেবন করিলে বাত, রক্ত ও
শিত্তহ্রি, পারদবিকৃতি, উপদংশ (পরমা), বাত-
রক্ত, গাজকণ্ড, বজ্র, সর্বপ্রকার চর্মরোগ, বোম,
পাঁচড়া, বা ঘামাতির দ্বারা চিল অথবা কাল কাল
বাগ ; সিলে, কোবে বা ঠুঁচুকি প্রভৃতি হানে বা,
এই সকল কষ্টকর ■ কষ্টপ্রদ ব্যাধি সত্তর প্রশমিত
হয়। ইহা ভারতীয় সারিবাগি মৌর্যল্য, কৃপতা,
ধাতুকীপতা ও কোষ্ঠ-বদ্ধতা প্রভৃতি দূরীকৃত হইয়া
পরীরসট, পুই ও বলিষ্ট এবং চিত্ত প্রসূত হয়। ইহার
জ্ঞান রক্তপরিষ্কারক ■ পারদমোচনাশক ঔষধ
আর দ্বিতীয় নাই। সারিবাগি কবার সেবনকালে
বাঁধাসালসার জ্ঞান গৃহে আবদ্ধ থাকা প্রভৃতি
কষ্টকর নিয়ম সকল প্রতিপালন করিতে হইবে না,
অথচ তত্ত্বপ ফল হইয়া থাকে। ইহা ত্রিদেশীয়
সালসা অপেক্ষা অস্বল্পে বিশেষ উপকারী।

১ শিশির মূল্য ১৮০ টাকা।
ব্যাকিং : ডাঃ নাঃ ৬৬০ আনা। ডিঃ পিঃ ২৮০ “
এককালে ১২ শিশির মূল্য ১৬০ “

প্রশংসাপত্র ।

পত্রাবধে হৃতপূর্ণ সিতিল সার্জন শ্রীযুক্ত
এইচ, ডব্লিউ, মিটনিস, এম. আর, সি. এস,
(লণ্ডন), সাহেব মহোদয়ের আরাধের “সারিবাগি
কবারের” উপকারিতার বিষয় লিখিয়াছেন ;—

(ইংরেজি হইতে অনুবাদিত)

“বহাশর, আনাদের অন্তর্গত কোষহাটে আপনার
অধিকৃত “সারিবাগি কবার”, পারদমোচনপ্রদ
কষ্টকণ্ডলি রোগীকে ব্যবহার করাইয়া আশাতীত
ফল পাইয়াছিলাম। উক্ত বিষয় জ্ঞাত করা হুজি-
বুজ বিবেচনা করিয়া জানাইতেছি যে, উহা “সর্ব
প্রকার উপদংশ রোগের মহোপকারক ঔষধ, অতি
উৎকৃষ্ট রক্তপরিষ্কারক এবং উপদংশ ও পারাদোষ-
জনিত সর্বপ্রকার চর্মরোগে বিশেষ ফলপ্রসূ।”

এইচ, ডব্লিউ, মিটনিস,

জি. আর, সি. এস, (লণ্ডন)।

শ্রীযুক্ত পুরের সিতিল মেডিক্যাল অফিসার এমিউ
ডাক্তার শ্রীযুক্ত বাবু উদয়চাঁদ দত্ত

মহোদয় লিখিয়াছেন ;—

প্রিয় বিনোদ বাবু !

আমি একবৎসর অন্তীত হইল আপনি যে দুই
শিশি “সারিবাগি কবার” আমার নিকট পরীক্ষার
প্রেরণ করেন তাহা ব্যবহার করাইয়া বিশেষ ফল
প্রত্যক্ষ করিয়া পরে তাহা আমি দুই জন পৌ-
উপদংশ এবং এক জন বাতরোগীকাজ রোগীকে
ব্যবহার করিয়াছিলাম। তাহার আশোপাশাত
করিয়াছে। আমি আপনার “মৃদাঙ্গরস” পরীক্ষা
করিয়া দেখিবার জন্য ২৭১ রক্তোৎকান রোগীকে
উহা ব্যবহার করি, তাহাদিগের পীড়া সত্তর উপ-
শমিত হওয়াতে পরিতুষ্ট হইয়াছি। বচনবস হইতে
আমি দেবীর ঔষধপ্রিয়, আপনার ঔষধের ভণ্ডহুটে
আরও দেবীর ঔষধের লক্ষপাতী হইয়াছি। এসব ঔষধ
আধিকার জন্য আপনি বিশেষ প্রশংসার যোগ্য।

শ্রীউদয়চাঁদ দত্ত। সিবিলাসার্জন।

কালীয়ক জ্বব ।

ইহা ব্যবহারে নেত্রাতিব্যাক (চক্ষুউঠা), চক্ষুর
মাংসবৃদ্ধি, ক্ষত, ছানি, উহা হইতে মলম্রাব এবং
অদূরদূরনি প্রভৃতি চক্ষুরোগ সত্তর প্রশমিত হয়।

এক শিশির মূল্য ১০ টাকা।
প্যাকিং ও ডাঃ নাঃ ৬৬০ আনা। ডিঃ পিঃ ১৮০ “
এককালে ১২ শিশির মূল্য ১২০ “

প্রশংসাপত্র ।

বহাশর, কল্যাণুর বিবাসী শ্রীযুক্ত বাবু রাবহরলাল
বৈদিক মহাশয়ের “চক্ষে ছানি” হইয়া কিছুই
দেখিতে পাইতেন না। আপনার নিকট হইতে
চক্ষুরোগের “কালীয়ক জ্বব” নামক ঔষধ আনাইয়া
ব্যবহার করার চক্ষের ছানি কাটয়া পূর্ণাণেকা
অনেক দেখিতে পাইতেছেন, ইহাতে আমি অতি-
শ্রম সন্তোষ লাভ করিলাম। যোধ হয় কিছুদিন
ব্যবহার করিলে বিশেষরূপে আরোগ্য লাভ
করিবেন।

শ্রীউদয়চাঁদ দত্ত কবিরাজ।

আধিরনধর, পোষ্ট বেদানগর।

মৃগাক্রম দ্রব।

এই মহৌষধ ব্যবহারে রাজবন্দী ও কনকাস প্রভৃতি সর্বপ্রকার কঠিন কাসরোগ, রক্তশিশু, উরঃকত, বরতঙ্গ ও হস্তোগ এবং উহারের স্ত্রী-কৃত হ্রস্ব, বক্ষঃ পার্শ্ববেদন, সপ্তরক্ত-নির্জীবন, নিশাশ্বাস ও অগ্নিমান্য প্রভৃতি উপদ্রব সমস্ত দূরীভূত এবং শরীর পুষ্ট ও বলিষ্ঠ হয় এবং শিশুদিগের উৎকাসি ও নৃংড়িকাসি প্রভৃতি সঙ্কর নিবারণিত হয়। কাসপ্রদগ্ন খাত্তবিশিষ্ট ব্যক্তি-দিগের অর্থাৎ প্রতি শীত-ও বর্ষা ঋতুতে যাহাদের সর্দি ও কাসি হইয়া থাকে, এই ঔষধ সেবন দ্বারা তাহাদিগের কাসপ্রদগ্ন দূর হইয়া শরীর বলিষ্ঠ হয়। ইহা একদেয়দিগের পক্ষে কড়লিতর তৈল অপেক্ষা বিশেষ উপযোগী ও হিতকর।

১ শিশির মূল্য ... ১১০ টাকা।
প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা। ডিঃ পিঃ ২০ আনা।
এককালে ১২ শিশির মূল্য ... ১২০ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

প্রিয় কবিদ্বয় মহাশয়,

কএক দিবস হইল আপনি আমার জন্ত বে "মৃগাক্রম" ব্যবস্থা করিয়াছিলেন, উহার উপকারিতা প্রত্যক্ষ করিয়া বিশেষ সন্তুষ্ট হইয়াছি। আর একবৎসর দাবং আমি কাসরোগে কষ্ট পাইতেছিলাম, সম্প্রতি উক্ত ঔষধ ২ শিশি ব্যবহারে আরোগ্যলাভ করিয়াছি। আমার স্থায় রোগগ্রহ ব্যক্তির যে উহা সেবন করিলে সম্পূর্ণরূপ আরোগ্য হইবেম তাহাতে আর অণুমাত্র সন্দেহ নাই।

আনন্দীন্দ্রক

শ্রীস্বর্ধাকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়।

এসিডেন্ট, কল্টোনার জেনারেলস অফিস,
ট্রেসারি বিল্ডিংসে, কলিকাতা।

মহাশয়, আমার পিতাঠাকুর মহাশয় কাস রোগে মৃতপ্রায় হইয়াছিলেন কেবল আপনার একমাত্র "মৃগাক্রম" নামক মহৌষধ উহার জীবনদান দিয়াছে। একারণ আমি আপনার নিকট চিরদিনের জন্ত কৃতজ্ঞতাপাশে বদ্ধ রহিলাম। এমন মনে হুৎ সংকল্প করিয়াছি যে, আমার বাড়ীতে আপনার ঔষধ জিন্ন পারিত পক্ষে অল্প ঔষধ ব্যবহার করিব না।

চিরানুগত, শ্রীশরচ্চন্দ্র সেন,—ডাক্তার।
অবিদ্যাবাড়ী, পোঃ নারদগিড়হর, কলঃ বরদমানিহে।

দন্তশোধন চূর্ণ।

ইহা নিরসিতরূপে ব্যবহার করিলে, দন্তমূলের ক্ষীণতা, বেদনা ও কত এবং উহা হইতে পুষ্ক-রক্তাশ্রিত নিষ্কর নিবারণ। দন্তমূলের শিথিলতা দূর হয়, ত্রিমদন্ত আরোগ্য, মুখে সুগন্ধ দূর এবং দন্ত উত্তম গুলবর্ণ হয়। এই মহৌষধ দ্বারা দন্ত-মূল ও দন্ত সঞ্চায়ী সর্বপ্রকার পীড়া নিষ্কর সঙ্কর আরোগ্য হয়। সুহাবহার ইহা প্রত্যাহ ব্যবহার করিলে কোন প্রকার দন্তরোগ উপস্থিত হয় না এবং দন্ত বহুকাল নিশ্চল ও কঙ্গীর্ষ থাকে। ইহা দ্বারা মুখ সুস্বাদু ও দন্তজ্যোতিঃ মুক্তাসম গুল হয়।

১ কোঁটার মূল্য ... ১০ আনা।
ডাকমাণ্ডল ১০ আনা। ডিঃ পিঃ ১০ আনা।
এককালে ১২ কোঁটার মূল্য ... ১২০ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

বীরভূমের ডেপুটি মাজিষ্ট্রেট বহমানাঙ্গদ শ্রীকৃষ্ণ বাবু কুলদাশ্রয় সেন মহোদয় লিখিয়াছেন,—

মহাশয়, আপনার "দন্তশোধন চূর্ণ" ব্যবহার করিয়া আমার বিশেষ উপকার হইয়াছে। আমার দাঁতের গোড়া হইতে রক্ত পড়িত, এই চূর্ণ ব্যবহারে তাহা নিবারণ হইয়াছে এবং আরও কয়েকজন এই চূর্ণ ব্যবহার করিয়াছেন ও করেন তাহারাও উপকৃত হইয়াছেন।

শ্রীকুলদাশ্রয় সেন।

মহাশয়, আপনার "দন্তশোধন চূর্ণ" আশাতীত কলমাত করিয়া আজ ৫ বৎসর কাল আমি উহা প্রত্যাহ ব্যবহার করিতেছি। উহার প্রস্তুত-প্রণালী অতি সুন্দর, এবং প্রত্যাবকাল ব্যবহারে আমার যে ইচ্ছা অভিজ্ঞতা দ্বিগুণ হইয়াছে, তাহাতে আমি মুক্তকণ্ঠে বলিতে পারি যে, উহা দন্তরক্ষণের পক্ষে বিশেষ উপকারী।

জে, এম, ক্যাটোকার।
এবং হুমায়ুন সেন, টৌরিস জেন, কলিকাতা।

কীরোর খাদ্য।

ইহা সেবন করিলে অর্ধাণ, উদরাময়, অরপিত, শূল, মূত্রাশয় ও যকৃৎের পীড়া, স্রীরা, অর, কোষ্ঠ-বদ্ধতা, প্রমেহ, রক্তপিত্ত, কাস, বাস, কঠরোগ, কর্ণরোগ, মুখরোগ, অধিক চিন্তা বা অধারন দ্বারা মস্তিষ্কের বলহানি, চিত্তবিকার, নিত্রানান, স্মৃতিকার, প্রমদ ও কষ্টরকঃ এবং শিশুদিগের উদরাময় প্রভৃতি পীড়া ঔষধের সাহায্য ব্যতীত প্রশমিত হয়। ইহা দ্বারা কৃষ্ণাবৃদ্ধি, হৃদয় ও জাহারে রুচি উৎপন্ন হয় এবং মস্তিষ্ক, হৃদয় ও পেশী সকল সতেজ ও সজ্বর বলিষ্ঠ হয়। শিশু, দুর্ভিক্ষ ও গীড়িতদিগের পক্ষে ইহা অপেক্ষা লঘু ও পুষ্টিকর পথ্য অথ্যাপি প্রকাশিত হয় নাই। ইহা ব্যাধি শাস্তির এক অতি সহজ উপায়।

ছোটটিন কোঁটার মূল্য ... ১০ আনা।

ডাকমাণ্ডল ... ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১৮/০

এককালে ১২ টি ছোটটিন কোঁটার মূল্য ৫ টাকা।

একটিন কানিটার মূল্য ... ২ টাকা।

ডাকমাণ্ডল ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ২৮/০ আনা।

এক বড় টিন কানিটারে এক ছোট টিন কোঁটার ৬ গুণ পরিমাণ থাকে।

এককালে ১২ টিন কানিটারের মূল্য ... ২০ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

আদীর্ঘ্য পূর্বক নিবেদন মিক

আমি কতকগুলি রোগগ্রস্ত হইয়া স্বাধীন জীবন চাকার বাবুর অহুমতি মতে আমি আপনাদিগের “কীরোর খাদ্য” সেবন করিতে আরম্ভ করি। “কীরোর খাদ্যের” ব্যবহা পত্রে তাহার গুণবলি বর্ণন দেখিয়া, আমি অধ্যবসায় সহকারে ক্রমে উহা তিনবার পর্য্যন্ত সেবন করিয়া আসিতেছি। সুখাময় ওষধ অথবা সুখ-সেবা খাদ্য “কীরোর খাদ্য” দ্বারা এই অল্প সময়ের মধ্যে আমি যে অতুতপূর্ণ উপকার লাভ করিয়াছি, তাহা লেখনী দ্বারা বর্ণন করা যায় না। ব্যবহা পত্রে পুস্তকের যে কয়েকটি পীড়ার উল্লেখ আছে, ২১২ টি বাদে তাহার অধিকাংশ পীড়াই আমার ছিল। সেই সকল অসুখ বা কষ্টসাধ্য রোগ হইতে অনেক মুক্তি হইয়াছি, ক্রমশঃ করি আর কিছুদিন ব্যবহার করিলে নিশ্চয়ই আরোগ্য হইব। আশীঃ, শ্রীবিপিনবিহারী ভাট্টা, নাজির। মাওলা কালেক্টারি, মোঃ সিংহের, পোঃ টাংড়া।

কতাস্তক তৈল।

ইহা ব্যবহারে সর্বাঙ্গকান্ধ হুইকত, দাণীবা, বৃক্করোগ, অর্ধকত, ভগবদ, পীনস, মুখরোগ ও কর্ণকিত প্রভৃতি মধ্য নিবারিত হয়।

১ শিলির মূল্য ... ১ টাকা।

প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১/- আনা। ভিঃ পিঃ ১৮/০

এককালে ১২ শিলির মূল্য ... ১২ টাকা।

প্রশংসাপত্র।

মহাশয়, আপনাদি “কতাস্তক তৈলের” গুণ বর্ণনে মহাশয়কে আহ্বান সহকারে জানাইতেছি যে, উক্ত তৈল আপনাদি নিকট হইতে আনাইয়া হুইটী কত রোগীর কতদূর তিন দিন মধ্যে আরোগ্য করিয়াছি। ঘামের পক্ষে আলা বস্ত্রা-শূভ এমন ওষধ “জগতে অতি দুর্লভ”। এই ঔষধের অসাধারণ গুণ জগতে বত প্রচার হইবে ততই কল্যাণ সাধিত হইবে। বিনয়ানন্দ ঈ

শ্রীরাসবিহারী দাস,—একাউন্টেন্ট।

মুসেদী আদালত, হবিগঞ্জ, জেলা শ্রীহট।

মহাশয়, আমি অনেক কিবদ হইতে অতিকষ্টকর ও বয়সীসারক “ভগবদ” রোগাক্রান্ত হইয়া কষ্ট পাইতেছিলাম। কান একবার ইংরাজী ওষধ ও আবার কোন বস্তুর পরামর্শ বতে কলিকাতা হইতে লিবার্ণয়ের প্রভৃতি প্রসিদ্ধ ওষধ ব্যবহার করিয়া কোন কল্যাণ না হইয়া, পরিশেষে আপনাদি “কতাস্তক তৈল” আনাইয়া ২১০ শিলি ব্যবহার করি জগদীশ্বরের কৃপায় ও আপনাদি তৈলের গুণে আমি দুর্ভিক্ষ রোগের হস্ত হইতে সম্পূর্ণরূপে আরোগ্যলাভ করিয়াছি ও আশ্চর্য্যবশী আমার একটা শরমবহু “কতাস্তক তৈল” দ্বারা “পীনসরোগ” হইতে মুক্ত হইয়াছেন। এখানকার ডাক্তারেরা বলিয়াছিলেন যে, তাহার নাসিকা ধমিরা বাইবেক।

শ্রীমহুদন সরকার।

পোঃ মাটার,—পোঃ টাংড়া।

স্বরস্বন্দরী বটিকা।

সর্বপ্রকার গ্রীষ্মরোগের মহৌষধ।

ইহা সেবন করিলে রক্ত ও ত্বকপ্রদর, কষ্টকুশল, বাধক, রোগবক্ষা এবং অকাল প্রসব অর্থাৎ গর্ভপ্রাণ প্রভৃতি সর্বপ্রকার গ্রীষ্মের বিস্তার আরোগ্য হয়। এই কলাগন্ধের সিদ্ধবটিকা সর্ব-শরীরের রক্ত পরিষ্কার করিয়া অর্যাবুর সমস্ত পীড়া আরোগ্য করে।

এক কোটার মূল্য ... ২, টাকা।

ডাকবাংল ১০ আনা। - ডি: পি: ২৮০ আনা।

এককালে ১২ কোটার মূল্য ... ২১, টাকা।

প্রশংসাপত্র।

জেনা দিনাজপুরের এ্যামিস্ট্যাট ইঞ্জিনিয়ার গরম পুজুরী প্রবৃত্ত বাবু ভবানীচরণ মুখোপাধ্যায়

“স্বরস্বন্দরী বটিকা” উপকারিতার

বিষয় লিখিয়াছেন;—

গরম শুভানীর্কাদ বিজ্ঞাপনক বিশেষ;—

এম ১৮ বৎসর হইল আমি মোঃ ডিহিরিতে থাকিতে তথায় আমার এক গরমাজীর ব্যক্তির পরিবারের বাধক পীড়ার জন্য আপনার “স্বর-স্বন্দরী বটিকা” অর্থাৎ গ্রীষ্মরোগ বাধকের মহৌষধ এক কোটা লইয়া গিয়া তাহাকে সেবন করান হইল। তিনি উক্ত ষোরতর কষ্টকর বাধক পীড়া হইতে আরোগ্যলাভ করিয়া ২ মাসের মধ্যেই অস্তঃসত্ত্বা হইয়া সময়ে একটি সুসন্তান প্রসব করিয়াছেন। আপনার উক্ত ঔষধ যে বাধক পীড়ার বিস্তার আরোগ্যকারক, তাহা আমারিগের দ্বিগ্ন সিদ্ধান্ত হইয়াছে।

তত্ত্বাধুখারী

প্রভবানীচরণ মুখোপাধ্যায়।

চন্দকডালা, ভবানীপুর।

মহাপ্রম, আপনার কৃত “স্বরস্বন্দরী বটিকা” অনাবরণ ৬০০ আমি মফই মখী হইলাম। আমি দুইটা গ্রীষ্মকাল উক্ত বটিকা ব্যবহার করাইয়াছিলাম। এক এক কোটা ঔষধ বাইরা উক্তই সম্পূর্ণরূপে আরোগ্য হইয়াছেন। ব্যারাম একমির “ঔষধবাহু” অপসারী “রক্তপ্রদর” নিবেদন ইতি।

শ্রীবিগিনবিহারী মিত্র—ডাক্তার।

পোঃ জগদল, জেনা দিনাজপুর।

ভূনিষাদি কষায়।

দ্রুতিত ঈলকামুনিত (মালেরিাক) জর, সর্বপ্রকার পুরাতন জর, বিষমজর, মেহঘটিত জর, একজর ও পথায়জর এবং তৎসংযুক্ত শ্রীহা রক্তকাদির বিস্তার আরোগ্যকারক মহৌষধ।

১ বোতলের মূল্য ... ১ টাকা।

এককালে ১২ বোতলের মূল্য ... ১১, টাকা।

ডাকে বোতল পাঠাইতে হইলে অধিক মাত্রা লাসে তৎকৃত শিশি পূর্ণ করিয়া পাঠান হয়।

প্যাকিং ও ডা: বা: ১৮০ ডি: পি: ২, টাকা।

প্রশংসাপত্র।

পার্বনার জর আদালতের এন্ড্রি উকিল বহ-মানাশ্রম শ্রীযুক্ত বাবু বাবচন্দ্র বাগ্টি মহাশয়

“ভূনিষাদি কষায়ের” উপকারিতার

বিষয় লিখিয়াছেন;—

গরম কল্যাণবরেষু।

আজীবন সহকারে জানাইতেছি যে, আপনার দয়াবিস্তৃত “ভূনিষাদি কষায়” দুই বোতল নির-মষ্ট ব্যবহারে মদীর তনয়া শ্রীমতী বরদাহন্দরীর যক্ষ্মাশ্রীহাতিত মালেরিাক জ্বরাকালে দুরিগ্রাস হইয়াছে। মহাপ্রম চিরজীবী হউন এই আশীর্বাদ করি।

আশীর্বাদক, শ্রীযুক্ত বাবচন্দ্র বাগ্টি।

মহেশ্বর চূর্ণ।

অর্থাৎ

বাতরক্ত ও কুষ্ঠরোগের মহৌষধ।

হস্তপদাদির জ্বালা, হাতাভ্যন্তরে পিপীলি-কাটির গতির দ্বারা বাধ, গাত্রে বিশেষতঃ গড়া-মিতে চক্ষাকার চিহ্নোৎপত্তি এবং নাসিকা ও কর্ণাদির দ্বারা প্রভৃতি লক্ষণ সংযুক্ত সর্বপ্রকার বাতরক্ত ও কুষ্ঠরোগে উল্লিখিত ঔষধ সমস্ত ব্যব-হারে সমস্ত নিবারণিত হয়। এমন কি অঙ্গুলি প্রভৃতির বক্রতা ও ক্ষত হইলেও কিছু দিন এই ঔষধ ব্যবহারেই পীড়ার উপশম হইয়া থাকে।

একমান ব্যবহারোপযুক্ত ঔষধের মূল্য ১, টাকা।

১ শিশির মূল্য ... ২৮, টাকা।

১ শিশি তৈল ১৮০ বোতল পোতা ... ১, টাকা।

১ শিশি মর্দন ... ১৮, টাকা।

প্যাকিং ও ডা: বা: ১৮০ ডাকল ডি: পি: ২৮০, টাকা।

সারস্বতারিফ ।

এই কল্যাণকর অরিষ্ট সেবন করিলে ক্ষতি-
শক্তি বৃদ্ধি, বরপুষ্টি, শরীরের বল, বীৰ্য, পুষ্টি ও
কাতি বৃদ্ধি হয় এবং অধিক অধ্যয়ন, অশেষ
চিন্তা ও গুরুতরলা প্রভৃতি দ্বারা মস্তিষ্ক হীনবল
হইলে ইহা দ্বারা পুনরায় স্বাভাবিক বল প্রাপ্ত
হয়। অন্নবেধানসম্পন্ন, বালুক, বাগিকা এবং
অধিক অধ্যয়নপূর্ণ হইলে ইহার ২০ শিপি মাত্র
সেবনে সঙ্গর তীক্ষ্ণবুদ্ধিসম্পন্ন, মেধাবী ও সবলচিত্ত
হয়। অন্নষ্টভাবী (তোতলা), কর্কশ বরবৃত্ত
বাক্তিরা এবং পীড়া বা অধিক সঙ্গীতচর্চা দ্বারা
বিকৃতময় পারকগণ ইহার ৭।০ শিপি সেবনে
শ্রীভাবী ও সুবরসম্পন্ন হয় এবং ইহার
৬০ শিপি সেবন দ্বারা স্ত্রীদিগের রম্যোদ্যম অল্প
বহুকালস্থায়ী বস্তুতা এবং পুরুষের গুরুদোষ অল্প
অপত্যোৎপাদনের ব্যাঘাত দূরীভূত হয়।

কিংবদন্তী আছে, তৎপদ্য বসন্তরী নিজ
শিষ্যগণের কল্যাণার্থে এই পরম হিতকর অরিষ্ট
প্রস্তুত করেন, তাহার নিমিত্ত ইহা সেবন করিয়া
অসাধারণ মেধানসম্পন্ন, ওজবী, বলীপশিতাদি-
বর্জিত ও দীর্ঘজীবী হইরাছিলেন।

১ শিপি মূল্য ১০ টাকা।
প্যাকিং ও জাঃ মাঃ ১০/০ আনা। ভিঃ পিঃ ১৫০ আনা।
এককালে ১২ শিপি মূল্য ১২০ টাকা।

প্রশংসাপত্র ।

ইহাশর, মাসিক মৌরুল বসন্তঃ আমার
স্বরণশক্তি একেবারে লোপ হইরাছিল। মহাশয়ের
নিকট হইতে এক শিপি “সারস্বতারিষ্ট” নামক
ঔষধ আনা হইয়া সেবন করার বিশেষরূপে উক্ত
পীড়া হইতে আরোগ্যলাভ করিয়াছি। আগবার
ঔষধের যে অসাধারণ গুণ তাহা বর্ণনাভীত।

বশব্দ, শ্রীমহেশনাথ অধিকারী।

দ্বিতীয় শিক্ষক, কোটবাগি হুল, —রঙ্গপুর।

মহাশর, আপনাদি সেবনশক্তি প্রত্যক্ষ কল-
প্রদ “সারস্বতারিষ্ট” ঔষধ ক্রমশঃ ৮ শিপি ব্যব-
হার করিয়া পরম প্রীতিলাভ করিয়াছি।

১ নিবেদক, শ্রীগোপালচন্দ্র মণ্ডল।

কুটীপুর ডিহি, পোষ্ট চান্দা—মেদিনীপুর।

প্রমেহাস্তক বটিকা ।

ইহা সেবনে প্রমেহ কামীন কষ্ট ও জ্বালা,
মূত্ৰাঘাতঃ প্রস্রাবের বেগ, রক্ত ও সপ্তরসাক্ত নিঃস্রাব
ও অসারি উপদ্রব প্রভৃক্ত সর্বসংকার ও পুনর্গত
প্রমেহ সম্বর আয়োগ্য হয়।

১ কোটীর মূল্য ১৫০ টাকা।
ডাকমাণ্ডল ১০ আনা। ভিঃ পিঃ ১৫০ আনা।
এককালে ১২ কোটীর মূল্য ১৫০ টাকা।

প্রশংসাপত্র ।

মহাশর, আপনি অনুগ্রহ করিয়া যেমবাধিত
“প্রমেহাস্তক বটিকা ও কীরোদখান্য” পাঠাইয়া-
ছিলেন, উহাদের আশ্রয় গুণ দর্শনে আমি বিশেষ
সন্তোষ লাভ করিয়াছি। অনুগ্রহ পূর্বক একপে
। শিপি কুতলবৃত্ত তৈল ভিঃ পিঃ পোষ্ট পাঠাইয়া
বাধিত করিবেন।

বশব্দ

শ্রীমহেশনাথ সরকার, —হেডমাষ্টার।

উলিপুর এইচ, সি, ই, স্কুল, জেলা রঙ্গপুর।

মহাশর, আমার জ্বালাপুঞ্জের জন্য যে এক
কোটা “প্রমেহাস্তক বটিকা” আনা হইয়াছিলেন, উহা
ব্যবহারে তাহার বিশেষ কললাভ হইয়াছে।
আশা করি আর কিছু দিন উক্ত ঔষধ ব্যবহার
করিলে সম্পূর্ণ আয়োগ্য লাভ করিতে পারি-
বেম। অনুগ্রহ করিয়া আর ২ কোটা পাঠাইয়া
বাধিত করিবেন।

একান্ত বশব্দ

শ্রীমহেশনাথ সরকার, —দ্বিতীয় শিক্ষক,

এইচ, সি, ই, স্কুল, টকারি—রাজসাহি।

মহাশর, আমি ওপসর্গিক প্রমেহ রোগাক্রান্ত
হইয়া নানা প্রকার উৎকৃষ্ট ঔষধাদি সেবন করিয়া
কল না পাওয়ার অবশ্যতা ত্যাগ করিয়াছিলাম,
কিন্তু আপনাদি “প্রমেহাস্তক বটিকা” আমিত
সেবন করিতে সম্পূর্ণ আয়োগ্যলাভ করিয়াছি।
একপাশ্রয় গুণ আর কোন ঔষধের দেখি নাই।

বশব্দ, শ্রীমহেশনারায়ণ দাস, সি, জি,

বামুদিয়া গ্রাম, পোঃ জোনাথ, —রঙ্গপুর।

ঘাতুকাণ ও ধ্বজভঙ্গের

মহৌষধ ।

বহুদিনের প্রমেহ ও অতিশয় ইন্দির পরবশতা
কংবা বোমকভাব রূপত দেহের শক্তি অপরিমিত
কম হওয়া সর্বদা যে ঘাতুতরল ও পুরুষের
ম হইয়া থাকে, এই মহৌষধ মিরমপূর্বক
করিলে সম্পূর্ণরূপে আরোগ্য হয় ।

১ মাস ব্যবহারোপযুক্ত দুই একর
খর মূল্য ৬ টাকা ।
১ শিপি তৈলের মূল্য ... ১০
কিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ৩৫ ।

নলিনাসব ।

ইহা সেবনে স্ত্রীলোকদিগের স্তন্যকমল স্বর,
শাসার, ক্রমোগ, অগ্নিমান্দ্য, অরুচি, রাস্তি,
নবাবী গ্রহণী, শোথ, অজীর্ণ, বলক্ষয়, প্রসর,
গ, কাস, হৃদি ও শিরঃশীড়া প্রভৃতি উৎকট
প দমন প্রশমিত হইয়া শরীর সবল ও পুষ্ট
হইতে প্রবৃত্ত হয় ।

১ শিপি মূল্য ... ১০ টাকা ।
কিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ২০ ।
২ কালে ৬ শিপি মূল্য ... ৭০ টাকা ।
১ শিপি একত্রে ৭০ টাকা । ভিঃ পিঃ ২০ আনা ।

রক্তাতিসার ও আমরক্ত

গ্রহণীর মহৌষধ ।

উপরোক্ত ঔষধ সেবনে সর্বপ্রকার রক্তাতি-
সার ও আমরক্ত গ্রহণী, অরু, শোথ, অরুচি
ইত্যাদি উপগ্রহসংক্রান্ত ব্যাকিলেও বিস্তর অতি
শরীর আরোগ্য হয় ।

১ শিপি মূল্য ... ২ টাকা ।
প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ৬
১ শিপি একত্রে ১০ টাকা । ভিঃ পিঃ ১২০ ।

লোমশাতন চূর্ণ ।

ইহা লোমহাদে লাগাইলে বিদ্যমান গুহ-
কমল লোম সকল বিধ্বল হইয়া যায় । বিশে-
ষতঃ কল ও ঘাড় প্রভৃতি কোমল স্থানে ইহা
সর্বদা ব্যবহার করা অতিশয় পায় ।

যারা মুণ্ডন করিলে বে সময় মধ্যে লোম সকল
পুনরুৎপন্ন হয়, ইহা যারা নিষ্প্রসূত হইলে আর
তাহার চতুর্গুণ সময় নির্দোষ থাকে ।

১ শিপি মূল্য ... ১০ আনা ।
ডাকমাণ্ডল ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ১০
১ শিপি একত্রে ২০ টাকা । ভিঃ পিঃ ৩০

কপূরাসব ।

ইহা সেবনে বিপ্লবিকা অর্থাৎ ওলাউঠা, প্রবল
অতিসার, আমাশয়, অগ্নিমান্দ্য ও অজীর্ণ প্রভৃতি
শীঘ্র শরীর শান্তি প্রাপ্ত হয় । ওলাউঠা রোগের উপ-
ক্রম হইতেই ইহা নিরমিতরূপে সেবিত হইলে, শীঘ্র
আর প্রবল ও মারাত্মক হইতে দেখা যায় না ।

১ শিপি মূল্য ... ১০ আনা ।
প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ১০ টাকা ।
১ শিপি একত্রে ২০ টাকা । ভিঃ পিঃ ৩৫ আনা ।

বাতরক্ত ও কুষ্ঠরোগের

মহৌষধ ।

১ ইতপদাধির জ্বালা, গাজাভাঙ্গের পিঙ্গলি-
কাদির দতির তার বোধ, গায়ে বিশেষতঃ
গাওমিটে চক্রাকার চিত্রাংগুষ্ঠি এবং দাসিকা ও
কর্ণাদির ক্ষতি প্রভৃতি সকল সংযুক্ত সর্বপ্রকার
বাতরক্ত ও কুষ্ঠরোগ উল্লিখিত ঔষধ সমস্ত ব্য-
হারে শরীর নিবারণিত হয় । এমন কি অজুনি
প্রভৃতির বক্রতা ও ক্ষত হইলেও কিছু দিন এই
ঔষধ ব্যবহারেই শীঘ্র উপশম হইতে পারে ।

একমাস ব্যবহারোপযুক্ত ঔষধ ।

১ শিপি মূল্য ... ২০ টাকা ।
১ শিপি তৈল ১০ হেড পোয়া ৬
১ শিপি মর্ষম ... ১০
প্যাকিং ও ডাঃ মাঃ ১০ টাকা । ভিঃ পিঃ ১০

নখস্থাদি দ্রুত ।

ইহা যারা নানানোষ জমিত উপলব্ধিক ও
অপর সর্বপ্রকার ক্ষত এবং শারীরা আরোগ্য হয় ।

১ কোটীর মূল্য ... ১০ আনা ।
ডাকমাণ্ডল ... ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ১০
১ কোটীর মূল্য ... ১০ আনা । ভিঃ পিঃ ১০

নিম্নলিখিত মৎপ্রণীত ও সংগৃহীত আয়ুর্বেদ-শাস্ত্র-সম্বন্ধীয় পুস্তক সকল আমার নিকট বিক্রয়ার্থ প্রস্তুত আছে।

তৈলজ্যরত্নাবলী।

এই সুপ্রসিদ্ধ আয়ুর্বেদীয় চিকিৎসাগ্রন্থে
নিদানোক্ত সমস্ত রোগের চিকিৎসা, পথ্যাপথ্য,
ঔষধ অযোগ ও প্রস্তুত করিবার প্রণালী বিস্তা-
রিতরূপে লিখিত আছে। ইহা পরিবর্দ্ধিত অর্থাৎ
ইহাতে চন্দ্রদত্ত, রসেন্দ্রচিহ্নামণি ও শারঙ্গধর প্রভৃতি
বিবিধ গ্রন্থ হইতে নামাশ্রয়কার তৈল, ঘৃত,
ধাতুযুগল-ঔষধ ও অগ্নিষ্ট আসবাদি অধিকন্তু এই
চতুর্থ সংস্করণে বিশেষ বিশেষ তন্ত্র হইতে বিবিধ
উদ্ধৃত পাঠ, নিদানোক্তাতিরিক্ত কতিপয় রোগের
আন্ত কলপ্রাণ বিবিধ ঔষধ সন্নিবিষ্ট করিয়া
এংকৃত মূল ও বঙ্গাভূবাদ সহিত বঙ্গাকরে
মুদ্রিত ও প্রকাশিত হইয়াছে।

মূল্য ... ৬ টাকা। ডাকমাণ্ডল ... ১০ আনা।

আয়ুর্বেদ বিজ্ঞান।

এই সুবিশিষ্ট আয়ুর্বেদ-সংগ্রহ, চরক, বৃহস্পতি,
আজ্ঞেয়সংহিতা, হারীত, বাস্কট, রসেন্দ্রচিহ্নামণি
রসরত্নাকর ও ভাবপ্রকাশাদি প্রসিদ্ধ প্রসিদ্ধ
আয়ুর্বেদীয় গ্রন্থ সকল হইতে সংকৃত মূল ও
তাহার বঙ্গভাষায় অনুবাদ সহিত প্রকাশিত
হইয়াছে। ইহাতে আয়ুর্বেদীয় চিকিৎসা-সম্বন্ধীয়
অবশ্য জ্ঞাতব্য সকল বিষয়ই বর্ণিত হইয়াছে।
ইহা বৃহদ্রহ্মান, পারীরহ্মান, অব্যাহান ও নিদান-
চিকিৎসিতহ্মান নামক চারিটি গ্রন্থে বিভক্ত হইয়া
চারিখণ্ডে সম্পূর্ণ হইয়াছে। প্রথমখণ্ডে—আয়ুর্বেদ
প্রচারের ইতিহাস, ঔষধ ও তৈলাদি প্রস্তুত
করিবার নিয়ম, নাড়ী প্রভৃতির পরীক্ষা, বমন-
বিরেচনাদি সূক্ষকর্ষ, ধাতুজব্যাদির শোধন জার-
ণাদি, রাসায়নিক যন্ত্র ও শস্ত্রাদির বর্ণন ইত্যাদি ;
দ্বিতীয়খণ্ডে—পারীরিক যন্ত্র, শরীর নির্দীপক
উপাধান সমস্তের সংস্থিতি, আকৃষ্টি, ক্রিয়া ও
প্রধান প্রধান শরীর ক্রমের চিত্র প্রদর্শন প্রভৃতি ;
তৃতীয়খণ্ডে—আয়ুর্বেদীয় চিকিৎসার ব্যবহৃত
জঘনকর্মের পট্টা, জল, প্রয়োগ, বাক্য ও বাহার

কেন্দ্রাংশ এইরূপ ইত্যাদি এবং চতুর্থখণ্ডে—প্রত্যেক
রোগের উৎপত্তির কারণ, লক্ষণ, ভিন্ন ভিন্ন অবস্থার
চিকিৎসা ও পথ্যাপথ্য ব্যবস্থা প্রভৃতি বিবরণ সমস্ত,
বিশদ ও বিস্তারিতরূপে বর্ণিত হইয়াছে।

প্রথমখণ্ডের মূল্য ... ৬ ডাকমাণ্ডল।

দ্বিতীয় ও তৃতীয়খণ্ড একত্র মূল্য ৬ ২ ১০

চতুর্থখণ্ডের মূল্য ... ৬ ২ ১০

এককালে ৩ খণ্ডের মূল্য ১৮ ২ ১০

আয়ুস্তম্ভ বিজ্ঞান।

অর্থাৎ দীর্ঘজীবন লাভের উপায়।

এই পুস্তকে মহাব্যোম আয়ু, দীর্ঘায়ুলাভের
উপায়, বেশকাল ভেদে আয়ু তায়তম্য, বায়ু,
বৌবন, বার্কক্য, আহার, বিহার, পরিচ্ছদ, জন-
বাধু, বাসস্থান, সঙ্গজনক রোগ, জ্বর, ব্যাধি ও
বিভ্রাম প্রভৃতি বিষয় সমস্ত অর্থাৎ মানবগণ
যদিরা সুখসচ্ছন্দে থাকিরা দীর্ঘায়ু লাভ অর্থাৎ
শতাধিক বর্ষ জীবিত থাকিতে পারেন, তাহার
উপায়, বিবিধ সংকৃত আয়ুশাস্ত্র ও ইংরাজি
চিকিৎসা গ্রন্থ হইতে সংগৃহীত হইয়া বঙ্গভাষায়
বিস্তারিতরূপে বর্ণিত হইয়াছে। ইহা বাসক,
বৃহ, সুবা, শ্রী ও পুরুষ সকলেরই পাঠ্য ও জ্ঞাতব্য।

মূল্য ১ টাকা। ডাকমাণ্ডল ৮০ আনা।

আর্য্যগৃহ-চিকিৎসা।

ইহাতে নিদানোক্ত প্রায় সমস্ত রোগের অর্থাৎ
যে যে পীড়া এক্ষণে সর্বত্র উপস্থিত হইয়া
থাকে, তাহাদের উৎপত্তির কারণ, লক্ষণ,
চিকিৎসা ও পথ্যব্যবস্থা প্রভৃতি বিবরণ সমস্ত সরল
বঙ্গভাষায় লিখিত হইয়াছে। পুঙ্খনুপুঙ্খ চিকিৎসা
সর্বত্র সাহায্যনিয়োগ হইয়া এই গ্রন্থ সার্ব
অবলম্বন করিয়া বাহ্যতে এই সকল রোগের প্রতি-
কার করিতে সমর্থ হন, ইহাই এই গ্রন্থ প্রচারের
উদ্দেশ্য। ইহাতে নামাশ্রয় রোগ ব্যতীত অসং

ত্রিক ইষ্টিকা, অর্ধাং সন্ধিপাণি, উচ্চহাসন হইতে
পতন, অজ্ঞানত, উষ্মান, অগ্নিদাহ, বিবর্শন ও
মর্দ্যাবাত প্রভৃতি আন্তঃপ্রাণনাশক বিপদ হইতে
প্রাণরক্ষার উপায় সন্নিবেশিত হইয়াছে। আর
ভারতবর্ষ ও তরিকটস্থ প্রধান প্রধান স্থানের জন-
বাসু প্রভৃতির গুণ ও বেবে স্থান যোগ্য শাস্তির
অনুকূল বা অতিকূল, তাহাও লিখিত হইয়াছে।

মূল্য ১০ টাকা। ডাকমাণ্ডল ৮০ আনা।

পাণিনীর ব্যাকরণ।

“সিদ্ধান্তকৌমুদী”।

সম্প্রতি এতদংশে চতুর্শাস্ত্রী, কলকাতা ইত্যাদিতে
বে সন্নিবেশিত কাব্য শাস্ত্রের আলোচনা চলিতেছে,
তাহাদের প্রায় সকল গুলিতেই মরিনাথকৃত
টীকার মধ্যে পাণিনীর মূল সন্নিবেশিত আছে,
কিন্তু এই মূল সাধারণের (খালকগণের) সম্যক
বোধগম্য হয় না। আরও এতাদৃশ মূলপ্রসিদ্ধ
প্রাচীন ব্যাকরণের মর্দ্যাবগত হওয়া সংস্কৃত
ভাষাসুত্রসী পাঠ্যকবর্গের আবশ্যক বিধান,
আমরা বহুবল্যে সবিশেষ পরিচয়ের সহিত মহর্ষি
পাণিনিপ্রণীত সিদ্ধান্তকৌমুদী নামে মূলপ্রসিদ্ধ বৃহৎ
ব্যাকরণ, সম্পূর্ণ ভাষাবোধিনী টীকা এবং বিবরণ
বঙ্গভাষার সহিত বঙ্গাকরে দুইখণ্ড মুদ্রিত
করিয়াছি। প্রথমখণ্ডে—সন্ধি, শব্দ, বীজপ্রত্যয়, কারক,
লগ্নান ও ভুক্তিত প্রকরণ; দ্বিতীয়খণ্ডে—তিজ, ভূত,
উপাধি ধাতু প্রকরণ সন্নিবেশিত হইয়াছে।
তৃতীয়খণ্ডে—দেবনাগরাকরে উল্লিখিত অক্ষরাদি
স্বরচিহ্নিত মূল, টীকা এবং নিয়মগণে বঙ্গাকরে
বঙ্গভাষার সহিত বৈদিক প্রকরণ, স্বরপ্রকরণ,
লিঙ্গাঙ্গুশাসন এবং মূলমাত্র গণপাঠ, ধাতুপাঠ,
অকারাদিক্রমে পাণিনীর মূল সকলের সুস্পষ্ট
সহিত মুদ্রিত হইয়াছে।

মূল্য ... ১২ টাকা। ডাকমাণ্ডল ১০ আনা।

মাধব-নিদান।

সংস্কৃত মূল এবং মূলপ্রসিদ্ধ সিবিল সার্জন
ডাক্তার বাবু উমরচাঁদ দত্ত কৃত সরল বাঙ্গালা
অনুবাদ সহিত প্রকাশিত। ইহাতে রোগসমূহের
ইজাজী নাম সমস্ত লিখিত হইয়াছে।

মূল্য ... ১০ টাকা। ডাকমাণ্ডল ৮০ আনা।

বাগ্ভট।

অষ্টাঙ্গসংহিতা।

এই মূলপ্রসিদ্ধ, ঋষিপ্রণীত, প্রাচীন বৈদ্যক গ্রন্থ
সংস্কৃত মূল এবং সরল বঙ্গভাষায়ের সহিত
প্রকাশিত হইয়াছে। ইহাতে শারীর, রিসচক্ষু,
জরায়ু প্রভৃতি এবং কার্যচিকিৎসা (সর্বপ্রকার
রোগের চিকিৎসা), বাসচিকিৎসা, কৃতবিদ্যা
(প্রবৃত্ত্যাবশ্যচিকিৎসা), উদ্বাহচিকিৎসা
(শিরঃকর্ণাদি রোগচিকিৎসা), পল্যকৃত (পল-
চিকিৎসা), বিবচিকিৎসা, রসারমতন্ত্র (আয়ু-
র্বেদবৈদ্যকচিকিৎসা) এবং স্বাস্থ্যকরণ (স্বাস্থ্যক-
চিকিৎসা) ইত্যাদি আয়ুর্বেদীয় অবশ্য জ্ঞাতব্য
বিষয় সমুদয়ে বিস্তারিতরূপে বর্ণিত আছে।

মূল্য ... ৯ টাকা। ডাকমাণ্ডল ... ৮০ আনা।

আয়ুর্বেদীয় জব্যোতিধান।

ধনুজনির্ঘণ্ট, সংস্কৃতরহস্যতরঙ্গ, মনসপাণ-
নির্ঘণ্ট ও গণ্ডাররহস্যমালা প্রভৃতি আয়ুর্বেদীয়
জব্যোতিধান এবং নানা কোষ হইতে আয়ুর্বেদীয়
জব্য সমস্ত, রোগ, শারীর বহু, মানসরিক্তাধা
এবং মূলজ্যোতিধনগণসমূহ ও তাহাদের গুণ প্রভৃতি
আয়ুর্বেদগঠনোপযোগী বিষয় সমস্তের নাম,
লিঙ্গ ও অর্থ ইত্যাদি সংগৃহীত ও অকারাদি
ক্রমে বিস্তৃত হইয়া প্রকাশিত হইয়াছে।

মূল্য ২১ টাকা। ডাকমাণ্ডল ৮০ আনা।

হারীত-সংহিতা।

(সংস্কৃত মূল দেবনাগর অক্ষরে।)

ইহা চরকাদির জায় এক প্রাচীন সংহিতা গ্রন্থ।
ইহাতে চিকিৎসাসম্বন্ধীয় গৃহ উপদেশ, শারীরহান,
জব্য সকলের গুণ এবং রোগসকলের নিদান ও
ওষধাদি বিস্তারিতরূপে বর্ণিত আছে।

মূল্য ৩ টাকা। ডাকমাণ্ডল ৮০ আনা।

অপরিস্ফুট প্রাচীনমহাদেশগণকে প্রথমে অন্ততঃ
ঐহার নামগুলি প্রেরণ না করিলে ডিঃ পিঃ পোষ্ট
পুস্তক প্রেরিত হয় না।

ককিলের প্রসিদ্ধ ঔষধাদি ।

| | | | | | | | |
|----------------------------|-----|----------|----|--------------------------|-----|---------|----|
| কুহং চন্দ্রোদয় মকরজ্বর | ১০০ | ১ সের | ১ | অমৃতকোশযুত | ১০০ | ১/১ সের | ২৫ |
| কিয়ারামি চকুদুঃখ | ১০০ | " | ১ | বৃহৎ কিরাতারি তৈল | ১০০ | " | ১৫ |
| কুহংকল রস | ১০০ | " | ১ | বৃহৎ শুভ্রচ্যাবি তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কুহংকল মকর | ১০০ | " | ১ | মহা হনুমান তৈল | ১০০ | " | ২০ |
| কুহংকল রস | ১০০ | " | ১ | মহাৎ নারায়ণ তৈল | ১০০ | " | ১৫ |
| কুহংকল রস | ১০০ | ১ পুটিকা | ১ | বৃহৎ বাসাতলনারি তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কিয়ারামি চকুদুঃখ (পুটিকা) | ১০০ | " | ১ | ঐবিকু তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কিয়ারামি (হেম) | ১০০ | " | ১ | বৃহৎ বরিতাচি তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কুহা লক্ষ্মীকিয়ার | ১০০ | " | ১ | বৃহৎ বাবতৈল, (নন্দপ্রহর) | ১০০ | " | ১০ |
| কুহা লক্ষ্মীকিয়ার রস | ১০০ | " | ১ | হর্ষবিন্দু তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কুহা লক্ষ্মীকিয়ার রস | ১০০ | " | ১ | ঐশোপাল তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কুহা লক্ষ্মীকিয়ার রস | ১০০ | ১/১ সের | ১০ | হিমসাগর তৈল | ১০০ | " | ১০ |
| কুহা লক্ষ্মীকিয়ার রস | ১০০ | " | ১০ | মহারাজপ্রসারিণী তৈল | ১০০ | " | ১০ |

বিশেষ দ্রষ্টব্য ।

বিশেষ বস্তু করিলে যেমন রক্তাকরে মনের মত সকল রঙই পাওয়া যাইতে পারে, তেমনি অতি বিবেচনা পূর্বক অনুসন্ধান করিলে আমাদের আয়ুর্বেদার্থ হইতেও সর্বপ্রকার রোগের সর্বপ্রকার চৈতন্যের সংগ্রহ করিতে পারা যায়। কিন্তু, "সেই সকল রস চিনিয়া লওয়া বড় দুষ্কর"। বিনি রোগের বর্ষাভ্যন্তর অবগত হইতে পারেন এবং ত্রযা সকলের গুণ ও প্রভাব বিশেষরূপে জানেন, তিনিই আয়ুর্বেদার্থ হইতে ব্যাধিনাশক রস সকল সংগ্রহ করিতে সমর্থ হন। নতুবা চকু থাকিতে লকলকেই অস্ত্র হইতে হয়। মনে করুন, যদি বাস্তবিক জন্মে ঠিক জানা যায়, যে বায়ু নিজ রৌদ্রাধর্মে প্রকৃষ্ট হইয়া রোগকে রক্ত করিতেছে, শৈত্যধর্মে কৃপিত হইয়া শীতে কম্পিত করিতেছে এবং আর্দ্রাধর্মে গরমপূর্বক আমরসকে দূষিত ও কোষ্ঠারিকে রহির্নিঃসারিত করিয়া ঘেহের গুরুতা ও অগ্নিমান্দ্রা আনয়ন করিয়াছে, তাহা হইলে যদি সেই জন্মে এমন ঔষধ প্রয়োগ করা যায়, বাহা ত্রিকত্বে রৌদ্রাধর্মে, উষ্ণত্বে শৈত্যনাশ, পাচকতা শক্তিতে দুষ্ট আমরসের পরিপাক এবং প্রত্যাবর্তনে সেই নিঃসারিত বস্তুকে বহানে পুনরায়ন করিতে পারে, তবে কেননা সেই ব্যতিক্রমি জন্মের প্রশম হইবে? অবশ্যই হইবে। এইরূপ যে কোন রোগ হউক না কেন, যদি তাহার কারণ বস্তু অবগত হইয়া তদ্বিপরীতধর্মী ঔষধ প্রয়োগ করা যায়, তাহা হইলে নিশ্চয়ই তাহার প্রতিকার হইবে।

আমরা বিশেষ চেষ্টা, বিস্তার অনুসন্ধান ও বহু শাস্ত্র আলোড়ন করিয়া সর্বপ্রকার জ্বর, জীবা, বৃক্ক, উদরাময়, প্লীহা, অগ্নিশক্তি, গুল্ম, জিহ্বা, মেহ, বাত, বাতরক্ত, বাতব্যাধি, নেত্ররোগ, পিরোরোগ, স্ত্রীরোগ প্রভৃতি অতি কষ্টসাধ্য রোগসমূহের ঘোর দুঃখরূপ প্রত্যক্ষ ফলপ্রসূ বেসকল ঔষধ আবিষ্কার করিয়াছি, তাহা সাধারণের সুবিধার জন্য ব্যবহাগজ্ঞের সহিত এই ঔষধালয়ে বিক্রয়ার্থে প্রস্তুত রাখা হইয়াছে। আর ২৫ বৎসরকাল আমরা এই সকল ঔষধ জমাগত শত শত রোগীকে ব্যবহার করাইতেছি, আর কোন হুগেই নিরাশ হওয়া যায় নাই। সাধন করিয়া বলিতে পারি, এই সকল পরীক্ষিত ঔষধ দ্বারা শতকরা ৯৯.৯৯ জন রোগী নিশ্চয়ই রোগমুক্ত হইয়া থাকেন। এই সকল প্রত্যক্ষফলপ্রসূ ঔষধের গুণ-পরিচায়ক প্রসঙ্গোপলব্ধ প্রচুর পরিমাণে আছে, কিন্তু স্থানসংক্ষেপ বলিয়া কেবল প্রত্যেক ঔষধের ২/৩ বাহি করিয়া এখানে প্রস্তুত হইল। বর্তমানবর্ষের পঞ্জিকাসহ আমাদের—বিনামূল্যে বিতরিত সুকল্লিপপত্র পুস্তকে—অধিকাংশ প্রসঙ্গোপলব্ধি সন্নিবেশিত হইয়াছে, দেখিবেন।

ব্যবহা, ঔষধ বা পুস্তকাদির জন্য আমার নামে পত্র ও বিনিময় প্রভৃতি পারাইবেন।

আমি আয়ুর্বেদ ঔষধালয়।

১০০ নং কৌমুদীবালাখান, কলিকাতা।

ঐবিনোদলাল সেন কবিরাজ ।